भारतीय भाषा ज्योति - सिंधी

सिंधी भाषा पुस्तक
(हिंदी माध्यम)

Sindhi Language Book
(Hindi Medium)

संपादन:
सतीश रोहरा
बी. श्यामला कुमारी

सामग्री निर्माण:
पुष्पा बूलचंदाणी
जानकी ज़ेठवाणी
प्रीतम वरयाणी

Editing:
Satish Rohra
B. Syamala Kumari

Material Prepared by:
Pushpa Boolchandani
Janki Jethwani
Pritam Varyani

Central Institute of Indian Languages, Mysore, India
भारतीय-भाषा संस्थान, मैसूर, भारत.
Indian Institute of Sindhology, Adipur-Gandhidham, India
भारती सिंधु विद्यापीठ, आदिपुर-गांधीधाम, भारत.

Sindhi Language Book

Editing :

SATISH ROHRA
B. SYAMALA KUMARI

Material Prepared By :

PUSHPA BOOLCHANDANI
JANKI JETHWANI
PRITAM VARYANI

CENTRAL INSTITUTE OF INDIAN LANGUAGES

(Ministry of Human Resource Development, Department of Education, Govt. of India)

Manasagangotri, Mysore - 570 006, India

INDIAN INSTITUTE OF SINDHOLOGY

Adipur - Gandhidham (Kutch) - 370 205, India

सिंधी भाषा पुस्तक

संपादन :

सतीश रोहरा
बी. श्यामलाकुमारी

सामग्री निर्माण

पुष्पा बूलचंदाणी
जानकी जठवाणी
प्रीतम वरयाणी

सत्यमेव जयते

भारतीय भाषा संस्थान

(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग, भारत सरकार)

मानसगंगोत्री, मैसूर – 570 006, भारत

भारती सिंधु विद्यापीठ

आदिपुर – गांधीधाम (कच्छ) . 370 205

Sindhi Language Book

Editing
-SATISH ROHRA
-B. SYAMALAKUMARI

Material Prepared by
- PUSHPA BOOLCHANDANI
- JANKI JETHWANI
- PRITAM VARYANI

Published by :

PROF. UDAY NARAYANA SINGH & **SHRI LAKHMI KHILANI**

Director, Central Institute of Indian Languages

Director, Indian Institute of Sindhology, Adipur

For Copies Contact :

Central Institute of Indian Languages
Manasagangotri P. O. Hunsur Road,
Mysore - 570 006. (India)
e-mail :bhasha@sancharnet.in
Phone : 0091/0821 - 515820 (Director)
Fax : 0091/0821 - 515032

Indian Institute of Sindhology
P.O.BOX 10, Adipur, Kutch - 370 205 India
e-mail : sindlogy@yahoo.com
Tel No. : (02836) 263851, 261569
Fax No. : (02836) 260336

@Central Institute of Indian Languages, Mysore

First Published : June 2006

Price : Rs. 200/-

Printed by :
SHREE SAINATH OFFSET, Plot No. 127 1/A, Gandhidham - 370 201 (Kutch), India
Tel. : 223600, 236809 (R) 230945, 220707

पृष्ठ	विषय सूची	फहिरसत	فهرست	पाठ
1	मेहमान	मिज़मानु	مِزمانُ	1
16	मैसूर का दौरा	मैसूर जो दौरो	مَيسوُر جو دَورو	2
34	बाजा़र जाना	बज़ारि वञण	بَزارِ وَڃَڻُ	3
45	पुस्तकों की दुकान पर	किताबनि जी दुकान ते	ڪِتابَنِ جي دُڪان تي	4
57	बातों बातों में	ॻाल्हि ॻाल्हि में	ڳالِھہ ڳالِھہ ۾	5
69	नौकरी की तलाश	नौकरीअ जी तलाश	نَوڪرِيءَ جي تَلاش	6
74	परीक्षण 1 (भाग 1)	परख 1 (भाङो 1)	پَرک ١ (ڀاڱو ١)	
82	(भाग 2)	(भाङो 2)	(ڀاڱو ٢)	
89	दिल्ली में व्यापार मेला	दहलीअ में वापार मेलो	دَهليِءَ ۾ واپار ميلو	7
101	स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम	इस्कूल में तहज़ीबी प्रोग्रामु	اِسڪوُل ۾ تَهذيبِي پروگرامُ	8
113	आज कल की शिक्षा	अजु कल्ह जी पढ़ाई	اَڄُ ڪَلھہ جي پَڙهائيِ	9
126	घर की चिंता	घर जी चिंता	گهر جي چِنتا	10
137	किराए पर मकान	मसवाड़ ते जाइ	مَسواڙ تي جاءِ	11
148	संतु कंवररामु	संतु कंवररामु	سَنتُ ڪَنوررامُ	12
155	परिक्षण 2 (भाग 1)	परख 2 (भाङो 1)	پَرک ٢ (ڀاڱو ١)	
163	(भाग 2)	(भाङो 2)	(ڀاڱو ٢)	
171	प्रर्दशनी	निमाइश	نِمائِش	13
184	महंगाई	महांगाई	مَهانگائيِ	14
196	विचारों की लेनदेन	वीचारनि जी डे वठि	ويچارن جِي ڏي وَٺُ	15
208	हैदराबाद की यात्रा	हैदराबाद जो सफर	حَيدراباد جو سَفَرُ	16

पृष्ठ	विषय सूची	फहिरसत	فهرست	पाठ
221	मामोई सनयासीयों के पद	मामोई फ़क़ीरनि जा बैत	ماموئِي فَقِيرنِ جا بَيت	17
235	जागृति	सुजा<u>गी</u>	سُجاڳِي	18
242	परिक्षण 3 (भाग 1)	परख 3 (भाङो 1)	پَرک ٣ (ڀاڱو ١)	
250	(भाग 2)	(भाङो 2)	(ڀاڱو ٢)	
256	फिल्म का कार्यक्रम	फ़िल्म जो प्रोग्राम	فِلم جو پروگرام	19
271	दो सखियों में वार्तालाप	<u>बि</u>नि साहेड़युनि जी गुफतगु	ٻِنِ ساهيڙيُنِ جِي گُفتگوُ	20
285	राष्ट्रीय एकता	क़ौमी एको	قَومِي ايڪو	21
297	बहन का विवाह	भेण जी शादी	ڀيڻ جِي شادِي	22
308	वन अधिकारी	<u>ब</u>लाई अमलदार	ٻيلائِي عملدار	23
321	चेटीचंड (सिंधी नववर्ष)	चेटीचं<u>ड</u>ु	چيٽِي چَنڊُ	24
337	मुखिया से साक्षात्कार	मुखीअ सां मुलाकात	مُکِيءَ سان مُلاقاتَ	25
343	परिक्षण 4 (भाग 1)	परख 4 (भाङो 1)	پَرک ۴ (ڀاڱو ١)	
350	(भाग 2)	(भाङो 2)	(ڀاڱو ٢)	

समर्पित

पुष्पा बूलचंदाणी को, जिसकी इस पुस्तक के सामग्री निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका रही है और जिसका बहुत कम आयु में ही अकस्मात देहांत हो गया।

(जन्म 4 मई 1963 – देहांत 22 अप्रेल 2004)

प्राक्कथन

सदियों से भारत में बहुभाषिकता का प्रचलन रहा है–यह बात अब सर्वजनविदित है। वाणिज्य और अर्थ–व्यवस्था की दृष्टि से जो देश आगे बढ़ गये हैं ऐसे देशों के निवासियों के लिए भारत की बहुभाषिकता अभी भी पहले जैसी ही है। उनके देशों में अनेक नस्ल के लोग अपने गीत–संगीत, खाना–ख़ज़ाना, वेश–आभूषण तथा रहन–सहन को लेकर आते रहे हैं, पर कुछ ही समय में उनका अपनत्व विलीन हो जाता है। अतः उनके लिए भारत में एक साथ अनेक भाषाओं का इस क़दर सदियों से कथित, पठित, प्रस्फुटित रह पाना एक अजीबो–ग़रीब मिसाल जैसा है जिसकी व्याख्या दे पाना मुश्किल काम है। पर किसी भारतीय की रोज़मर्रे की ज़िंदगी की ओर अगर हम ग़ौर करें तो यह देखेंगे कि वह एक ही साथ प्रतिदिन अलग अलग काम में, पृथक् पृथक् परिस्थितियों में, भिन्न भिन्न भाषा का प्रयोग करता है। अगर हम देखते हैं कि कोई चाय के बगीचे में मज़दूरों के साथ बिहारी बोलियों में, उनके संचालकों के साथ असमिया में, दफ़्तर में अंग्रेज़ी में और मनोरंजन के लिए फिल्म तथा टी. वी में हिंदी का व्यवहार करता है और घर में अपने लोगा के साथ बंगला में बात करता है तो हमें ऐसी स्थिति में कोई अस्वाभाविकता नज़र नहीं आती है। यहां न केवल व्यक्ति बहुभाषी है, भाषिक स्थितियों में भी बहुभाषिकता ग्रथित है। वह तभी संभव हो सकता है जब किसी मुल्क में भाषाएं जोड़ने का काम करती हैं, तोड़ने का नहीं। लोग अक्सर यह भूल जाते हैं कि भारत में आए, बसे और जन्मे हज़ारों क्षेत्र के लोगों के लिए उनकी भाषाएं ही वह साधन रही हैं जो एक दूसरे को आपस में जोड़ती रही हैं।

भारतीय भाषा संस्थान इसी भाषिक संयोग को, आदान–प्रदान को बर्क़रार रखने में और इसमें और इज़ाफा करने के काम में अपने को समर्पित करता आया है! आधुनिक भारतीय भाषाओं के शिक्षण–प्रशिक्षण का क्षेत्र इस संस्थान के लिए सब से महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। यहां से प्रकाशित पांच सौ पचास के क़रीब किताबों में से आधी से ज़्यादा भाषा–शिक्षण के क्षेत्र में ही हो रही हैं।

जैसा कि भारतीय भाषा के अध्ययन–अध्यापन से जुड़े लोगों को पता ही है, 1969 में स्थापित होने के बाद से भारतीय भाषा संस्थान का मुख्य उदेश्य रहा है सभी भारतीय भाषाओं का विकास करना एवं उनमें आवश्यकतानुसार पाठ्य–सामग्री तैयार करना। इस उदेश्य की पूर्ति के लिए मुख्य भारतीय भाषाओं के अलावा बहुत

सी जनजातीय भाषाओं पर भी शोध हो रहा है और उनमें पाठ्य–सामग्री तैयार की जा रही है। इसके अतिरिक्त त्रिभाषा सूत्र के अंतर्गत भारतीय भाषा संस्थान के मैसूर, पुणे, भुवनेश्वर, पाटियाला, सोलन, लखनउ एवं गुवाहाटी में स्थित क्षेत्रीय भाषा केंद्रों के माध्यम से प्रति वर्ष जुलाई से अप्रेल तक भारत के विभिन्न राज्यों के अध्यापकों को उनकी इच्छानुसार अथवा संबंधित राज्य की भाषा प्रणाली के अंतर्गत वांछित भाषाओ में दस मास का गहन प्रशिक्षण दिया जाता है। इस प्रशिक्षण के उपरांत ये अध्यापक सीखी गई भाषा को संबंधित राज्यों के विद्यालयों में पाठ्यक्रम के अंतर्गत अथवा ऐच्छिक विषय के रूप में पढ़ाते हैं।

पर अब तक द्वितीय भाषा शिक्षण की जितनी अच्छी किताबें आती रही हैं – ख़ास तौर पर भारतीय भाषाओं के सीखने–सिखाने की किताबें – वे सभी अंग्रेज़ी के माध्यम से ही रची–बनी छपी–छपाई गयी हैं। उनके रचयिता और प्रकाशक शायद सोचते हैं कि अंग्रेज़ी के माध्यम को अपनाने से द्वितीय भाषा शिक्षण और विदेशी भाषा शिक्षण दोनों के लिए उनकी किताबें प्रयोग में आ सकती हैं। सोचा होगा कि इस तरह से ऐसी किताबें बाज़ार में खरी उतरेंगी। लेकिन दक्षिण एशियाई देशों म बसे और यहां के किसी न किसी भाषा को मातृभाषा के रूप में बोलने वालों के लिए किसी भारतीय भाषा को सीखना और इसके दायरे के बाहर के लोगों के लिए हमारी भाषाओं पर अधिकार प्राप्त करना दो बिलकुल अलग शिक्षण प्रक्रियाएं हैं। अतः इन दोनों लक्ष्य–गोष्ठियों के लिए दो अलग तरह की सामग्री की आवश्यकता है। एक और कदम आगे जा कर अपने लंबे तजुर्बे से मैं यह भी कह सकता हूं कि अगर किसी भारतीय को एक अन्य भारतीय भाषा सीखनी–सिखानी है तो वह काम एक भारतीय भाषा के ज़रिये ही अच्छी तरह किया जा सकता है। उस लिहाज़ से माध्यम भाषा के रुप में हिंदी का नाम आना स्वाभाविक है, कारण, इसको मातृ–भाषा तथा अन्य–भाषा के रूप में बोलने–जाननेवाले भारतीय लोगों की संख्या इतनी बड़ी है कि भारतीय संदर्भ में हिंदी के माध्यम से अन्य अनुसूचित भाषाओं को सिखाने की वैज्ञानिक ढंग से प्रस्तुत सामग्री अब तक क्यों नहीं आयी थी, यही एक आश्चर्य–जनक बात है। इस कमी की आपूर्ति के लिए और इन ज़रुरतों को देखते हुए भारतीय भाषा संस्थान ने '**भारतीय भाषा ज्योति**' की एक पुस्तक–श्रृंखला की संकल्पना की है। यह पुस्तक उस श्रृंखला की एक कड़ी है।

त्रिभाषा सूत्र के अंतर्गत हिंदी भाषी राज्यों में अन्य भारतीय भाषाओं का तीसरी भाषा के रूप में प्रचलन तो अवश्य हुआ है परंतु भाषा अध्यापकों एवं पुस्तकों की कमी होने के कारण वांछित सफलता नहीं मिल पाई। अन्य भारतीय भाषाओं एवं विशेष रूप से दक्षिण भारतीय भाषाओं के अध्ययन एवं अध्यापन हेतु उतर प्रदेश की राज्य सरकार एवं कुछ स्वायत संस्थाओं ने एक अभियान कुछ वर्ष पहले प्रारंभ किया था। चयनित भाषाओं की वांछित पुस्तक एवं भाषा अध्यापकों के विशिष्ट प्रशिक्षण एवं नियुक्ति हेतु राज्य सरकार ने भारतीय भाषा संस्थान का सहयोग आवश्यक समझा। इसी सहयोग की कड़ी में उतर प्रदेश की राज्य सरकार के अनुरोध पर भारतीय भाषा संस्थान ने राज्य के भाषा विभाग के साथ मिलकर असमिया, बंगला, ओड़िया, मराठी, गुजराती, सिंधी, कश्मीरी, पंजाबी, कन्नड़, मलयाळम, तमिल एवं तेलुगु भाषाओं की पाठयसामग्री के निर्माण हेतु कार्यशालाएं आयोजित कीं। इन कार्यशालाओं के माध्यम से इन सभी भाषाओं की पाठय पुस्तकें तैयार की गई थी। ये पुस्तकें '**भारतीय भाषा ज्योति**' पुस्तक–श्रृंखला के अंतर्गत आ रही हैं। हरिद्वार के ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान के अनुरोध पर उन के ही सहयोग में कन्नड़, मलयाळम, तमिल, तथा तेलुगु पुस्तकों का मुद्रण तथा प्रकाशन हुआ है। इतिमध्य जम्मू के डोग्री संस्था की प्रार्थना के अनुसार उन के सहयोग में डोग्री पुस्तक का निर्माण तथा प्रकाशन भी हुआ है और कश्मीर से बाहर रहने वाले कश्मीरिओं के अनुरोध पर कश्मीरी पुस्तक का प्रकाशन हमारे संस्थान ने किया है। बाकी छह पुस्तकों असमियां, बंगला, मराठी, गुजराती, पंजाबी तथा ओड़िया का प्रकाशन अब हो रहा है। 'भारतीय भाषा ज्योति–सिंधी' पुस्तक का प्रकाशन गुजरात के कच्छ के इंडियन इन्स्टीटयूट आफ सिंधालाजी के साथ संस्थान ने किया है।

मैं आशा करता हूं कि भारतीय भाषा ज्योति श्रृंखला की यह **सिंधी** पुस्तक समस्त हिंदी भाषा–भाषियों के लिए उपयोगी होगी। इसके माध्यम से वे न केवल संबंधित भाषा के अध्ययन में रुचि का परिचय देंगे, अपितु उसके प्रचार एवं प्रसार में भी अपना अमूल्य योगदान देंगे।

उदय नारायण सिंह

निदेशक, भारतीय भाषा संस्थान

हमारी ओर से –

इंडियन इन्स्टीटयूट आफ सिंधालाजी की स्थापना 1989 में हुई थी। सिंधालाजी का मुख्य उदेश्य सिंधु संस्कृति का संरक्षण एवं प्रसार करना है। सिंधी भाषा, साहित्य, शिक्षा, संस्कृति से संबंधित सिंधालाजी की प्रवृतियां हैं –

- सिंधी भाषा की वृद्धि के लिये शिक्षकों को ट्रेनिंग देना, सामग्री निर्माण करना, और सिंधी भाषा सिखाने के लिए कक्षाएं चलाना।
- संगीत, नृत्य और नाटक के द्वारा नई पीढ़ी को उत्साहित करना और उसे सिंधी संस्कृति के प्रति आकर्षित करना।
- विभिन्न विषयों से संबंधित वर्कशाप, और सेमीनारों आदि का आयोजन करना।
- श्रेष्ठ सिंधी साहित्य का अंग्रेज़ी और अन्य भाषाओ में अनुवाद कराना तथा उसका भारत और विदेशों में प्रचार और प्रसार करना।

इंडियन इन्स्टीटयूट आफ सिंधालाजी एक रजिस्टरड ट्रस्ट है। सिंधालाजी के द्वारा ही 'साधू हीरानन्द नवलराइ अकादमी' नामक हायर सेकंडरी स्कूल चलाया जाता है; जिसमें सिंधी छात्रों को सिंधी एक विषय के रुप में पढ़ाया जाता है। सिंधालाजी का एक उदेश्य यह भी है स्कूल के माध्यम से नई पीढ़ी में अपनी भाषा एवं संस्कृति के प्रति प्रेम पैदा हो तथा वे अच्छे नागरिक बनें।

आज अंग्रेज़ी के द्वारा शिक्षा प्राप्त करने का महत्व बढ़ा है, और सिंधी भाषा सीखने की हर जगह सुविधा भी नहीं हैं इसलिए सिंधी अब घरों से भी गुम होती जा रही है। ऐसे में सिंधी के विकास तथा प्रचार की आवश्यकता है। जिसके लिए इंडियन इन्स्टीटयूट आफ सिंधालाजी और भारतीय भाषा संस्थान मैसूर के द्वारा कई सम्मिलित प्रयत्न किये जा रहे हैं। पत्राचार द्वारा सिंधी लिपि सीखने के लिए 'सिंधी लिपी पुस्तक' पहले ही तैयार की गई है; जो कि पत्राचार पाठ्यक्रम का प्रथम भाग है।

भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर की ही सहायता से यह 'सिंधी भाषा पुस्तक' तैयार की गई है। यह पत्राचार पाठ्यक्रम का द्वितीय भाग है। जिसके द्वारा सिंधी भाषा सीखने के इच्छुक व्यक्ति घर बैठे ही सिंधी सीख सकते हैं। हम भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर, विशेषकर उनके निदेशक प्रो. उदय नारायण सिंह के आभारी हैं जो सिंधी भाषा के विकास से संबंधित प्रत्येक प्रवृति में सहायता के लिए सदैव तत्पर रहते हैं।

लखमी खिलाणी

निदेशक

इंडियन इन्स्टीटयूट आफ सिंधालाजी

23 सितम्बर 2006

सिंधी भाषा पुस्तक

यह पुस्तक 'पत्राचार' द्वारा सिंधी भाषा सिखाने की दूसरी पुस्तक है। इस विषय की पहली पुस्तक 'सिंधी लिपि पुस्तक' के नाम से पहले ही प्रकाशित हो चुकी है; यह 'सिंधी भाषा पुस्तक' उसका दूसरा भाग है।

यह सर्वविदित है कि देश की स्वतंत्रता के साथ ही देश का विभाजन भी हुआ, जिसके फलस्वरुप 13–14 लाख सिंधी हिंदू सिंध छोड़ कर भारत में आ गये क्योंकि सिंध का पूरा प्रदेश पाकिस्तान का भाग बन गया था। भारत में आये हुए सिंधी समस्त भारत के विभिन्न प्रदेशों में बस गये। भारत में ऐसे अनेक स्थान हैं जहां सिंधी भाषा पढ़ाने–सिखाने की कोई व्यवस्था नहीं है। इस पाठ्यक्रम के द्वारा कहीं भी रहने वाला व्यक्ति हिंदी के माध्यम से सिंधी भाषा लिखना–पढ़ना सीख सकता है। यहां यह बताना आवश्यक है कि भारत में जन्मा हरेक सिन्धी, हिंदी भाषा जानता है। एक तरह से हिंदी भाषा प्रत्येक सिंधी भाषी की द्वितीय भाषा है।

इस पाठ्यक्रम के लिए तैयार की गयी सामग्री भाषा सीखने की वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित है जिस में भाषा की चारों प्रवृतियों – समझना, बोलना, पढ़ना, लिखना के शिक्षण की व्यवस्था है। प्रत्येक पाठ के बाद उतर देने के लिए 'उतर पत्रिका' है और छह पाठों के पश्चात 'परीक्षण' का पाठ है। पुस्तक में कुल 25 पाठ एवं एक अंतिम परीक्षा का पाठ है। छात्र द्वारा दिये गये प्रत्येक उतर पत्रिका को जांचकर उसे उन गलतियों एवं त्रुटियों को सूचित किया जाएगा जो उसने की हैं ताकि प्रत्येक पाठ के बाद सुधार होता रहे।

यह पाठ्यक्रम 10 माह का है। योजना के अनुसार 8 महीनों में पाठयक्रम पूरा कर शेष दो महीनों में पाठ्यक्रम की पुनरावृति एवं परीक्षा की व्यवस्था होगी। इस पुस्तक की सामग्री का निर्माण कु. पुष्पा बूलचंदाणी, जानकी ज़ठवाणी एवं श्री प्रीतम वरयाणी ने बड़ी लगन एवं परिश्रम ये किया है; जिसके लिए वे सब बधाई के पात्र हैं। पुस्तक को छपने योग्य बनाने के लिए कु. रजनी वलेचा एवं श्री रोशन गोपलाणी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पुस्तक का सुंदर कवर श्री कमल किश्मी का तैयार किया हुआ है तथा छपाई की सुंदर व्यवस्था साईंनाथ प्रेस के मालिक श्री चंद्र अबीचंदाणी ने की है। वे भी बधाई के पात्र हैं।

हम आशा करते हैं कि यह पाठयक्रम सिंधी सीखने वाले सिंधी अथवा अन्य भाषियों के लिए घर बैठे सिंधी सीखने में उपयोगी होगा।

संपादन
सतीश रोहरा
बी. श्यामला कुमारी

आदिपुर–गांधीधाम 23 सितम्बर 2006

सिंध एवं सिंधी

सिंध–भौगोलिक स्थिति :

सिंध भारत–पाक उपखंड के उतर–पश्चिम में स्थिति है। इस के उतर में पंजाब, पश्चिम में हालार पर्वतमाला एवं बलूचिस्तान हैं। सिंध के पूर्व में राजस्थान और उसके दक्षिण में कच्छ का रेगिस्तान एवं अरब सागर है।

प्राचीन काल में सिंध प्रदेश काफ़ी बड़ा था। उसकी सीमा उतर में कश्मीर, कंधार एवं कनौज तक थीं और दक्षिण में उसकी सीमा सौराष्ट्र एवं काठयावड़ से जाकर मिलती थी। उस समय इस प्रदेश को सिंधु–सौवीर अथवा सप्त सिंधु के नाम से पुकारा जाता था क्योंकि यहां से सात नदियां – सिंधु, सरस्वती, (एवं पंजाब की पांच नदियां) झेलम, चनाब, रावी, बियास, एवं सतलज बहती थीं।

आज कल सिंध का संपूर्ण प्रदेश पाकिस्तान का भाग है।

ऐतिहासिक पृष्ठिभूमि :

सिंधु नदी के आस–पास अर्थात सिंधु घाटी में बसा हुआ प्रदेश 'सिंध' या 'सिंधु' कहलाता है। इस प्रदेश में रहनेवाले लोग 'सिंधी' कहलाते हैं। सिंधी लोगों अर्थात सिंधी जाति की भाषा को भी 'सिंधी' कहा जाता है।

सिंधु घाटी की प्राचीन सभ्यता पांच हज़ार वर्षों से भी अधिक पुरानी है। इस सभ्यता के अवशेष सिंध में 'लाड़काणा' ज़िले में स्थित 'डोकरी' नगर के पास 'मोहन जो दड़ो' की खुदाई से प्राप्त हुए हैं। यह सभ्यता विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में से एक है। यह अत्यंत विकसित सभ्यता है जिसके प्रमाण वहां के चौड़े रास्तों, खुले हवादार घरों, सफाई की सुव्यवस्था, जन–स्नान घर, आदि से प्राप्त होते हैं। 'मोहन जो दड़ो' से प्राप्त गहनों एवं खिलौनों से यह ज्ञात होता है कि उस समय के लोग सुख–शांति से आनंदमय जीवन बिताते थे। खुदाई से प्राप्त सैकड़ों मुहरों से यह पता भी चलता है कि उस समय के लोग लिपि ज्ञान से परिचित थे किन्तु इन मुहरों में चित्रित लिपि चिह्नों को निश्चित रुप से प्रामाणिकता पूर्वक अभी तक पूरी तरह से पढ़ना संभव नहीं हो पाया है। इतिहासकारों एवं भाषाविदों में अभी तक इस बात पर मतभेद है कि उस समय की सभ्यता आर्य सभ्यता थी या कोई और सभ्यता थी। इस मतभेद का मुख्य कारण आर्यों के आगमन को लेकर है। कुछ विद्वान मानते हैं कि आर्य बाहर से भारत में आये थे, जब कि नवीन खोजों और

अन्य प्रमाणों से यह धारणा बल पकड़ रही है कि आर्य वास्तव में यहां के मूल निवासी थे; वे बाहर से आये हुए आक्रमणकारी नहीं थे। इसीलिए 'मोहन जो दड़ो' से प्राप्त सिंधु घाटी की सभ्यता, आर्य सभ्यता है और वहां से प्राप्त मुहरों पर खुदे हुए लिपि चिह्न किसी प्राचीन आर्य लिपि को इंगित करते हैं।

यह पहले ही बताया जा चुका है कि 'मोहन जो दड़ो' की सभ्यता पांच हज़ार साल से भी ज़्यादा पुरानी है किंतु 'मोहन जो दड़ो' के समय से लेकर ईसा की 5–6 शताब्दी तक का इतिहास उपलब्ध नहीं है। इसका मुख्य कारण यह है कि सिंध भारत का ऐसा प्रदेश है जहां विदेशी आक्रमणकारियों ने सबसे पहले अपना शासन स्थापित किया था। 712 ईसवी में मुहमद बिन क़ासिम ने सिंध पर आक्रमण किया। उस समय सिंध में हिंदू राजा दाहिर का राज्य था। मुहमद बिन क़ासिम ने राजा दाहिर को हराकर सिंध पर अपना आधिपत्य स्थापित किया। दाहिर ने युद्ध में वीरगति प्राप्त की। दाहिर की मृत्यु के पश्चात उसकी रानी 'बाघी' (बाघ का स्त्रीलिंग अर्थात शेरनी) तथा राज घराने की अन्य स्त्रियों ने अपनी लाज की रक्षा हेतु अग्नि प्रवेश किया। वास्तव में यह भारतीय इतिहास में 'जौहर' की संभवतः सर्वप्रथम घटना है।

सिंध पर आधिपत्य स्थापित करने के पश्चात आक्रमणकारियों ने सिंध के सम्पूर्ण वाङमय को नष्ट कर दिया तथा आगे भी उसे पनपने नहीं दिया। इसलिए सिंध का प्राचीन इतिहास तथा प्राचीन सिंधी साहित्य अभी तक अंधकार के गर्भ में लुप्त है। विदेशी यात्रियों द्वारा सिंध पर लिखी गयी इतिहास संबंधी पुस्तकों के विवरणों, संस्कृत, पालि, प्राकृत साहित्य में सिंध संबंधी उपलब्ध संदर्भों से इतिहास की कुछ झलक मिल जाती है। उदाहरणार्थ रामायण में वर्णित कैकयी, उस समय सिंध प्रदेश के ही एक भाग कैकय के राजा की पुत्री थी। इस प्रकार कौरवों के साथ मिलकर महाभारत में युद्ध करनेवाला जयद्रथ उस समय सिंध का राजा था; किन्तु सिंध का क्रमबद्ध इतिहास ईसा की 5–6 शताब्दी के बाद, विशेषकर 712 में मुहमद बिन क़ासिम द्वारा सिंध पर आधिपत्य जमाने के बाद मिलता है। 712 से 1843 तक सिंध में प्रायः मुसलमानों का राज्य रहा। पहले बाहर के आक्रमणकारियों का और बाद में सिंध के ही (हिंदुओं में से मुसलमान बने) मुसलमानों का। 1843 में सिंध पर मीरों (जिन्हें टालपुर भी कहते थे) का शासन था जिन्हें हराकर अंग्रेज़ों ने सिंध में अपना शासन स्थापित किया। 1843 से 1947 तक सिंध में अंग्रेज़ों का

शासन रहा और 1947 में जब पूरा देश स्वतंत्र हुआ तो सिंध भी स्वतंत्र हो गया किन्तु मुसलमानों की संख्या ज़्यादा होने के कारण पूरा सिंध प्रदेश पाकिस्तान का भाग बन गया और जिसके फलस्वरुप 13–14 लाख सिंधी हिंदू सिंध छोड़कर भारत आ गये और सारे भारत के विभिन्न भागों के अलावा कई देशों में भी जाकर बस गये।

सिंधी भाषा – मूल स्रोत

भारत के संविधान में जिन भाषाओं को राष्ट्र की भाषाएं कहा गया है, उन भाषाओं में सिंधी भाषा भी है।

सिंधी भाषा की उत्पति के संबंध में निश्चिय पूर्वक कहना कठिन है। सिंधु घाटी का प्राचीन अवशेष 'मोहन जो दड़ो' है जो लगभग पांच हज़ार वर्ष पुराना है। इस दृष्टि से देखा जाए तो सिंधु सभ्यता के समान सिंधी भाषा भी अति प्राचीन है किन्तु अभी तक यह बात निर्विवाद रुप से स्पष्ट नहीं हो पायी है कि आज से पांच हज़ार वर्ष पूर्व सिंधु घाटी में कौन सी भाषा बोली जाती थी ? वह भाषा आर्य परिवार की भाषा थी या किसी अन्य परिवार की ? आधुनिक सिंधी भाषा अपनी संरचनात्मक प्रकृति एवं शब्द –भंडार की दृष्टि से निःसंदेह आर्य परिवार की भाषा है। यदि आधुनिक सिंधी भाषा का संबंध आज से पांच हज़ार वर्ष पूर्व की सिंधु घाटी की भाषा से जुड़ता है तो फिर वह प्राचीन भाषा भी आर्य परिवार की भाषा होनी चाहिए और सिंधु घाटी की संस्कृति को भी आर्य संस्कृति मानना चाहिए।

सिंधी भाषा के संबंध में एक बात और भी विचारणीय है। आधुनिक सिंधी भाषा की ऐसी कई विशेषताएं हैं जो अन्य आधुनिक आर्य भाषाओं में नहीं हैं। सिंधी में उपलब्ध ये विशेषताएं उसे वैदिक संस्कृत, संस्कृत तथा पालि के समकक्ष बना देती हैं। ऐसी स्थिति में आधुनिक सिंधी की उत्पति को, अन्य आधुनिक आर्य भाषाओं के समान दसवीं शताब्दी के आस – पास मानना कठिन हो जाता है; और एक प्रश्न खड़ा हो जाता है कि सिंधी भाषा वैदिक संस्कृत अथवा पालि की सहोदरा तो नहीं है ? सामान्य रुप से, अन्य आधुनिक आर्य भाषाओं के समान सिंधी की उत्पति भी दसवीं शताब्दी के आस – पास मानी जाती है और इसका स्रोत, ब्राचड़ अपभ्रंष को माना जाता है।

सिंधु घाटी से प्राप्त मुद्राओं पर अंकित चिह्न (लिपि चिह्न) को पढ़ने तथा उन्हें समझने का प्रयास अनेक विद्वानों ने किया है किन्तु अभी भी यह निःसंदेह रुप से सिद्ध नहीं हो पाया है कि उन मुद्राओं पर अंकित चिह्न किस लिपि के हैं तथा किस परिवार की भाषा को इंगित करते हैं। सिंधी के प्रसिद्ध विद्वान श्री किशनचंद जेटली ने उन

मुद्राओं को पढ़ने का दावा किया है तथा यह भी दावा किया है कि ये लिपि चिह्न प्राचीन ब्राह्मी लिपि के सूचक हैं।

सिंधी भाषा की विशेषताएं

यह पहले ही बताया जा चुका है कि सिंधी भाषा अपनी प्रकृति में ऐसी अनेक विशेषताएं रखती है जो दूसरी आधुनिक आर्य भाषाओं में उपलब्ध नहीं हैं। उदाहरणार्थ सिंधी भाषा में, भारत की अन्य किसी भी भाषा से ज़्यादा व्यंजन ध्वनियां है। सिंधी में चार अन्तः विस्फोटक व्यंजन (ब़, ड़, ग़, ज़) ध्वनियां हैं जो भारत की किसी भी भाषा में नहीं हैं। वास्तव में विश्व में भी ऐसी भाषा मुश्किल से मिलेगी जिसमें अन्तः विस्फोटक व्यंजन ध्वनियां उपलब्ध हों। सिंधी में पांचों नासिक्य ध्वनियां (म, न, ण, ञ, ङ) स्वनिम (महत्वपूर्ण) हैं जबकि हिन्दी तथा अन्य कई भारतीय भाषाओं में ञ, ङ ध्वनियों या तो हैं ही नहीं या उनकी स्वनिमिक स्थिति संदेहजनक हो गयी है। सिंधी में अरबी फ़ारसी की व्यंजन ध्वनियों फ़, ख़, ग़, ज़, भी महत्वपूर्ण हैं।

सिंधी संस्कृत के ही समान स्वरांत भाषा है। अर्थात सिंधी शब्द प्रायः स्वर में अंत करते हैं, व्यंजन में नहीं। उदाहरणार्थ हिन्दी में लिखा हुआ 'सुभाष चंद्र बोस' यंदि सिंधी में लिखा जाए तो उसका रुप 'सुभाषु चंद्रु बोसु' होगा।

सिंधी में शब्द के लिंग, वचन, एवं कारक की पहचान शब्द के अंतिम स्वर के आधार पर होती है।

सिंधी में सार्वनामिक संरचना संभव है। इस संरचना में क्रिया में सर्वनाम सूचक परसर्ग जोड़कर क्रिया रुप बनाया जाता है। उदाहरणार्थ 'मूं खाधो = मैंने खाया, के स्थान पर 'मूं' सर्वनाम का सूचक परसर्ग '–मि' 'खाधो' क्रिया में जोड़कर 'खाधुमि' क्रिया रुप बनाया जा सकता है जिसका वही अर्थ है 'मैने खाया'। कुछ संज्ञा शब्दों से भी ऐसी सार्वनामिक संरचनाएं बनायी जा सकती हैं।

इसी प्रकार सिंधी में वक्ता समावेशी क्रिया रुप बनाने की भी व्यवस्था है। उदाहरणार्थ 'हलणु' = चलना। क्रिया का एक रुप है 'हलिबो' इसका अर्थ है 'मैं/हम तथा तुम/आप (दूसरे भी) मिलकर चलेंगे'। यह संरचना किसी अन्य काल सूचक संरचना के समान नहीं है।

ऊपर सिंधी भाषा की थोड़ी सी विशेषताओं का उल्लेख किया गया है। यों सिंधी भाषा की ऐसी अनेक विशेषताएं हैं जो अन्य आधुनिक आर्य भाषाओं में दिखायी नहीं पड़ती।

शब्द भंडार की दृष्टि से देखा जाए तो सिंधी भाषा

का शब्द भंडार बड़ा ही विस्तृत है। इसका मुख्य कारण सिंधी के पास संस्कृत एवं अरबी–फ़ारसी भाषाओं की शब्दावली का होना है। सिंधी को 'स्रोत शब्दावली' के रुप में संस्कृत की शब्दावली प्राप्त हुई है और 'आगत शब्दावली' के रुप में उसे अरबी–फ़ारसी के अनेक शब्द प्राप्त हुए हैं। इसका मुख्य कारण आठवीं शताब्दी के आरंभ में सिंध में मुसलमानों के शासन का स्थापित होना है। अरबी–फ़ारसी के शब्दों की अधिकता के कारण ही सिंधी में, अरबी–फ़ारसी की ध्वनियों फ़, ख़, ग़, ज़ का भी प्रयोग होता है।

सिंधी भाषा की लिपि

अंग्रेज़ों ने 1943 में सिंध पर अधिकार प्राप्त किया और इस प्रकार आठवीं शताब्दी के आरंभ (712 ई.) में स्थापित मुसलमानों का शासन समाप्त हुआ। अंग्रज़ों द्वारा सिंध में शासन स्थापित करने से पूर्व सिंध में अनेक लिपियों का प्रचलन था। स्त्रियां प्रायः गुरुमुखी लिपि सीखती थीं। ब्राहमण परिवारों में देवनागरी लिपि का प्रचलन था। व्यापारी वर्ग एक अन्य लिपि का प्रयोग करता था जिसे 'हट वाणिकी' लिपि (हाट और वणिकों की लिपि) कहते थे। यह लिपि महाराष्ट्र में प्रचलित 'मोड़ी' लिपि तथा कश्मीर में प्रचलित 'शारदा' लिपि से मिलती – जुलती थी। सरकारी काम–काज में फ़ारसी भाषा का इस्तेमाल होता था जो अरबी लिपि पर आधारित लिपि में लिखी जाती थी और सामान्य व्यवहार में (विशेषकर मुसलमानों में) अरबी आधारित एक काम चलाउ सिंधी लिपि का चलन था।

अंग्रेज़ों ने सिंध पर अधिकार प्रांप्त करने के पश्चात इस स्थिति को देखा और अनुभव किया कि सिंध का यह बहुलिपि समाज उनके शासन की एकरुपता के लिए उपयोगी नहीं होगा। उन्होंने शिक्षाविदों एवं विशिष्ट विद्वानों की एक समिति बनायी और उस समिति की संस्तुति के आधार पर अरबी लिपि पर आधारित नयी सिंधी लिपि का निर्माण करवाया। इसमें कोई शक नहीं कि सिंधी भाषा के लिए अरबी लिपि पर आधारित सिंधी लिपि के निर्माण का निर्णय उतना शैक्षिक नहीं था जितना राजनीतिक था।

1953 में नयी सिंधी लिपि बन जाने के पश्चात भी विभिन्न वर्गों द्वारा अलग–अलग लिपियों का प्रयोग होता रहा किन्तु शिक्षा, साहित्य एवं सरकारी काम–काज में अरबी लिपि पर आधारित सिंधी लिपि का ही प्रयोग होने लगा।

भारत विभाजन के बाद लगभग तेरह लाख सिंधी हिंदू, सिंध छोड़कर भारत आ गये और भारत के विभिन्न भागों में बिखर गये। बदली हुई परिस्थिति में सिंधी भाषा

के लिए भारत में देवनागरी लिपि के इस्तेमाल की बात फिर उठी। कुछ लोगों ने इस बात का समर्थन किया किन्तु बहुत लोगों ने इसका विरोध किया। भारत सरकार ने व्यावहारिक रुप से दोनों लिपियों को मान्यता दे दी है। जहां तक शिक्षा का सवाल है, भारत के कुछ भागों में वह देवनागरी लिपि में दी जा रही है किन्तु अधिकतर स्थानों पर अरबी लिपि आधारित सिंधी लिपि का उपयोग हो रहा है। जहां तक साहित्य का संबंध है, दो–चारा पुस्तकों को छोड़कर शेष सम्पूर्ण सिंधी साहित्य सिंधी लिपि में ही प्रकाशित हो रहा है। लगभग सभी साहित्यिक पत्रिकाएं एवं दैनिक तथा साप्ताहिक पत्र सिंधी लिपि में ही प्रकाशित होते हैं।

सिंधी साहित्य का उदभव और विकास

सिंध में प्रचलित लोक काव्यों एवं लोक कथाओं से यह तो ज्ञात होता है कि सातवीं–आठवीं शताब्दी के आस–पास सिंध में साहित्य सृजन की परंपरा थी किन्तु सिंधी साहित्य की जो सबसे पहली विश्वस्त रचना प्राप्त होती है वह पंद्रहवीं शताब्दी के कवि 'काज़ी काज़न' की काव्य रचना है। पहले तो काज़ी काज़न के मात्र सात दोहे ही प्राप्त हुए थे किन्तु नवीन शोध के अनुसार काज़ी काज़न का सिंधी में लिखा हुआ दूसरा काव्य भी प्राप्त हुआ है। यों चौदहवीं शताब्दी की एक वीर रस प्रधान लोक कथा 'दोदो चनेसर' तथा पंद्रहवीं शताब्दी के 'मामोई सन्तों' की भविष्य– वाणियों का भी स्पष्ट उल्लेख मिलता है किन्तु इनकी विश्वसनीयता अभी तक संदिग्ध है। इसलिए काज़ी काज़न को ही सिंधी भाषा का प्रथम कवि मान लिया जाता है।

सिंधी साहित्य एवं उसका काल–विभाजन

पंद्रहवीं शताब्दी के मध्य से सिंधी साहित्य की अविरल धारा दिखायी पड़ती है। इस प्रकार सिंधी साहित्य का उपलब्ध इतिहास पांच–छह शताब्दियों का है।

सिंधी साहित्य के इस पांच–छह सौ वर्षों के इतिहास को ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि तथा विभिन्न प्रवृतियों के आधार पर तीन भागों या कालों में बांटा जा सकता है। पहला काल पंद्रहवीं शताब्दी से लेकर उनीसवीं शताब्दी के मध्य तक (अंग्रेज़ों के सिंध पर अधिकार प्राप्त करने तथा नयी सिंधी लिपि के निर्माण होने तक); दूसरा काल उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य से बीसवीं शताब्दी के मध्य तक (अंग्रेज़ों की सिंध विजय से लेकर भारत के विभाजन तक) और तीसरा काल बीसवीं शताब्दी के मध्य से लेकर आज तक (भारत विभाजन से लेकर आज तक)। अंतिम या तीसरे काल को फिर दो धाराओं में बांट सकते हैं। एक है भारत

में रचित सिंधी साहित्य की धारा और दूसरी है पाकिस्तान –सिंध में निर्मित सिंधी साहित्य की धारा।

आरंभिक काल (1500 से 1853 तक)

प्रवृतियों की दृष्टि से देखा जाए तो सिंधी साहित्य का आरंभिक काल एक प्रकार से सन्त साहित्य काल अथवा भक्ति काल है। इस काल के काव्य का मुख्य स्वर निर्गुण परमात्मा के प्रति प्रेम एवं आस्था का स्वर है। सिंधी साहित्य में जो भक्ति का रुप दिखायी पड़ता है वह मुख्य रुप से भारतीय चिंतन एवं सूफीमत का मिश्रित रुप है।

आरंभिक काल के पहले प्रसिद्ध कवि 'काज़ी काज़न' हैं। काज़ी काज़न के सिवाय इस काल के दूसरे प्रसिद्ध कवि शाह अब्दुल करीम (1536 ई. से 1624 ई. तक) हैं। शाह अब्दुल करीम के सिंधी में लिखे हुए लगभग एक सौ दोहे–सोरठे उपलब्ध हुए हैं। शाह अब्दुल करीम ने फ़ारसी में भी काव्य रचना की है। शाह अब्दुल करीम की कविता में निर्गुण परमात्मा की महता, प्रिय–वियोग की पीड़ा का महत्व एवं बाहय ज्ञान की व्यर्थता का वर्णन है।

शाह अब्दुल करीम के पश्चात सिंधी में तीन बड़े कवि हुए हैं, जिनके नाम हैं – 'शाह अब्दुल लतीफ', 'सचल' और 'सामी'। शाह अब्दुल लतीफ (1686–1752) सिंधी के सर्वश्रेष्ठ कवि हैं। शाह की तुलना संसार के किसी भी महान कवि से की जा सकती है। शाह के काव्य का सबसे पहला संग्रह जर्मन विद्वान अर्नेस्ट ट्रम्प ने जर्मनी से 1866 में प्रकाशित किया था। शाह के सम्पूर्ण काव्य को पाठालोचन के आधुनिक सिद्धांतों के आधार पर संशोधित संपादित कर प्रकाशित करने का श्रेय डा. गुरुबक्षाणी को है।

शाह लोक कवि हैं। उनके काव्य में सिंधु घाटी की आत्मा की धड़कन है। शाह ने सिंध में प्रचलित प्रेम लोक कथाओं ससुई–पुन्हू, सोहनी–महीवाल, मूमल–राणो, नूरी–ज़ाम तमाची आदि के माध्यम से भौतिक एवं दिव्य प्रेम का ऐसा वर्णन किया है जिसका उदाहरण विश्व साहित्य में मिलना कठिन है।

शाह का काव्य भारतीय राग–रागनियों के शीर्षकों के अन्तर्गत दोहा–सोरठा, छंदों में है। शाह की भाषा सिंध के दक्षिण भाग की भाषा है। यह सिंधी भाषा की उपभाषा है जिसे 'लाड़ी' कहा जाता है। यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि शाह विश्व के महान कवियों की पंक्ति में उंचा स्थान रखते हैं।

इस वृहद त्रयी के दूसरे महान कवि हैं 'सचल' (1739–1829), जिसे 'सचल सरमस्त' भी कहते हैं। सचल

सूफ़ी कवि हैं। वे 'अनअल हक' (मैं खुद खुदा हूं – 'अहं ब्रहमास्मि) का नारा बुलंद करते हैं और धर्म–मजहब के समस्त रीति–रिवाजों को प्रिय–मिलन के मांर्ग में बाधा समझते हैं। सचल, सत्य स्वाभिमान एवं मानसिक स्वतंत्रता के कवि हैं। सचल अपने को जीव नहीं, स्वयं ब्रह्म मानते हैं जो स्वयं अपनी लीला देखने यहां आया है। सचल कहते हैं –

पाण ड़िसण आयो पंहिंजो तमाशो
सूरत जो सुबहान, अला

(भावार्थ – वाह, वह दिव्य सौंदर्य का स्वामी अपनी लीला देखने के लिए स्वंय आया है)

इस कड़ी के तीसरे बड़े कवि हैं, 'चैनराय बचोमल सामी' (1743–1850)। वास्तव में 'सामी' उनका कवि नाम था। अपने गुरु 'स्वामी मेघराज' के प्रति आदर अभिव्यक्त करने तथा अपने को गुरु में विलीन करने के उद्देश्य से उन्होंने 'सामी' के नाम से रचना की थी। 'सामी' वैराग्य वृति के बड़े ज्ञानी व्यक्ति थे। उन्हें संस्कृत भाषा का अच्छा ज्ञान था तथा वे धर्म शास्त्रों के अच्छे ज्ञाता थे। अपनी काव्य रचना का उद्देश्य 'सामी' स्वंय बताते हैं–

वेदन जी वाणी सा सिंधीअ मंझि सुणाया

(अर्थ, वेदों की वाणी को सिंधी में सुनाउं)। कहते हैं कि सामी कागज़ के टुकड़ों पर गुरुमुखी लिपि में श्लोक लिखकर एक घड़े में डालते जाते थे, जो बाद में संग्रहित कर छपवाये गये थे। सामी ने लगभग 3500 श्लोक लिखे थे। सामी के काव्य के मुख्य विषय हैं – निर्गुण ब्रह्म की सर्वव्यापकता, गुरु की महिमा, विभिन्न विकारों से मुक्ति के लिए गुरु ज्ञान की आवश्यकता और परमात्मा को प्राप्त करने के लिए समर्पण की भावना। सामी का सम्पूर्ण काव्य श्लोकों में लिखा हुआ है। सामी की भाषा उतर सिंध की भाषा है जिसमें पर्याप्त मात्रा में संस्कृत के तत्सम–तदभव शब्द मिलते हैं।

इस युग के एक प्रसिद्ध कवि हैं 'भाई दलपतराम' (1769–1849), जो दलपत के नाम से काव्य रचना करते थे। दलपत के काव्य का मुख्य स्वर भी निर्गुण सन्त कवियों जौ ही है किन्तु उनके काव्य में सूफीमत की छटा भी दिखायी पड़ती है। दलपत ने सिंधी के अलावा फारसी और हिन्दी में भी काव्य रचना की थी। दलपत के काव्य रुप हैं – श्लोक, बैत (दोहे का एक रुप), काफ़ी आदि।

इस युग के एक अन्य प्रसिद्ध कवि हैं 'रोहल' (1734–1804)। रोहल मुसलमान थे। रोहल के काव्य में भी सूफी मत के साथ–साथ निर्गुण सन्तों की वाणी की

विशेषताएं दिखायी पड़ती हैं। रोहल ने सिंधी के अलावा हिन्दी में भी काव्य रचना की है। हिन्दी में उनके चार काव्य संग्रह हैं, जिनके नाम हैं – 'मन प्रबोध', 'अदभूत ग्रंथ', 'सर्वज्ञान' और 'अगमबाती'

इस प्रकार देखा जाए तो आरंभिक काल के इन कवियों– हिंदू अथवा मुसलमानों में भक्ति एवं सूफ़ीमत का अनोखा संगम दिखायी पड़ता है।

विषय अथवा भाषा शैली की दृष्टि से इन सन्त कवियों का साहित्य, लोक जीवन से जुड़ा हुआ है इसलिए इन कवियों की वाणी ने सिंध के लोक जीवन को बहुत अधिक प्रभावित किया है।

मध्य काल (1853 से 1947 तक)

यह पहले ही बताया जा चुका है कि 1843 में अंग्रज़ों ने सिंध पर अधिकार प्राप्त किया और 1853 में उन्होंने सिंधी भाषा के लिए अरबी लिपि पर आधारित 'अरबी सिंधी लिपि' का निर्माण करवाया। इस प्रकार 1853 से अब तक सिंधी साहित्य एवं सिंधी शिक्षा के लिए मुख्य रुप से अरबी सिंधी लिपि अथवा सिंधी लिपि प्रयुक्त होती रही है।

1853 से 1947 (भारत विभाजन) तक सिंधी साहित्य की एक अखंड धारा है जो देश विभाजन से हिन्दुस्तान एवं पाकिस्तान की दो शाखाओं में बंट जाती है। 1853 स आज तक का समय मध्य काल कहलाता है। यों इस पूरे काल को 'गद्यकाल' एवं 'नवजागरण काल' भी कहा जा सकता है क्योंकि सिंधी साहित्य में गद्य साहित्य का वास्तविक विकास इसी काल में होता है। इस काल को नवजागरण काल कहना इसलिए उचित है क्योंकि इस काल के साहित्य में समाज के नव निर्माण और देश–प्रेम के स्वर मुखरित हुए हैं।

मध्य काल का आरंभ पाठ्य पुस्तकों के निर्माण से होता है। आरंभ के 20–25 वर्षों की अवधि में अनेक विषयों पर पाठय पुस्तकें लिखकर सिंधी वाङ्मय को समृद्ध किया गया। इसके पश्चात् के 20–25 वर्षों का युग मुख्य रुप से अनुवाद का युग है। इस युग में अंग्रेज़ी, फारसी, संस्कृत, हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं की अनेक रचनाओं का सिंधी में अनुवाद किया गया।

इस युग के दो प्रसिद्ध लेखक हैं – कौड़ोमल चंदनमल (1844–1916) एवं मिर्ज़ा कलीच बेग (1853–1929)। कौड़ोमल चंदनमल ने मौलिक रचनाओं के अलावा बंकिम के कथा साहित्य एवं संस्कृत नाटक रत्नावली का सिंधी में अनुवाद किया। कौड़ोमल चंदनमल का एक महत्वपूण

कार्य था सामी के श्लोकों को संग्रहित एवं संशोधित कर छपवाना।

मिर्ज़ा कलीच बेग ने अनेक विषयों पर पुस्तकें लिखीं। इसके सिवाय उन्होंने शेक्सपीयर के कई नाटकों तथा संस्कृत के नाटक 'शकुंतला' का सिंधी में अनुवाद किया। कलीच बेग ने 'दिलाराम' और 'जीनत' जैसें मौलिक उपन्यास भी लिखे। इस युग के दो अन्य प्रसिद्ध लेखक हैं दयाराम गिदूमल एवं परमानंद मेवाराम। दयाराम गिदूमल का गद्य इस युग के अन्य लेखकों से अधिक प्रभावशाली, गंभीर एवं प्रवाहमय है। उनकी साहित्यिक क्षमता का श्रेष्ठ उदाहरण उनके द्वारा लिखा हुआ सामी के श्लोकों का सार है। परमानंद मेवाराम कई वर्षों तक 'जोत' (ज्योति) पत्रिका निकालते रहे। इस पत्रिका के माध्यम से परमानंद मेवाराम ने अनेक विषयों पर सुंदर कथात्मक निबंध लिखे; किन्तु परमानंद मेवाराम का सबसे महत्वपूर्ण कार्य है – 'अंग्रेज़ी–सिंधी' तथा 'सिंधी–अंग्रेज़ी' कोशों का निर्माण। ये कोश आज भी सिंधी के श्रेष्ठ कोश समझे जाते हैं।

इस काल के अन्य प्रमुख लेखक हैं – लालचंद अमरडिनोमल, जठमल परसराम, भेरुमल महरचंद एवं डा. होतचंद गुरुबक्षाणी।

लालचंद अमरडिनोमल (1885–1954) निबंधकार, उपन्यासकार एवं समीक्षक थे। उनकी रचनाएं 'सदागुलाब' एवं 'चोथि जो चंडु' गीतात्मक गद्य शैली के सुंदर उदाहरण है।

जठमल परसराम (1885–1948) ने व्यक्तिगत अनुभवों के आधार पर अनेक व्यंग्यात्मक कहानियां लिखीं तथा अनेक गंभीर विषयों पर विवेचनात्मक निबंध लिखे।

भेरुमल महरचंद (1876–1950) ने यों तो कविता, कहानी, निबंध आदि साहित्य के अनेक क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है किन्तु उनका महत्वपूर्ण कार्य है सिंधी भाषा एवं सिंधियों के संबंध में किया गया शोध कार्य।

डा. होतचंद गुरुबक्षाणी (1883–1947) सिंधी, फारसी एवं अंग्रेज़ी के विद्वान थे। उन्होंने 'नूरजहां' नाम का ऐतिहासिक उपन्यास लिखने के सिवाय अनेक विषयों पर निबंध लिखे लेकिन उनका कालजयी कार्य है शाह अब्दुल लतीफ के समस्त काव्य का आधुनिक सिद्धांतों के आधार पर संशोधन एवं संपादन कर उन्हें तीन खंडो में प्रकाशित करना (चौथा खंड उनकी मृत्यु के कारण प्रकाशित नहीं हो पाया)।

यह सच है कि इस काल के प्रथम चरण में गद्य साहित्य की विविध विधाओं का विकास हुआ किन्तु यह सोचना गलत होगा कि इस अवधि में काव्य की रचना कम

हुई या उसका कम महत्व है। इस युग में कविता के भी विविध रुप दिखायी पड़ते हैं।

इस युग के आरंभ के कवियों में 'बेदिल' एवं 'बेकस' के नाम प्रसिद्ध हैं जिनकी कविता में मुख्य स्वर सूफी मत का है किन्तु उनके काव्य में सन्त कवियों का प्रभाव भी लक्षित होता है।

इसके पश्चात फारसी की काव्य परंपरा एवं फारसी छंद विधान से प्रभावित श्रृंगार रस की काव्य धारा है। इस धारा के प्रमुख कवि हैं – खलीफो गुल, हसन अली 'हसन' और मीर अब्दुल हुसैन 'सांगी'।

नवजागरण एवं राष्ट्रीय भावना की काव्यधारा के प्रमुख कवि थे – किशनचंद 'बेवस', हूंदराज 'दुखायल', हरी दिलगीर, हैदर बक्ष जतोई आदि।

इस युग के अन्य प्रसिद्ध कवियों में हरुमल सदारंगाणी, लेखराज 'अज़ीज़', नारायण 'श्याम', शेख अयाज़ आदि के नाम लिये जा सकते हैं।

वास्तव में ऐसे लेखकों और कवियों की संख्या काफ़ी ज़्यादा है जो इस युग में साहित्य के विभिन्न क्षेत्रों में अपना स्थान रखते थे तथा जो आधुनिक काल में भी सृजन कार्य में लगे रहे।

इस प्रकार देखा जाए तो मध्य काल के इन सौ वर्षों में सिंधी साहित्य में गद्य अथवा काव्य का पर्याप्त विकास हुआ।

आधुनिक काल (1947 से आज तक)

1947 में देश का विभाजन होता है जिसके फलस्वरुप सिंधी जाति दो भागों में विभाजित हो जाती है और इसी से सिंधी भाषा एवं साहित्य भी दो शाखाओं में बंट जाते है। सिंधी साहित्य की एक शाखा सिंध (पाकिस्तान) में और दूसरी हिंदुस्तान में विकसित होने लगती है। सीमा के उस पार की साहित्यिक गति–विधियों का प्रामाणिक विवरण उपलब्ध न होने के कारण, यहां केवल भारत में विकसित सिंधी साहित्य का विवरण प्रस्तुत किया जा रहा है।

भारत की स्वतंत्रता, सिंधी हिंदुओं के लिए अश्रुभरी मुस्कान लेकर आयी। देश स्वतंत्र तो हुआ किन्तु दो हिस्सों में बंट गया और दो हिस्सों में बंट गयी सिंधी जाति। लगभग तेरह लाख सिंधी हिंदू अपनी जन्म भूमि सिंध को छोड़कर भारत में आ गये और बेगानियत का अहसास लिये हुए, रोज़ी–रोटी की तलाश में भारत के कोन–कोने में बिखर गये। देश विभाजन के पश्चात लगभग दो दशकों के सिंधी साहित्य में सिंधियों की इसी आत्म–पीड़ा, भौतिक एवं मानसिक संघर्ष का चित्र मिलना

है। देश विभाजन से कुछ समय पूर्व ही सिंधी साहित्य में प्रगतिवादी विचारधारा की गूंज सुनायी पड़ने लगी थी। देश विभाजन के बाद के साहित्य में इस विचारधारा का स्वर ज़्यादा मुखरित होता है। और इस के साथ एक दूसरी धारा भी अभर आती है, और वह सिंधियत की धारा; जिसमें सिंधी होने और सिंधी संस्कृति से जुड़े रहने की भावना का स्वर है। इस धारा के प्रमुख रचनाकार हैं – सुगन आहूजा, उतम, पोपटी हीरानंदाणी, कीरत बाबाणी, मोहन कल्पना, सुदरी उतमचंदाणी, गोविंद माल्ही, आदि।

1965 के आस–पास सिंधी साहित्य में एक मोड़ आता है। कामू, काफ़्का, सार्त्र आदि के विचारों से सिंधी साहित्य प्रभावित होने लगता है। साहित्य में 'समाज' के स्थान पर 'व्यक्ति' को महत्व दिया जाने लगता है। साहित्य में बाहरी संघर्ष की अपेक्षा व्यक्ति के आंतरिक संघर्ष को अभिव्यक्ति मिलने लगती है। सामाजिक बंधनों से टूटता हुआ व्यक्ति जीने की ललक में, समस्त सामाजिक मान्यताओं और सिद्धांतों को तोड़ता हुआ दिखायी पड़ता है। इस युग में कथ्य के साथ, साहित्य की विभिन विधाओं के शिल्प में भी आमूल परिर्वतन होने लगता है। इन परिर्वतनों के फलस्वरुप सिंधी साहित्य में 'नयी कविता' 'अ–कविता', 'उलट कविता', 'अ–अपन्यास', 'अ–नाटक' जैसी प्रवृतियों उभर आती हैं। सिंधी साहित्य में समीक्षा का रुप भी बदलता है। नयी समीक्षा में रचना को रचना के संदर्भ में विवेचित करने का प्रयास किया जाता है। इस प्रकार की प्रवृति को साहित्य में 'अरधुनिकता' का नाम दिया गया है। लगभग दो दशकों तक आधुनिकता की प्रवृति का उफान रहता है। फिर वह थमने लगती है और सिंधी साहित्य में सहजता आने लगती है।

सिंधी साहित्य के पिछले चार दशकों के प्रमुख रचनाकार हैं – मोहन कल्पना, गुनो सामताणी, लाल पुष्प, कृष्ण खटवाणी, मोती प्रकाश, कला प्रकाश, तारा मीरचंदाणी कृष्ण राही, हरीश वासवाणी, इंद्रा वासवाणी, आनंद खेमाणी, श्याम जयसिंघाणी, लखमी खिलाणी, परम अबीचंदाणी, वासुदेव मोही, ईश्वरचन्द्र, प्रेम प्रकाश, एम.कमल, हरीकांत, हीरो शेवकाणी, हीरो ठकुर सतीश रोहरा, हरी हिमथाणी, ढोलण राही, विमी सदारंगाणी, श्रीकांत सदफ़, रश्मि रामाणी आदि।

इस प्रकार देखा जाए तो स्वतंत्रता के पश्चात, इन छह दशकों की अवधि के अंतर्गत, भारत में सिंधी साहित्य की अभूतपूर्व उनति हुई है। अतः आधुनिक सिंधी साहित्य मात्रा अथवा गुणवता की दृष्टि से अन्य किसी भी भारतीय भाषा के साहित्य के सम्मुख खड़ा हो सकता है।

सतीश रोहरा

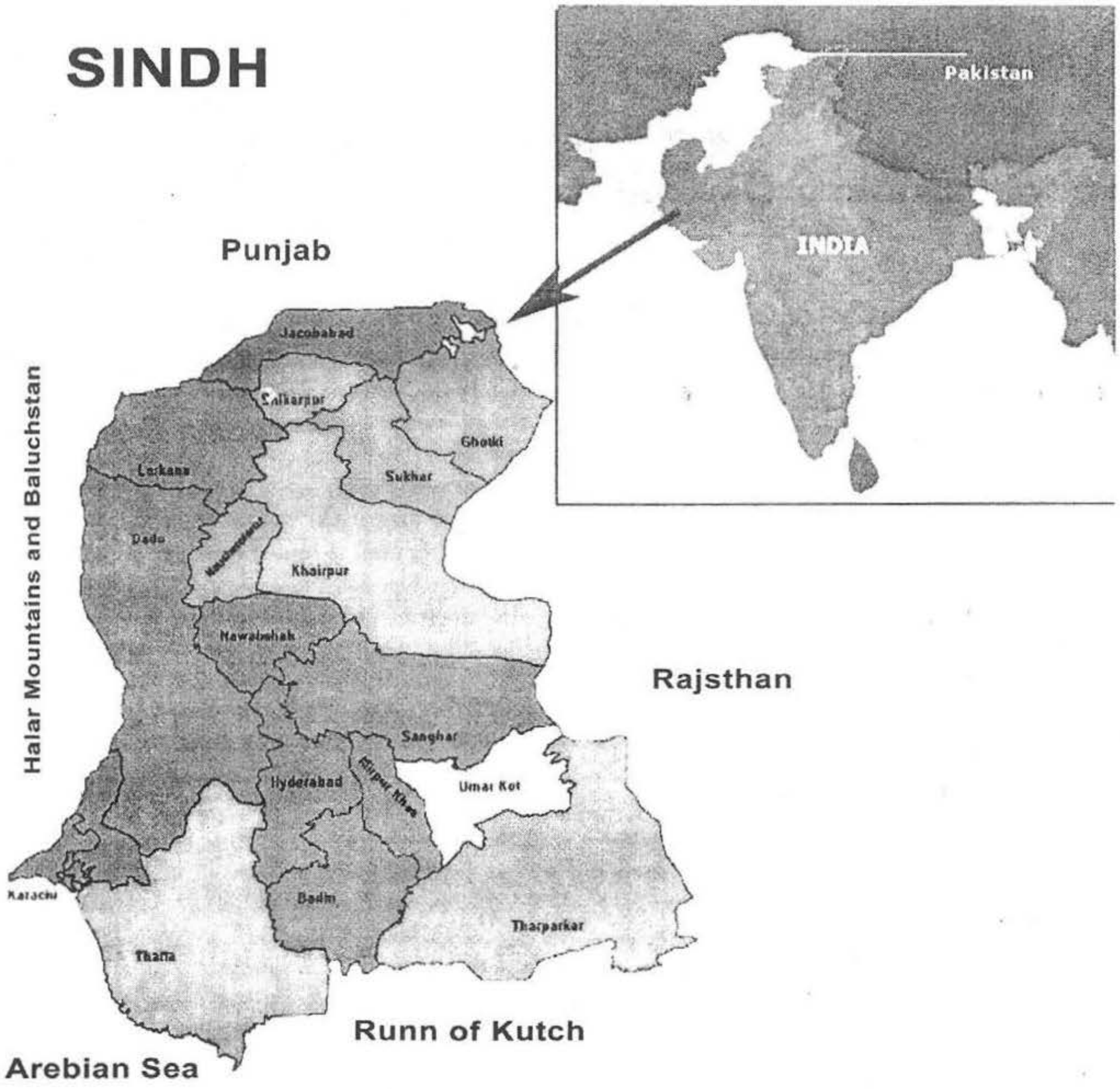

Map of Sindh - Showing Sindh Districts (Produced for Sindhi Association of UK)

पाठ 1

मेहमान

किशन : आओ, मोहन, आओ। मेरे परिवार वालों से मिलो। यह मेरी पत्नी है। यह मेरी मां हैं। उधर देखो, वे मेरे पिताजी हैं । यह मेरी बहन है।

मोहन : क्या तुम्हारा कोई भाई नहीं है ?

किशन : हां, मेरा एक भाई भी है, वह यहां नहीं है; इस समय वह मुंबई में है।

मोहन : और बच्चे ?

किशन : नहीं, मुझे अभी कोई बच्चा नहीं है। चलो, अब कुछ खाएं–पीएं, छोले भठूरे तैयार हैं।

मोहन : नहीं मुझे कल से थोड़ा बुख़ार है। अब तुम मुझे छुट्टी दो।

किशन : अच्छा, तुम ठीक नहीं हो! ठीक है,

सबकु 1

मिज़मानु

किशनु : अचु, मोहन, अचु। मुंहिंजे घर जे भात्युनि सां मिलु। हीअ मुंहिंजी ज़ाल आहे। हीअ मुंहिंजी माउ आहे। होडांहुं डिसु, हू मुंहिंजो पीउ आहे। हीअ मुंहिंजी भेण आहे।

मोहनु : छा, तोखे कोई भाउ कोन आहे ?

किशनु : हा, मूं खे हिकु भाउ बि आहे, उहो हिते कोन आहे। हिन वक्ति उहो मुंबईअ में आहे।

मोहनु : ऐं बार?

किशनु : न मूं खे अञां कोई बारु कोन आहे। हलु, हाणे, कुझु खाऊं पीऊं, छोला भठूरा त्यारु आहिनि।

मोहनु : न, मूं खे कल्ह खां थोरो बुख़ारु आहे। तूं हाणे, मूं खे मोकल ड।

किशनु : अछा, तूं ठीकु कोन आहीं ! चङो,

سَبَقُ ١

مِزمانُ

ڪشنُ : اَچُ، موهَنَ، اَچُ. مُنهِنجي گهرَجي ڀاتيُنِ سان مِلُ. هيءَ مُنهِنجي زالَ آهي. هيءَ مُنهِنجي ماءُ آهي. هوڏانهُن ڏِسُ، هوُ مُنهِنجو پيءُ آهي.هيءَ مُنهِنجي ڀيڻَ آهي.

موهنُ : ڇاتوکي ڪوئي ڀاءُ ڪونهَ آهي ؟

ڪشنُ : ها، مون کي هِڪُ ڀاءُ بِ آهي. اُهو هِتي ڪونهَ آهي. هِنَ وَقتِ هوُ مُمبَئيءَ ۾ آهي.

موهنُ : ۽ ٻارَ ؟

ڪشنُ : نَه، مون کي اَڃا ڪوئي ٻارُ ڪونهَ آهي. هَلُ، هاڻي ڪُجهه کائون پيئون. ڇولا ڀَٽورا تيارُ آهِنِ.

موهنُ : نَه، مون کي ڪَلهه کان ٿورو بُخارُ آهي. تون هاڻي مون کي موڪلَ ڏي.

ڪشنُ : اَڇا، تون ٺيڪُ ڪونهَ آهين ؟ چڱو،

तुम सिर्फ़ चाय या काफ़ी लो। मैं तो छोले भठूरों का शौक़ीन हूं।

मोहन : हां, हां! तुम भले ही खाओ।

तूं सिर्फ़ चांहि या काफ़ी पीउ। मां त छोलनि भठूरनि जो शौक़ीनु आहयां।

मोहनु : हा, हा! तूं भली खाउ।

تُون صِرف چانھِ يا ڪافي پيءُ. مان تَہ چولنِ ڀَٽُوُرَنِ جو شَوقِينُ آهيان.

موهنُ : ها، ها! تُون، ڀَلي کاءُ.

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
मुझे	मूं खे	مونٌ کي
एक	हिकु	هِڪُ
भी	बि	بِہ
वह	उहो	اُهو
यहां	हिते	هِتي
इस	हिन	هِنَ
समय	वक़्ति	وَقِت
में	में	۾
बच्चा	बारु	ٻارُ
और	ऐं	۽

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
देख, देखो	डिसु	ڏِسُ
वह(पु.)	हू	هوُ
पिता	पीउ	پيءُ
बहन	भेण	ڀيڻ
तुझे, तुम्हें	तोखे	توکي
कोई	कोई	ڪوئِي
भाई	भाउ	ڀاءُ
नहीं	कोन	ڪونَہ
क्या	छा	ڇا
हां	हा	ها

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
आ, आओ	अचु	اَچُ
मेरा	मुंहिंजो	مُنهِنجو
घर के सदस्यों	घर जे भात्युनि	گهَر جي ڀاتيُنِ
से	सां	سان
मिल, मिलो	मिलु	مِلُ
यह (स्त्री)	हीअ	هِيءَ
पत्नी	ज़ाल	زالَ
है	आहे	آهي
मां	माउ	ماءُ
वहां	होडांहुं	هوڏانهُن

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिन्धी
सिर्फ़	सिर्फ़	صِرف
चाय	चांहि	چانهِ
मैं	मां	مان
फ़िर	पोइ	پوءِ
भले ही	भली	ڀَلي
शौक़ीन	शौक़ीनु	شوقِينُ
परिवार का सदस्य	भाती	ڀاتِي

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिन्धी
से	खां	کان
बुख़ार	बुख़ारु	بُخارُ
थोड़ा	थोरा	ٿورو
तू, तुम	तूं	تُون
अब	हाणे	هاڻي
छुट्टी	मोकल	موڪَل
दे,दो	ड॒	ڏي
अच्छा	अछा	اَڇا
हो	आहीं	آهين
अच्छा	चङो	چَڱو

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिन्धी
नहीं	न	نَ
अभी	अञा	اَڃا
चल	हलु	هَلُ
अब	हाणे	هاڻي
कुछ	कुझु	ڪُجُهه
खाएं	खाऊं	کائُون
पीएं	पीऊं	پيئُون
छोले भठूरे	छोला भठूरा	ڇولا ڀَٽورا
तैयार	त्यारु	تيارُ
कल	कल्ह	ڪَلهَ

1.	निम्नलिखित वाक्य पढ़कर अभ्यास कीजिए।	
1.	अचु, मोहन, अचु।	١.اَچُ، موهَن، اَچُ.
2.	मुंहिंजे घर जे भात्युनि सां मिलु।	٢.مُنهِنجي گهرَ جي ڀاتيُنِ سان مِلُ.
3.	तूं हाणे मूं खे मोकल ड॒।	٣.توُن هاڻي موُن کي موڪَلَ ڏي.
4.	चङो तूं सिर्फ़ चांहि या काफ़ी पीउ।	٤.چڱو، توُن صِرف چانهِه يا ڪافِي پِيءُ.
5.	हीअ मुंहिंजी ज़ाल आहे।	٥.هيءَ مُنهِنجي زالَ آهي.
6.	हीअ मुंहिंजी भेण आहे।	٦.هيءَ مُنهِنجي ڀيڻ آهي.
7.	हा, मूं खे हिकु भाउ बि आहे।	٧.ها، موُن کي هِڪُ ڀاءُ بِه آهي.
8.	छोला भठूरा त्यारु आहिनि।	٨. چولا ڀَٽوُرا تيارُ آهِنِ.
9.	मां त छोलनि भठूरनि जो शौक़ीनु आहयां।	٩.مان تَہ چولَنِ ڀَٽوُرِن جو شَوقينُ آهيان.
10.	हू हिते कोन आहे।	١٠. هوُ هِتي ڪونَہ آهي.
11.	छा,तोखे अञा कोई ब॒ारु कोन आहे?	١١. ڇا! توکي اَڃا ڪوئِي ٻارُ ڪو نَہ آهي؟
12.	न,मूं खे अञा कोई ब॒ारु कोन आहे।	نَہ، موُن کي اَڃا ڪوئِي ٻارُ ڪونَہ آهي
13.	अछा, तूं ठीकु कोन आहीं!	١٤. اَڇا، توُن ٺيڪُ ڪو نَہ آهين !

2. रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक मे दिए हुए शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य फिर से लिखिए।

I	(किशन, भाउ, भेण)	I (ڪِشن، ڀاءُ، ڀيڻ)
1.	तूं घर जे भात्युनि सां मिलु।	١. توُن گهرَجي ڀاتيُنِ سان مِلُ.
2.	मां घर जे भात्युनि सां मिलां।	٢. مان گهرَجي ڀاتيُنِ سان مِلان.
3.	हू घर जे भात्युनि सां मिले।	٣. هوُ گهرَجي ڀاتيُنِ سان مِلي.
4.	तव्हीं घर जे भात्युनि सां मिलो।	٤. توهين گهرَ جي ڀاتيُنِ سان مِلو.
5.	असीं घर जे भात्युनि सां मिलूं।	٥. اَسين گهرَ جي ڀاتيُنِ سان مِلوُن.
6.	हू घर जे भात्युनि सां मिलनि।	٦. هوُ گهرَجي ڀاتيُنِ سان مِلَنِ.
II	(ब॒ारु, ठीकु, बीमारु)	II. (ٻارُ،نيڪُ،بيمارُ)
1.	मां शौक़ीनु आहयां।	١. مان شوَقينُ آهيان.
2.	तूं शौक़ीनु आहीं।	٢. توُن شوَقينُ آهين.
3.	हू शौक़ीनु आहे।	٣. هوُ شوَقينُ آهي.

3. रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक मे दिए हुए शब्दों का प्रयोग करत हुए वाक्य बनाइए।

1.	हीउ मुंहिंजा बारु आहे।	١. هيءُ مُنهِنجو ٻارُ آهي.
	(तुंहिंजो)	(تُنهِنجو)
2.	हीअ तुंहिंजी भेण आहे।	٢. هيءَ تُنهِنجي ڀيڻ آهي.
	(मुंहिंजी)	(مُنهِنجي)
3.	हू मुंहिंजा पीउ आहे।	٣. هو مُنهِنجو پيءُ آهي.
	(हुन जो)	(هُنَ جو)
4.	हूअ तुंहिंजी माउ आहे।	٤. هوءَ تُنهِنجي ماءُ آهي.
	(हुन जी)	(هُنَ جي)

4. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए और समझिए।

1.	मां शौक़ीनु आहयां।	١. مان شوَقينُ آهيان.
2.	मां शौक़ीनु कोन आहयां।	٢. مان شوَقينُ ڪونَہ آهيان.
3.	छा, मां शौक़ीनु आहयां ?	٣. ڇا،مان شوَقينُ آهيان؟
4.	हा, मां शौक़ीनु आहयां।	٤. ها،مان شوَقينُ آهيان.
5.	न, मां शौक़ीनु कोन आहयां।	٥. نہ، مان شوَقينُ ڪونَہ آهيان.
6.	अछा, मां शौक़ीनु आहयां ?	٦. اَڇا، مان شوَقينُ آهيان؟

5. उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों के प्रश्नवाचक और नकारात्मक वाक्य बनाइए।

	मिसालु : हू बीमारु आहे।	مِثالُ : هوُ بيمارُ آهي.
	छा, हू बीमारु आहे ?	ڇا، هوُ بيمارُ آهي ؟
	न, हू बीमारु कोन आहे।	نہ، هوُ بيمارُ ڪونہ آهي.
1.	हुन खे भेण आहे।	١. هُنَ کي ڀيڻَ آهي.
2.	हुन जो भाउ मुंबईअ में आहे।	٢. هُنَ جو ڀاءُ مُمبئيءَ ۾ آهي.
3.	हू ठीकु आहे।	٣. هوُ نيڪُ آهي.
4.	छोला भठूरा त्यारु आहिनि।	٤. ڇولا ڀَٽوُرا تيار آهِن.
5.	हू चांहि जो शौकीनु आहे।	٥. هوُ چانهِہ جو شوَقينُ آهي.

6. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

1.	हीउ मुंहिंजो भाउ आहे।	١. هيءُ مُنهِنجو ڀاءُ آهي.
2.	छा, हूअ तुंहिंजी ज़ाल आहे ?	٢. ڇا هوءَ تُنهِنجي زالَ آهي؟
3.	न, हू हुन जो पीउ को न आहे।	٣. نہ،هوُ هُنَ جو پيءُ ڪونَہ آهي
4.	हलु, छोला भठूरा खाऊं।	٤. هَلُ، ڇولا ڀَٽوُرا کائون.
5.	छा, मां काफ़ी पीआं ?	٥. ڇا، مان ڪافي پيئان؟

3. छोला भठूरा त्यारु आहिनि। ٣. چولا ڀَٽورا تيار آهِن.

छोले भठूरे तैयार हैं।

4. मां त छोलनि भटूरनि जो शौक़ीनु आहयां। ٤. مان تہ چولنُ ڀَٽورنِ جو شَوقينُ آهيان.

मैं तो छोले भठूरें का शौक़ीन हूं।

5. अछा, तूं ठीकु को न आही ? ٥. اَڇا، توُن ٺيڪُ ڪونہ آهين ؟

अच्छा, तुम ठीक नहीं हो ?

यहाँ 'आहे', 'आहिनि', 'आहयां', 'आहीं' योजक किया 'आहे' के विभिन्न रूप हैं। विभिन्न रूपों में योजक किया आहे की संरचना देखिए।

	एकवचन		बहुवचन	
प्र.पु	मां आहयां मैं हूं	مان آهيان.	असीं आहयूं हम हैं	اَسين آهيوُن
द्वि.पु	तूं आहीं तू है, तुम हो	توُن آهِين	तव्हीं आहयो आप हैं	تَوهِين آهيو
तृ.पु	हू/हूअ आहे वह है	هوُ-هوءَ آهي	हू आहिनि वे हैं	هوُ آهِن

टिप्पणियां

1. **निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए।**

1. अचु, मोहन अचु। ١. اَچُ، موهَن اَچُ.

2. मुंहिंजे घर जे भात्युनि सां मिल। ٢. مُنهِنجي گهرَ جي ڀاتيُنِ سان مِلُ.

इनमें 'अचु' और 'मिलु' किया रूपों से आज्ञा या प्रार्थना का भाव प्रकट होता है इनका प्रयोग देखें।

एकवचन		बहुवचन	
तूं अचु	توُن اَچُ	तव्हीं अचो	تَوهِين اَچو
तूं मिलु	توُن مِلُ	तव्हीं मिलो	تَوهِين مِلو

2. **निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए।**

1. हीअ मुंहिंजी ज़ाल आह। ١. هيءَ مُنهِنجي زالَ آهي.

यह मेरी पत्नी हैं।

2. हू मुंहिंजो पीउ आह । ٢. هوُ مُنهِنجو پيءُ آهي.

वे मेरे पिताजी हैं।

3. **निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए।**

हलु! हाणे कुझु खाऊं – पीऊं. هلُ، هاڻي ڪُجهه کائُون پيئُون.

चलो! अब कुछ खाएं – पीएं

यहां 'खाऊं – पीऊं' किया का प्रयोग अनुमति बोधक है। ऐसे किया–रूपों का प्रयोग जब प्रथम पुरुष के साथ होता है, तब अनुमति लेने का भाव प्रकट होता है और जब तृतीय पुरुष के साथ होता है तब अनुमति देने का भाव प्रकट होता है। नीचे दी गई संरचनाओं की ओर ध्यान दीजिए।

	एकवचन		**बहुवचन**	
प्र.पु	मां खां	مان کان	असीं खाऊं	اَسين کائون
	मैं खाऊं		हम खाएं	
तृ.पु	हू/हूअ खाए	هوُ \ هوُءَ کائي	हू खाइनि	هوُ کائِن
	वह खाए		वे खाएं	

4. **इस पाठ में निम्नलिखित सर्वनामों का प्रयोग हुआ है।**

1.	हीअ	هيءَ	यह (स्त्री)
2.	हू	هوُ	वह(पु.)
3.	उहो	اُهو	वह ही
4.	तूं	توُن	तू, तुम
5.	मां	مان	मैं

सर्वनाम के रूपों में परिवर्तन का ढाँचा देखिए।

	एकवचन		*बहुवचन*	
प्र.पु	मां	مان	असीं	اَسين
	मैं		हम	
द्वि.पु	तूं	توُن	तव्हीं	تَوهِين
	तू, तुम		आप	
तृ.पु	हीउ, इहो	هيءُ، اِهو	ही, इहे	هي، اِهي
	यह (स्त्री. पु)		ये(स्त्री, पु.)	
	हीअ (स्त्री)	هيءَ	ही	هي
	यह		ये	
	इहा (स्त्री)	اِها	इहे	اِهي
	यह(स्त्री)		ये(स्त्री, पु.)	
	केरु (पु)	ڪيرُ	केरु	ڪيرُ
	कौन (पु)		कौन	
	केर (स्त्री)	ڪيرَ	केरु (स्त्री)	ڪيرُ
	कौन (स्त्री)		कौन (स्त्री)	

	कौन(स्त्री)		कौन(स्त्री)	
	जो	جو	जे	جي
	जो(पु.)		वे	
	जेको	جيڪو	जेके	جيڪي
	जो कोई		जो कोई(स्त्री, पु.)	
	जा, जेका	جا، جيڪا	जे	جي
	जो(स्त्री)		जो (स्त्री, पु.)	

5. **संज्ञा और सर्वनाम के साथ 'जो', 'जा', 'जी', 'जूं', 'जे' में 'खे', 'खां', 'सां' आदि जुड़ने पर संज्ञा और सर्वनाम के रूप बदल जाते हैं। निम्नलिखित दिए गए रूपों को समझिए।**

1.	रामु	رامُ	राम	رامَ
	राम		राम(सामान्य रूप)	
	राम जो	رامَ جو	राम जी	رامَ جي
	राम का		राम की	
	राम जो	رامَ جو	राम जूं	رامَ جوُن
	राम की		राम की(स्त्री – बहु)	
	राम में	رامَ ۾	राम खे	رامَ کي
	राम में		राम को	
	राम सां	رامَ سان	राम खां	رامَ کان
	राम के साथ		राम से	
2.	छोकरो	ڇوڪرو	छोकरे	ڇوڪري
	लड़का		लड़के	
	छोकरा	ڇوڪرا	छोकरनि	ڇوڪرَنِ
	लड़के		लड़कों	
3.	छोकरी	ڇوڪرِي	छोकरीअ	ڇوڪريءَ
	लड़की		लड़की	
	छोकर्यूं	ڇوڪرِيوُن	छोकर्युनि	ڇوڪريُنِ
	लड़कीयां		लड़कीयों	
4.	पुटु	پُٽُ	पुट	پُٽَ
	बेटा		बेटे	
	पुट	پُٽَ	पुटनि	پُٽنِ
	बेटे		बेटों	
5.	पीउ	پيءُ	पीउ	پيءُ
	पिता		पिता	
	पीअर	پيئَرَ	पीअरुनि	پيئَرُنِ
	पिता		पिताओं	

6.	भेणु	ڀيڻُ	भेण	ڀيڻَ
	बहन		बहन	
	भेनरूं	ڀينرُ \ ڀينروُن	भेनरुनि	ڀينرُنِ
	बहनें		बहनों	

सर्वनामों में परिर्वतन का ढांचा देखिए। इनमें भी संज्ञा की तरह 'में', 'खे' आदि जोड़ने से परिर्वतन आता है।

1.	मां	مان	मूं	مون
	मैं		मुझ	
	मूं खे	مون کي	मूं में	مون ۾
	मुझे		मुझ में	
2.	तूं	تون	तो	تو
	तू, तुम		तुझ	
	तोखे	توکي	तोमे	تو۾
	तुमको		तुझ में	
3.	हू/हूअ	هوُ هوءَ	हुन	هُنَ
	वह		उस	
	हुन खे	هُن کي	हुन में	هنَ ۾
	उसको		उसमे	
4.	असीं	اَسين	असां	اَسان
	हम		हम	
	असांखे	اَسان کي	असां में	اَسان ۾
	हमको		हम में	
5.	तव्हीं	تَوهين	तव्हां	تَوهان
	आप		आप	
	तव्हांखे	تَوهان کي	तव्हां में	تَوهان ۾
	आपको		आप में	
6.	हू	هوُ	हुननि	هُننِ
	वे		उन	
	हुननि खे	هُننِ کي	हुननि में	هُننِ ۾
	उनको		उन में	
7.	जो	جو	जंहिं	جَنهِن
	जो		जिस	
	जंहिं खे	جَنهِن کي	जहिं में	جَنهِن ۾
	जिसको		जिस में	
8.	केरु	ڪيرُ	कंहिं	ڪَنهِن
	कौन		किस	
	कंहिं खे	ڪَنهِن کي	कंहिं में	ڪَنهِن ۾
	किसको		किस में	

9. जो का प्रयोग देखें।

1.	मूं	مون	मुंहिंजो	مُنهنجو
	मैं		मेरा	
	मुंहिंजी	مُنهنجي	मुंहिंजा	مُنهنجا
	मेरी		मेरे	
	मुंहिंजूं	مُنهنجوُن	मुंहिंजा	مُنهنجا
	मेरी		मेरे	
	मुंहिंजनि	مُنهنجن	मुंहिंज्युनि	مُنهنجيُن
	मेरे		मेरी	
2.	तो	تو	तुंहिंजो	تُنهنجو
	तुम		तेरा, तुम्हारा	
	तुंहिंजी	تُنهنجي	तुंहिंजा	تُنهنجا
	तेरी, तुम्हारी		तुम्हारे	
	तुंहिंजनि	تُنهنجن	तुंहिंज्युनि	تُنهنجيُن
	तेरे, तुम्हारे		तेरी, तुम्हारी	

जब 'मूं' और 'तो' के साथ जो जुड़ता है तब उनका रूप कमशः 'मुंहिं' और 'तुहिं' में बदल जाता है। शेष सर्वनामों जैसे 'हुन', हिन', 'असां' आदि का रूप नहीं बदलता।

6. संख्याओं और उनके विभिन्न रूपों को देखें।

1.	हिकु	هِڪُ	हिक में	هِڪ ۾
	एक		एक में	
2.	ॿ	ٻہ	ॿिनि में	ٻِن ۾
	दो		दो में	
3.	टे	[illegible]	टिनि में	ٽِن ۾
	तीन		तीन में	
4.	चारि	چارِ	चइनि में	چَئِن ۾
	चार		चार में	
5.	पंज	پَنج	पंजनि में	پَنجَن ۾
	पांच		पांच में	
6.	छह	ڇَهہ	छहनि में	ڇهِن ۾
	छः		छह में	
7.	सत	سَت	सतनि में	سَتَن ۾
	सात		सात में	
8.	अठ	اَٺ	अठनि में	اَٺِن ۾
	आठ		आठ में	
9.	नव	نَوَ	नवनि में	نَوَن ۾
	नौ		नौ में	
10.	ॾह	ڏَهہ	ॾहनि में	ڏَهِن ۾
	दस		दस में	

1. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उतर दीजिए।

1. किशन खे केतरा भाउर आहिनि ?	١. ڪِشن کي ڪيتِرا ڀائُر آهِنِ ؟
2. किशन जो मिज़मानु केरु आहे ?	٢. ڪِشن جو مِزمانُ ڪيرُ آهي ؟
3. किशन खे केतर्यूं भेनरु आहिनि ?	٣. ڪِشَن کي ڪيتريوُن ڀينَرُ آهِنِ ؟
4. किशन जो भाउ किथे आहे ?	٤. ڪِشَن جو ڀاءُ ڪِٿي آهي ؟
5. बुख़ार कंहिं खे आहे ?	٥. بُخارُ ڪَنهِن کي آهي ؟
6. छोलनि भठूरनि जो शौक़ीनु केरु आहे ?	٦. ڇولَنِ ڀَٺوُرنِ جو شوَقينِ ڪيرُ آهي ؟

2. कोष्ठक में दिए हुए शब्दों की सहायता से उदाहरण के अनुसार वाक्य बनाइए।

(अचु, खाउ, पीउ, ड॒, मिलु, हलु)

(اَچُ، کاءُ، پيءُ، ڏي، مِلُ، هَلُ)

मिसालु : **अचु,** गोपाल! अचु।

مِثالُ : **اَچُ**، گوپال! اَچُ.

1. ______________________________

2. ______________________________

3. ______________________________

4. ______________________________

5. ______________________________

۱. ------------------------------

۲. ------------------------------

۳. ------------------------------

۴. ------------------------------

۵. ------------------------------

3. कोष्ठक में से उचित शब्द चुनकर वाक्य पूर्ति कीजिए।

(मिलां, मिलनि, मिलो, मिलूं, मिलु)

(مِلان، مِلنِ، مِلو، مِلوُن، مِلُ)

1. तूं मुंहिंजे भाउ सां ———।
2. मां तुंहिंजे भाउ सां ———।

۱. توُن مُنهِنجي ڀاءُ سان ----------.

۲. مان تُنهِنجي ڀاءُ سان ---------.

3. असीं तुंहिंजे भाउ सां ———।	٣. اَسِين تُنهِنجي ڀاءُ سان --------.
4. तव्हीं मुंहिंजे भाउ सां ———।	۴. تَوهِين مُنهِنجي ڀاءُ سان -------.
5. हू तव्हां जे भाउ सां ————।	۵. هوُ تَوهان جي ڀاءُ سان ---------.

4. कोष्ठक में से उचित शब्द चुनकर वाक्य पूर्ति कीजिए।

1. मां ——— आहयां। (ॿार, ॿारु)	١. مان ------- آهيان. (ٻارَ، ٻارُ)
2. तूं ——— आहीं ? (केर, केरु)	٢. توُن ------- آهِين ؟ (ڪيرَ، ڪيرُ)
3. हू ——— आहिनि। (शौक़ीन, बीमारनि)	٣. هوُ ------ آهِنِ. (شوَقِين، بيِمارِنِ)
4. हू/हूअ —— आहे ? (केडांहुं, किथे)	۴. هوُ\ هوءَ ------ آهي ؟ (ڪيڏاهُن، ڪِٿي)
5. असीं —— आहयूं। (ठीकु, सुठो)	۵. اَسِين -------- آهِيوُن. (ٺِيڪُ، سُٺو)

5. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : हू शौक़ीनु आहे।	مِثالُ : هوُ شوَقِينُ آهي.
हू शौक़ीनु कोन आहे।	هوُ شوَقِينُ ڪونَہ آهي.
छा हू शौक़ीनु आहे ?	ڇا هوُ شوَقِينُ آهي ؟

1 हू ॿारु आहे। ١ هوُ ٻارُ آهي.

2 हू ठीकु आहे। ٢. هوُ ٺيڪُ آهي.

3 हू बीमारु आहे। ٣. هوُ بيمارُ آهي.

6. निम्नलिखित वाक्यों का सिन्धी में अनुवाद कीजिए।

1 वह मेरा भाई है। ____

2 यह मेरी बहन है। ____

3 क्या वह आपकी मां है ? ____

4 मेरा कोई बच्चा नहीं है। ____

5 मैं छोले भठूरों का बहुत शौक़ीन हूं। ____

पाठ 2

मैसूर का दौरा

राम : अरे श्याम! आजकल कहां रहते हो ?

श्याम : बस! आजकल हमारे आफ़िस में काम अधिक रहता है। सुबह से शाम तक हम काम में ही व्यस्त रहते हैं। तुम कैसे हो ?

राम : मै ठीक हूं। मै दो दिनों के बाद मैसूर जा रहा हूं।

श्याम : मैसूर क्यों जा रहे हो ? आफ़िस के काम से जा रहे हो क्या ? या अपने काम से जा रहे हो ?

राम : नहीं, वहां मेरा अपना कोई काम नहीं है। वहां हमारे आफ़िस की एक ब्रांच है। मैं आफ़िस के काम से ही जा रहा हूँ।

श्याम : मैसूर में इन दिनों मौसम कैसा रहता

सबकु 2

मैसूर जो दौरो

रामु : अड़े श्याम! अजुकल्ह तूं किथे थो रहीं ?

श्यामु : बसि! अजुकल्ह असांजे आफ़ीस में कमु वधीक रहे थो। सुबुह खां शाम ताईं कम में ई मश्गूलु रहंदा आहयूं। तूं कींअ आहीं ?

रामु : मां ठीकु आहयां। बिनि डींहंनि खां पोइ मां मैसूर वञी रहयो आहयां।

श्यामु : मैसूरु छो थो वञीं ? आफ़ीस जे कम सां थो वञीं, छा ? या पंहिंजे कम सां थो वञीं ?

रामु : न, उते मुंहिंजो कोई कमु कोन्हे। उते असांजी आफ़ीस जी हिक ब्रांच आहे; मां आफ़ीस जे कम सां ई वञां थो।

श्यामु : मैसूरु में हिननि डींहंनि में मौसम कीअं

سَبَقُ ٢

مَيسوُرُ جو دوَرو

رامُ : اَڙي شيامَ! اَڄُڪلهَہ توُن ڪِٿي ٿو رَهين؟

شيامُ : بَس! اَڄُڪلهَہ اَسان جي آفيِسَ ۾ ڪَمُ وَڌيڪ رَهي ٿو. صُبُحَ کان شامَ تائين ڪَمَ ۾ ئي مَشغوُل رَهَندا آهيوُن. توُن ڪيئَن آهين ؟

رامُ : مان ٺيڪُ آهيان. ٻِنِ ڏينهنِ کان پوءِ مان مَيسوُر وَڃي رَهيو آهيان.

شيامُ : مَيسوُرِ ڇو ٿو وَڃين؟ آفيس جي ڪَمَ سان ٿو وَڃين ڇا؟ يا پَنهِنجي ڪَمَ سان ٿو وَڃين؟

رامُ : نَہ، اُتي مُنهِنجو ڪوئي ڪَمُ ڪونهي. اُتي اَسانجي آفيس جي هِڪ برانچ آهي؛ مان آفيس جي ڪَمَ سان ئي وَڃان ٿو.

شيامُ : مَيسوُر ۾ هِنَنِ ڏينهَن ۾ مَوسَمَ

है ? यहां दिल्ली में तो अभी बहुत गर्मी है। क्या मैसूर मे भी इतनी गर्मी होती है ?

राम : ऐसी बात नहीं है। मेरे वहां के दोस्त बताते हैं कि वहां का मौसम आजकल बहुत अच्छा है। वैसे तो मैसूर का मौसम सारा साल अच्छा ही रहता है। न अधिक ठंड, न अधिक गर्मी।

श्याम : यह अच्छा है। तुम अपने आफ़िस की ओर से काफ़ी घूमते हो। अच्छा ! वहां से वापस आओ, तो फिर एक दिन परिवार के साथ घर आना।

राम : हां, ज़रुर, तुम भी कभी घर आओ,न !

हूंदी आहे ? हिते दहलीअ में त हीअंर डाढी गर्मी आहे। छा उते बि एतरी गर्मी थींदी आहे ?

रामु : न, अहड़ी गाल्हि कान्हे। मुंहिंजा उतां जा दोस्त बुधाइनि था त उतां जी मौसम डाढी सुठी आहे। हूंअं त मैसूर जी मौसम सजो सालु सुठी ई रहंदी आहे। न वधीक थधि, न वधीक गर्मी।

श्यामु : इहो सुठो आहे। तूं पंहिंजी आफ़ीस तरफ़ां घणो घुमीं थो। चङो! उतां वापसि अचु, त पोइ हिक डींहुं परीवार सां गडु घरि अचिजि।

रामु : हा, ज़रुर, तूं बि कडहिं घरि अचु, न!

ڪيئَن هوُندِي آهي؟ هِتي دهليءَ ۾ تہ هِنِ ڏِينهن ۾ ڏاڍِي گَرَمِي آهِي. ڇا اُتي بِہ ايتري گَرمِي ٿِيندِي آهي؟

رامُ : نَہ اَهڙِي ڳالهِہ ڪانهي. مُنهِنجا اُتان جا دوست ٻُڌائِن ٿا تَہ اُتان جي مَوسمَ اَڄُڪَلهَہ ڏاڍِي سُٺِي آهي. هوُئَن تَہ مَيسوُر جي مَوسم سَڄو سالُ سُٺِي ئِي رَهندِي آهي. نَہ وَڌِيڪ ٿَڌِ، نَہ وَڌِيڪ گَرمِي.

شيامُ : اِهو سُٺو آهي. توُن پَنهنجي آفِيس طَرفان گَهڻو گُهمين ٿو. چَڱو! اُتان واپِس اَچُ، تَہ پوءِ هِڪ ڏِينهُن پَرِيوارَ سان گڏَگهر اَچِجِ.

رامُ : ها، ضروُرِ، توُن بِہ ڪَڏهِن اَچُ، نَہ!

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिन्ڌي
दिन	ड॒ींहुं	ڏِينھُن
जाता हूं	वञा थो	وڃان ٿو
क्यों	छो	ڇو
के साथ	सां	سان
नहीं है	नाहे	ناهي
इन	हिननि	هِنَنِ
मौसम	मौसम	مَوسَمُ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिन्ڌي
सुबह	सुबुहु	صُبُحُ
शाम	शाम	شامَ
ही	ई	ئِي
व्यस्त	मश्गूल	مَشغولُ
कैसे,	कीअं	ڪِيئَن
के बाद	खां पोइ	کان پوءِ
ज़रुर	ज़रुर	ضرورُ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिन्ڌي
दौरा	दौरो	دَورو
अरे!	अड़े	اَڙي!
आजकल	अजकल्ह	اَڄُڪَلهَ
कहां	किथे	ڪِٿي
रहते हो	रहीं थो	رَهِين ٿو
बस	बसि	بَسِ
अधिक	वधीक	وَڌِيڪَ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌِي
पूरा, सारा	सजो	سڄو
ठंड, सर्दी	थधि	ٿَڌِ
की ओर से	तरफ़ां	طَرفان
वापस	वापसि	واپَسِ
कब, कभी	कडहिं	ڪَڏَهِن
(के) साथ	गडु	گڏُ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌِي
बात	गाल्हि	ڳالهِہ
नहीं है	कान्हे	ڪانهي
दोस्त, मित्र	दोस्तु	دوسْتُ
बताते हैं	बुधाइनि था	ٻُڌائِن ٿا
अच्छा	सुठो	سُٺو
साल	सालु	سالُ
वैसे तो	हूंअं त	هونئَن تہ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌِي
होता है	हूंदो आहे	هوندو آهي
यहां	हिते	هِتي
अभी	हींअर	هِينئَر
बहुत	डाढी	ڏاڍِي
इतनी	एतरी	ايترِي
होती है	थींदी आहे	ٿِيندِي آهي
ऐसी	अहड़ी	اَهڙِي

I निम्नलिखित वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1.	तूं अॼकल्ह किथे थो रहीं	ا. توُن اَڄُڪلهہ ڪِٿي ٿو رَهين؟
2.	अॼकल्ह असांजे आफ़ीस में	٢. اَڄُڪلهہ اَسانجي آفِيس ۾
	कमु वधीक रहे थो।	ڪَمُ وَڌيڪ رَهي ٿو.
3.	ॿिनि ॾींहनि खां पोइ मां	٣. ٻِن ڏِينهَن کان پوءِ مان
	मैसुर वञीं रहयो आहयां।	مَيسوُر وَڃين رَهيو آهيان.
4.	मां आफ़ीस जे कम सां ई वञां	٤. مان آفِيس جي ڪَمَ سان
	थो।	ئِي وَڃان ٿو.
5.	तूं पंहिंजी आफ़ीस तरफां घणो	٥. توُن پَنهِنجِي آفِيس طَرفان
	घुमीं थो।	گهڻو گُهمين ٿو.
6.	मुंहिंजा उतां जा दोस्त ॿधाइनि	٦. مُنهِنجا اُتان جا دوسَت
	था।	ٻُڌائِن ٿا.
7.	आफ़ीस जे कम सां थो	٧. آفِيس جي ڪَمَ سان ٿو
	वञीं ?	وَڃِين؟
8.	या पंहिंजे कम सां थो	٨. يا پَنهَنجي ڪَمَ سان ٿو
	वञीं ?	وَڃِين؟
9.	मैसूरु जी मौसम सजो सालु	٩. مَيسوُر جِي مَوسم سَڄو سالُ
	ई सुठी रहंदी आहे।	سُٺِي ئِي رَهندِي آهي.
10.	असीं सुबुह खां शाम ताईं कम	١٠. اَسِين صُبُحَ کان شامَ تائِين
	में ई मशगूल रहंदा आहयूं।	ڪَمَ ۾ ئِي مَشغوُل رَهندا آهيوُن.
11.	मैसूरु में हिननि ॾींहनि में	١١. مَيسوُر ۾ هِنَنِ ڏِينهَنِ ۾ مَوسم
	मौसम कीअं हूंदी आहे।	ڪِيئَن هوُندِي آهي؟
12.	छा उते बि एतरी गर्मी थींदी	١٢. ڇا اُتي بِہ ايترِي گرَمِي
	आहे?	ٿِيندِي آهي ؟
13.	उतां वापसि अचु त पोइ हिक	١٣. اُتان واپَس اَچُ تہ پوءِ هِڪَ
	ॾींहुं परीवार सां गॾु घरि	ڏِينهُن پَرِيوارَ سان گَڏُ گهرِ
	अचिजि।	اَچِجِ.
14.	शामजो घरि अचु,त गॾु बॼारि	١٤. شامَ جو گهرُ اَچُ، تہ گَڏُ
	हलूं।	بَزارِ هَلوُن.
15.	मुंहिंजो उते कोई कमु	١٥. مُنهِنجو اُتي ڪوئِي ڪَمُ
	नाहे।	ناهي.
16.	राम जो घरि दहलीअ में	١٦. رامَ جو گهرِ دَهليءَ ۾
	नाहे।	ناهي.

17. अहड़ी ग़ाल्हि कान्हे। ١٧. اَهڙي ڳالهہ ڪانهي.

18. गीता वटि पंहिंजो घरि कोन्हे। ١٨. گيتا وَٽُ پَنهِنجو گهرِ ڪونهي.

II **कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए।**

(विहीं, घुमीं, डिसीं, हलीं) (وِهين، گُهمين، ڏِسين، هلين)

1. तूं किथे थो रहीं ? ١. توُن ڪِٿي ٿو رَهين ؟

2. तूं किथे वञीं थो ? ٢. توُن ڪِٿي وَڃين ٿو ؟

(खां, पीआं, अचां, डिसां) (کان، پيئان، اَچان، ڏِسان)

1. मां घुमां थो। ١. مان گُهمان ٿو.

2. मां वञां थो। ٢. مان وَڃان ٿو.

III *उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों के प्रश्नवाचक वाक्य बनाइए।*

मिसालु : रामु मैसूरु वञे थो। مِثالُ : رامُ مَيسوُر وَڃي ٿو.

छा, रामु मैसूर वञे थो ? ڇا، رامُ مَيسوُر وَڃي ٿو ؟

1. मोहनु घरि वञे थो। ١. موهنُ گهرِ وَڃي ٿو.

2. मिज़मान चांहि पियनि था। ٢. مِزمانَ چانهہ پِينِ ٿا.

3. दीपा राणीअ जी धीउ आहे। ٣. ديپا راڻيءَ جي ڌِيءُ آهي.

4. श्यामु अज़ अचे थो। ٤. شيامُ اَڄُ اَچي ٿو.

5. दीपकु बड़ोदा में रहे थो। ٥. دِيپڪُ بَڙودا ۾ رَهي ٿو

IV *उदाहरण के अनुसार, रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए।*

मिसालु : रामु आफ़ीस तरफ़ां घणो घुमे थो। (घुमंदो आहे) مِثالُ: رامُ آفِيس طَرفان گَهڻو گُهمي ٿو.(گهُمندو آهي)

रामु आफ़ीस तरफ़ां घणो घुमंदो आहे। رامُ آفِيس طرفان گَهڻو گُهمندو آهي.

1. रामु आफ़ीस जे कम सां वञे थो। (वेंदो आहे) ١. رامُ آفِيس جي ڪَمَ سان وَڃي ٿو. (ويندو آهي)

2. मोहनु अज़कल्ह आगरा में रहे थो। (रहंदो आहे) ٢. موهن اَڄُڪلهہ آگرا ۾ رَهي ٿو. (رَهندو آهي)

3. पारस होटल में सुठी रोटी मिले थी। (मिलंदी आहे) ٣. پارس هوٽل ۾ سُٺي روٽي مِلي ٿي. (مِلندي آهي)

4. दीपकु पहिंजी आफ़ीस में सुठो कमु करे थो। (कंदो आहे) — ۴. ديپڪُ پنهنجي آفيس ۾ سُٺو ڪَمُ ڪري ٿو. (ڪندو آهي)

5. घर में ज़ालुनि खे घणो कमु थिए थो। (थींदो आहे) — ۵. گهرَ ۾ زالُن کي گهڻو ڪَمُ ٿِئي ٿو. (ٿيندو آهي)

V *उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों के प्रश्नवाचक वाक्य बनाइए।*

मिसालु : रामु मैसूर वञे थो। — مِثالُ : رامُ مَيسوُر وَڃي ٿو.

छा रामु मैसूर वञे थो ? — ڇا رامُ مَيسوُر وَڃي ٿو ؟

1. रामु आफ़ीस जे कम सां वञे थो। — ۱. رامُ آفِيس جي ڪَمَ سان وَڃي ٿو.
2. मोहनु अजुकल्ह आगरा में रहे थो। — ۲. موهنُ اَڄُڪلهہ آگرا ۾ رَهي ٿو.
3. मैसूर में मौसम डाढी सुठी रहे थी। — ۳. مَيسوُر ۾ موسمَ ڏاڍي سُٺي رَهي ٿي.
4. श्याम जे आफ़ीस में कमु वधीक रहे थो। — ۴. شيامَ جي آفيس ۾ ڪَمُ وَڌيڪ رَهي ٿو.

5 कविता अगस्ट में दहलीअ अचे थी। — ۵. ڪوِتا آگسٽ ۾ دَهليءَ اَچي ٿِي.

VI *उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों में 'न आहे' के स्थान पर 'नाहे' का अभ्यास कीजिए।*

मिसालु : उते मुहिंजो कोई कमु न आहे। — مِثالُ: اُتي مُنهِنجو ڪوئِي ڪَمُ نَہ آهي.

उते मुंहिंजो कोई कमु नाहे। — اُتي مُنهِنجو ڪوئِي ڪَمُ ناهي.

1. मूं खे चांहि पसंद न आहे। — ۱. مؤن کي چانهِہ پَسَندِ نَہ آهي.
2. श्याम जो घरु आगरा में न आहे। — ۲. شيامَ جو گهرُ آگرا ۾ نَہ آهي.
3. बज़ारि जी रोटी सुठी न आहे। — ۳. بَزارِ جي روٽِي سُٺي نہ آهي.
4. मोहन खे पुटु न आहे। — ۴. موهَنَ کي پُٽُ نَہ آهي.
5. हीउ किताबु मनीश जो न आहे। — ۵. هِيءُ ڪِتابُ مَنِيشَ جو نَہ آهي.

VII *उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों 'कोन आहे के स्थान पर कोन्हे' का अभ्यास कीजिए।*

मिसालु : मूं खे अज़ु आफ़ीस में कमु कोन आहे।	مِثالُ : مون کي اَڄُ آفيس ۾ ڪَمُ ڪونهَ آهي.
मूं खे अज़ु आफ़ीस में कमु कोन्हे।	مون کي اَڄُ آفيس ۾ ڪَمُ ڪونهي.
1. मूं खे पहिंजो घरु कोन आहे।	١. مون کي پنهنجو گهرُ ڪونهَ آهي.
2. मूं खे काफ़ीअ जो शौकु कोन आहे।	٢. مون کي ڪافيءَ جو شَوقُ ڪونهَ آهي.
3. रस्ते में खाइणु सुठो कोन आहे।	٣. رَستي ۾ کائڻُ سُٺو ڪونهَ آهي.
4. राजूअ जो घरु डाढो वडो कोन आहे।	٤. راجوءَ جو گهرُ ڏاڍو وَڏو ڪونهَ آهي.
5. ममता जो इस्कूल वडो कोन आहे।	٥. مَمتا جو اِسڪولُ وَڏو ڪونهَ آهي.

***VIII* उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों को जोड़िए।**

मिसालु : उतां वापसि अचु। पोइ हिक डींहुं परिवार सां गडु घरि अचिजि।	مِثالُ: اُتان واپَس اَچُ. پوءِ هِڪ ڏينهُن پَريوار سان گَڏُ گهرِ اَچِجِ.
उतां वापसि अचु त पोइ हिक डींहुं परिवार सां गडु घरि अचिजि।	اُتان واپَس اَچُ تہ پوءِ هِڪ ڏينهُن پَريوارَ سان گهرِ اَچِجِ.
1. रामु वापसि अचे। कमु शुरु करे।	١. رامُ واپَس اَچي. ڪَمُ شروُع ڪَري.
2. तूं शाम जो घरि अचु। असीं गडु बज़ारि हलूं।	٢. تون شامَ جو گهرِ اَچُ. اَسين گَڏُ بَزارِ هلون.
3. दीपकु ऐं श्यामु मिलनि। बई गडु कमु कनि।	٣. ديپَڪُ ۽ شيامُ مِلَنِ. ٻَئي گَڏُ ڪَمُ ڪَنِ.
4. तूं सुबुह जो उथु। असीं थधी मौसम में घुमूं।	٤. تون صُبُحَ جو اُٿُ. اَسين ٿَڌي مَوسَمَ ۾ گهمون.
5. तूं मैसूर खां वापसि अचु। असीं आगरा हलूं।	٥. تون مَيسوُر کان واپَس اَچُ. اَسين آگرا هَلون.

***IX* निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।**

1. बार जानवर डिसणु पसंद कंदा आहिनि।	١. ٻارَ جانوَرَ ڏِسَڻُ پَسند ڪَندا آهِن.
2. मीरा अज़ु जयपुर वञे थी।	٢. ميرا اَڄُ جيپورَ وَڃي ٿي.
3. आगरा में डिसंबर में थधि रहे थी।	٣. آگرا ۾ ڊِسمبَرَ ۾ ٿَڌ رهي ٿي.
4. हेमा सजो सालु मुंबईअ में रहे थी।	٤. هيما سَڄو سالُ مُمبئيءَ ۾ رَهي ٿي.

5.	वधीक चांहि असां लाइ सुठी नाहे।	٥. وَڏيڪ چانهِه اَسان لاءِ سُٺي ناهي.
6.	रमेश जो घरु दहलीअ में कोन्हे।	٦. رَميش جو گهرُ دهليءَ ۾ ڪونهي.

<u>टिप्पणियां</u>

I *निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित कियारूपों को देखिए।*

1.	तूं किथे <u>थो रहीं</u> ?	١. تُون ڪِٿي ٿو رَهين؟
2.	अजुकल्ह असांजे आफ़ीस में कमु वधीक <u>रहे थो</u>।	٢. اَڄُڪَلهه اَسانجي آفيِسَ ۾ ڪَمُ وَڏيڪ رَهي ٿو.
3.	बिनि डोंहनि खां पोइ मां मैसूरु <u>वञां था</u>/वञी रहयो आहयां।	٣. ٻِنِ ڏِينهنِ کان پوءِ مان مَيسوُر وَڃان ٿو، وَڃِي رَهيو آهيان.

सिन्धीअ में 'रहीं थो', 'रहे थो', 'वञां थो' आदि किया रूप सामान्य वर्तमान काल के सूचक हैं। इनकी संरचना किया के धातु रूप 'रह', 'वञ', में 'ईं थो', 'ए थो', 'आं थो', आदि जोड़कर होती है। नीचे दिया गया ढांचा देखिए।

1.	मैं रहता हूं।	मां रहां थो।	١. مان رَهان ٿو.
2.	मैं रहती हूं।	मां रहां थी।	٢. مان رَهان ٿي.
3.	हम रहते हैं।	असीं रहूं था।	٣. اَسِين رَهُون ٿا.
4.	हम रहती हैं।	असीं रहूं थ्यूं।	٤. اَسِين رَهُون ٿيُون.
5.	तुम रहते हो।	तूं रहीं थो।	٥. تُون رَهِين ٿو.
6.	तुम रहती हो।	तूं रहीं थी।	٦. تُون رَهِين ٿي.
7.	आप रहते हो।	तव्हीं रहो था।	٧. توهِين رَهو ٿا.
8.	आप रहती हैं।	तव्हीं रहो थ्यूं।	٨. توهِين رَهو ٿيُون.
9.	वह रहता है।	हू रहे थो।	٩. هوُ رَهي ٿو.
10.	वह रहती है।	हूअ रहे थी।	١٠. هوءَ رَهي ٿي.
11.	वे रहते हैं।	हू रहनि था।	١١. هوُ رَهنِ ٿا.
12.	वे रहती हैं।	हू रहनि थ्यूं।	١٢. هوُ رَهنِ ٿيُون.

सिन्धी में अधिकांश कियाएं उपरोकत ढांचे के अनुसार ही रूप बदलती हैं। लेकिन ' करणु' जैसी विशेष कियाओं में अलग प्रकार से रूप बदलते हैं।

1.	मैं करता हूं।	मां कयां थो।	١. مان ڪَريان ٿو.
2.	मैं करती हूं।	मां कयां थी।	٢. مان ڪَريان ٿي.

3.	हम करते हैं।	असीं कर्यूं था।	٣. اَسين ڪَريوُن تا.
4.	हम करती हैं।	असीं कर्यूं थ्यूं।	۴. اَسين ڪَريوُن تيوُن.
5.	तुम कर्ते हो।	तूं करीं थो।	٥. توُن ڪَرين تو.
6.	तू करती है।	तूं करीं थी।	٦. توُن ڪَرين تي.
7.	आप करते हैं।	तव्हीं कर्यो था।	٧. توهين ڪَريو تا.
8.	आप करती हैं।	तव्हीं कर्यो थ्यूं।	٨. توهين ڪَريو تيوُن.
9.	वह करता है।	हू करे थो।	٩. هوُ ڪَري تو.
10.	वह करती है।	हूअ करे थी।	١٠. هوءَ ڪَري تي.
11.	वे करते हैं।	हू कनि था।	١١. هوُ ڪَن تا.
12.	वे करती हैं।	हू कनि थ्यूं।	١٢. هوُ ڪَن تيوُن.

II निनलिखित वाक्यों में रेखांकित क्रियारूप को देखिए।

'सुबुह खां शाम ताईं कम
में ई मशगूलु <u>रहंदा आहयूं</u>।'

صُبُحَ کان شامَ تائين ڪَمَ
۾ ئي مَشغوُل رَهندا آهيوُن.

सुबह से शाम तक हम काम में ही व्यस्त रहते हैं।

रेखांकित क्रिया रूप से किसी आदत या किसी कार्य को निरंतर करते रहने का भाव प्रकट होता है। यह क्रिया रूप क्रिया के धातु(यहां 'रह') के साथ 'अंद' जोड़कर बनता है। नीचे दिया गया ढांचा देखिए।

1.	मैं रहता हूं।	मां रहंदो आहयां	١.مان رَهندو آهيان.
2.	मैं रहती हूं।	मां रहंदी आहयां।	٢.مان رَهندي آهيان.
3.	हम रहते हैं।	असीं रहंदा आहयूं।	٣.اَسين رَهندا آهيوُن.
4.	हम रहती हैं।	असीं रहंदयूं आहयूं।	۴.اَسين رَهنديوُن آهيوُن.
5.	तुम रहते हो।	तूं रहंदो आहीं।	٥.توُن رَهندو آهين.
6.	तू रहती है।	तूं रहंदी आहीं।	٦.توُن رَهندي آهين.
7.	आप रहते हैं।	तव्हीं रहंदा आहयो।	٧.توهين رَهندا آهيو.
8.	आप रहती हैं।	तव्हीं रहंदयूं आहयो।	٨.توهين رَهنديوُن آهيو.
9.	वह रहता है।	हू रहंदो आहे।	٩.هوُ رَهندو آهي.
10.	वह रहती है।	हूअ रहंदी आहे।	١٠.هوءَ رَهندي آهي.
11.	वे रहते हैं।	हू रहंदा आहनि।	١١.هوُ رَهندا آهن.
12.	वे रहती हैं।	हू रहंदयूं आहनि।	١٢.هوُ رَهنديوُن آهن.

जैसा कि पिछली टिप्पणी से स्पष्ट है, क्रिया 'करणु' यहां भी विशेष प्रकार से रूप बदलती हैं। कृपया देखिए।

1.	मैं करता हूं।	मां कंदो आहयां।	١.مان ڪَندو آهيان.
2.	मैं करती हूं।	मां कंदी आहयां।	٢.مان ڪَندي آهيان.
3.	हम करते हं।	असीं कंदा आहयूं।	٣.اَسين ڪَندا آهيوُن.

4. हम करती हैं।	असीं कंदयूं आहयूं।	۴.اَسِين ڪَنديُون آهيُون.
5. तुम करते हो।	तूं कंदो आहीं।	۵. توُن ڪَندو آهِين.
6. तुम करती हो।	तूं कंदी आहीं।	٦. توُن ڪَندِي آهِين.
7. आप करते हैं।	तव्हीं कंदा आहयो।	٧. تَوهِين ڪَندا آهيو.
8. तुम करती हो।	तव्हीं कंदयूं आहयो।	٨.تَوهِين ڪَنديُون آهيو.
9. वह करता है।	हू कंदो आहे।	٩. هوُ ڪَندو آهي.
10. वह करती है।	हूअ कंदी आहे।	١٠. هوءَ ڪَندِي آهي.
11. वे करते हैं।	हू कंदा आहिनि।	١١. هوُ ڪَندا آهِن.
12. वे करती हैं।	हू कंदयूं आहिनि।	١٢. هوُ ڪَنديُون آهِن.

यहां 'त' वाक्यों को जोड़ते हुए शर्त भाव प्रकट करता है।

III निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित शब्दों की और ध्यान दीजिए।

1. तूं कीअं आहीं ? — ١. توُن ڪيئَن آهِين ؟
2. तूं अजकल्ह किथे थो रहीं ? — ٢.توُن اَڄڪَلهَ ڪِٿي ٿو رَهِين ؟
3. मैसूरु छा थो वञीं ? — ٣. مَيسوُرُ ڇو ٿو وَڃِين ؟
4. छा उते बि एतरी गर्मी थींदी आहे ? — ۴.ڇا اُتي بَہ ايترِي گرَمِي ٿِيندِي آهي ؟

'छा', 'छो', 'कीअं', 'किथे' उपरोक्त वाक्यों को प्रश्नवाचक वाक्य किया से पहले आते हैं लेकिन 'छा', के विशेष प्रकार्य हैं। 'छा' किया से पहले भी आता है, और वाक्य से पहले भी जुड़ता है। ध्यान दीजिए।

1. छा रामु घर में आहे ? — ١. ڇا رامُ گهرَ ۾ آهي ؟

   क्या राम घर में है ?

2. राम जे पुट जो नालो छा आहे ? — ٢. رامَ جي پُٽ جو نالو ڇا آهي ؟

   राम के बेटे का नाम क्या है ?

IV निम्नलिखित वाक्यों की ओर ध्यान दीजिए।

1. आफ़ीस जे कम सां थो वञीं, छा ? — ١. آفِيس جي ڪَمَ سان ٿو وَڃِين، ڇا ؟

   आफ़ीस के काम से जा रहे हो, क्या ?

इस वाक्य को प्रश्नवाचक बनाने के लिए वाक्य के बाद 'छा' जोड़ा गया है।

V **निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित किया रूपों में शब्दों के *बदले हुए कम की ओर ध्यान दीजिए।***

1. मैसूरु छो <u>थो वञीं</u> ?   ا. مَيسوُر ڇو ٿو وَڃِين ؟
   मैसूर क्यों जा रहे हो ?
2. आफ़ीस जे कम सां <u>थो वञीं,</u> छा ?   ٢. آفِيس جي ڪَمَ سان ٿو <u>وَڃِين</u>، ڇا؟
   आफ़ीस के काम से जा रहे हो, क्या ?

सामान्य किया पदों में शब्दों का कम 'मुख्य किया सहायक किया 'थो' होता है जैसे 'वञीं थो, 'रहीं थो' आदि, लेकिन प्रश्नवाचक वाक्यों में सहायक किया थो मुख्य किया' शब्दकम अधिक स्वाभाविक लगता है।

VI **निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों की ओर ध्यान दीजिए।**

1. न, मुंहिंजो उते कोई कमु <u>नाहे</u>।   ا. نَہ،مُنهنجو اُتي ڪوئي ڪَمُ ناهي.
   नहीं, वहां मेरा कोई काम नहीं है।
2. न, अहड़ी <u>गाल्हि</u> <u>कान आह</u>।   ٢. نَہ اَهڙِي ڳالهہ ڪانَہ آهي.
   नहीं, एसी बात नहीं है।

'नाहे' की रचना 'आहे' में 'न' जुड़ने से होती है, और 'कान्हे' की रचना 'आहे' में 'कान' जोड़ने से होती है। अब निम्नलिखित ढांचे की ओर ध्यान दीजिए।

एकवचन

पुल्लिंग		**स्त्रीलिंग**
मां नाहयां مان ناهيان	मैं नहीं हूं	मां नाहयां مان ناهيان
तूं नाहीं توُن ناهِين	तुम नहीं हो	तूं नाहीं توُن ناهِين
हू नाहे هوُ ناهي	वह नहीं है	हूअ नाहे هوءَ ناهي

बहुवचन

पुल्लिंग		स्त्रीलिंग
اَسِين ناهيوُن		اَسِين ناهيوُن
असीं नाहयूं	हम नहीं हैं	असीं नाहयूं
تَوهِين ناهيو		تَوهِين ناهيو
तव्हीं नाहयो	आप नहीं हैं	तव्हीं नाहयो
هوُ ناهِن		هوُ ناهِن
हू नाहिनि	वे नहीं है	हू नाहिनि

एकवचन

पुल्लिंग		स्त्रीलिंग
مان ڪونہ آهيان.		مان ڪانہ آهيان
मां कोन आहयां	मैं नहीं हूं	मां कान आहयां
توُن ڪونہ آهين		توُن ڪانہ آهين
तूं कोन आहीं	तू नहीं है	तूं का न आहीं
هوُ ڪونہ آهي		هوءَ ڪانہ آهي
हू कोन आहे	वह नहीं है	हूअ का न आहे

बहुवचन

पुल्लिंग		स्त्रीलिंग
اَسِين ڪونہ آهيوُن.		اَسِين ڪانہ آهيوُن
असीं कोन आहयूं	हम नहीं हैं	असीं कान आहयूं
تَوهِين ڪونہ آهيو.		تَوهِين ڪانہ آهيو.
तव्हीं कोन आहयो	आप नहीं हैं	तव्हीं कान आहयो
هوُ ڪونہ آهِن.		هوُ ڪانہ آهِن
हू कोन आहिनि	वे नहीं है	हू कान आहिनि

VII इस पाठ में निम्नलिखित विशेषणो का प्रयोग हुआ है।

सज॒ो	سَچو	सुठो	سُٺو	ड॒ाढो	ڏاڍو
वड॒ो	وَڏو	पुराणो	پُراڻو	घणो	گھڻو
थोरो	ٿورو	एतरो	ايترو	लाइकु	لائِقُ
पसंदि	پَسنِد	वधीक	وَڌِيڪ		

सभी ओकारांत विशेषण विशेष्य संज्ञा के लिंग और वचन के अनुसार रूप बदलते हैं।

मिसालु :

पुल्लिंग		स्त्रीलिंग	
सुठो छोकरो अच्छा लड़का	سُٺو ڇوڪرو	सुठी छोकरी अच्छी लड़की	سُٺي ڇوڪري
सुठा छोकरा अच्छे लड़के	سُٺا ڇوڪرا	सुठयूं छोकरयूं अच्छी लड़कियां	سُٺيوُن ڇوڪريوُن

उकारांत, इकारांत और अकारांत विशेपणों जैसे **'लाइकु'**, **'पसंदि'**, **'वधीक'** आदि के रूप नहीं बदलते।

VIII *निम्नलिखित वाक्य में 'ई' का प्रयोग देखिए।*

1. मां आफ़ीस जे कम सां ई वञां थो। مان آفيس جي ڪم سان ئي وڃان ٿو.
   मैं आफ़िस के काम से <u>ही</u> जा रहा हूं।

ई अपने से पहले आनेवाले शब्द को बल प्रदान करता है।

निम्नलिखित वाक्य में विशेषण 'घणो' के साथ 'ई' का प्रयोग देखिए।

2. तूं पंहिंजी आफ़ीस तरफां <u>घणोई</u> घुमीं थो। توُن پنهنجي آفيس طرفان گھڻوئي گھمين ٿو.
   तुम अपनी आफ़िस की ओर से काफ़ी घूमते हो।

घणो + ई = घणोई

گھڻو+ ئي = گھڻوئي

1. पाठ के अनुसार प्रश्नों के उतर दीजिए।

1. राम मैसूर छो थो वञे ?	١. رامُ مَيسوُر ڇو ٿو وڃي ؟
------------------------------------	------------------------------------
2. सज़ो सालु मैसूर जी मौसम कीअं हूंदी आहे ?	٢. سَڄو سالُ مَيسوُر جي مَوسم ڪِيئَن هوُندِي آهي ؟
------------------------------------	------------------------------------
3. बि॒नि ड॒ांहनि खां पोइ रामु किथे थो वञे ?	٣. ٻِنِ ڏِينهنِ کان پوءِ رامُ ڪِٿي ٿو وَڃي ؟
------------------------------------	------------------------------------

1. मां घरि ———— थो। (वञां, वञूं)	١. مان گهرِ ------------ ٿو. (وَڃان، وَڃوُن)
2. तूं किथे ——— थो। (वञी, वञे)	٢. توُن ڪِٿي ---------- ٿو. (وَڃين، وَڃي)
3. हू मैसूर ——— थो। (वञे, वञा)	٣. هوُ مَيسوُر ---------- ٿو. (وَڃي، وَڃان)
4. असीं आफ़ीस जे कम सां ——— थो। (वञूं, वञे)	٤. اَسِين آفِيس جي ڪَم سان --------- ٿا. (وَڃوُن، وَڃي)
5. तव्हीं पंहिंजे कम सां ——— था। (वञा, वञो)	٥. توهين پَنهِنجي ڪَم سان --------- ٿا. (وَڃان، وَڃو)

6. हू दहलीअ -------- था। (वञां, वञनि)

٦. هوُ دَهليءَ ------------ تا. (وَڃنِ، وَڃان)

3. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : आफ़ीस में कमु वधीक रहे थो।

आफ़ीस में कमु वधीक रहंदो आहे।

مِثالُ : آفيِسَ ۾ ڪَمُ وَڌيڪ رَهي تو.

آفيِس ۾ ڪَمُ وَڌيڪ رَهَندو آهي.

1. रामु अजुकल्ह किथे रहे थो ?

____

١. رامُ اَڄُ ڪلهه ڪِٿي رَهي تو ؟

----

2. श्यामु पंहिंजे कम में मश्गूलु रहे थो।

____

٢. شيامُ پَنهِنجي ڪَمَ ۾ مَشغوُل رَهي تو.

----

3. मुंहिंजो भाउ मैसूर वञे थो।

____

٣. مُنهِنجو ڀاءُ مَيسوُر وَڃي تو.

----

4. आगरा में डाढी गर्मी थिए थी।

____

٤. آگرا ۾ ڏاڍي گَرمي ٿِئي تي.

----

5. रीता परीवार सां गडु घरि अचे थी।

____

٥. ريِتا پَريِوار سان گَڏ گهرِ اَچي تي.

----

4. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : तूं आफ़ीस जे कम सां वञीं थो।

तूं आफ़ीस जे कम सां थो वञीं छा ?

1. आगरा में थधि पवे थी।

---

2. अज॒ शीला घरि अचे थी।

---

3. गोपालु रोजु दौरे ते वञे था।

---

4. मुकेश दोस्त सां गडु घुमे था।

---

5. अजुकल्ह मौसम सुठी रहे थी।

مِثالُ : توُن آفِيس جي ڪَمَ سان وَڃِين ٿو.

توُن آفِيس جي ڪَمَ سان ٿو وَڃِين ڇا ؟

١. آگَرا ۾ ٿَڌِ پَوي ٿِي.

---

٢. اَڄُ شيِلا گَهرِ اَچي ٿِي.

---

٣. گوپالُ روزُ دَوري تي وَڃي ٿو.

---

٤. مُڪيشُ دوسَت سان گَڏُ گُهمي ٿو.

---

٥. اَڄُڪَلهَ مَوسَمَ سُٺِي رَهي ٿِي.

---

5. निम्नलिखित वाक्यों का सिन्धी में अनुवाद कीजिए।

1. सीता कहां रहती है ?

____

2. पुष्पा और गीता हमेशा व्यस्त रहती हैं।

____

3. सोनू हर सोमवार को घर जाता है।

____

4. राधा सुबह से शाम तक काम करती है।

____

5. मोहन छोले भठूरे खाता है।

____

पाठ 3

बाज़ार जाना

लक्ष्मी : बहन! कहां जा रही हो ?

सती : मैं बाज़ार जा रही हूं। तुम्हें कुछ लेना है क्या?

लक्ष्मी : बाज़ार तो मुझे भी जाना है। कल मीरा के स्कूल में ड्रामा है। उसके लिए कुछ तैयारी करनी है। बाज़ार से कुछ सामान लेने जाना है।

सती : क्या क्या लेना है ? मुझे बताओ तो मैं ले आऊं।

लक्ष्मी : मुझे मालूम नहीं है। मीरा से पूछती हूं, फिर तुम्हें बताती हूँ।

सती : मीरा को लेना है तो मीरा साथ चले। तुम भी चलो। तुम्हारे लिए थोड़ा चलना फिरना अच्छा है। सारा दिन घर में बैठने से बोर नहीं होती हो।

सबक़ 3

बज़ारि वञणु

लछमी : भेण! केडांहुं थी वञीं ?

सती : मां बज़ारि थी वञां। तोखे कुझ वठणो आहे छा ?

लछमी : बज़ारि त मूं खे बि वञणो आहे सुभाणे मीरां जे इस्कूल में ड्रामो आहे उन लाइ कुझु त्यारी करणी आहे। बज़ारि मां कुझु सामानु वठण वञणो आहे।

सती : छा छा वठणो आहे। मूं खे बुधाइ त मां वठी अचां।

लछमी : मूं खे ख़बर कान्हे। मीरां खां पुछां थी। पोइ तोखे बधायां थी।

सती : मीरां खे वठणो आहे त मीरां गडु हले; तूं बि हलु। तो लाइ थोरो हलणु चलणु सुठो आहे। सजो डींहुं घर में विहण सां ककि नथी थीं ?

سَبَقُ ٣

بَزارِ وَڃَڻُ

لَڇمي : ڀيڻَ! ڪيڏاهُن ٿي وَڃين ؟

سَتي : مان بَزارِ ٿي وَڃان. توکي ڪُجھ وَٺڻو آهي ڇا ؟

لَڇمي : بَزارِ تہ مون کي بہ وَڃڻو آهي. سُڀاڻي ميران جي اِسڪولَ ۾ ڊرامو آهي. اُن لاءِ ڪُجھ تياري ڪرڻي آهي. بَزارِ مان ڪُجھ سامانُ وَٺَڻ وَڃڻو آهي.

سَتي : ڇا ڇا وَٺڻو آهي، مون کي ٻُڌاءِ تہ مان وَٺي اَچان.

لَڇمي : مون کي خَبَرَ ڪانهي. ميران کان پُڇان. پوءِ توکي ٻُڌايان ٿي.

سَتي : ميران کي وَٺڻو آهي تہ ميران گَڏُ هَلي. تون بہ هَلُ. تو لاءِ ٿورو هَلَڻُ چَلَڻُ سُٺو آهي. سَڄو ڏينهُن گهرَ ۾ وِهَڻَ سان ڪَکِ نَٿي ٿين؟

लक्ष्मी : कहती तो ठीक हो। मेरे स्वास्थ्य के लिए थोड़ा घूमना फिरना फ़ाइदे वाला है; अच्छा चलो तो चलते हैं। पर लौटने में देर न करें। देर से लौटना मुझे अच्छा नहीं लगता।

लछमी : चवीं त ठीकु थी, मुंहिंजी सिहत लाइ थोरो घुमणु फिरणु फ़ाइदे वारो आहे। चङो, हलु त हलूं था । पर मोटण में देरि न कर्यूं। देरि सां मोटणु मूं खे सुठो नथो लग॒।

لڇمي: چوين تہ نيڪ ٿي، مُنهنجي صِحَت لاءِ ٿورو گهمڻُ ڦِرڻُ فائدي وارو آهي. چڱو، هلُ تہ هلون ٿا، پَرَ موٽَڻ ۾ دير نہ ڪريون. ديرِ سان موٽڻُ مون کي سُنو نٿو لڳي.

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌِي
ले आऊं	वठी अचां	وَٺِي اَچان
मालूम	ख़बर	خَبَرَ
पूछती हूं	पुछां थी	پُڇان ٿِي
फिर	पोइ	پوءِ
बताती हूं	बुधायां थी	ٻُڌايان ٿِي
साथ	गडु	گَڏُ
चले	हले	هَلي

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌِي
कल	सुभाणे	سُڀاڻي
नाटक	ड्रामो	ڊرامو
उसके लिए	उन लाइ	اُنَ لاءِ
तैयारी	त्यारी	تياري
करना	करणु	ڪَرَڻُ
चीज़ सामान	सामानु	سامانُ
बताओ	बुधाइ	ٻُڌاءِ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌِي
बाज़ार	बज़ारि	بَزارِ
जाना	वञणु	وَڃَڻُ
बहन	भेण	ڀيڻَ
कहां	कड़ांहुं	ڪيڏاهُن
तुम्हें	तोखे	توکي
लेना	वठणु	وَٺَڻُ
लेना है	वठणो आहे	وَٺڻو آهي

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
काम	कमु	ڪَمُ
लेकिन	पर	پَرَ
लौटने में	मोटण में	موٽَڻَ ۾
करे	कर्यूं	ڪريوُن
चलते हैं	हलूं था	هَلوُن ٿا
लौटना	मोटणु	موٽَڻُ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
नहीं होती हो	नथी थीं	نَٿي ٿين
कहना	चवणु	چَوَڻُ
होना	थियणु	ٿيڻُ
स्वास्थ्य	सिहत	صِحَتَ
घूमना फिरना	घुमणु फिरणु	گهمڻُ ڦِرَڻُ
लाभ	फ़ाइदो	فائِدو
वाला	वारो	وارو

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
तुम्हारे लिए	तो लाइ	تو لاءِ
चलना फिरना	हलणु चलणु	هَلَڻُ چَلَڻُ
पूरा	सॼो	سَڄو
दिन	ॾींहुं	ڏِينهُن
बैठते हो	विहीं थो	وِهين ٿو
देर	देरि	دير
बोर	ककि	ڪِڪ

I ***निम्नलिखित वाक्यों का अभ्यास कीजिए।***

1. तोखे कुझु वठणो आहे छा ? ١. توکي ڪُجھ وَنٹو آھي چا؟
2. बज़ारि त मूं खे बि वञणो आहे। ٢.بَزارِ تَہ موُن کي بِہ وَڃڻو آھي.
3. उन लाइ कुझु त्यारी करणी आहे। ٣.اُن لاءِ ڪُجھ تياريِ ڪَرڻي آھي.
4. छा छा वठणो आहे ? ٤. چا چا وَنٹو آھي؟
5. तो लाइ हलणु चलणु सुठो आहे। ٥. تو لاءِ ھَلَڻُ چَلَڻُ سُٺو آھي.
6. मूं लाइ घुमणु फिरणु फ़ाइदे वारो आहे। ٦. موُن لاءِ گھمڻُ ڦِرڻُ فائِدي وارو آھي.
7. मूं खे बुधाइ त मां वठी अचां। ٧. موُن کي ٻُڌاءِ تَہ مان وَٺِي اَچان.
8. मीरां खे हलणो आहे त मीरां गडु हले। ٨. ميران کي ھَلڻو آھي تَہ ميِران گَڏُ ھَلي.
9. पर मोटण में देरि न कयूं। ٩. پَرَ موٽَڻَ ۾ ديرِ نَہ ڪَريوُن.
10. मूं खे देरि सां मोटणु सुठो नथो लगु। ١٠. موُنَ کي دير سان موٽَڻُ سُٺو نَٿو لَڳي.

II ***रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए हुए शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए।***

(चवणो, डियणो, बुधणो, पुछणो) ١. (چوٹو، ڏِيَٹو، ٻُڌٹو، پُڇڻو)

1. तोखे कुझु वठणो आहे छा ? ١. توکي ڪُجھ وَنٹو آھي چا ؟
2. मूं खे कुझु वठणा आहे छा ? ٢. موُن کي ڪُجھ وَنٹو آھي چا ؟
3. हुन खे कुझु वठणा आहे छा ? ٣. ھُنَ کي ڪُجھ وَنٹو آھي چا ؟
4. तव्हां खे कुझु वठणो आहे छा ? ٤. تَوھان کي ڪُجھ وَنٹو آھي چا ؟
5. असां खे कुझु वठणा आहे छा ? ٥. اَسان کي ڪُجھ وَنٹو آھي چا ؟
6. राम खे कुझु वठणो आहे छा ? ٦. رامَ کي ڪُجھ وَنٹو آھي چا ؟
7. हिन खे कुझु वठणा आहे छा ? ٧. ھِنَ کي ڪُجھ وَنٹو آھي چا ؟

III ***कोष्ठक में दिए हुए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर वाक्यों की पूर्ति कीजिए।***

1. मूं लाइ ——— फ़ाइदे वारो आहे। (हलणु चलणु) ١. موُن لاءِ --- فائِدي وارو آھي. (ھَلَڻُ چَلَڻُ)
2. बारनि लाइ ——— सुठो आहे। (डोड़णु डुकणु) ٢. ٻارنِ لاءِ --- سُٺو آھي. (ڊوڙِڻُ ڊُڪَڻُ)

3. राम लाइ ---- जरुरी आहे। ٣. رامَ لاءِ --- ضروُرِي آهي.

(सवेल सुम्हणु) (سَويل سُمهَڻُ)

4. असांजो हर वक़्त गांधीधाम में ---- थींदो आहे। ٤. اَسان جو هَرَ وَقِت گانڌيڌامَ ۾ --- ٿيندو آهي.

(अचणु वञणु) (اَچَڻُ وَڃَڻُ)

5. मुंहिंजे भाउ जो वड॒नि माण्हुनि सां ---- थिए थो। ٥. مُنهنجي ڀاءُ جو وَڏن ماڻهُن سان --- ٿئي ٿو.

(उथणु विहणु) (اُٿَڻُ وِهَڻُ)

IV *पढ़िए और समझिए।*

1. बज़ारि मां सामानु वठणो आहे। ١. بَزارِ مان سامانُ وَٺڻو آهي.
2. बज़ारि मां सामानु कोन वठणो आहे। ٢. بَزارِ مان سامانُ ڪونَ وَٺڻو آهي.
3. बज़ारि मां छा छा वठणो आहे ٣. بَزارِ مان ڇا ڇا وَٺڻو آهي.
4. छा बज़ारि मां वठणो आहे ? ٤. ڇا بَزارِ مان وَٺڻو آهي ؟
5. हा, बज़ारि मां सामानु वठणो आहे। ٥. ها، بَزارِ مان سامانُ وَٺڻو آهي.
6. बज़ारि मां सामानु वठणो आहे छा ? ٦. بَزارِ مان سامانُ وَٺڻو آهي ڇا ؟
7. न,बज़ारि मां सामानु कोन वठणो आहे। ٧. نَہ، بَزارِ مان سامانُ ڪونَ وَٺڻو آهي.

V *कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर वाक्यों की पूर्ति कीजिए।*

(उथणु,पीअणु, खाइणु, वञणु, अचणु) (اُٿَڻُ، پيئَڻُ، کائِڻُ، وَڃَڻُ، اَچَڻُ)

1. आगरे खां मैसूर ---- में ब॒ डीं॒हं लग॒दा आहिनि। ١. آگري کان مَيسوُر ---- ۾ ٻہ ڏينهن لَڳندا آهِن.
2. मूं खे चांहि ---- में देरि लग॒दी आहे। ٢. مونَ کي چانهِہ ---- ۾ ديرِ لَڳندي آهي.
3. आफ़ीस खां घरि ---- में देरि थी वेंदी आहे। ٣. آفيس کان گھرِ ---- ۾ ديرِ ٿي ويندي آهي.
4. छोला भठूरा ---- में सुठा लग॒दा आहिनि। ٤. ڇولا ڀٽورا ---- ۾ سُٺا لَڳندا آهِن.
5. सुबुह जो ---- में देरि न कयूँ। ٥. صُبُح جو ---- ۾ ديرِ نَہ ڪريون.

VI *उदाहरण के अनुसार वाक्यों को जोड़िए।*

मिसालु : मीरां खे हलणो आहे। مِثالُ: ميران کي هَلڻو آهي.

मीरां गड॒ हले। ميران گَڏُ هلي.

मीरां खे हलणो आहे त मीरां गड॒ हले।	ميران کي هَلڻو آهي تہ ميران گڏُ هلي.
1. तोखे सवेल उथणो आहे। तूं जल्दी सुम्हु।	١. توکي سَويلَ اُٿڻو آهي. توُن جَلدِي سُمهُہ.
2. तोखे चांहि पीअणी आहे। पहरीं मुंहिंजो कमु करि।	٢.توکي چانہِ پيئڻي آهي. پَهرين مُنهِنجو ڪمُ ڪرِ.
3. शरीर खे तंदुरूस्त रखणो आहे। तूं नेम टेम सां हलु।	٣.شَرِير کي تَندُرُستِ رَکڻو آهي. توُن نيمَ ٽيمَ سان هَلُ.
4. तोखे बुख़ारु आहे। डाक्टर खां दवा वठु।	٤. توکي بُخار آهي. ڊاڪٽر کان دَوا وَٺُ.
5. श्याम खे सुवालु पुछणो आहे। हू जल्दी वञे।	٥.شيامَ کي سُوالُ پُڇڻو آهي. هوُ جَلدِي وَڃي.

टिप्पणियां

I नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित किया शब्दों को देखिए।

1. बज़ारि त मूं खे बि वञणो आहे।	١. بَزارِ تہ موُنَ کي بہ وَڃڻو آهي
2. हुन लाइ कुझु त्यारी करणी आहे।	٢. هُنَ لاءِ ڪُجهہ تياري ڪرڻي آهي.

रेखांकित किया रूपों से बाध्यता, आवश्यकता, ज़रुरत, अनिवार्यता का भाव प्रकट होता है। यहां 'वठणो', 'करणी' कृदंतीय किया रूप 'वठणु' और 'करणु'. में 'अणु', 'इणी' और 'इणो' में बदलने से बने हैं। इसका ढांचा नीचे देखिए।

	एकवचन	*बहुवचन*
पुल्लिंग :	किताबु वठणो आहे।	किताब वठणा आहिनि
	ڪِتابُ وَٺڻو آهي.	ڪِتاب وَٺڻا آهِنِ.
स्त्रीलिंग :	शइ वठणी आहे।	शयूं वठिणयूं आहिनि।
	شَي وَٺڻي آهي.	شَيوُن وَٺڻيوُن آهِنِ.

II *निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए।*

1. देरि सां मोटणु मूं खे सुठो नथो लगु। — ١. دير سان موٽڻُ مُون کي سُٺو نَٿو لَڳي.
2. तो लाइ थोरो हलणु चलणु सुठो आहे। — ٢. تو لاءِ ٿورو هَلڻُ چَلڻُ سُٺو آهي.

रेखांकित शब्द क्रिया में कृदंतीय रूप हैं जो यहां संज्ञा की तरह प्रयुक्त हुए हैं। इन क्रियार्थक संज्ञाओं का रूप बहुवचन में अपरिर्वतित रहता है। इन कृदंतीय क्रिया रूपों का संज्ञा के रूप में प्रयोग करते समय इनके रूप में परिर्वतन आ जाता है जैसा नीचे लिखे वाक्यों में रेखांकित शब्दों से सूचित होता है।

1. सजो डांहुं घर में विहण सां ककि नथी थीं ? — ١. سَڄو ڏِينهُن گهرَ ۾ وِهڻ سان ڪِڪ نَٿي ٿِين ؟
2. पर मोटण में देरि न कर्यूं। — ٢. پَرَ موٽڻ ۾ دير نَہ ڪريوُن.

III *रेखांकित शब्दों को निम्नलिखित वाक्यों में देखिए।*

1. बज़ारि मां कुझु सामानु वठण वञणो आहे। — ١. بَزارُ مان ڪُجھ سامانُ وَٺڻ وَڃڻو آهي.
2. रामु मूं सां मिलण आयो आहे। — ٢. رامُ مُون سان مِلَڻ آيو آهي.

जब कृदंतीय रूप 'अचणु', 'वञणु', मिलणु आदि क्रिया सें पहले आते हैं तो ये कार्य के प्रयोजन की सूचना देते हैं।

IV *निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित क्रिया रूपों को देखिए।*

1. सजो डांहु घर में विहण सां ककि नथी थीं। — ١. سَڄو ڏِينهُن گهرَ ۾ وِهڻ سان ڪِڪ نَٿي ٿِين.
2. देरि सां मोटणु मूं खे सुठो नथा लगु। — ٢. دير سان موٽڻُ مُون کي سُٺو نَٿو لَڳي.

जब वाक्य में नकारात्मक तत्व **'न'** का प्रयोग होता है तो सहायक क्रिया यहां नकारात्मक तत्व के साथ जुड़कर मुख्य क्रिया से पहले आ जाती है। उदाहरण के लिए वाक्य (1) और (2) में मुख्य क्रिया और सहायक क्रिया का सामान्य कम थीं थो' और 'लगु थो' है पर नकारात्मक तत्व 'न' के आने से यह कम उपर रेखांकित पदबंदो की तरह बदल जाता है।

1. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उतर दीजिए।

1. लछमीअ खे किथे वञणो आहे ?

١. لڇميءَ کي ڪٿي وَڃڻو آهي ؟

____

2. ड्रामे लाइ छा करणो आहे ?

٢. ڊرامي لاءِ ڇا ڪَرڻو آهي ؟

____

3. सिहत लाइ छा फ़ाइदे वारो आहे ?

٣. صِحَت لاءِ ڇا فائِدي وارو آهي ؟

____

4. सतीअ खे छा सुठो नथो लग॒ ?

۴. سَتيءَ کي ڇا سُٺو نَٿو لَڳي ؟

____

5. सामानु किथां वठणो आहे ?

۵. سامانُ ڪِٿان وَٺڻو آهي ؟

____

देरि सां मोटण मूं खे सुठो नथो लग॒।

ديرِ سان موٽڻُ مون کي سُٺو نَٿو لَڳي۔

(उथणु, सुम्हणु, अचणु, वञणु, जाग॒णु)

(اُٿڻُ، سُمهڻُ، اَچڻُ، وَڃڻُ، جاڳڻُ)

1. ---
2. ---
3. ---
4. ---
5. ---

۱. ---
۲. ---
۳. ---
۴. ---
۵. ---

3. कोष्ठक में दिए हुए शब्द के उचित रूप से वाक्य पूर्ति कीजिए।

1. मूं खे सामानु ------- आहे। (वठणु)
2. तोखे त्यारी -------- आहे। (करणु)
3. हुन खे शाम जो वापसि ------- आहे। (वञणु)
4. मूं खे घणाई कम -------- आहिनि। (करणु)
5. मीरा खे गा॒ल्हियूं --------- आहिनि। (बुधाइणु)

۱ مونِ کي سامانُ ---------- آهي. (وَٺڻُ)
۲ توکي تياريِ ------------ آهي. (ڪرڻُ)
۳ هُن کي شامِ جو واپَسِ ----------- آهي. (وَڃڻُ)
۴ مونِ کي گهڻائيِ ڪَمَ ----------- آهِنِ. (ڪَرَڻُ)
۵ مِيران کي ڳالهيوُن ------------- آهِنِ. (ٻُڌائِڻُ)

4. दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर वाक्य पूर्ति कीजिए।

(मिलणु, डि॒सणु, लिखणु , हलणु, सोचणु)

(مِلڻُ، ڏِسڻُ، لِکڻُ، هَلَڻُ، سوچَڻُ)

1. मूं खे -------- में देरि लगे थी।

2. इहा ग॒ाल्हि तुंहिंजे -------- जी न आहे।

3. पिक्चरु -------- लाइ मूं खे वक़्तु कोन्हे।

4. मुंहिंजो दोस्तु मू सा -------- अचे थो।

5. तोसां गडु -------- सां कमु थ्ये थो।

١. مون کي ---------- ۾ دير لڳي تي.

٢. اِها ڳالهہ تُنهنجي ----------جي نہ آهي.

٣. پڪچرُ ---------- لاءِ مون کي وَقتُ ڪونهي.

۴. مُنهنجو دوستُ مون سان ---------- اَچي تو.

۵. توسان گڏِ ---------- سان ڪمُ ٿئي تو.

5. निम्नलिखित वाक्यों का सिन्धी में अनुवाद कीजिए।

1. सुबह जल्दी उठना अच्छा है।

----

2. मुझे बाज़ार से सामान लाना है।

----

3. सुबह जल्दी उठने के लिए रात को जल्दी सोना है।

----

4. बच्चों के लिए दौड़ना–भागना अच्छा है।

----

5. तुम्हें मेरे साथ घूमने चलना है।

पाठ 4

पुस्तकों की दुकान पर

दुकानदार : आइए, श्रीमान आइए! आपको क्या चाहिए ?

रामचंद : मुझे कुछ पुस्तकें चाहिए। मेरे नाती को कहानी की पुस्तक चाहिए। बच्चों की पुस्तकें आपके पास हैं क्या ?

दुकानदार : हां, श्रीमान, देखिए इस तरफ़ बच्चों की पुस्तकें हैं और उस तरफ़ बड़ों की, चुन लीजिए।

रामचंद(नाती से) : बेटा! तुम्हें जो पुस्तकें चाहिए खोज लो।

रामचंद (दुकानदार से) : मुझे हिन्दी – सिन्धी कोश निकालकर दीजिए।

दुकानदार : हां श्रीमान! ये लीजिए। और क्या दूं ?

सबकु 4

किताबनि जे दुकान ते

दुकानदारु : अचो साईं अचो। तव्हां खे छा खपे ?

रामचंदु : मूं खे कुझु किताब खपनि। मुंहिंजे ड॒ोहटे खे कहाणीअ जो किताबु घुर्जे। ब॒ारनि जा किताब अथव छा ?

दुकानदारु : हा साईं, ड॒िसो, हिन पासे ब॒ारनि जा किताब आहिनि ऐं हुन पासे वड॒नि जा; चूंडे वठो।

रामचंदु (ड॒ोहटे खे) : पुट जेके किताब तोखे खपनि, ग॒ोल्हे वठु।

रामचंदु(दुकानदार खे) : मूं खे हिन्दी –सिन्धी डिक्शनरी खपे। हिक कढी ड॒ियोमि।

दुकानदारु : हा साईं, हीअ वठो। ब॒ियो छा ड॒ियांव ?

سَبَقُ ۴

ڪِتابنِ جي دُڪان تي

دُڪاندارُ : اَچو سائين اَچو. توهان کي ڇا کپي؟

رامچندُ : مون کي ڪُجهه ڪِتابَ کپن. مُنهنجي ڏوهٽي کي ڪهاڻيءَ جو ڪِتابُ گُهرجي. ٻارن جا ڪِتابَ اٿوَ ڇا ؟

دُڪاندارُ : ها، سائين، ڏِسو ، هِن پاسي ٻارن جا ڪِتابَ آهِنِ ۽ هُنَ پاسي وڏن جا. چونڊي وٺو.

رامچندُ (ڏوهٽي کي) : پُٽ، توکي جيڪي ڪتابَ کپن، ڳولهي وٺُ.

رامچندُ (دُڪاندار کي) : مون کي هِندي- سِنڌي ڊِڪشنري کپي. هِڪ ڪڍي ڏيوم.

دُڪاندارُ : ها سائين! هيءَ وٺو. ٻيو ڇا ڏيانوَ ؟

रामचंद : बस इसे पंचतंत्र की कहानियां और दूसरी कहानियों की पुस्तकें दीजिए। अब मुझे पैसे बताइए।

दुकानदार : श्रीमान, आपको अपने लिए भी कोई उपन्यास या मैगज़ीन लेनी चाहिए।

रामचंद : नहीं, अभी मुझे कुछ नहीं चाहिए। बस प्रकाशित पुस्तकों की सूची दे दीजिए, और फिर कभी। अभी पैसे भी तो होने चाहिए! बिल कितने पैसों का है ?

दुकानदार : कुल एक सौ चालीस रुपए।

रामचंद : ये लीजिए। कमीशन भी तो आपको काटनी चाहिए ? आपने काटी है ?

दुकानदार : दस प्रतिशत कमीशन काटकर ही तो आपको बताया है।

रामचंद : ठीक है, धन्यवाद।

रामचंदु : बसि हिनखे पंचतंत्र जे कहाणयुनि जो ऐं ब़ियो कोई कहाणयुनि जो किताबु ड़ियो।हाणे पैसा बुधायोमि।

दुकानदारु : साईं, तव्हां खे पंहिंजे लाइ बि को नावलु या मैगज़नि वठणु घुर्जे।

रामचंदु : न, हींअर कुझु न घुर्जेमि। बसि। छप्यल किताबनि जी सूची ड़ई छड़योमि, ब़ियो वरी ब़िए दफ़े। हींअर पैसा बि त हुअणु घुर्जनि। बिलु घणनि पैसनि जो आहे ?

दुकानदारु : कुल हिकु सौ चालीह रुपया।

रामचंदु : ही वठो। कमीशनि बि त कटणु खपेव ? कटी अथव ?

दुकानदारु : ड़ह सेकड़ो कटे ई त बुधायो अथमांव।

रामचंदु : ठीकु आहे, महिरबानी।

رامَچندُ : بَس، هِنَ کي پَنچَتنترَ جي کَهاڻيُنِ ۽ٻِيو ڪوئِي ڪهاڻيُنِ جو ڪِتابُ ڏِيو. هاڻي پَيسا ٻُڌايومِ.

دُڪاندارُ : سائِين تَوَهان کي پَهِنجي لاءِ بِہ ڪو ناوَلُ يا مَيگزِنِ وَٺَڻُ گُهرجي.

رامَچندُ : نَہ هينئَر ڪُجُهہ نَہ گُهرجيمِ. بَسِ چَپِيَلَ ڪِتابَنِ جِي سوُچِي ڏيئِي ڇَڏيومِ، ٻِيو وَري ٻِئي دَفعي. هينئَر پيَسا بِہ تَہ هُئَڻُ گُهرجَنِ. بِلُ گَهڻَنِ پَيسَنِ جو آهي ؟

دُڪاندارُ : ڪُل هِڪُ سَو چاليهَہ رُپيا.

رامَچندُ : هي وَٺو. ڪَميشَنِ بِہ تَہ ڪَٽَڻُ کَپيوَ. ڪَٽي اَٿَوَ ؟

دُڪاندارُ : ڏَهہ سيڪڙو ڪَٽي ئِي تَہ ٻُڌايو اَٿمانوَ.

رامَچندُ : ٺِيڪُ آهي، مَهِرباني.

शब्दार्थ

हिन्दी	*देवनागरी*	سنڌِي
मुझे दे दीजिए	डे॒ई छ॒ड॒योमि	ڏيئِي ڇَڏيومِ
(मुझे) बताइए	बुधायोमि	ٻڌايومِ
फिर कभी	बि॒ए दफे	ٻِئي دَفعي
अभी	हींअर	هِينئَر
सौ	सौ	سَو
चालीस	चालीह	چاليِهَ
काटना	कटणु	ڪَٽَڻُ

शब्दार्थ

हिन्दी	*देवनागरी*	سنڌِي
चुनना,	चूंडणु	چوُنڊَڻُ
लेना	वठणु	وَٺَڻُ
(तुम्हें) चाहिए	खपनि	کَپَنِ
ढुंढना	गो॒ल्हणु	ڳولهَڻُ
निकालना	कढणु	ڪَڍَڻُ
कोश	डिक्शनरी	ڊِڪشنَرِي
देना	डि॒यणु	ڏِيَڻُ
प्रकाशित	छप्यलु	ڇَپيَلُ

शब्दार्थ

हिन्दी	*देवनागरी*	سنڌِي
श्रीमान	साईं	سائِين
चाहिए	खपे	کَپي
कुछ	कुझु	ڪُجُھ
नाती	डो॒हिटो	ڏوهِٽو
(आपके पास) है	अथव	اَٿَوَ
देखिए	डि॒सो	ڏِسو
इस तरफ	हिन पासे	هِنَ پاسي
उस तरफ	हुन पासे	هُنَ پاسي

I निम्नलिखित वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1. तव्हां खे छा खपे ? — ١. تَوهان کي ڇا کپي ؟
2. मुंहिंजे डोहिटे खे कहाणीअ जो किताबु घुरजे। — ٢. مُنهنجي ڏوهٽي کي ڪهاڻيءَ جو ڪِتابُ گهرجي.
3. मूं खे कुझु किताब खपनि। — ٣. مون کي ڪُجهه ڪِتابَ کپن.
4. हिन पासे बारनि जा किताब आहिनि। — ٤. هِن پاسي ٻارن جا ڪِتابَ آهِن.
5. बारनि जा किताब अथव छा ? — ٥. ٻارن جا ڪِتابَ اَٿو ڇا ؟
6. कहाणयुनि जा किताब अथव छा ?؟ — ٦. ڪهاڻين جا ڪِتابَ اَٿو ڇا ؟
7. जेके किताब खपनि गोल्हे कढु। — ٧. جيڪي ڪِتابَ کپنئي، ڳولهي ڪَڍُ.
8. जेका डिक्शनरी खपे कढी डु। — ٨. جيڪا ڊِڪشنري کپي ڪَڍي ڏي.
9. तव्हां खे नावल, वठणु घर्जे। — ٩. تَوهان کي ناول وَٺڻُ گهرجي.
10. पैसा बि त हुअणु घुर्जनि। — ١٠. پيسا ٻہ تہ هُئڻُ گهرجن.
11. कमीशन बि त कटणु खपेव। — ١١. ڪَميشن ٻہ تہ ڪَٽڻُ کپيوَ.
12. ब्यो छा डियांव ? — ١٢. ٻيو ڇا ڏيانو ؟
13. हिन खे किताबु डियो। — ١٣. هِنَ کي ڪِتابُ ڏيو.
14. हींअर कुझु न घुर्जेमि। — ١٤. هينئر ڪُجهه نہ گهرجيمِ.
15. हिक डिक्शनरी कढी डियोमि। — ١٥. هڪ ڊِڪشنري ڪَڍي ڏيومِ.
16. किताबनि जी सूची डई छडयोमि। — ١٦. ڪِتابن جي سوُچي ڏيئي ڇڏيومِ.

II निम्नलिखित शब्दों के सिन्धी शब्द लिखिए।

1. चाहिए 2. लीजिए 3. दीजिए
4. आइए 5. बताइए 6. निकालिए

III निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित शब्द के स्थान पर दिए हुए शब्दों का प्रयोग करते हुए नए वाक्य बनाइए।

तव्हां खे छा घुर्जे ? — تَوهان کي ڇا گهرجي ؟

(मूंखे, तोखे, हुन खे, असां खे, हुननि खे, बारनि खे, सीता खे, राम खे) — (مونکي، توکي، هُن کي، اَسان کي، هُنن کي، ٻارن کي، سيتا کي، رامَ کي)

IV निम्न वाक्य में रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए हुए शब्दों का प्रयोग करते हुए कुछ नए वाक्य बनाइए।

मूं खे कुझु किताब खपनि। — مونَ کي ڪُجهه ڪِتابَ کپن.

1. कहाणीअ जा किताब — ١. ڪَهاڻيءَ جا ڪِتابَ.
2. ग्रामर जा किताब — ٢. گرامر جا ڪِتابَ.

3. मैगज़ीनूं ٣. ميگزينوُن.

4. कुझु पैसा ۴. ڪُجھہ پيسا.

5. पंज पापड़ ۵. پَنجَ پاپڙَ.

V (1) उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : मूं खे किताबु खपे। مِثالُ : موُن کي ڪِتابُ کَپي.

मूं खे किताब खपेनि । موُن کي ڪِتاب کَپنِ.

1. मूं खे पापडु खपे । ١. موُن کي پاپڙُ کَپي .

2. मूं खे पटाटो खपे। ٢.موُن کي پَٽاٽو کَپي.

3. तो खे फीथो खपे। ٣. توکي ڦيٿو کَپي.

4. हुन खे टमाटो खपे। ۴. ھُن کي ٽَماٽو کَپي.

5. बार खे रांदीको खपे। ۵. ٻارَ کي رانديڪو کَپي.

V (2) मूं खे किताबु खपे/किताबु खपेमि। (٢) موُنکي ڪِتابُ کپي - ڪِتابُ کپيمِ.

1. मूं खे दवा खपे। ١. موُن کي دَوا کَپي.

2. मूं खे हारु खपे। ٢. موُن کي ھارُ کَپي.

3. मूं खे ताक़त खपे। ٣. موُن کي طاقَت کَپي.

4. मूं खे डोरि खपे। ۴. موُن کي ڏورِ کَپي.

5. मूं खे डोरो खपे। ۵. موُن کي ڏورو کَپي.

V (3) बारनि जा किताब अथव छा ? ٣. ٻارنِ جا ڪِتابَ اَٿوَ ڇا ؟

तव्हां वटि बारनि जा किताब आहिनि छा ? توھان وَٽِ ٻارنِ جا ڪِتابَ آھِنِ ڇا؟

1. कहाणीअ जा किताब अथव छा ? ١. ڪَھاڻيءَ جا ڪِتابَ اَٿوَ ڇا؟

2. हिंदी–सिंधी डिक्शनरी अथव छा ? ٢.ھِندي-سِنڌي ڊِڪشنَري اَٿوَ ڇا؟

3. गणित जा किताब अथव छा ? ٣. گَڻِت جا ڪِتابَ اَٿوَ ڇا؟

4. कुझु पैसा अथव छा ? ۴. ڪُجھہ پَيسا اَٿوَ ڇا ؟

5. सुठा नावल अथव छा ? ۵. سُٺا ناول اَٿوَ ڇا؟

V (4) तव्हां खे नावलु वठणु खपे। تَوھان کي ناول وَٺڻُ کَپي.

तव्हां खे नावलु वठणु घुरिजे। تَوھان کي ناوِل وَٺڻُ گُھرجي.

1. सभनी खे सुबुह जो सवेल उथणु खपे। ١.سَڀنِي کي صُبُحَ جو سَويلَ اُٿڻُ کَپي.

2. तोखे पहिंजो कमु पाण करणु खपे। ٢. توکي پَنھنجو ڪَمُ پاڻَ ڪَرَڻُ کَپي.

3. हथ में कुझु पैसो हुअणु खपे। ٣. ھَٿ ۾ ڪُجھہ پَيسو ھُئَڻُ کَپي.

4. किताबनि में वीह सेकड़ो कमीशनि रखणु खपे। ۴. ڪتابنِ ۾ ويھہ سيڪڙو ڪميشَنِ رَکَڻُ کَپي.

5. राम खे सुठो किताबु पढ़णु खपे। ۵. رامَ کي سُٺو ڪِتابُ پَڙھڻُ کَپي.

टिप्पणियां

I इस पाठ में 'खपणु' क्रिया का प्रयोग दिखाया गया है। 'खपणु' क्रिया का सामान्य रूप 'खपे' बहुवचन में बदलकर 'खपनि' हो जाता है। नीचे दिए गए वाक्य देखिए।

1. मूं खे किताबु खपे। — ١.مونُ کي ڪِتابُ کَپي،
   मुझे किताब चाहिए।
2. मूं खे किताब खपनि। — ٢. مونُ کي ڪِتاب کَپَنِ.
   मुझे किताबें चाहिए।

II सिन्धीअ में 'खपणु' क्रिया के साथ विभिन्न पुरुषों में एकवचन और बहुवचन की सूचना देनेवाले सार्वनामिक प्रत्ययों को जोड़ा जाता है। कृपया निम्नलिखित वाक्य देखिए।

1. मूं खे किताबु खपे/किताबु खपेमि। — ١. مونُ کي ڪِتابُ کَپي، ڪِتابُ کَپيمِ.
   मुझे किताब चाहिए।
2. तोखे डिक्शनरी खपे/खपेइ। — ٢. توکي ڊِڪشنَرِي کَپي - کَپيئي.
   (क्या) तुझे कोश चाहिए ?
3. हुन खे किताबु खपे/किताबु खपसि। — ٣. ھُنَ کي ڪِتابُ کَپي-ڪِتابُ کَپيسِ.
   उसे किताब चाहिए।

अतः सिंधी में प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरुष की सूचना देनेवाले सार्वनामिक प्रत्यय क्रमशः 'मि', 'इ' और 'सि' है। अब निम्नलिखित वाक्यों में बहुवचन सार्वनामिक प्रत्ययों का प्रयोग देखिए।

1. असां खे किताब खपनि/किताब खपनऊं। — ١. اَسان کي ڪِتابَ کَپَنِ- ڪِتابَ کَپَنئُون
   हमें किताबें चाहिए।
2. तव्हां खे फल खपनि/फल खपनव। — ٢. تَوَھان کي ڦَلَ کَپَنِ- ڦَلَ کَپَنوَ.
   आपको फल चाहिए।
3. हुननि खे कहाणियूं खपनि/कहाणियूं खपननि। — ٣ ھُنن کي ڪَھاڻِيون کَپَنِ- ڪَھاڻِيونُ کَپَننِ.
   उन्हे कहानियाँ चाहिए।

अतः प्रथम/द्वितीय और तृतीय पुरुषों के लिए कृमशः 'ऊं', 'व' और 'नि' सार्वनामिक प्रत्ययों का प्रयोग होता है किन्तु 'खपनऊं' और 'खपननि' का प्रयोग नहीं होता है।

प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरुषों में सार्वनामिक प्रत्ययों की रूपावली निम्न प्रकार से दी जा सकती है।

	एकवचन		बहुवचन	
प्रथम पुरुष	मि	مِ	ऊं	ئونْ
द्वितीय पुरुष	इ	اِ	व	وَ
तृतीय पुरुष	सि	سِ	नि	نِ

सार्वनामिक प्रत्यय सर्वनाम के स्थान पर आता है। जहाँ सार्वनामिक प्रत्यय जुड़ता है वहाँ उससे संबधित सर्वनाम का प्रयोग नहीं होता।

III सिन्धीअ में सार्वनामिक प्रत्यय सिर्फ कियाओ के साथ ही नहीं जुड़ते, बल्कि कुछ परसर्गों के साथ भी जुड़ते हैं, जैसा कि निम्नलिखित उदाहरणों में देखा जा सकता है।

1. हुन वटि सिंधीअ जी डिक्शनरी नाहे। ا. هُنَ وَٽِ سِنڌيِءَ جيِ ڊِڪشنَريِ ناهي.
   वटसि सिंधीअ जी डिक्शनरी नाहे। وَٽِسِ سِنڌيِءَ جيِ ڊِڪشنَريِ ناهي.
   उसके पास सिंधी का कोश नहीं है।

2. हुन खे पंचतंत्र जो किताबु खपे। ٢.هُنَ کي پَنچَتنترَ جو ڪِتابُ کَپي.
   खेसि पंचतंत्र जो किताबु खपे। کيِسِ پَنچَتَنترَ جو ڪِتابُ کَپي.
   उसको पंचतंत्र की किताब चाहिए।

जब योजक किया 'हुअणु' के वर्तमान कालिक रूपों 'आहे', 'आहिनि' आदि के साथ सार्वनामिक प्रत्यय जुड़ते हैं, तब 'आहे', 'अथमि' में बदल जाता है, जैसा कि निम्न उदाहरणों से स्पष्ट होता है।

1. मूं वटि किताबु आहे/किताबु अथमि ا. موُن وَٽِ ڪِتابُ آهي- ڪِتابُ اَٿَمِ.
   मेरे पास किताब हैं।

2. तो वटि किताबु आहे/किताबु अथेइ। ٢. تو وَٽِ ڪِتابُ آهي- ڪِتابُ اَٿيئِيِ.
   तुम्हारे पास किताब हैं।

3. हुन वटि किताबु आहे/किताबु अथसि। ٣.هُن وَٽِ ڪِتابُ آهي- ڪِتابُ اَٿسِ.
   उसके पास किताब है।

यहाँ पर भी सार्वनामिक प्रत्ययों की रुपावली अन्य क्रियाओं के साथ जुड़ने के अनुसार ही कार्य करती हैं।

IV इस पाठ में 'घुर्जणु' क्रिया का भी प्रयोग किया गया है। 'घुर्जणु' क्रिया 'खपणु' क्रिया की तरह ही कार्य करती है। अधिकांश स्थानों पर 'खपणु' का स्थान 'घुर्जणु' क्रिया समान अर्थ में ले सकती है, जैसा कि निम्न उदाहरण में देखा जा सकता है।

मिसालु : — مِثالُ :

1. मूं खे सिंधीअ जी हिक डिक्शनरी खपे। — ١.مونٰ کي سِنڌيءَ جي هِڪَ ڊِڪشنَرِي کَپي.

2. मूं खे सिंधीअ जी हिक डिक्शनरी घुर्जे। — ٢.مونٰ کي سِنڌيءَ جي هِڪَ ڊِڪشنَرِي گُهرجي.

   मुझे सिंधी का एक कोश चाहिए।

'घुर्जणु' क्रिया के साथ भी 'खपणु' क्रिया के समान ही सार्वनामिक प्रत्यय जोड़े जा सकते हैं। कृपया निम्न उदाहरण देखिए।

1. मुंखे किताबु घुर्जे/ — ١. مونٰ کي ڪِتابُ گُهرجي -
   किताबु घुर्जेमि। — ڪِتابُ گُهرجيمِ.
   मुझे किताब चाहिए।

2. छा तोखे फल घुर्जनि/ — ٢. ڇا توکي ڦَلَ گُهرجنِ -
   छा फल घुर्जनइ ? — ڇا ڦَلَ گُهرجنئِي ؟
   क्या तुम्हें फल चाहिए ?

3. हुनखे डिक्शनरी घुर्जे/ — ٣. هُنَ کي ڊِڪشنَرِي گُهرجي -
   डिक्शनरी घुर्जेसि। — ڊِڪشنَرِي گُهرجيسِ.
   उसे कोश चाहिए।

1. दिए गए शब्दों के सिन्धी शब्द लिखिए।

1. चाहिए	————————	.... ۱
2. श्रीमान	————————	.... ۲
3. नाती	————————	.... ۳
4. कोश	————————	.... ۴
5. काटना	————————	.... ۵
6. प्रकाशित	————————	.... ۶
7. दे दीजिए	————————	.... ۷
8. लेना चाहिए	————————	.... ۸
9. खोज लो	————————	.... ۹
10. चुन लीजिए	————————	.... ۱۰

2. दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर वाक्य पूर्ति कीजिए।

(खपे, खपेव, खपेसि) (ڪَپي، ڪَپيمِ، ڪَپيسِ)

1. तव्हां खे कमीशन बि त कटणु ————————।

۱ توهان کي ڪَميشن بہ تہ ڪَٽَڻُ ....

2. हुन खे क़मीशनि बि त कटणु ——————।
3. तोखे कमीशनि बि त कटणु ——————।
4. हुननि खे कमीशनि बि त कटणु ——————।
5. मूं खे कमीशनि बि त कटणु ——————।

٢. هُن کي ڪَميشنِ بہ تہ ڪَٽڻُ ....
٣. توکي ڪَميشنِ بہ تہ ڪَٽڻُ ....
۴. هُنَن کي ڪَميشنِ بہ تہ ڪَٽڻُ ....
۵. مُون کي ڪَميشنِ بہ تہ ڪَٽڻُ ....

3. पाठ के आधार पर वाक्य पूर्ति कीजिए।

1. हिन पासे ———— जा किताब आहिनि।
2. हुन पासे ———— जा किताब आहिनि।
3. जेके किताब ———— ग॒ोल्हे कढु।
4. हिक हिंदी–सिन्धी डिक्शनरी कढी ————।
5. ब॒ारनि जा किताब ———— छा ?

١ هِنَ پاسي .... جا ڪِتابَ آهِنِ.
٢. هُنَ پاسي .... جا ڪِتابَ آهِنِ.
٣. جيڪي ڪِتاب .... ڳولهي ڪَڍُ.
۴. هِڪ هِندي-سِنڌي ڊِڪشنَري ڪَڍِي ....
۵. ٻارَنِ جا ڪِتابَ .... ڇا ؟

4. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : मूंखे किताबु वठणु खपे/घुर्जे।

(क) मूंखे किताब वठणु खपनि/घुर्जनि।

مِثالُ : مُون کي ڪِتابُ وَٺڻُ کپي\ گُهرجي.

(ڪ) مُون کي ڪِتابَ وَٺڻَ کپنِ\ گُهرجنِ.

1. तव्हां खे मैगज़ीन वठणु खपे/घुर्जे।

____

2. हीअंर पैसो हुअणु खपे/घुर्जे।

____

3. मुहिंजे ॾोहिटे खे हारु डियणु खपे/घुर्जे।

____

(ख) मूंखे किताबु वठणु खपे/घुर्जे

किताबु वठणु खपेमि/घुर्जेमि।

1. तोखे रांदि करणु खपे/घुर्जे।

____

2. हुन खे झट अचणु खपे/घुर्जे।

____

3. तव्हां खे न डोड़णु खपे/घुर्जे।

____

١. توهان کي مَيگزِن وَٺَڻ کپي\ گُهرجي.

....

٢. هيئَنر پيسو هُئَڻُ کپي\ گُهرجي.

....

٣. مُنهِنجي ڏوهٽي کي هارُ ڏِيَڻُ کپي\ گُهرجي.

....

(ک) مون کي ڪِتابُ وَٺَڻُ کپي\ گُهرجي.

ڪِتابُ وَٺَڻُ کپيمِ\ گُهرجيمِ.

١. توکي راندِ ڪَرَڻُ کپي\ گُهرجي.

....

٢. هُن کي جَهٽ اَچَڻُ کپي\ گُهرجي.

....

٣. توهان کي نہ ڊوڙَڻُ کپي\ گُهرجي.

....

5. निम्नलिखित वाक्यों का सिन्धी में अनुवाद कीजिए।

1. आइए! श्रीमान, आइए।

   ____

2. आपको क्या चाहिए ?

   ____

3. आपको और क्या दूं ?

   ____

4. मुझे प्रकाशित पुस्तकों की सूची दीजिए।

   ____

5. आप मुझे पैसे बताइए।

   ____

6. मुझे एक सिन्धी हिंदी कोश निकालकर दीजिए।

   ____

पाठ 5
बातों बातों में

सास : बहू ! दरवाज़े पर कौन था ?

बहू : अम्मा, डाकिया था।

सास : डाक कहां से आई ?

बहू : डाक नहीं थी, इनका मनी आर्डर था।

सास : मैंने खुद सोचा कि रोशन को चिट्ठी लिखूं। उसने कितना पैसा भेजा ?

बहू : उन्होने दो हज़ार भेजे हैं।

सास : अच्छा है। कल मैं बाज़ार गई तो कुछ छोटी छोटी चीज़ें लेने में ही सब पैसा खत्म हो गया। महंगाई इतनी है कि पैसा कैसे आया, कैसे गया, पता ही नहीं चलता!

बहू : हां, मैंने भी पिछले महीने दोनों बच्चों की फ़ीस दी और आपकी दवाई भी ली। इस महीने और भी बहुत से खर्चे

सबकु 5
गा॒ल्हि गा॒ल्हि में

ससु : कुंवारि! दर ते केरु हुओ ?

नुंहं : अमीं, टपाली हुओ।

ससु : किथे जी टपाल हुई ?

नुंहं : टपाल कान हुई। हिननि जो मनी आर्डर हुओ।

ससु : मूं पाण सोच्यो त रोशन खे चिठी लिखां। हुन केतरा पैसा मोकिलया ?

नुंहं : हुननि ब॒ हज़ार मोकल्या आहिनि।

ससु : सुठो आहे। कल्ह बाज़ारि व्यसि त कुझु, नंढयूं नंढयूं, शयूं वठण में ई सभु पैसा ख़तम थी व्या। महांगाई एतरी त आहे जो पैसो कीअं आयो, कीअं व्यो, ख़बर ई न थी पवे।

नुंहं : हा, मूं बि गुज़िरयल महिने में बि॒न्हीं बा॒रनि जी फ़ी डि॒नी ऐं तव्हां लाइ दवा बि वर्ती। हिन महिने में बि घणाई ख़र्च

سَبَقُ ٥
ڳالهِہ ڳالهِہ ۾

سَسُ : ڪُنوارِ ! دَرَ تي ڪيرُ هُئو ؟

نُنهَن : اَمين! ٽپالِي هُئو.

سَسُ : ڪِٿي جِي ٽَپالَ هُئِي ؟

نُنهَن : ٽَپالَ ڪانہ هُئِي. هِنَنِ جو مَنِي آرڊَر هُئو.

سَسُ : مُون پاڻَ سوچيو تہ روشَنَ کي چِٺِي لِکان. هُنَ ڪيترا پَيسا موڪليا آهِنِ؟

نُنهَن : هُنَنِ ٻہ هَزارَ موڪليا آهِنِ.

سَسُ : سُٺو آهي. ڪَلهہ بَزارِ ويَس تہ ڪُجھہ، نَنڍيوُن ننڍيوُن شيوُن وَٺَڻ ۾ ئِي سَڀُ پَيسا خَتَمِ ٿِي ويا. مَهانگائِي ايترِي تہ آهي جو پَيسو ڪِينءَ آيو، ڪِينءَ وِيو، خَبَر ئِي نَٿِي پَوي.

نُنهَن : ها، مُون بِہ گُذريَلَ مَهني ۾ ٻِنهين ٻارِنِ جِي فِي ڏِنِي ۽ تَوهان لاءِ دَوا بِہ وَرتِي. هِنَ مهنِي ۾ بِہ گهڻائِي خَرَچ

होने हैं।

सास : बच्चे स्कूल गए ?

बहू : हां, वे तो आज सुबह सात बजे ही चले गए। उनके स्कूल में एक कार्यक्रम है। उसी की तैयारी कर रहे हैं।

सास : आजकल (तुम्हारे) पिताजी की तबीयत कैसी है ? पहले कुछ बीमार थे न! कई दिनों से तुम्हारा भाई भी नहीं आया ।

बहू : पिताजी अब ठीक हैं। भाई को भी आज आना था पर अभी तक उसका पता नहीं है।

सास : उन्होंने ससुर ने नाश्ता किया ?

बहू : हां, नाश्ता किया। अभी वे सब्जी लेने बाज़ार गए हैं।

थियणा आहिनि।

ससु : ॿार इस्कूल व्या ?

नुंहं : हा, उहे त अॼु सुबुहु सतें बजे ई हल्या व्या। हुननि जे इस्कूल में हिकु प्रोग्रामु आहे। उन जी त्यारी कनि प्या।

ससु : अॼुकल्ह पिण्हें जी तबियत कीअं आहे ? अगु में कुझु बीमारु हुआ न ? घणनि ॾींहनि खां भाण्हें बि कोन आयो आहे।

नुंहं : दादा हाणे ठीकु आहिनि। भाउ खे बि अॼु अचणो हुओ पर अञा त हुनजो पतो नाहे।

ससु : हुननि नेरनि कई ?

नुंहं : हा, नेरनि कयाउं। हीअंर हू भाॼो वठण बज़ारि व्या आहिनि।

ٿيٺا آهِنِ.

سَسُ : ٻار اِسڪُول ويا ؟

نُنهَن : ها، اُهي تَہ اَڄُ صُبُحَ جو سَتين بَجي ئي هَليا ويا. هُنَنِ جي اِسڪُول ۾ هِڪُ پروگرامُ آهي. اُنَ جي تياريِ ڪَنِ پيا.

سَسُ : اَڄُڪَلهَ پِڻهين جي طَبعيَت ڪِين؟ آهي ؟ اَڳُ ۾ ڪُجُهہ بيمارُ هُئا نَہ ؟ گَهڻَنِ ڏِينهنِ کان ڀاڻهين بِہ ڪونَہ آيو آهي.

نُنهَن : دادا هاڻي ٺِيڪ آهِنِ. ڀاءُ کي بِہ اَڄُ اَچڻو هو پَرَ اَڃا هُنَ جو پَتو ناهي.

سَسُ : سَهُرَئِن نيرَنِ ڪَئي ؟

نُنهَن : ها، نيرَنِ ڪَيائُن. هِينئَرهوُ ڀاڄِي وَٺَڻَ بَزارِ ويا آهِنِ.

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
बहुत से	घणाई	گھڻائي
(तुम्हारे) पिताजी	पिण्हें	پِڻھين
कुछ	कुझु	ڪُجھ
(तुम्हारा) भाई	भाण्हें	ڀاڻھين
नाश्ता	नेरनि	نيرَنِ
की (किया)	कई	ڪَئي

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
अच्छा	सुठो	سُٺو
सोचा	सोचयो	سوچيو
कितने	केतरा	ڪيترا
सब	सभु	سَڀُ
भेजे	मोकलया	موڪليا
महंगाई	महांगाई	مَھانگائي
पिछले	गुज़रयल	گُذريَلَ
दोनों (ही)	बिन्हीं	ٻِنھين

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
सास	ससु	سَسُ
बहु	नूंहं	نُنھَن
बहु के लिए एक संबोधन	कुंवारि	ڪُنوارِ
था	हुओ	هُئو
सास के लिए एक संबोधन	अमीं	اَمِين
डाकिया	टपाली	ٽپالي
कहां की	किथे जी	ڪِٿي جي
मनी आर्डर	मनी आर्डरु	مَني آرڊَرُ

I निम्नलिखित वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1. दर ते टपाली हुओ।	١. دَرَ تي ٽَپالي ھُئو.
2. हिननि जो मनीआर्डरु हुओ।	٢.ھِنَنِ جو مَنيِ آرڊَرُ ھُئو.
3. ब़ार घर में हुआ।	٣. ٻارَ گَھرَ ۾ ھُئا.
4. हुननि ब़ हज़ार मोकल्या।	٤. ھُنَنِ ٻَہ ھَزارَ موڪليا.
5. ब़ारनि जी फ़ी ड़िनी।	٥. ٻارنِ جي فِي ڏِني.
6. तव्हां लाइ दवा बि वर्ती।	٦. تَوھان لاءِ دَوا بِہ وَرتيِ.
7. हू भाज़ो वठण बज़ारि व्या।	٧. ھوُ ڀاڄيِ وَٺَڻ بزارِ وِيا.
8. दर ते केरु हुओ ?	٨. دَرَ تي ڪيرُ ھُئو ؟
9. किथे जी टपाल हुई ?	٩. ڪِٿي جي ٽَپالَ ھُئيِ ؟
10. ब़ार किथे हुआ ?	١٠. ٻارَ ڪِٿي ھُئا ؟

II निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए हुए शब्दों का प्रयोग करते हुए नए वाक्य बनाइए।

1. दर ते भाउ हुओ ?	١. دَرَ تي ڀاءُ ھُئو.
(टपाली, दोस्तु, रामु)	(ٽَپاليِ، دوسٽُ، رامُ)
2. मूं खे घर में कमु हुओ।	٢. موُن کي گَھرَ ۾ ڪَمُ ھُئو.
(बज़ारि में, ब़ाहिरि, बैंक में)	(بَزارِ ۾، ٻاھِرِ، بَينڪ ۾)
3. राम किताबु वर्तो।	٣. رامَ ڪِتابُ وَرتو.
(मीरा, सोनूअ, छोकिरे)	(ميِرا، سونوُ، ڇوڪِري)
4. हू घरि व्या।	٤. ھوُ گَھرِ ويا.
(मैसूरि, कालेजि, कमरे में)	(مَيسوُرِ، ڪاليجِ،ڪَمري ۾)

III कोष्ठक में दिए हुए शब्दों में से उपयुक्त शब्द का प्रयोग करते हुए रिक्त स्थान भरिए।

1. किथे जी टपाल ——— ?	١.ڪِٽي جِي ٽَپالَ ---- ؟
(हुओ, हुई, हुयूं)	(ھُئو، ھُئيِ، ھُيوُن)
2. सहुरइ नेरनि ——— ?	٢. سَھُرَئِن نيرَنِ ----- ؟
(कई, कयूं, कयो)	(ڪَئيِ، ڪَيوُن، ڪَيو)
3. हुन ब़ हज़ार ——— ।	٣. ھُنَ ٻَہ ھَزارَ ---- .
(मोकल्यो, मोकिलि, मोकल्यो)	(موڪليو، موڪِلِ، موڪليا)
4. दर ते केरु ——— ?	٤. دَرَ تي ڪيرُ ----- ؟
(हुओ, हुआ, हुई)	(ھُئو، ھُئا، ھُئيِ)
5. ब़ार अज़ इस्कूल जल्दी ——— ।	٥. ٻارَ اَڄُ اِسڪوُل جَلدِي -- ا
(व्या, व्यो, वई)	--. (ويا، ويو، وَئيِ)

IV *उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।*

मिसालु : पिण्हें ठीकु आहे। — مِثالُ : پِڻهين نيڪُ آهي.

तुंहिंजो पीउ ठीकु आहे। — تُنهنجو پيءُ نيڪُ آهي.

1. भाण्हें अ<u>ज</u>कल्ह किथे आहे ? — ا. ڀاڻهين اَڄُ ڪَلهہ ڪِٿي آهي ؟
2. भेण्हें जी शादी क<u>ड</u>हिं आहे ? — ٢. ڀيڻهين جي شادي ڪَڏهِن آهي ؟
3. माण्हें कल्ह फ़ोनु कयो । — ٣. ماڻهين ڪَلهہ فونُ ڪَيو.
4. सहुरइं नेरनि कई ? — ٤. سَهُرَئِن نيرَن ڪَئِي ؟
5. अ<u>जु</u> धीण्हें मानी ठाही । — ٥. اَڄُ ڌِيڻهين مانِي ٺاهِي.

V *पाठ के आधार पर दिए हुए प्रश्नों के उतर दीजिए।*

1. दर ते केरु हुओ ? — ا. دَرَ تي ڪيرُ هُئو ؟
2. मनीआर्डरु केतरे जो हुओ ? — ٢. مَني آرڊَرَ ڪيتري جو هُئو ؟
3. <u>बा</u>र इस्कूल जल्दी छो व्या ? — ٣. ٻار اِسڪوُل جلدي ڇو ويا ؟
4. नुंहं जो भाउ क<u>ड</u>हिं अचणो हुओ ? — ٤. نُنهَن جو ڀاءُ ڪَڏهِن اَچڻو هُئو ؟
5. सहुरो बज़ारि छो व्यो ? — ٥. سَهُرو بَزارِ ڇو ويو ؟

<u>टिप्पणियां</u>

इस पाठ में सामान्य भूतकाल में किया रूपों का प्रयोग किया गया है। उदाहरण के लिए सिंधी में संयोजक किया के लिंग, पुरुष और वचन के अनुसार सामान्य भूतकाल में निम्नांकित प्रकार से अलग अलग रूप होते हैं।

पुल्लिंग		स्त्रीलिंग	
हुयुसि	هُيُس	हुयसि	هُيَس
हुआसीं	هُئاسين	हुयूंसीं	هُيوُنسين
हुअें	هُئين	हुईअं	هُئيئَن
हुआ	هُئا	हुयूं	هُيوُن
हुओ	هُئو	हुई	هُئِي
हुआ	هُئا	हुयूं	هُيوُن

'अचणु', 'वञणु' जैसी अकर्मक कियाएं भी भूतकाल में 'या', 'आ' प्रत्यय लेती हैं।

	पुल्लिंग		स्त्रीलिंग	
प्रथमु. पु	आयुसि	آئِس	आयसि	آيِس
	आयासीं	آياسِين	आयूसीं	آيوُسِين
द्व्यीय. पु	आएं	آئين	आईअं	آئيئن
	आया	آيا	आयूं	آيوُن
तृत्यीय. पु	आयो	آيو	आई	آئي
	आया	آيا	आयूं	آيوُن

इसी प्रकार 'वञणु' के रूप निम्नलिखित प्रकार से बनते हैं।

पुल्लिंग		स्त्रीलिंग	
व्युसि	وئِس	व्यसि	ويَس
व्यासीं	وياسِين	व्यूसीं	ويوُسِين
विएं	وِئين	वेईअं	وئيئَن
व्या	ويا	वेयूं	وييوُن
व्यो	ويو	वेई	وئي
व्या	ويا	वयूं	وَيوُن

सिंधी में सकर्मक क्रियाओं में भी भूतकाल में 'या' या 'आ' प्रत्यय का प्रयोग होता है जैसे 'लिख्यो', 'लिख्या', 'लिखी', 'लिख्यूं' आदि अर्थात क्रिया के धातु रूप में 'या' या 'आ' प्रत्यय जोड़कर भूतकाल बनाते है किंतु अनियमित क्रियाओं, जैसे 'वठणु', 'डि॒सणु' के धातु रूपों में भी भूतकाल में परिर्वतन होता है। उदाहरण के लिए नीचे दिए गए रूप देखिए।

1. वठणु, वर्तो, वर्ता, वर्ती, वर्तियूं — ١. وَٺڻُ، ورتو، وَرتا، وَرتي، وَرتيوُن.

2. डि॒सणु, डि॒ठो, डि॒ठा, डि॒ठी, डि॒ठयूं — ٢. ڏِسڻُ، ڏِٺو، ڏِٺا، ڏِٺي، ڏِٺيوُن

III सिंधी में प्राणीवाचक संबंधसूचक संज्ञाओं के साथ भी सार्वनामिक प्रत्ययों का प्रयोग होता है, जैसा कि निम्नलिखित उदाहरणों से स्पष्ट है। प्रथम पुरुष कर्ता के सूचक के रूप में 'मि' प्रत्यय, द्वितीय पुरुष कर्ता के सूचक के रूप में 'इ' या 'व्हे' प्रत्यय और तृतीय पुरुष कर्ता के सूचक के रूप में 'असि' या 'णसि' सार्वनामिक प्रव्यय जुड़ते हैं, जैसे,

1. सहुरमि — سَهُرَمِ — (मेरे) ससुर (ने)
सहुरइं — سَهُرَئِن — (तुम्हारे) ससुर (ने)
सहुरसि — سَهُرَسِ — (उसके) ससुर (ने)

2. भाणमि — ڀاٽُمِ — (मेरे) भाई (ने)
भाण्हें — ڀاٽهين — (तुम्हारे) भाई (ने)
भाणसि — ڀاٽِس — (उसके) भाई (ने)

IV सिंधी में जब 'अचणु', 'वञणु', 'घुमणु','उथणु', 'विहणु', 'सुम्हणु' आदि अकर्मक कियाएं सामान्य भूतकाल में होती है तब वाक्य के कर्ता के साथ परर्सग नहीं जुड़ता। निम्न वाक्य देखें।

1. मां कल्ह बज़ारि व्यसि। — ١. مان ڪَلهَ بَزارِ ويَس.
2. ॿार इस्कूल व्या। — ٢. ٻارَ اِسڪوُل ويا.
3. भाण्हें कोन आयो। — ڀاٽهين ڪونہَ آيو.

लेकिन जब सकर्मक कियाएं सामान्य भूतकाल में होती हैं तब वाक्य का कर्ता तिर्यक रूप में होती है, जैसा कि निम्न वाक्यों में देखा जा सकता है। ऐसी स्थिति में किया की अन्विति कर्म के साथ होती है।

1. हुन केतरा पैसा मोकल्या ? — ١. هُنَ ڪيترا پَيسا موڪليا ؟
2. हा, मूं बि गुज़रियल महिने में ॿिन्हीं ॿारनि जी फ़ी ॾिनी। — ٢. ها، موُن بہ گُذريَلَ مهني ۾ ٻنهي ٻارنِ جي فِي ڏِني.

मां – मूं (मां का सामान्य रुप मूं)

1. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उतर दीजिए।

1. हिन सबक़ जो सिरो कहड़ो आहे ?

١. هِنَ سَبَق جو سِرو ڪَهڙو آهي ؟

---

2. दर ते केरु हुओ ?

٢. دَرَ تي ڪيرُ هُئو ؟

---

3. मनीआर्डर कंहिं मोकल्यो ?

٣. مَنيِ آرڊَر ڪَنهِن موڪليو هُئو ؟

---

4. ॿार इस्कूल में छा जी त्यारी प्या कनि ?

٤. ٻار اِسڪوُل ۾ ڇا جيِ تياريِ پيا ڪَنِ ؟

---

5. सहुरो बज़ारि छो व्यो ?

٥. سَهُرو بَزارِ ڇو ويو ؟

---

2. उदाहरण क अनसार नोच दिए गए वाक्या म रखाकित किया रपा क सामान्य भतकाल रप स वाक्य पति कोजिए।

मिसालु : हू रोज़ि चईं बजे ईंदो आह, पर अज़ हू चईं बजे कोन आयो।	مِثالُ : هوُ روزِ چَئِين بَجي ايندو آهي، پَرَ، اَڄُ هوُ چَئِين بَجي ڪونَہ آيو.
1. सरला सदाईं जनपथ होटल में रहंदी आहे, पर हिन दफ़े हूअ ————————	١. سَرلا سَدائِين جَنپَٿ هوٽَل ۾ رَهَندِي آهي، پَرَ هِن دفعي هوءَ - - - - - - - -
2. दादा रोजु घुमण बाहिरि वेंदा आहिनि पर अज़ हू ————————	٢. دادا روزُ گُهمڻ ٻاهِرِ ويندا آهِنِ پَرَ اَڄُ هوُ - - - - - - - -
3. मीरा रोजु मूं खे संस्थान में मिलंदी आह, पर अज़ हूअ ————————	٣. مِيران روزِ موُن کي سَنستانَ ۾ مِلندِي آهي، پَرَ اَڄُ هوءَ - - - - - - - -
4. रामु रोजु शाम जो काफ़ी पीअंदो आहे, पर अजु हुन ————————	۴. رامُ روزُ شامَ جو ڪافِي پِيئَندو آهي، پَرَ اَڄُ هُنَ - - - - - - - -
5. रोशनु हर महिने घरि मनीआर्डर मोकलींदो आह, पर हिन महिने हुन ————————	۵. روشُنُ هَرَ مَهني گَهرِ مَنِي آرڊر موڪلِيندو آهي، پَرَ هِن مَهني هُن - - - - - - - -

3. किया का रूप भूतकाल में बदलते हुए नीचे लिखे अनुच्छेद को फिर से लिखिए।

मैथ्यू आर्तवार ड॒ांहु सुबुह जो जल्दी उथंदो आहे। पोइ हू सनानु कंदो आहे। पोइ सुठा कपिड़ा पाए चर्चि वेंदो आहे। उते हू प्रार्थना कंदो आहे। चर्च में पादरीअ जो भाषणु थींदो आहे। प्रार्थना खां पोई मैथ्यू सभिनि सां मिलंदो आहे। उन खां पोइ हू घरि वापसि ईंदो आहे।

उतर :-————————————————

————————————————————

————————————————————

————————————————————

————————————————————

————————————————————

ميَٿيوُ آرتِوار ڏِينھُن صُبُح جو جَلدِي اُٿَندو آهي. پوءِ هوُ سَنانُ ڪَندو آهي. پوءِ سُٺا ڪپِڙا پائي چَرچِ ويندو آهي. اُتي هوُ پرارٿنا ڪَندو آهي. چَرچ ۾ پادرِيءَ جو ڀاشڻُ ٿِيندو آهي.پرارٿنا کان پوءِ ميَٿيوُ سَڀِني سان مِلَندو آهي. اُنَ کان پوءِ هوُ گهرِ واپِس اِيندو آهي.

جَوابُ : ------------------------------

----

4. निम्नलिखित वाक्यों का सिन्धी में अनुवाद कीजिए।

1. रोशन को सिन्धी में अच्छे अंक मिले।

————————————————————

2. गीता ने अपनी मां को आज एक चिट्ठी लिखी।

____

3. हम कल गांधीधाम गए।

____

4. अशोक ने बाज़ार से कुछ नहीं लिया।

____

5. कमला ने विमला को एक दुकान में देखा।

____

6. राजू सुरेश को बैंक में मिला।

____

7. सुधा के पिताजी ने उसे पैसे दिए।

____

8. अनिल ने देर से नाश्ता किया।

____

5. काष्ठक म दो गइ कियाआ क सामान्य भ्तकाल र्पा का पयाग करत ह्ए वाक्य प्ति कोजिए।

1. दरु कंहिं ——————— ? (खोलणु)
2. अशोक कल्ह बज़ारि ——————— ? (वञणु)
3. मीरा खे घर में घणेई कम ———————। (हुअणु)
4. कल्ह हरीश जो ख़तु —————। (अचणु)
5. ममता हिक सुठी साढ़ी ——————। (वठणु)
6. कविता पंहिंजी माउ खे फ़ोनु —————। (करणु)
7. सुधीरु, सुरेश खे बैंकि में ——————। (मिलणु)

١. دَرُ ڪنهِن ---------------- ؟ (کولَڻُ)

٢. اَشوڪُ ڪلهه بَزارِ --------------. (وَڃَڻُ)

٣. مِيران کي گهرَ ۾ گهٽيئي ڪمَ --------------. (ھُئَڻُ)

۴. ڪلهه هَرِيشَ جو خَطُ ------------. (اَچَڻُ)

۵. مَمتا هِڪ سُنِي ساڙهِي -------------. (وَٺَڻُ)

٦. ڪِوتا پَنهِنجِي ماءُ کي فونُ ------------ (ڪَرَڻُ)

٧. سُڌيرُ، سُرِيش کي بَينڪ ۾ -------------. (مِلَڻُ)

पाठ 6

नौकरी की तलाश

विनोद : गुरुजी, कल मेरा हिंदी आफ़िसर के लिए इंटरव्यू है। तैयारी तो अच्छी है पर मेरे पास सिफ़ारिश नहीं है। इसलिए उम्मीद कम है।

गुरुजी : विनोद, एक बात हमेशा याद रखो। किसी भी स्थिति का मुक़ाबला हिम्मत से करना चाहिए। मनुष्य अपनी मेहनत से ही आगे बढ़ता है, किसी की सिफ़ारिश से नहीं। आज के अख़बार में भी तुम्हारे लायक कई पद हैं।

विनोद : हां, मैं देखता हूं। मैनें पहले भी कई जगह अप्लाई किया पर कुछ नहीं हुआ। कुछ जगह तो इंटरव्यू भी दिया, पर काम कहीं नहीं हुआ।

सबक़ु 6

नौकरीअ जी तलाश

विनोदु : साईं, सुभाणे मुंहिंजो हिंदी आफ़ीसर लाइ इंटरव्यू आहे। त्यारी त सुठी आहे, पर सिफ़ारिश कान अथमि। इन्हीअ करे उमीद घटि अथमि।

मास्तरु :विनोद, हिक ग़ालिह सदाईं यादि रखु। कंहिं बि इस्थतीअ जो मुक़ाबलो हिमथ सां करणु खपे। माण्हूं पंहिंजी महिनत सां ई अग़यां वधंदो आहे, कंहिंजी सिफ़ारिश सां न। अज़ो की अख़िबार में बि तुंहिंजे लाइकु घणेई उहिदा आहिनि।

विनोद : हा,मां ड़िसां थो। मूं पंहिरीं बि घणनि जग़हियुनि ते अप्लाइ कयो, पर कुझु न थ्यो। कुझु जग़हियुनि ते इंटरव्यू बि ड़िनो, पर कमु किथे बि कोन थ्यो।

سَبَقُ ٦

نوَڪريءَ جي تَلاش

وِنودُ : سائِين سُڀاڻي مُنهِنجو هِندي آفيسَرَ لاءِ اِنٽرويوُ آهي. تياري سُٺي آهي، پَرَ سِفارِشَ ڪانہ اَٿمِ. اِنهيءَ ڪَري گهٽِ اُميدَ اَٿمِ.

ماستَرُ : هِڪ ڳالهِہ يادِ رَکُ. ڪَنهِن بہ اِستٿيءَ جو مُقابلو هِمَت سان ڪَرَڻُ کَپي. ماڻهوُ پَنهِنجي مَحنَت سان ئي اَڳيان وَڌندو آهي، ڪَنهِنجي سِفارِش سان نَہ. اَڄوڪي اَخبارَ ۾ بہ تُنهِنجي لائِقُ گَهڻيئي عُهدا آهِن.

وِنودُ : ها، مان ڏِسان ٿو؛ موُن پَهرين بہ گهڻيُنِ جڳهيُنِ تي اَپلاءِ ڪَيو، پَرَ ڪُجهہ نَہ ٿيو. ڪُجهہ جڳهيُنِ تي اِنٽَرويوُ بہ ڏِنو، پَرَ ڪَمُ ڪِٿي بہ ڪونہ ٿيو.

गुरुजी : चिंता न करो। सब काम अपने वक़्त पर ही होते हैं। तुम अपनी पूरी तैयारी करो। हमें काम करना चाहिए, फल की चिंता नहीं करनी चाहिए। तुम रोज़ एक घंटा मेरे पास आओ तो मैं तुम्हारी कुछ मदद करुं।

विनोद : मैं आपका शुक्रगुज़ार हूं। आपने मेरी हिम्मत बढ़ाई है।

मास्तरु : चिंता न करि। सभु कम पंहिंजे वक़्त ते ई थींदा आहिनि। तूं पंहिंजी पूरी त्यारी करि। असां खे कमु करणु घुर्जे, फल जी चिंता न करणु घुर्जे। तूं रोजु हिकु कलाकु मूं वटि अचु त मां तोखे कुझु मदद कर्यां।

विनोद : मां तव्हां जो थोराइतो आहयां, तव्हां मुंहिंजी हिमथ वधाई आहे।

ماستَرُ: چِنتا نَہ ڪَرِ. سَڀُ ڪَمَ پَنهِنجي وَقتَ تي ئِي ٿِيندا آهِنِ. توُن پَنهِنجِي پوُرِي تياري ڪَرِ. اَسان کي ڪَمُ ڪرڻُ گُهرجي، ڦَلَ جي چِنتا نَہ ڪَرَڻُ گُهرجي. توُن روزُ هِڪُ ڪَلاڪُ موُن وَٽِ اَچُ تَہ مان توکي ڪُجهہ مَدَدَ ڪَريان.

وِنودُ: مان تَوهان جو ٿورائتو آهيان، تَوهان مُنهِنجِي هِمَٿَ وَڌائِي آهي.

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिन्धी
बहुत से	घणेई	گھڻيئي
जगह	जगहि	جَڳهِ
चिंता	चिंता	چِنتا
घंटा	कलाकु	ڪلاڪُ
शुकगुज़ार	थोराइतो	ٿورائتو
बढ़ाना	वधाइणु	وڌائڻُ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिन्धी
स्थिति	इस्थती	اِسٿتي
मुक़ाबिला	मुक़ाबलो	مُقابلو
हिम्मत	हिमथ	هِمَٿ
मेहनत,	महिनत	مَحِنَت
अख़बार	अख़बार	اَخبارَ
इंटरव्यू	इंटरव्यू	اِنٽَرويوُ
पहले	पहरीं	پَهرِين

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिन्धी
नौकरी	नौकरी	نَوڪري
तलाश	तलाश	تَلاشَ
कल	सुभाणे	سُڀاڻي
सिफ़ारिश	सिफ़ारिश	سِفارِشَ
उम्मीद	उमीद	اُميِدَ
हमेशा	सदाईं	سَدائِين
याद	यादि	يادِ

I पाठ के आधार पर कोष्ठक में से सही शब्द चुनते हुए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. त्यारी त सुठी आहे पर सिफ़ारिश कान ———।
(अथेई, अथसि, अथमि)

١. تياريِ تہ سُٺيِ آهي، پَرَ سِفارِش ڪانَہ ------.
(اَٿيئيِ، اَٿِس، اَٿمِ)

2. कंहिं बि इस्थतीअ जो मुक़ाबलो हिमथ सां ———।
(करणु खपे, वठणु खपे, वञणु खपे)

٢. ڪَنهِن بہِ اِسٿتيِءَ جو مُقابلو هِمَٿ سان ------.
(ڪَرَڻُ کَپي، وَٺَڻ کپي، وَڃڻُ کَپي)

3. माण्हू पंहिंजी महिनत सां ई अगयां ———।
(कंदो आहे, वठंदो आहे, वधंदो आहे)

٣. ماڻهوُ پَنهِنجي مَحِنَت سان ئيِ اَڳيان ----.
(ڪَندو آهي، وَٺَندو آهي، وَڌَندو آهي.)

4. तूं पंहिंजी पूरी त्यारी ———।
(करि, कर्यो, करे)

٤. توُن پَنهِنجيِ پوُريِ تياريِ ------.
(ڪَرِ، ڪَريو، ڪري)

5. मां तव्हांजो थोराइतो ———।
(आहयां, आहीं, आहयूं)

٥. مان تَوهان جو ٿورائتو ---.
(آهيان، آهِين، آهيوُن)

II उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : शीला वटि कारि कान्हे।
शीला खे कारि खपे।

مِثالُ : شيِلا وَٽ ڪارِ ڪانهي.
شيِلا کي ڪارِ کپي.

1. मूं वटि टेलीविज़नु कोन्हे।
١. موُن وَٽِ ٽيليِويِزنُ ڪونهي.

2. रमेश वटि स्कूटरु कोन्हे।
٢.رَميش وَٽِ اِسڪوُٽرُ ڪونهي.

3. सुधा वटि सिंधी डिक्शनरी कान्हे।
٣. سُڌا وَٽ سِنڌيِءَ جيِ ڊِڪشنَريِ ڪانهي.

4. राधा वटि पंहिंजो घरु कोन्हे।
٤. راڌا وَٽ پَنهِنجو گهرُ ڪونهي.

5. हिन इस्कूल वटि सिंधीअ जो मास्तरु कोन्हे।
٥. هِن اِسڪوُل وَٽ سِنڌيِءَ جو ماسترُ ڪونهي.

III उदाहरण के अनुसार निम्न वाक्यों को सामान्य भूतकाल में बदलिए।

मिसालु : रमेशु रोजु सुबह जो घुमण वेंदो आहे।
पर अज़ु सुबह जो हू घुमण कोन व्यो।

مِثالُ : رَميشُ روز صُبُحَ جو گُهمَڻ ويندو آهي.
پَرَ اَڄُ صُبُحَ جو هوُ گُهمڻ ڪونَہ ويو.

1. बाम्बे जी गाडो रोजु शाम चईं बजे ईंदी आहे। — ١. بَمبئيءَ جي گاڏي روزُ شامَ چَئين بَجي ايندي آهي.

2. सरला रोजु बज़ारि वेंदी आहे। — ٢. سَرلا روزُ بَزارِ ويندي آهي.

3. विनोदु रोजु मास्तर खे मिलंदो आहे। — ٣.ونودُ روزُ ماسترَ کي مِلندو آهي.

4. अशोकु रोजु पंहिंजे लाइ फल वठंदो आहे। — ٤. اَشوڪُ روزُ پَنهنجي لاءِ ڦَلَ وَٺندو آهي.

5. शशी रोजु हिक आखाणी पढ़ंदी आहे। — ٥. شَشي روزُ هِڪ آکاڻي پَڙهندي آهي.

6. दीपा रोजु माउ खे ख़तु लिखंदी आहे। — ٦. ديپا روزُ ماءُ کي خَطُ لِکندي آهي.

IV उदाहरण के अनुसार उपयुक्त सर्वनाम का प्रयोग करते हुए वाक्य बदलिए।

मिसालु : उमीद घटि अथमि — مِثالُ : اُميدَ گهٽ اٿمِ.

मूं खे उमीद घटि आहे। — موُن کي اُميدَ گهٽ آهي.

1. अजु घणेई कम अथमि। — ١. اَڄُ گهڻيئي ڪَمَ اٿمِ.

2. घर में नंढा नंढा बार अथसि। — ٢.گهرَ ۾ ننڍا ننڍا ٻارَ اٿسِ.

3. अजु बज़ारि वञणो अथई ? — ٣.اَڄُ بزارِ وَڃڻو اٿئي ؟

4. गांधीधाम मां छा वठणो अथव ? — ٤.گانڌيڌامَ مان ڇا وَٺڻو اٿوَ ؟

5. सुभाणे कडांहुं वञणो अथनि ? — ٥.سُڀاڻي ڪيڏانهُن وَڃڻو اٿن ؟

V निम्न वाक्यों को उदाहरण के अनुसार बदलिए।

मिसालु : तुंहिंजे पीउ जी तबियत कीअं आहे ? — مِثالُ : تُنهنجي پيءُ جي طَبعيَت ڪيئَن آهي ؟

पिण्हें जी तबियत कीअं आहे ? — پِڻهي جي طَبعيَت ڪيئَن آهي ؟

1. छा तुंहिंजे सहुरे नेरनि कई ? — ١. ڇا تُنهنجي سَهُري نيرَن ڪَئي ؟

2. मुंहिंजी भेण दुबई रहंदी आहे। — ٢. مُنهنجي ڀيڻَ دُبئي رَهندي آهي.

3. तुंहिंजो भाउ किथे कमु कंदो आहे ? — ٣. تُنهنجو ڀاءُ ڪِٿي ڪَمُ ڪندو آهي ؟

4. कल्ह हुन जी माउ जो फ़ोनु आयो हो। — ٤. ڪَلهه هُن جي ماءُ جو فونُ آيو هو.

5. हुन जी ससु बज़ारि मां साढ़ी आंदी। — ٥. هُنَ جي سَسُ بَزارِ مان ساڙهي آندي.

1 दिए गए सिन्धी शब्द के उचित अर्थ को रेखांकित क़ीजिए।

1.	है	हूं	हो	आहे	آهي	.١
2.	हैं	है	हूं	आहयां	آهيان	.٢
3.	हो	है	हैं	आहिनि	آهِنِ	.٣
4.	हो	हूं	है	आहीं	آهين	.٤
5.	हैं	है	हो	आहयो	آهيو	.٥
6.	मैं	मेरा	हम	मां	مان	.٦
7.	तू	तुम	तेरा/तुम्हारा	तूं	توُن	.٧
8.	यह	वे	वह (स्त्री)	हूअ	هوُءَ	.٨
9.	वह	ये	यह (स्त्री)	हीअ	هِيءَ	.٩
10.	ये	वे	वह	हू	هوُ	.١٠
11.	वह	वे	ये	ही	هي	.١١
12.	था	है	चाहिए	खपे	کَپي	.١٢
13.	थी	था	थे	हुओ	هُئو	.١٣
14.	कौन	कौन	क्या	केरु	ڪيرُ	.١٤

15.	जो (स्त्री)	जो (पु)	जो (बहु)	जेको	جيڪو	١٥.
16.	यह	वह (स्त्री)	वह	उहा	اُها	١٦.
17.	चाहिए	चाहना	ज़रूरत होना	घुर्जणु	گُهرجڻُ	١٧.
18.	(मुझे) चाहिए	(उसे) चाहिए	(तुम्हें) चाहिए	खपेमि	کَپيمِ	١٨.
19.	कौन (स्त्री)	कौन (पु)	जो	केर	ڪيرَ	١٩.
20.	जो (पु)	जो (स्त्री)	जो (बहु)	जेका	جيڪا	٢٠.
21.	आता है	आती है	आते हैं	अचे थो	اَچي ٿو	٢١.
22.	नहीं (स्त्री)	नहीं (पु)	नहीं	कोन	ڪونَ	٢٢.
23.	नहीं (स्त्री)	नहीं (पु)	नहीं	कान	ڪانَ	٢٣.
24.	कोई	कोई (स्त्री)	कोई (पु)	को	ڪو	٢٤.
25.	कोई	कोई	कोई	के	ڪي	٢٥.

2. दिए गए हिंदी शब्दों के उचित अर्थ को रेखांकित कीजिए।

1.	मैं	मूं	मां	मुहिंजो	مُنهِنجو	مان	مون	١.
2.	तुमने	तो	तूं	तुहिंजो	تُنهِنجو	تون	تو	٢.
3.	उसने	हुन	हू	हुनखे	هُنَ کي	هوُ	هُنَ	٣.
4.	किसने	कहिं जो	केरु	कहिं	ڪَنهِن	ڪيرُ	ڪَنهِنجو	٤.
5.	मुझे	मूं खे	मां	मूं	مون	مان	مون کي	٥.

6.	जिसने	जा	जो	जहिं	جَنهِن	جو	جا	.٦
7.	आपने	तव्हां	तव्हां खे	तव्हां जो	تَوهان جو	تَوهان کي	تَوهان	.٧
8.	हमने	असीं	असां खे	असांजो	اَسان جو	اَسان کي	اَسِين	.٨
9.	उन्होने	हू	हुन	हुननि जो	هُنن جو	هُنَ	هوُ	.٩
10.	एक	हिकु	ब़	टे	ٽي	ٻَہ	هِڪُ	.١٠
11.	दो	चार	पंज	ब़	ٻَہ	پَنج	چار	.١١
12	मेरा	तुहिंजो	मुंहिंजो	हुनजो	هُن جو	مُنهِنجو	تُنهِنجو	.١٢
13.	तुम्हारी	मुंहिंजी	तुंहिंजी	हिनजी	هِن جِي	تُنهِنجِي	مُنهِنجِي	.١٣
14.	उसकी	हिनजी	हुनजो	हुनजी	هُنَ جِي	هُنَ جو	هِنَ جِي	.١٤
15.	इसके	हिनजी	हिनजा	हिनजो	هِنَ جو	هِنَ جا	هِنَ جِي	.١٥
16.	उनके	हिननि जो	हुननि जो	हुननि जो	هُنَنِ جو	هُنن جو	هِنَن جو	.١٦
17.	किसका	कहिंजो	कहिंजी	कहिंजूं	ڪَنهِنجوُن	ڪَنهِنجِي	ڪَنهِنجو	.١٧
18.	इधर	हेड़ांहु	होड़ांहु	हिते	هِتي	هيڏانهُن	هيڏانهُن	.١٨
19.	(आपके पास) है	आहिनि	आहे	अथव	اَٿوَ	آهي	آهِن	.١٩
20.	वहां	हेड़ांहु	होड़ांहु	हुते	هُتي	هوڏانهُن	هيڏانهُن	.٢٠

3. उचित संयुक्तरूप को रेखांकित कीजिए।

1.	मुंहिं + जो	=	मुंहिंजा	मुंहिंजो	मुंहिंजी	مُنهِنجِي	مُنهِنجو	مُنهِنجا	=	مُنهِن + جو	.١
2.	मूं + खे	=	मां खे	मुहिं खे	मूं खे	موُن کي	مُهِن کي	مان کي	=	موُ + کي	.٢

3.	तुंहिं + जा =	तूं जा	तोजा	तुंहिंजा	تُنهنجا	تو جا	توُن جا	تُنهِن +جا =	.٣
4.	हुन + जे लाइ =	हू लाइ	हुन लाइ	हुन जे लाइ	هُن جي لاءِ	هُنَ لاءِ	هوُ لاءِ	هُنَ +جي لاءِ =	.٤
5.	कंहिं + जो =	कंहिं जा	कंहिं जो	कंहिं जी	ڪنهنجي	ڪنهنجو	ڪنهنجا	ڪنهِن + جو =	.٥
6.	आहे + मि =	आहिमि	अथमि	आहेमि	آهين	اَٿم	آهيم	آهي +مِ =	.٦
7.	न + आहे =	नाहे	नाहिनि	नाहयूं	ناهيوُن	ناهِن	ناهي	نَہ +آهي =	.٧

4. दिए गए सिन्धी शब्दों के उचित अर्थ को रेखांकित कीजिए।

1.	आजकल	आज	कल	अजकल्ह	اَڄڪلهہ	.١
2.	दौड़	यात्रा	दौरा	दौरो	ڏورو	.٢
3.	ज़्यादा	छोटा	कम	वधीक	وَڌيڪ	.٣
4.	क्या	क्यों	कहां	छो	ڇو	.٤
5.	कहां	क्या	कैसे	कीअं	ڪيئن	.٥
6.	सर्दी	ठंडा	हवा	थधि	ٿڌِ	.٦
7.	अच्छा	ठीक है	अच्छा	सुठो	سُٺو	.٧
8.	ऐसा	ऐसी	ऐसे	अहड़ी	اَهڙي	.٨
9.	नाती	पोता	दुहिता	डाहिटो	ڏوهٽو	.٩
10.	शावक	हरियाली	साफ	सावक	ساوَڪ	.١٠
11.	लौट	मोटा	लौटना	मोटणु	موٽڻُ	.١١

12.	कोश	किताब	कापी	डिक्शनरी	ڊِڪشنَري .١٢
13.	किधर	कहां	कौन	केडांहुं	ڪيڏانهُن .١٣
14.	कल	कल	सुबह	सुभाणे	سُڀاڻي .١۴
15.	मज़बूत	भारी	अच्छा	पुख़्तो	پُختو .١۵
16.	हिलना	चलना	हिलाना	हलणु	هَلَڻُ .١٦

5. दिए गए हिंदी शब्दों के उचित सिन्धी शब्द को रेखांकित कीजिए।

1.	कलाकार	रांदीगरु	कलाकारु	चित्रकारु	چترڪارُ	ڪَلاڪارُ	رانديِگرُ
2.	चीजें	शयूं	शै	शई	شَءِ	شَي	شَيوُن
3.	ढूंढना	खोजणु	गोल्हणु	चूंडणु	چوُنڊڻُ	ڳولهَڻُ	کوجَڻُ
4.	व्यस्त	लगलु	मश्गूल	मुंधलु	رُنڌَلُ	مَشغوُلُ	لَڳَلُ
5.	से	खां	सां	मां	مان	سان	کان
6.	बहू	नूहं	नूंहु	नुंह	نوُنهَن	نُنهن	نوُهُون
7.	अध्यापिका	मास्तरु	मास्तर्याणी	मास्तरी	ماستري	ماسترياڻي	ماستَرُ
8.	प्रकाशित	चिटयलु	छप्यलु	प्रकाशितु	پرڪاشِتُ	ڇَپيلُ	چِٽيَلُ
9.	डाकिया	टपाली	टपाल	डाक	ڊاڪَ	ٽَپال	ٽَپالِي
10.	अब	हाणे	हितु	हेडांहु	هيڏانهُن	هِتُ	هاڻي

6. वाक्य की पूर्ति करने वाले उचित शब्द को रेखांकित कीजिए।

1. मां मैसूर वञां ————————। थो थी था
2. गीता वापसि अचे ——————। था थे थी
3. मीरां घर वेंदी ———————। आहयां आहे आहिनि
4. आगरा में गर्मी वधीक ————। हुवी हुओ हुई
5. मूं खे कमु करणु ——————। घुर्जे खपेमि घुर्जेसि
6. तोखे कहड़ो सामानु ———— आहे। वठणु वठणो वठण
7. चांहि ———— सुठो नाहे। पीअणी पिअणु पिअणो

۱. مان مَيسوُر وَڃان ----------. ٿو ٿِي ٿا
۲. گيتا واپَسِ اَچي ----------. ٿا ٿي ٿِي
۳. مِيران گهر وينديِ ---------. آهيان آهي آهِنِ
۴. آگرا ۾ گَرميِ وَڌيک -------. هُوِي هُئو هُئِي
۵. مونُ کي ڪَمُ ڪَرَڻُ ------. گُهرِجي کَپيمِ گُهرِجيسِ
٦. توکي ڪهڙو سامانُ ----- آهي. وَٺَڻُ وٺڻو وَٺَڻَ
۷. چانهِه ------ سُٺي ناهي. پِيئَڻِي پِئَڻُ پِئَڻو

7. सही वाक्य पर सही का चिन्ह लगाइए।

1. तूं कीअं आहीं ?
   तूं कीअं आहे ?
   तूं कीअं आहयो ?
2. हिक ड॒ांहुं मुंहिंजो घरु अचो।
   हिक ड॒ांहुं मुंहिंजे घरि अचु।
   हिक ड॒ांहुं मुंहिंजी घरि अचु।

۱. توُن ڪيئَن آهين ؟
   توُن ڪيئَن آهي ؟
   توُڪيئَن آهيو ؟
۲. هِڪ ڏِينهن مُنهِنجو گَهرُ اَچو.
   هِڪ ڏِينهن مُنهِنجي گَهرِ اَچُ.
   هِڪ ڏِينهن مُنهِنجي گَهرِ اَچُ.

3. ब़ारनि खे डोड़णु डुकणु वणे थो।
ब़ारनि लाइ डोड़णु डुकणु सुठी थी।
ब़ारनि खे डोड़णु डुकणु वणे थी।
4. घुमण फिरण में मज़ो आया।
घुमण फिरण में मज़ो आयो।
घुमिणो फिरणो मज़े में आयो।
5. सुबुह जो सवेल उथणो घुर्जे।
सुबुह जो सवेल अथणु घुर्जे।
सुबुह जो सवेल उथणु घुर्जे।
6. न, अहड़ो का ग़ाल्हि नाहे।
न, अहड़ी का ग़ाल्हि कोन्हे।
न, अहड़ी का ग़ाल्हि कान्हे।
7. छा, तूं मैसुरु वञीं थो ?
छा तो मैसूरु वञे थो ?
छा छा तूं मैसूरु वञीं थो ?
8. हुन खे केडांहु वञणो अथसि ?
हुन खे केडांहुं वञणो अथमि ?
हुन खे केडांहु वञणो अथनि ?

٣. ٻارنِ کي ڏوڙڻُ ڏُکَڻُ وَڻي ٿو.
ٻارَنِ لاءِ ڏوڙڻُ ڏُکڻُ سُٺي ٿِي.
ٻارنِ کي ڏوڙڻُ ڏُکڻُ وَڻي ٿِي.
٤. گُهمڻُ فِرڻُ ۾ مَزو آيا.
گُهمڻ فِرڻ ۾ مَزو آيو.
گُهمڻو فِرڻو مَزي ۾ آيو.
٥. صُبُحَ جو سَويل اُٿڻو گُهرجي.
صُبُحَ جو سَويل اَٿڻُ گُهرجي.
صُبُحَ جو سَويل اُٿڻُ گُهرجي
٦. نَه، اَهڙو ڪا ڳالهه ناهي.
نَه، اَهڙي ڪا ڳالهه ڪونهي.
نَه، اَهڙي ڪا ڳالهه ڪانهي.
٧. ڇا، توُ مَيسوُر وَڃين ٿو.
ڇا، تو مَيسوُر وَڃي ٿو.
ڇا ڇا توُن مَيسوُر وَڃِين ٿو.
٨. هُن کي ڪيڏانهُن وَڃڻو اَٿَس ؟
هُن کي ڪيڏانهُن وَڃڻو اَٿَمِ ؟
هُن کي ڪيڏانهُن وَڃڻو اَٿَنِ ؟

9.	अॼकल्ह रामु दौरो नथो करे।	اَڄُڪلهہ رامُ دَورو نٿو ڪَري.	.۹
	अॼकल्ह रामु दौरो नथे कर्यो।	اَڄُڪلهہ رامُ دَورو نٿو ڪَريو.	
	अॼकल्ह रामु दौरो नथी करे।	اَڄُڪلهہ رامُ دَورو نٿي ڪَري.	

8. दिए गए प्रश्न के सही उतर पर सही का चिन्ह लगाइए।

1.	तूं किथे रहीं थो ?	توُن ڪِٿي رَهِين ٿو ؟	.۱
जवाबु	मां दहली में रहूं थो।	مان دَهلِي ۾ رَهوُن ٿو.	جَوابُ
	मां गांधीधाम में रहां थो।	مان گانڌِيڌامَ ۾ رهان ٿو.	
	मां आगरा में रहीं थी।	مان آگرا ۾ رَهِين ٿِي.	
2.	छा तूं बज़ारि विएं ?	ڇا توُن بَزارِ وِئين ؟	.۲
जवाबु	हा, मां बज़ारि कोन व्युसि।	ها، مان بَزارِ ڪونہ ويُسِ.	جَوابُ
	हा, मां बज़ारि व्युसि।	ها، مان بَزارِ ويُسِ.	
	हा, मां बज़ारि व्यासीं।	ها، مان بَزارِ وياسِين.	
3.	तूं दौरे ते कोन वञणो आहीं ?	توُن دَوري تي ڪونہ وَڃڻو آهِين ؟	.۳
जवाबु	न, मां दौरे ते वञणा आहयूं।	نہ، مان دَوري تي وَڃڻا آهيوُن.	جَوابُ
	न, मां दौरे ते कान वञणी आहयां।	نہ، مان دَوري تي ڪانہ وَڃڻِي آهيان.	
	न, मां दौरे ते कोन वञणो आहयां।	نہ، مان دَوري تي ڪونہ وَڃڻو آهيان.	

1. उदाहरण के अनुसार वाक्य बनाइए।

मिसालु : अचु, मोहन! ——————।

अचु, मोहन! अचु।

1. वेहु राम! ——————।
2. ड॒िसु किशन! ——————।
3. खाउ, पुट! ——————।
4. पीउ, बा॒र! ——————।
5. हलु, रीता! ——————।

مِثالُ : اَچُ موهَنَ! ------------------.

اَچُ موهَنَ! اَچُ.

١. ويھُ رامَ! ---------------.

٢. ڏِسُ ڪِشَنَ! --------------------.

٣. کاءُ، پُٽ! ------------------.

٤. پيءُ، ٻار! ------------------.

٥. هَلُ رِيتا! ------------------.

2. उदाहरण के अनुसार 'मिलु' किया के उचित रूप से वाक्य पूर्ति कीजिए।

मिसालु : तूं घरवारनि सां ——————।

तूं घरवारनि सां मिलु।

1. मां घरवारनि सां ——————।
2. असीं घरवारनि सां ——————।

مِثالُ : توُن گَهروارِن سان -------------.

توُن گَهروارِن سان مِلُ.

١. مان گَهروارِن سان -------------.

٢. اَسِين گَهروارِن سان -------------.

3.	तव्हीं घरवारनि सां ——————।	تَوهين گهروارِن سان	.٣
4.	हू घरवारनि सां ——————।	هوُ گهروارِن سان	.٤
5.	ही घर वारनि सां ——————।	هيِ گهروارِن سان	.٥

3. नीचे दिए सिन्धी शब्दों के कम के अनुसार हंदी शब्दों को कम से लिखिए।

1.	अचु	खाओ	اَچُ	.١
2.	वेहु	बैठो	ويهُه	.٢
3.	मिलु	देखो	مِلُ	.٣
4.	ड॒िसु	आओ	ڏِسُ	.٤
5.	खाउ	मिलो	کاءُ	.٥

4. उदाहरण के अनुसार 'आहे' योजक किया के उचित रूप से वाक्य पूर्ति कीजिए।

मिसालु : मां ब॒ारु ————————।	مِثالُ : مان ٻارُ ....
मां ब॒ारु आहयां।	مان ٻارُ آهيان.
1. तूं ब॒ारु ——————।	.١ توُن ٻارُ ....
2. हू ब॒ारु ——————।	.٢ هوُ ٻارُ ....
3. ही ब॒ारु ——————।	.٣ هيِ ٻارُ ....

4. असीं ॿार ————————।

5. तव्हीं ॿार ————————।

۴. اَسِين ٻارَ ....

۵. تَوهِين ٻار ....

5. कोष्ठक के उचित शब्द से वाक्य पूर्ति कीजिए।

(छा छा, वठणो, सामानु, छा, कोन)

(ڇا ڇا، وَڻڻو، سامانُ، ڇا، ڪونَہ)

1. बज़ारि मां सामानु ———————— आहे।
2. ———————— बज़ारि मां सामानु वठणो आहे ?
3. बज़ारि मां ———————— सामानु आहे ?
4. हा, मूंखे बज़ारि मां ———————— वठणो आहे।
5. न, मूं खे बज़ारि मां सामानु ———————— वठणो आहे।

۱. بَزارِ مان سامانُ ---------- آهي.

۲. ---------- بَزارِ مان سامانُ وَڻڻو آهي ؟

۳. بَزارِ مان --------- سامانُ وَڻڻو آهي.

۴. ها، مون کي بَزارِ مان ---------- وَڻڻو آهي.

۵. نَہ مون کي بَزارِ مان سامانُ --------- وَڻڻو آهي.

6. उदाहरण के अनुसार प्रत्येक वाक्य से तीन तीन नए वाक्य बनाइए।

मिसालु : देरि सां सुम्हणु सुठो कोन्हे।

छा, देरि सां सुम्हणु सुठो आहे ?

देरि सां सुम्हणु सुठो आहे छा ?

न, देरि सां सुम्हणु सुठो कोन्हे।

مِثالُ : دير سان سُمهڻُ سُٺو ڪونهي.

ڇا، دير سان سُمهڻُ سُٺو آهي ؟

دير سان سُمهڻُ سُٺو آهي ڇا ؟

نَہ دير سان سُمهڻُ سُٺو ڪونهي.

1.	सुबुह जो घुमणु सुठो आहे।	صُبُحَ جو گُهمڻُ سُٺو آهي.	١.
2.	कश्मीर में घणी थधि पवे थी।	ڪَشمير ۾ گهڻي ٿَڌِ پَوي ٿي.	٢.
3.	आफ़ीस में कमु वधीक रहे थो।	آفِيس ۾ ڪَمُ وَڌيڪ رَهي ٿو.	٣.
4.	मां रांदि करण वञां थी।	مان رانڌِ ڪَرَڻَ وَڃان ٿي.	٤.
5.	मनीष जो दोस्तु बैंगलोर में रहंदो आहे।	مَنيش جو دوسْتُ بَينگلور ۾ رَهندو آهي.	٥.

7. नीचे दिए गए शब्दों को सिन्धी में लिखिए।

1.	बहन	5.	आज
2.	तुम्हें	6.	आजकल
3.	कल	7.	चुनना
4.	कल	8.	नाश्ता

8. दिए गए शब्दों को हिन्दी में लिखिए।

1.	भाती	ڀاتي	١.
2.	शौक़ीनु	شَوقِينُ	٢.
3.	कसिरत	ڪَسِرتَ	٣.
4.	असांजा	اَسانجا	٤.

5.	नेमु टेमु	نيمُ ٽيمُ	٥.
6.	खेड॒णु	کيڏڻُ	٦.
7.	रांदि	راندِ	٧.
8.	नज़र	نَظَر	٨.
9.	शयूं	شَيوُن	٩.
10.	मास्तरु	ماسترُ	١٠.
11.	महांगाई	مَهانگائيِ	١١.

9. दिए गए शब्दों को जोड़िए।

1.	मुंहिं + जो	2.	आहे + मि	آهي + مِ	٢.	مُنهِن + جو	١.
3.	हुन + जे	4.	खपे + नि	ڪَپي + نِ	٤.	هُنَ + جي	٣.
5.	तो + में	6.	घुर्जे + सि	گُهرجي + سِ	٦.	تو + ۾	٥.
7.	कोन + आहे	8.	आहे + सि	آهي + سِ	٨.	ڪونَ + آهي	٧.
9.	मुंहिं + जा	10.	आहे + ई	آهي + ئيِ	١٠.	مُنهِن + جا	٩.

10. उदाहरण के अनुसार वाक्यों को जोड़िए।

मिसालु : तूं मानी खाउ। पोइ थोरो घुमूं।

तूं मानी खाउ त पोइ थोरो घुमूं।

1. मां वापसि अचां थो। हू कमु शुरु करे थो।
2. तूं मुंहिंजे घरु अचु। ॿई रांदि कर्यूं।
3. श्यामु आयो। रामु व्यो।
4. ताक़तवारो खाधो खाइंदा आहयूं। असांजी सिहत सुठी रहंदी आहे।
5. मूं खे ॿुधाइ। मां शयूं वठी अचां।

مِثالُ : توُن مانيِ کاءُ. پوءِ ٿورو گُهموُن.

توُن مانيِ کاءُ تَہ پوءِ ٿورو گُهموُن.

١. مان واپِس اَچان ٿو. هوُ ڪَمُ شُروُع ڪَري ٿو.
٢. توُن مُنهِنجي گهرُ اَچُ. ٻَئِي راندِ ڪَريوُن.
٣. شَيامُ آيو. رامُ ويو.
٤. طاقت وارو کاڌو کائِيندا آهيوُن. اَسان جي صِحت سُٺي رَهنديِ آهي.
٥. موُن کي ٻُڌاءِ. مان شَيوُن وَٺيِ اَچان.

11. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

1. मोहनु मुंहिंजो पुटु आहे।
2. ॿार कमरे में कोन आहिनि।
3. छा तव्हां घरु अचो था ?
4. कल्ह मूं कोई कमु कोन कयो।
5. असांजो पूरो परीवारु रोजु सुबुह जो सवेल उथंदो आहे।
6. अछा, तोखे अॼ दहली वञणु खपे।

١. موهنُ مُنهِنجو پُٽُ آهي.
٢. ٻارَ ڪَمري ۾ ڪونَہ آهِنِ .
٣. ڇا تَوهان گهرُ اَچو ٿا ؟
٤. ڪَلهہ موُن ڪوئِي ڪَمُ ڪونَہ ڪَيو.
٥. اَسان جو پوُرو پَريوارُ روزُ صُبُح جو سَويل اُٿَندو آهي.
٦. اَڇا، توکي اَڄُ دَهلِي وَڃَڻُ کپي.

7. चङो, हाणे मां हलां ?
8. हलि त गडि़जी चांहि पीऊं।
9. तव्हां छा जा शौक़ीन हुआ ?
10. मैसूर खां दहली वञण में ब॒ रात्यूं लग॒दयूं आहिनि।

۷. چَڱو هاڻي مان هَلان ؟
۸. هَلِ تہ گَڏجي چانهِہ پيئُون.
۹. تَوهان ڇا جا شَوقِينُ هُئا ؟
۱۰. مَيسوُر کان دَهليِ وَڃَڻُ ۾ ٻہ راتيوُن لَڳَنديوُن آهِنِ .

12. सिन्धी में अनुवाद कीजिए।

1. ये दोनों पति पत्नी हैं।
2. अच्छा, आपकी तबियत ठीक नहीं है ?
3. हमें कश्मीर देखने जाना है।
4. आजकल आप कहां रहते हैं ?
5. क्या यहां भी इतनी गर्मी थी ?
6. आपने कहा तो ठीक है।
7. ठीक है, अब मुझे चलना चाहिए।
8. गीता को आना है तो जल्दी आए।
9. मुझे बताओ तो मैं सब्ज़ी ले आऊं।
10. मुझे सिन्धी में लिखने में देर लगती है।

पाठ 7

दिल्ली में व्यापार मेला

मोहन : अरे रोशन ! दिल्ली से कब लौटे हो ?

रोशन : मैं दो दिन पहले ही लौटा हूं। कल मैंने तुम्हे बाज़ार में देखा, पर तुम दूर थे, इसलिए तुमसे बात नहीं हुई।

मोहन : मेरा ध्यान नहीं गया। अच्छा, क्या तुम दिल्ली किसी काम से गए थे या सिर्फ़ घूमने गए थे ?

रोशन : काम भी था और कुछ घूमा भी । इन दिनों वहां अंर्तराष्ट्रीय व्यापार मेला लगा है। मैं अपने दोस्त के साथ वहीं घूमने गया। बहुत अच्छा मेला था । कई देशों की बड़ी बड़ी कंपनियां वहां आई हैं; और अपनी अपनी वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाई हैं। अपने देश के भी अलग

सबक़ु 7

दहलीअ में वापार मेलो

मोहनु : अड़े, रोशन! दहलीअ खां कडहिं मोटएं ?

रोशनु : मां ब डोंह पहरीं ई वापसि मोटी आयुसि। कल्ह तोखे बज़ारि में डिठुमि, पर तूं परे हुऍं, तंहिं करे तोसां गाल्हाइणु न थ्यो।

मोहनु : मुंहिंजो ध्यानु न व्यो। चङो, तूं दहलीअ कंहिं कम सां व्यो हुएं या घुमण व्यो हुएं ?

रोशनु : कमु बि होमि, ऐं कुझु घुमयुसि बि। हिननि डोंहनि में उते अंर्तराष्ट्रीय वापार मेलो लगलु हो। मां पंहिंजे दोस्त सां गड उते घुमण व्युसि। डाढो सुठो मेलो आहे। घणनि मुलकनि जूं वडयूं वडयूं कम्पनियूं उते आयूं हुयूं ऐं पंहिंजयुनि पंहिंजयुनि शयुनि जी प्रदर्शनी लगाई हुआऊं। पंहिंजे मुल्क जे बि अलगि

سَبَقُ ۷

دَهليءَ ۾ واپار ميلو

موهَنُ : اَڙي روشَنَ! دَهليءَ کان ڪَڏهِن موٽئين ؟

روشَنُ : مان ٻَہ ڏينهَن پَهرِين ئِي واپَس موٽِي آيُس. ڪَلهَہ توکي بَزارِ ۾ ڏِٺُمِ؛ پَرَ توُن پَري هُئين، تَنهِن ڪَري توسان ڳالهائِڻُ نَہ ٿيو.

موهَنُ : مُنهِنجو ڌيانُ نَہ ويو. چَڱو توُن دَهليءَ ڪَنهِن ڪَمَ سان ويو هُئين يا گُهمَڻَ ويو هُئين ؟

روشَنُ : ڪَمُ بِہ هومِ ۽ ڪُجهہ گُهميُس بِہ. هِنَنِ ڏينهَنِ ۾ اُتي اَنترراشٽريہ واپارِ ميلو لَڳَلُ آهي. مان پَنهِنجي دوستَ سان گَڏُ اُتي گُهمَڻَ ويُسِ. ڏاڍو سُٺو ميلو آهي. گَهڻَنِ مُلڪنِ جوُن وَڏيوُن وَڏيوُن ڪَمپَنيوُن اُتي آيوُن هُيوُن ۽ پَنهِنجيُنِ پَنهِنجيُنِ شَيُنِ جي پَرَدرشنِي لَڳائِي هُئائوُن . پَنهِنجي مُلڪَ جي بِہ اَلڳِ

अलग हिस्सों से कंपनियां आई थी। पूरी दुनिया की जानकारी मिलती है । तुम्हें भी कभी जाना चाहिए।

मोहन : हां, देखता हूं; कब मौक़ा मिलता है। तुम्हारा भाई दिल्ली नहीं गया क्या ?

रोशन : मैंने तो उसे बहुत कहा पर उसके कालेज का फुटबाल मैच था इसलिए उसने ना कहा।

मोहन : हां, मैंने ख़ुद उसको एक दिन पार्क के पास देखा। मैंने उससे पूछा तो उसने कहा कि मैं दोस्तों के साथ खेलने जा रहा हूं। और सुनाओ, घर में सब कैसे हैं ? तुम्हारी बहन की कहीं शादी पक्की हुई ?

रोशन : नहीं, कुछ दिन पहले एक जगह उसकी बात चलाई थी पर ममी और डैडी को घर पसंद नहीं आया। तुम बताओ तुम्हारा बेटा और बेटी कौन सी

अलगि॒ हिसनि मां कम्पनियूं ईंदयूं आहिनि। इन तरह पूरी दुनिया जी ख़बर मिलंदी आहे। तोखे बि कड॒हिं उते वञणु घुर्जे।

मोहनु : हा डि॒सां थो कड॒हिं थो मौक़ो मिले। दहलीअ भाण्हे को न व्यो छा ?

रोशनु : खेसि घणोई चयुमि पर हुन जे कालेज जी फुटबालु मैचि हुई तंहिं करे न कयाईं।

मोहनु : हा, मूं बि हिक डा॒हुं हुन खे पार्क में डि॒ठो हो। पुछयोमासि त चयाईं त दोस्तनि सां रांदि करण वञां थो । ब्यो ब॒धाइ त घर में सभु कीअं आहिनि ? भेणें जी शादी किथे पक थी ?

रोशनु : न, कुझु डा॒हं पहरीं हिक जगि॒हि गा॒ल्हि त हली हुई पर ममी ऐं दादा खे घरु न वण्यो । तूं ब॒धाइ, तुहिंजो पुटु ऐं धीउ कहड़े क्लास में

اَلگِ حِصَنِ مان ڪَمپَنِيوُن ايِنديوُن آهِنِ. اِنَ طَرَحَ پوُرِي دُنِيا جِي خَبَرَمِلندِي آهي. توکي بِہ ڪَڏهِن اُتي وَڃَڻُ گُهرجي.

موهَنُ : ها، ڏِسان ٿو ڪَڏهِن ٿو موقعو مِلي. ڀاڻهين ڏهلِي ڪونہ وِيو ڇا ؟

روشَنُ : کيسِ گهڻوئِي چَيُمِ پَرَ هُنَ جي ڪاليجَ جِي فوٽبالَ مَيچ هُئِي تَنهِن ڪَري نَہ ڪَيائين.

موهَنُ : ها، موُن بِہ هِڪَ ڏينهُن هُنَ کي پارڪَ ۾ ڏِٺو هو. پُڇيومانسِ تَہ چَيائين تَہ دوستنِ سان راندِ ڪرڻ ٿو وَڃان. ٻِيو ٻُڌاءِ، گهرَ ۾ سَڀُ ڪيئَن آهِنِ ؟ ڀيڻين جِي شادِي ڪِٿي پَڪَ ٿِي ؟

روشَنُ : نَہ، ڪُجهہ ڏينهَن پَهرِين هِڪَ جَڳهہ ڳالهِہ تَہ هَلِي هُئِي پَرَ مَمِي ۽ دادا کي گهرُ نَہ وَڻيو. توُن ٻُڌاءِ تُنهِنجو پُٽُ ۽ ڌِيءُ ڪهڙي

क्लास में पढ़ रहे हैं।

मोहन : बेटा पांचवी में और बेटी दूसरी में हैं

अच्छा, चलें। फिर मिलते हैं।

रोशन : अच्छा।

आहिनि ?

मोहनु : पुटु पंजे में ऐं धीउ ॿिएं में आहिनि।

चङो, हलूं ! पोइ मिलूं था।

रोशनु : चङो।

ڪِلاسَ ۾ آهِنِ ؟

موهَنُ : پُٽُ پَنجين ۾ ۽ ڌِيءُ ٻِئين ۾

آهِنِ. چَڱو، هَلوُن! پوءِ مِلوُن ٿا.

روشَنُ : چَڱو.

शब्दार्थ

हिन्दी	*देवनागरी*	सिंध॒ी
लगाना	लग॒ाइणु	لَڳائِڻُ
(मैंने) कहा	चयुमि	چَيُمِ
(मैंने)(उसको)देखा	डि॒ठोमांसि	ڏِٺومانسِ
पक्की हुई	पकी थी	پَڪِي ٿِي
चली थी	हली हुई	هَلِي هُئِي
(मैंने)(उससे) पूछा	पुछयोमांसि	پُڇيومانسِ

शब्दार्थ

हिन्दी	*देवनागरी*	सिंध॒ी
लगा हुआ है	लग॒लु आहे	لَڳَلُ آهي
बहुत	डा॒ढो	ڏاڍو
देश	मुल्कु	مُلڪُ
बड़ा	व॒डो	وَڏو
प्रदर्शनी	प्रदर्शनी	پرَدَرشنيِ
हिस्सा	हिसो	حِصو
अलग	अलगि॒	اَلڳِ

शब्दार्थ

हिन्दी	*देवनागरी*	सिंध॒ी
वापस	वापसि	واپَسِ
(मैंने) देखा	डि॒ठुमि	ڏِٺُمِ
ध्यान	ध्यानु	ڌيانُ
बोलना, बात करना	ग॒ाल्हाइणु	ڳالهائِڻُ
सिर्फ़	रुग॒ो	رُڳو
(मुझे) काम था	कमु होमि	ڪمُ هومِ
(मैं) घूमा	घुमयुसि	گهميُسِ

I निम्नलिखित वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1 कल्ह तोखे बज़ारि में डिठुमि। — ١ ڪلهه توکي بزار ۾ ڏٺم.

2 कमु बि होमि ऐं कुझु घुमयुसि बि। — ٢. ڪم به هوم ۽ ڪجهه گهميس به.

3 खेसि घणो ई चयुमि। — ٣. کيس گهڻو ئي چيم.

4 हुन जे कालेज जी फुटबाल मैचि हुई, तंहिं करे न कयाईं। — ٤. هن جي ڪاليج جي فوٽبال ميچ هئي تنهن ڪري نه ڪيائين.

5 हिक डांहु पार्क वटि डिठोमांसि। — ٥. هڪ ڏينهن پارڪ وٽ ڏٺومانس.

6 पुछयोमांसि त चयाईं त दोस्तनि सां रांदि करण वञां थो। — ٦. پڇيومانس ته چيائين ته دوستن سان راند ڪرڻ وڃان ٿو.

7 हिक जगहि गाल्हि त हली हुई। — ٧. هڪ جڳهه ڳالهه ته هلي هئي.

II कोष्ठक में से सही शब्द चुनते हुए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1 मां दहलीअ ———। — ١. مان دهليءَ ------.
(व्युसि, व्यासीं, व्यो) — (ويس، وياسين، ويو)

2 राम किताबु ———। — ٢. رام ڪتاب ------.
(पढ़युसि, पढ़यो, पढ़े) — (پڙهيس، پڙهيو، پڙهي)

3 हरीशु रांदि करण ———। — ٣. هريش راند ڪرڻ ------.
(विएं, व्यो, व्युसि) — (وئين، ويو، ويس)

4 मां गांधीधाम ———। — ٤. مان گانڌيڌام ------.
(घुम्यो, घुमीं, घुमयसि) — (گهميو، گهمين، گهميس)

5 मूं पंहिंजे दोस्त खे ख़तु ———। (लिख्यो, लिख्युमि, लिखी) — ٥. مون پنهنجي دوست کي خط ---. (لکيو، لکيم، لکي)

III उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : मूं तोखे कल्ह बज़ारि में डिठो। — مثال: مون توکي ڪلهه بزار ۾ ڏٺو
तोखे कल्ह बज़ारि में डिठुमि। — توکي ڪلهه بزار ۾ ڏٺم.

1 हुन दोस्त खे ख़तु लिख्यो। — ١. هن دوست کي خط لکيو.

2 हुन मुंहिंजो कमु को न कयो। — ٢. هن منهنجو ڪم ڪونه ڪيو.

3 मूं हुन खे घरि अचण लाइ चयो। — ٣. مون هن کي گهر اچڻ لاءِ چيو.

4 तो मुम्बईअ वञण लाइ सोचयो। — ٤. تو ممبئيءَ وڃڻ لاءِ سوچيو.

5 मूं प्रेमचंद जो उपन्यासु 'गोदान' पढ़यो।
٥. مون پريمچند جو اُپنياسُ گودان پڙهيو.

IV कोष्ठक में दी गई क्रियाओं के उचित रूप का प्रयोग करते हुए वाक्यों की पूर्ति कीजिए।

1 रामु कुझु ड़ींहं पहरीं दहली ——। (वञणु)
١. رامُ ڪُجھ ڏينهن پھرين دَهلي ----. (وَڃَڻُ)

2 शीला कल्ह मुंहिंजे घरि ——। (अचणु)
٢. شيلا ڪلھ مُنھنجي گھرِ ----. (اَچَڻُ)

3 रोशनु दहलीअ में वापार मेलो ——। (घुमणु)
٣.روشَنُ دَهليءَ ۾ واپارُ ميلو ----. (گھمَڻُ)

4 कल्ह मूं घर में घणा ई कम ——। (करणु)
٤. ڪلھ مون گھرَ ۾ گھڻا ئي ڪم ---. (ڪَرَڻُ)

5 दीपक हिक कविता ——। (लिखणु)
٥. ديپَڪ هِڪ ڪوِتا ----. (لِکَڻُ)

V पाठ के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1 रोशन किथे व्यो हो ?
١. روشن ڪٿي ويو هو ؟

2 उन दहलीअ में छा ड़िठो ?
٢. اُن دَهليءَ ۾ ڇا ڏِٺو ؟

3 रोशन जे भाउ जो नालो छा आहे ?
٣.روشَنَ جي ڀاءُ جو نالو ڇا آهي ؟

4 रोशनु दहली छो व्यो ?
٤. روشَنُ دَهلي ڇو ويو ؟

5 रोशन जे घर में कंहिंजे शादीअ जी ग़ाल्हि हली ?
٥. روشَنَ جي گھرَ ۾ ڪنھنجي شاديءَ جي ڳالھ هَلي ؟

टिप्पणियां

I भूतकाल में भी क्रियाओं के साथ सार्वनामिक प्रव्यय उसी प्रकार जोड़े जाते हैं। जैसे वर्तमानकालिक क्रिया के साथ जोड़े जाते हैं। कृपया निम्न वाक्यों को देखिए।

1 कल्ह तोखे बज़ारि में ड़िठुमि।
١. ڪلھ توکي بَزارِ ۾ ڏِٺُمِ.

2 दहलीअ में कमु बि होमि।
٢. دَهليءَ ۾ ڪمُ بہ هومِ.

3 हुन खे घणो ई चयुमि।
٣. هُنَ کي گھڻوئي چيُمِ.

उपरोक्त वाक्यों में रेखांकित क्रिया रूपों में 'मि' सार्वनामिक प्रत्यय प्रथम पुरुष कर्ता 'मां' के स्थान पर जोड़ा गया है। सार्वनामिक प्रत्ययों की रूपावली पूर्व पाठों में दी गई रूपावली के समान ही है। उदाहरण के रूप में 'चवणु' क्रिया के सामान्य भूतकाल रूप के साथ जुड़ने वाले सार्वनामिक प्रत्ययों की रूपावली देखें।

	एकवचन	बहुवचन
	مون چيو - چيم	اسان چيو - چيوسين
प्रथम पुरुष	मूं चयो – चयुमि	असां चयो–चयोसीं
	تو چيو - چيئہ	توهان چيو - چيو
द्वितीय पुरुष	तो चयो – चयुइ	तवहां चयो–चयुव
	هن چيو - چيائين	هنن چيو - چيائون
तृतीय पुरुष	हुन चयो–चयाईं	हुननि चयो–चयँऊँ

सिन्धी में कभी कभी क्रिया के साथ दो सार्वनामिक प्रत्यय भी जुड़ते हैं जो वाक्य के कर्ता और उसके साथ आए किसी और सर्वनाम की सूचना भी देते हैं निम्न उदाहरण देखिए।

1 मूं तोखे चयो / चयोमांइ। ١. مون توکي چيو\ چيومانءِ.

2 मूं तव्हां खे चयो/चयोमांव। ٢. مون توهان کي چيو\ چيومانوَ.

3 मूं हुन खे चयो/चयोमांसि। ٣. مون هُن کي چيو\ چيومانسِ.

4 मूं हुननि खे चयो /चयोमानि ٤. مون هُننِ کي چيو، چيومانِ.

उपरोक्त उदाहरणों में रेखांकित अंश 'मा' प्रथम पुरुष सर्वनाम की सूचना देता है और 'इ' 'व' 'सि' और 'नि' अंशों का प्रयोग कमशः द्वितीय पुरुष एकवचन, द्वितीय पुरुष बहुवचन, तृतीय पुरुष एकवचन, तृतीय पुरुष बहुवचन की सूचना देता है।

1. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उतर दीजिए।

1 रोशनु दहलीअ खां कड॒हिं वापसि आयो ?

١ روشنُ دَهليِءَ کان ڪَڏهِن واپسِ آيو ؟

2 हू दहलीअ छो व्यो ?

٢ هوُ دَهليِءَ ڇو ويو ؟

3 वापार मेले में छा थींदो आहे ?

٣ واپار ميلي ۾ ڇا ٿِيندو آهي ؟

4 मोहन, हरीश खे किथे डि॒ठो ?

٤ موهَن، هَريِش کي ڪِٿي ڏِٺو ؟

5 मोहन जा ब॒ार कहड़े क्लास में आहिनि ?

٥ موهَن جا ٻار ڪَهڙي ڪِلاس ۾ آهِنِ ؟

2. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : मोहनु साइकिल ते आफ़ीसि वेंदो आहे।

मोहनु साइकिल ते आफ़ीसि व्यो।

مِثالُ : موهنُ سائيڪِل تي آفِيس ويندو آهي.

موهنُ سائيڪَل تي آفِيسِ ويو.

1 मां राति जो ड॒हें बजे सुमहंदो आहयां।

١ مان راتِ جو ڏهين ٻجي سُمهَندو آهيان.

2 ब॒ार सुबुह जो सतें बजे इस्कूल वेंदा आहिनि।

٢ ٻار صُبُح جو سَتين ٻجي اِسڪول ويندا آهِنِ.

3 शीला, गीता खे ख़तु लिखंदी आहे।

٣ شيلا، گيتا کي خَطُ لِکَندي آهي.

4 दादा बैंकि मां, शाम जो पंजे बजे मोटंदा आहिनि।

٤ دادا بَينڪ مان، شام جو پَنجين ٻجي موٽَندا آهِنِ.

5 रोशनु नेरनि में फलु खाईंदो आहे।

٥ روشَنُ نيرنِ ۾ ڦَلُ کائيندو آهي.

3. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : हुन गीता खे ख़तु लिख्यो।

गीता खे ख़तु लिख्याईं।

مِثالُ : هُن گيتا کي خَطُ لِکيو.

گيتا کي خَطُ لِکيائين.

1 मूं कल्ह घर जा सभु कम कया।

۱ مُوں ڪَلهہ گهر جا سَڀُ ڪَمَ ڪيا.

2 तो राति कहड़े वक़्ति रोटी खाधी ?

۲ تو راتِ ڪهڙي وَقتِ روٽِي کاڌِي ؟

3 हुन प्रेमचंद जो उपन्यासु पढ़यो।

۳ هُن پريمَچند جو اُپنياسُ پَڙهيو.

4 मूं राधा खे बज़ारि में ड्रिठो।

۴ مُون راڌا کي بَزارِ ۾ ڏِٺو.

5 हुन बज़ारि मां घणेई शयूं वर्तयूं।

۵ هُن بَزارِ مان گهڻيئِي شَيوُن وَرتيوُن.

4. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : मूं हुन खे घरि अचण लाइ चयो।

घर अचण लाइ चयोमांसि।

مِثالُ : مُون هُن کي گهرِ اَچَڻ لاءِ چَيو.

گهر اَچَڻ لاءِ چَيومانسِ.

1 हुन मास्तर खां सुवालु पुछयो।

۱ هُن ماسترَ کان سُوالُ پُڇيو.

---

2 मूं तोखे बज़ारि में ड॒िठो।

۲ مُون توکي بَزارِ ۾ ڏِٺو.

---

3 तो हुन खे छा चयो ?

۳ تو هُن کي ڇا چَيو ؟

---

4 मूं हुन खे फ़ोनु कयो।

۴ مُون هُن کي فونُ ڪَيو.

---

5 छा तो, हुन खे ख़तु लिख्यो ?

۵ ڇا تو، هُن کي خَطُ لِکيو ؟

---

5. निम्नलिखित वाक्यों का सिन्धी में अनुवाद कीजिए।

1 राम श्याम के घर गया।

---

2 रोशन कल दिल्ली से वापस आया।

____

3 गीता ने सुबह घर के सभी काम किए और फिर आफ़िस गई।

____

4 मीरा गीता से बाज़ार में मिली।

____

5 मैंने कल शशि के घर खाना खाया।

____

पाठ 8

स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम

पमी : मम्मी! मैं कल सुबह छह बजे स्कूल जाऊंगी। 25 दिसम्बर को हमारे स्कूल में क्रिसमस डे मनाएंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। मैं भी उसमें हिस्सा लूंगी। कल से कार्यक्रम का अभ्यास होगा।

मम्मी : ठीक है, सुबुह किस समय उठोगी ? स्कूल कैसे जाओगी ?

पमी : रिकशावाले को बोल दीजिए तो वह सुबह जल्दी आए। मैं पांच बजे उठूंगी । पौने छह बजे तक तैयार हो जाऊंगी। शाम को भी मुझे लौटने में देर होगी।

मम्मी : तुम किस कार्यक्रम में हो ? उसके लिए तुम्हें कौन सी पोशाक चाहिए ?

पमी : मैं एक नृत्य करुंगी। नृत्य के लिए

सबकु 8

इस्कूल में तहज़ीबी प्रोग्रामु

पमी : ममी! मां सुभाणे छहें बजे इस्कूल वेंदसि। 25 डिसंबर ते असां जे इस्कूल में क्रिसमस डे मल्हाईंदा। तहज़ीबी प्रोग्रामु थींदो। मां बि उन में बहरो वठंदसि। सुभाणे खां प्रोग्राम जी रिहर्सल थींदी।

ममी : ठीक आहे, सुबुह जो कहड़े वक़्ति उथंदीअ ? इस्कूल कीअं वेंदीअं ?

पमी : रिक्शावारे खे चई छ॒ड्योसि त उहो सुबुह जो जल्दी अचे। मां पंजे बजे उथंदसि। पौणे छहें बजे ताईं त्यारु थी वेंदसि। शाम जो बि मूं खे मोटण में देरि थींदी।

ममी : तूं कहड़ो प्रोग्राम कंदीअं ? तंहिं लाइ तोखे कहड़ी ड्रेस खपंदी ?

पमी : मां हिकु (डांस) नाचु कंदसि। नाच

سَبَقُ ٨

اِسڪوُلَ ۾ تَهذِيبِي پروگرامُ

پَمِي : مَمِي ! مان سُڀاڻي ڇَهين ٻَڄي اِسڪوُل ويندَسِ. ٢٥ ڊِسَمبَر تي اَسانَ جي اِسڪوُلَ ۾ ڪرِسمِسَ ڊي مَلهائيندا. تَهذِيبِي پروگرامُ ٿِيندو. مان بِہ اُنَ ۾ ڀَهرو وَٺندَسِ. سُڀاڻي کان پروگرامَ جي رِهَرسَل ٿِيندِي.

مَمِي : ٺِيڪُ آهي، صُبُحُ جو ڪَهڙي وَقتِ اُٿَنديئَن ؟ اِسڪوُل ڪيئَن ويندِيئَن ؟

پَمِي : رِڪشاواري کي چَئِي ڇَڏيوسِ تَہ اُهو صُبُحَ جو جَلدِي اَچي. مان پَنجي ٻَجي اُٿندَسِ. پَوڻي ڇَهين ٻَجي تائِين تيارُ ٿِي ويندَسِ. شامَ جو بِہ موُن کي موٽَڻَ ۾ دير ٿِيندِي.

مَمِي : توُن ڪَهڙو پروگرامِ ڪَنديئَن ؟ تَنهِن لاءِ توکي ڪَهڙِي ڊريسَ کَپَندِي ؟

پَمِي : مان هِڪُ (ڊانس) ناچُ ڪَندَسِ. تَنهِن

घाघरा और चोली चाहिए।

मम्मी : घाघरा और चोली तो तुम्हारे पास है। तुम्हें लेने की ज़रुरत नहीं पड़ेगी। कार्यक्रम में बाहर से कौन आएगा ?

पमी : कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हमारे सिंधी के प्रसिद्ध लेखक होंगे। साथ में उनकी पत्नी भी आएंगी। वे बच्चों को पुरुस्कार देंगी।

मम्मी : कार्यक्रम किस समय शुरु होगा ?

पमी : शाम को चार बजे से आठ बजे तक कार्यक्रम होगा। आप हमारा कार्यक्रम देखने आएंगी ?

मम्मी : यदि तुम्हारे पापा को समय मिला तो में उनके साथ ज़रुर आऊंगी।

लाइ घाघरो ऐं चोली खपंदी ?

ममी : घाघरो ऐं चोली त तो वटि आहे। तोखे वठण जी ज़रुरत का न पवंदी ।

प्रोग्राम में बाहिरां केरु ईंदो ?

पमी : प्रोग्राम जो मुख्य महमानु असां जो सिंधीअ जो मशहूरु लेखकु थींदो। साणसि उन्हनि जी ज़ाल बि ईंदी। उहा बारनि खे इनाम विरहाईंदी।

ममी : प्रोग्राम कहड़े वक़्ति शुरू थींदो ?

पमी : शाम जो चईं बजे खां अठें बजे ताईं प्रोग्राम हलंदो। तव्हीं असांजो प्रोग्रामु डिसण ईंदा ?

ममी : जे पिण्हें खे वक़्ति मिलंदो त मां उन्हनि सां गडु ज़रुरि ईंदसि।

لاءِ موُن کي گھاگھروءِ چولِي کَپَندي؟

مَمي : گھاگھروءِ چولِي تَہ تو وَٽِ آھي. توکي وَٺَڻ جي ضَروُرَت ڪانَہ پَوَندِي.
پروگرامَ ۾ ٻاھران ڪيرُ ايندو ؟

پَمي : پروگرامَ جو مُکيَہ مَھمانُ اَسان جو سِنڌيءَ جو مَشھوُر ليکَڪُ ٿيندو.
ساڻس اُنھنِ جي زالَ بہ ايندي. اُھا ٻارنِ کي اِنعامَ وِرھائيندي.

مَمي : پروگرامُ ڪَھڙي وَقتِ شُروُع ٿيندو ؟

پَمي : شامَ جو چَئِين بَجي کان اَٺين بَجي تائين پروگرامُ ھَلَندو. تَوھِين اَسان جو پروگرامُ ڏِسَڻ ايندا ؟

مَمي : جي پِڻھين کي وَقتِ مِلندو تہ مان اُنھَنِ سان گَڏُ ضَروُرِ ايندَسِ.

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
जाओगी	वेंदीअं	وينديئَن
कैसे	कीअं	ڪيئَن
बोल दीजिए	चई छड॒योसि	چَئِي ڇَڏيوسِ
लौटने में	मोटण में	موٽَڻ ۾
देर	देरि	ديرِ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
होगा	थींदो	ٿيندو
हिस्सा लूंगी	बहरो वठंदसि	ٻهرو وٺندسِ
अभ्यास	रीहर्सल	ريهَرسَل
समय	वक़्ति	وَقتِ
तुम उठोगी	उथंदीअं	اُٿنديئَن

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
छह बजे	छहें बजे	ڇهين ٻَجي
जाऊंगी	वेंदसि	ويندَسِ
दिसंबर	डिसम्बरु	ڊِسمبَرُ
मनाएंगे	मल्हाईंदा	مَلهائِيندا
सांस्कृतिक	तहज़ीबी	تَهذِيبي

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌِي
चार बजे से	चईं बजे खां	چئين ٻجي کان
आठ बजे तक	अठें बजे ताईं	اٺين ٻجي تائين
देखने आएंगे	डि̱सण ईंदा	ڏسڻ ايندا
उनके साथ	उन्हनि सां	اُنهن سان
कार्यक्रम	प्रोग्रामु	پروگرامُ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌِي
बाहर से	बा̱हरां	ٻاهران
आएगा	ईंदो	ايندو
मुख्य अतिथि	मुख्य महमानु	مُکيہ مهمانُ
पत्नी	ज़ाल	زالَ
पुरस्कार	इनाम	اِنعام
वितरित करेंगी	विरहाईंदी	ورهائيندي

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌِي
कौन सा	कहड़ो	ڪهڙو
उसके लिए	तहिं लाइ	تَنهِن لاءِ
पोशाक	ड्रेस	ڊريس
चाहिए होगा	खपंदी	کَپَندِي
पड़ेगी	पवंदी	پَوَندِي
हुआ	थ्यो	ٿيو

I निम्नलिखित वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1 मां सुभाणे छहें बजे इस्कूल वेंदसि।	۱. مان سُڀاڻي ڇهين ٻجي اِسڪوُل ويندَس.
2 मां पंजे बजे उथंदसि।	۲. مان پنجي ٻجي اُٿندَس.
3 सुबुह जो कहड़े वक़्ति उथंदीअं ?	۳. صُبُحَ جو ڪهڙي وَقت اُٿنديئَن ؟
4 तूं कहड़ो प्रोग्रामु डांदीअं ?	۴. توُن ڪهڙو پروگرامُ ڏينديئَن ؟
5 तोखे कहड़ी ड्रेस खपंदी ?	۵. توکي ڪهڙي ڊريس کَپندي ؟
6 प्रोग्राम में बाहरां केरु ईंदो ?	٦. پروگرامَ ۾ ٻاهران ڪيرُ ايندو ؟

II वाक्य में रेखांकित वाक्यांश के स्थान पर कोष्ठक में दिए हुए वाक्यांश का प्रयोग करते हुए नए वाक्य बनाइए।

1 मां सुभाणे छहें बजे इस्कूल वेंदसि। (शाम जो पंजे बजे टयूशन, सुभाणे राति जो पार्टीअ में, परीहं सुबुह जो वापसि, रीहर्सल करणु)	۱. مان سُڀاڻي ڇهين ٻجي اِسڪوُل ويندَس. (شامَ جو پنجي ٻجي ٽيوُشَن، سُڀاڻي راتِ جو پارٽيءَ ۾، پَريهَن صُبُحَ جو واپَس، رِيهَرسَل ڪَرَڻُ)
2 तूं इस्कूल कीअं वेंदीअं ? (कडहिं, कहड़े वक्तु, कहिंसां गडि, रिक्शा में)	۲. توُن اِسڪوُل ڪيئَن ويندِيئَن ؟ (ڪَڏهِن، ڪهڙي وَقتُ، ڪنهِن سان گَڏِ، رِڪشا ۾)
3 मुख्य महिमानु सिंधीअ जो मशहूर लेखकु थींदो। (यूनीवर्सिटीअ जो वाइस चांसलर, सिंधी साहित्यकार, सिंधीअ जो मशहूर नाटककार, सिंधी संगीतकार)	۳. مُکيه مَهمانُ سِنڌيءَ جو مَشهوُر ليکَڪُ ٿيندو. (يوُنيوَرسِٽيءَ جو وائيس چانسلَر، سِنڌي ساهِتيڪار، سِنڌيءَ جو مَشهوُر ناٽڪڪار، سِنڌي سَنگيتڪار)

III कोष्ठक में दिए शब्द के उचित रूप से वाक्य पूर्ति कीजिए।

1 इस्कूल में तहज़ीबी प्रोग्रामु ————। (थ्यणु)	۱. اِسڪوُلَ ۾ تَهذِيبِي پروگرامُ ---- (ٿيڻُ)
2 अज़ु खां प्रोग्राम जी रीहर्सल ————। (थ्यणु)	۲. اَڄُ کان پروگرام جي رِيهَرسل --- (ٿيڻُ)
3 पमी इस्कूल जल्दी ————। (वञणु)	۳. پَمِي اِسڪوُل جَلدِي---- (وَڃڻُ)
4 तूं परीहं मुंहिंजे घरि ————। (अचणु)	۴. توُن پَريهَن مُنهِنجي گهرِ ---- (اَچڻُ)

5 मां पापा सां गडि प्रोग्रामु ड्रिसण ---। (वञणु) — ٥. مان پپا سان گڏُ پروگرامُ ڏِسَڻ ---. (وَڃڻُ)

IV उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : मां इस्कूल वेंदुसि। — مِثالُ : مان اِسڪوُل ويندُس.

मां इस्कूल वञां थो। — مان اِسڪوُل وڃان ٿو.

1 असां जे इस्कूल में क्रिसमस डे मल्हाईंदा। — ١. اَسان جي اِسڪوُل ۾ ڪرسمس ڊي مَلهائيندا.

2 मां प्रोग्राम में बहरो वठंदसि। — ٢. مان پروگرامَ ۾ بهرو وَٺندَس.

3 तूं कहिड़े वक़्त उथंदीअं ? — ٣. توُن ڪهڙي وَقت اُٿنديئَن ؟

4 मूं खे मोटण में देरि थींदीं। — ٤. موُن کي موٽڻ ۾ ديرِ ٿيندي.

5 रिक्शावारो सुबुह जो जल्दी ईंदो। — ٥. رِڪشاوارو صُبُح جو جَلدي ايندو.

V वाक्य में रेखांकित शब्द के स्थान पर 'खपे' का प्रयोग कीजिए।

1 मूं खे नाच लाइ घाघरो ऐं चोली खपंदा। — ١. موُن کي ناچَ لاءِ گهاگهرو ۽ چولِي کپَندي.

2 तोखे नौकरी खपंदी। — ٢. تو کي نَوڪري کپَندي.

3 हुन खे पढ़ण लाइ अख़बार खपंदी। — ٣. هُنَ کي پڙهڻَ لاءِ اَخبارَ کپَندي.

4 रोशन खे सिफ़ारिश का न खपंदी। — ٤. روشن کي سِفارِش ڪانہ کپَندي.

5 अल्का खे सिंधी पढ़णु लाइ वक़्ति खपंदो। — ٥. اَلڪا کي سِنڌي پڙهڻَ لاءِ وَقت کپَندو.

टिप्पणियां

I इस पाठ में सामान्य भविष्य काल में क्रिया रूपों का प्रयोग किया गया है। निम्न वाक्यों में रेखांकित क्रिया रूपों को देखिए।

1 मां सुभाणे छहें बजे इस्कूल वेंदसि। — ١. مان سُڀاڻي ڇهين بَجي اِسڪوُل ويندَس.

2 तहज़ीबी प्रोग्रामु थींदो। — ٢. تَهذيبي پروگرامُ ٿيندو.

3 मां पंजे बजे उथंदसि। — ٣. مان پَنجي بَجي اُٿندس.

4 मां बि उन में बहरो वठंदसि। — ٤. مان بہ اُنَ ۾ بَهرو وَٺندس.

5 इस्कूल कीअं वेंदीअं ? — ٥. اِسڪوُل ڪيئَن ويندِئَن ؟

ऊपर के वाक्यों में भविष्य काल की सूचना देनेवाले क्रिया रूपों का प्रय़ोग किया गया है। सिंधी में भविष्य काल में क्रिया धातु में 'अन्द/इंद' प्रव्यय जोड़ा जाता है। भविष्य काल में कुछ क्रियाओं की रूपावली नीचे दी जा रही है।

'हुअण'

	पुल्लिंग		स्त्रीलिंग	
	एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	هوندُس हूंदुसि	هونداسين हूंदासीं	هوندَس हूंदसि	هونديونسين हूंदयूंसीं
द्वितीय पुरुष	هوندين हूंदें	هوندا हूंदा	هونديئن हूंदीअं	هونديون हूंदयूं
तृतीय पुरुष	هوندو हूंदो	هوندا हूंदा	هوندي हूंदी	هونديون हूंदयूं

'थियण'

	पुल्लिंग		स्त्रीलिंग	
	एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	ٿيندُس थींदुसि	ٿينداسين थींदासीं	ٿيندَس थींदसि	ٿينديونسين थींदयूसीं
द्वितीय पुरुष	ٿيندين थींदें	ٿيندا थींदा	ٿينديئن थींदीअं	ٿينديون थींदयूं
तृतीय पुरुष	ٿيندو थींदो	ٿيندا थींदा	ٿيندي थींदी	ٿينديون थींदयूं

'अचणु'

	पुल्लिंग		स्त्रीलिंग	
	एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	ايندُس ईंदुसि	ايnداسين ईंदासीं	ايندَس ईंदसि	ايندیوسين ईंदयूसीं

	ايندين	ايندا	ايندئَن	ايندیوُن
दवितीय पुरुष	ईंदें	ईंदा	ईंदीअं	ईंदयूं
	ايندو	ايندا	ايندي	ايندیوُن
तृतीय पुरुष	ईंदो	ईंदा	ईंदी	ईंदयूं

पुल्लिंग **'वञणु'** स्त्रीलिंग

	एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
	ويندُس	ويندا سين	ويندَس	وينديوُن سين
प्रथम पुरुष	वेंदुसि	वेंदासीं	वेंदसि	वेंदयूसीं
	ويندين	ويندا	وينديَن	وينديوُن
दवितीय पुरुष	वेंदें	वेंदा	वेंदीअं	वेंदयूं
	ويندو	ويندا	ويندي	وينديوُن
तृतीय पुरुष	वेंदो	वेंदा	वेंदी	वेंदयूं

'खपणु' और 'घुरजणु' क्रियाओं के साथ भी जब भविष्य कालिक प्रत्यय जुड़ता है तो उनमें भी लिंग और वचन के अनुसार परिर्वतन होता है, जैसा कि नीचे दिया गया है।

पुल्लिंग		स्त्रीलिंग	
एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
کَپَندو	کَپَندا	کَپَندي	کَپَنديوَن
खपंदो	खपंदा	खपंदी	खपंदयूं

RESPONSE SHEET - 8 جَوابي پيپَرُ ٨ **उतरपत्रिका –8**

1. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उतर दीजिए।

1 पमी सुभाणे इस्कूल घणे बजे वेंदी ?

١ پَمِي سُڀاڻي اِسڪوُل گَهڙي بَجي ويندِي ؟

____

2 पमीअ जे इस्कूल में छा थींदो ?

٢ پَمِيءَ جي اِسڪوُل ۾ ڇا ٿِيندو ؟

____

3 सुबुह जो जल्दी केरु अचे ?

٣ صُبُحَ جو جَلدِي ڪيرُ اَچي ؟

____

4 पमीअ खे घाघरो ऐं चोली छा लाइ खपंदो ?

٤ پمِيءَ کي گهاگهرو ۽ چولِي ڇا لاءِ کَپندو ؟

____

5 प्रोग्राम जो मुख्य महमानु केरु थींदो ?

٥ پروگرام جو مُکيہ مَهمانُ ڪيرُ ٿِيندو ؟

____

2. दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर वाक्य पूर्ति कीजिए।

(खपंदो, मिलंदो, पढ़ंदी, ईंदो, विरहाइंदो)

1 रिक्शावारो छहें बजे ——————।

2 मीरां सिंधीअ जो किताबु ——————।

3 लछमीअ खे इनामु ——————।

4 श्यामा खे सोन जो हारु ——————।

5 लछमणु ॿारनि में मिठायूं ——————।

(کَپندو، مِلندو، پڙهنديِ، اِيندو، وِرهائِيندو)

ا رِڪشاوارو ڇهين ٻَجي ---------------.

٢ مِيران سِنڌيءَ جو ڪِتابُ ---------------.

٣ لَڇميءَ کي اِنعامُ ---------------.

۴ شياما کي سون جو هارُ ---------------.

۵ لَڇمَڻُ ٻارنِ ۾ مِٺايُون ---------------.

3. 'ॾिसणु क्रिया के उचित भविष्यकालिक रुप से वाक्यों की पूर्ति कीजिए।

1 मां इस्कूल जो तहज़ीबी प्रोग्रामु —————।

2 असीं इस्कूल जो तहज़ीबी प्रोग्रामु —————।

3 तव्हीं इस्कूल में नवां नवां प्रोग्राम —————।

4 आशा लैबररीअ में किताब —————।

5 अशोकु टेलीविज़न ते पिक्चर —————।

ا مان اِسڪُول جو تَهذِيبي پروگرامُ ------------.

٢ اَسِين اِسڪُول جو تَهذِيبي پروگرامُ ------------.

٣ تَوهِين اِسڪُول ۾ نَوان نَوان پروگرام ------------.

۴ آشا لَيبرَريءَ ۾ ڪِتابَ ---------------.

۵ اَشوڪُ ٽيليوِزَن تي پِڪَچر ---------------.

4. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : मूं खे पेंसिल खपे।

मूं खे पेंसिल खपंदी।

مِثالُ :مونْ کي پينسِلَ کَپي.

مونْ کي پينسِل کَپَندي.

1 छा मूं खे पेंसिल खपे ?

١ ڇا مونْ کي پينسِلَ کَپي ؟

____

2 मूं खे पेंसिल का न खपे।

٢ مونْ کي پينسِلَ ڪا نہ کَپي.

____

3 राम खे पापड़ु खपे।

٣ رامَ کي پاپَڙُ کَپي.

____

4 छा, राम खे पापड़ु खपे ?

۴ ڇا، رامَ کي پاپَڙُ کَپي ؟

____

5 राम खे पापड़ु को न खपे।

۵ رامَ کي پاپَڙُ ڪونہ کَپي.

____

5. निम्नलिखित वाक्यों का सिन्धी में अनुवाद कीजिए।

राम इस्कूल से आएगा। फिर खाना खाएगा। शाम को वह खेलने जाएगा। फिर वह दोस्तों के साथ लौटेगा। वे सब मिलकर घर में थोड़ी देर पढ़ेंगे और होमवर्क करेंगे। तब वे अपने अपने घर जाएँगे।

जवाबु : ————————————————————————

————————————————————————————

————————————————————————————

————————————————————————————

————————————————————————————

————————————————————————————

पाठ 9

आज कल की शिक्षा

मोतीराम : श्रीमान, राम राम !

ताराचंद : राम राम, श्रीमान। आईए। आप राज़ी खुशी से है, बाल बच्चे सब मज़े में है ? कहां है आजकल दिखाई नहीं दे रहे हो।

मोतीराम : यहीं हूं। आप तो जानते हैं आजकल वेतन से पूर्ति नहीं हो रही है। ख़र्चे बढ़ते जा रहे हैं। इसलिए टयूशन करनी पड़ रही हैं।

ताराचंद : आज आपको कैसे याद आ गई। कहां से लौटे रहे थे ?

मोतीराम : टयूशन पढ़ाकर लौट रहा था। मैंने सोचा आपसे मिलता चलूं।

ताराचंद : आपने अच्छा किया। टयूशन के लिए आपको बच्चे मिल रहे हैं। बहुत से लोग टयूशन से ही ऊपरी

सबकु 9

अजकल्ह जी पढ़ाई

मोतीरामु : साईं, रामु रामु।

ताराचंदु : रामु रामु, साईं अचो। खूशि, चाकु, परसनु, बार बचा सभु मज़े में ? किथे आहयो अजकल्ह, डिसण में ई कोन प्या अचो।

मोतीरामु : हिते ई आहयां। तव्हां त जाणो था अजकल्ह पघार मां पूरति का न पेई थिए। ख़र्च वधंदा प्या वञनि। तहिं करे टयूशन करणी पेई पवे।

ताराचंदु : अज कीअं यादि आयव ? किथां मोटया पिए ?

मोतीरामु : टयूशन पढ़ाए मोटयसि पिए, सोचयमि, तव्हां सां मिलंदो वञां।

ताराचंदु : सुठो कयुव। टयूशन लाइ बार मिलनव प्या ? घणेई माण्हू टयूशन सां ई मथ्यों ख़र्चु हलाईनि

سَبقُ ٩

اَڄُڪَلهَ جي پَڙهائي

موتِيرامُ : سائِين، رامُ رامُ.

تاراچَندُ : رامُ رامُ، سائِين اَچو. ،خوُش چاڪُ، پَرسَنُ، ٻار، ٻچا سَڀُ مَزي ۾ ؟ ڪِٿي آهيو، اَڄُڪَلهَ ڏِسڻ ۾ ئِي ڪونَ پيا اَچو ؟

موتِيرامُ : هِتي ئِي آهيان. تَوهان تَہ ڄاڻو ٿا اَڄُڪَلهَ پَگهارمان پوُرَتِ ڪانَ پيئي ٿِئي. خَرچَ وَڌَندا پيا وَڃَنِ. تَنهِن ڪَري ٽيوُشَن ڪَرڻي پيئي پَوي.

تاراچَندُ : اَڄُ ڪيئَن يادِ آيَوَ ؟ ڪِٿان پِئي موٽيا؟

موتِيرامُ : ٽيوُشَن پَڙهائي موٽيُس پِئي. سوچِيَمِ، تَوهان سان مِلندو وَڃان.

تاراچَندُ : سُٺو ڪيُوَ. ٽيوُشَن لاءِ ٻارَ مِلَنوَ پيا؟ گهڻا ئِي ماڻهوُ ٽيوُشَن سان ئِي مَٿيون خَرچُ هلائِينِ

ख़र्च चला रहे हैं।

मोतीराम : क्या करें, चलाना पड़ता है । मेरा पोता पोती अंग्रेज़ी स्कूल में पढ़ रहे हैं। अध्यापक स्कूल में ढंग से पढ़ाते नहीं, ट्यूशन पर बल देते हैं।

ताराचंद : पर आजकल के बच्चे भी पढ़ना नहीं चाह रहे हैं। उनका ध्यान खेलने में और टी.वी देखने में लग रहा है। पढ़ रहे हैं तो सिर्फ़ नाम के लिए, डिग्री लेने के लिए, नौकरी के लिए न कि कुछ सीखने के लिए।

मोतीराम : आप ठीक कह रहे हैं । हमारे समय में हम जाते थे ज्ञान लेने के लिए । मौज मस्ती के लिए नहीं जाते थे अध्यापक भी मन से पढ़ाते थे और हम भी पढ़ते थे।

ताराचंद : अब पढ़ाई का स्तर भी कम होता जा रहा है। पढ़ाई एक खेल हो रही है। पैसे के बल पर

प्या।

मोतीरामु: छा कर्यूं, हलाइणो थो पवे । मुंहिंजो पोटो पोटी अंग्रेज़ी इस्कूल में पढ़ी रहया आहिनि। मास्तर इस्कूल में ढंग सां पढ़ाईनि को न, ज़ोरु ॾियनि टयूशन ते।

ताराचंदु : पर अॼकल्ह जा ॿार बि पढ़णु को न प्या चाहीनि । संदनि ध्यानु रांदि में ऐं टी.वी ॾिसण में लॻ थो । पढ़नि प्या त रुॻो नाले लाइ, डिग्री वठण लाइ, नौकरीअ लाइ, न कि कुझु सिखण लाइ।

मोतीरामु : तव्हां ठीक प्या चओ । असां जे टाईम में असीं वेंदा हुआसीं ज्ञान हासिलु करण लाइ। मौज मस्तीअ लाइ को न वेंदा हुआसीं मास्तर बि दिल सां पढ़ाईंदा हुआ ऐं असीं बि पढ़दा हुआसीं।

ताराचंदु : हाणे पढ़ाईअ जो मयारु बि घटजंदो प्यो वञे। पढ़ाई हिक रांदि थी पेई आहे। पैसे जे ज़ोर ते

پيا.

موتيرامُ : ڇا ڪريون هلائڻو ٿو پوي. مُنهنجو پوٽو پوٽي انگريزي اسڪول ۾ پڙهي رهيا آهن. ماستر اسڪول ۾ ڍنگ سان پڙهائين ڪونه، زورُ ڏين ٽيوشن تي.

تاراچندُ : پر اڄڪلهه جا ٻار به پڙهڻ ڪونه پيا چاهين. سندن ڌيانُ راند ۾ ۽ ٽي. وي ڏسڻ ۾ لڳي ٿو. پڙهن پيا ته رُڳو نالي لاءِ، ڊگري وٺڻ لاءِ، نوڪري لاءِ، نه ڪِ ڪُجهه سکڻ لاءِ.

موتيرامُ : توهان ٺيڪ پيا چئو . اسان جي ٽائيم ۾ اسين ويندا هئاسين گيانُ حاصلُ ڪرڻ لاءِ. موج مستيءَ لاءِ نه ويندا هئاسين. ماستر به دل سان پڙهائيندا هئا ۽ اسين به پڙهندا هئاسين .

تاراچندُ : هاڻي پڙهائيءَ جو معيارُ به گھٽجندو پيو وڃي. پڙهائي هڪ راند ٿي پيئي آهي. پيسي جي زور

बड़ी बड़ी डिग्रियां मिल रही है। इसके बावजूद भी अभी कुछ पढ़ने पढ़ाने वाले हैं। जिनके माध्यम से स्कूल कालेज चल रहे हैं।

मोतीराम : अच्छा, देर हो रही है, अब चलता हूं।

वडयूं वडयूं डिग्रियूं मिलनि पेयूं। तंहिं हूंदें बि अञां कुझु पढ़ण पाढ़ण वारा आहिनि। जिन जे ज़रिए इस्कूल कालेज हली रहया आहिनि।

मोतीरामु : चङो, देर पेई थिएमि, हाणे हलां थो।

تي وَڏيوُن وَڏيوُن ڊِگريوُن مِلن پييوُن. تنهِن هوُندي بہ اَڃا ڪُجُھ پَڙهَڻُ پاڙهڻُ وارا آهِنِ. جِن جي ذريِعي اِسڪوُلَ ڪاليجَ هَلِي رَهيا آهِنِ.

موتِيرامُ: چَڱو، دير پيئي ٿِئيمِ، هاڻي هَلان ٿو.

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌِي
हो रही है	थिए पेई	تِئي پيئِي
ख़र्चा	ख़र्चु	خَرچُ
बढ़ना	वधणु	وَڌَڻُ
पड़ रही है	पवे पेई	پَوي پيئِي
याद	यादि	يادِ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌِي
बाल बच्चे	बार बचा	ٻار ٻچا
आ रहे हो	अचो प्या	اَچو پيا
जानते हो	जाणो था	ڄاڻو ٿا
वेतन	पघारु	پَگهارُ
पूर्ति	पूरति	پوُرَتِ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌِي
राम राम	रामु रामु	رامُ رامُ
प्रसन्न	खूश	خوُش
स्वस्थ	चाकु	چاڪُ
प्रसन्न	परसनु	پَرسَنُ
आनंद	मज़ो	مَزو

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌِي
हृदय	दिलि	دِلِ
स्तर	मयारु	مَعيارُ
कम होना	घटिजणु	گهٽِجڻُ
इसके बावजूद	तंहिं हूंदे	تَنهن هوُندي
माध्यम से	ज़रिए	ذريعي

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌِي
उनका	संदनि	سَندنِ
खेलकूद	रांदि	راندِ
सिर्फ़	रुगो	رُڳو
नाम	नालो	نالو
ज्ञान	ज्ञानु	گيانُ
मनोरंजन	मौज मस्ती	مَوج مَستِي

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌِي
लौट रहे थे	मोटया पिए	موٽيا پِئي
ऊपरी ख़र्चा	मथ्यों ख़र्चु	مَٿيون خَرچُ
पोता पोती	पोटो पोटी	پوٽو پوٽِي
ढंग	ढंगु	ڍَنگُ
अध्यापक	मास्तरु	ماستَرُ
बल	ज़ोरु	زورُ

I निम्नलिखित वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1 डि॒सण में ई कोन प्या अचो।	١. ڏِسَڻ ۾ ئي ڪونہ پيا اَچو.
2 पघार मां पूरति का न पेई थिए।	٢. پَگهارَمان پوُرَتِ ڪانہ پيئي ٿِئي.
3 ख़र्च वधंदा प्या वञनि।	٣. خَرچَ وَڌَندا پيا وَڃِن.
4 मथ्यों ख़र्चु हलाइन प्या।	۴. مَٿيون خَرچُ هَلائِن پيا.
5 टयूशन पढ़ाए मोटयसि पिए।	۵. ٽيوُشن پَڙهائي موٽيس پِئي.
6 ज्ञानु हासुलु करण लाइ वञी रहया हुआसीं।	٦. گيان حاصُلُ ڪَرَڻَ لاءِ وَڃي رهيا هُئاسين.
7 किथां मोटया पिए ?	٧. ڪِٿان موٽيا پِئي.

II कोष्ठक में से उचित शब्द चुनकर वाक्य पूर्ति कीजिए।

(प्या अचो, पेई पवे, आयव, पढ़ी रहया आहिनि, मिलनि पेयूं) (پيا اَچو، پيئي پَوي، آيَوَ، پَڙهي رَهيا آهِن، مِلِن پييوُن)

1 अज॒ कींअ यादि ----?	١. اَڄُ ڪِيئَن يادِ ------ ؟
2 मुंहिंजो पोटो पोटी अंग्रेज़ी इस्कूल में ------।	٢. مُنهِنجو پوٽو پوٽِي اَنگريزي اِسڪوُلَ ۾ ------ .
3 अज॒कल्ह डि॒सण में ई को न ------।	٣. اَڄُڪلهہ ڏِسَڻ ۾ ئي ڪونہ ----
4 पैसे जे ज़ोर ते वडि॒यूं वडि॒यूं डिग्रयूं ------।	۴. پَيسي جي زورَ تي وَڏيوُن وَڏيوُن ڊِگريوُن ------.
5 तहिं करे टयूशन करणी ------।	۵. تَنهِن ڪري ٽيوُشَن ڪَرڻي ------

III उदाहरण के अनुसार वाक्य बनाईए।

मिसालु : तव्हां किथां प्या अचो ?	مِثالُ : توهان ڪِٿان پيا اَچو ؟
तव्हां किथां अचो प्या ?	توهان ڪِٿان اَچو پيا ؟
1 पघार मां पूरति का न पेई पवे।	١. پَگهارَ مان پوُرَتِ ڪانہ پيئي پَوي.
2 ख़र्च वधंदा प्या वञनि।	٢. خَرچَ وَڌَندا پيا وَڃِن.
3 टयूशन करणी पेई पवे।	٣. ٽيوُشَن ڪَرڻي پيئي پَوي
4 तव्हां किथां पिए मोटया ?	۴. توهان ڪِٿان پِئي موٽيا ؟
5 बा॒र पढ़णु को न प्या चाहिनि।	۵. ٻارَ پَڙهڻُ ڪونہ پيا چاهِن.

IV उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : तव्हीं ठीक चओ था। — مِثالُ : توهين نيڪ چَئو تا.

तव्हां ठीक चओ प्या। — توهان نيڪ چَئو پيا.

1 मास्तर दिल सां पढ़ाईनि था। — ١. ماستَر دِل سان پَڙهائِين تا.

2 अजकल्ह बार मौज मस्तीअ लाइ इस्कूल वञनि था। — ٢. اَڄُڪلهه ٻارَ مَوج مَستيءَ لاءِ اِسڪوُل وَڃن تا.

3 बारनि जो ध्यानु टी.वी डिसण में लगु थो। — ٣.ٻارن جو ڌيانُ ٽي.وي ڏِسڻ ۾ لڳي تو.

4 मूं खे देरि थिए थी। — ٤. موُن کي ديرِ ٿِئي ٿي.

5 पैसे जे ज़ोर ते डिग्रयूं मिलनि थ्यूं। — ٥. پَيسي جي زور تي ڊِگريوُن مِلَن ٿيوُن.

V उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : मां अचां प्यो। — مِثالُ : مان اَچان پيو.

मां आयुसि पिए। — مان آيُس پِئي.

1 मां टयूशन पढ़ाए मोटां प्यो। — ١. مان ٽيوُشن پَڙهائي موٽان پيو.

2 तूं किथे रहीं प्यो। — ٢. توُن ڪِٿي رَهين پيو.

3 तोखे छा डिसण में अचे प्यो। — ٣. توکي ڇا ڏِسڻ ۾ اَچي پيو.

4 पघार मां पूरति का न पेई थिए। — ٤. پَگهارَ مان پوُرَت ڪانہ پيئي ٿئي.

5 बार नौकरीअ लाइ पढ़नि प्या। — ٥. ٻارَ نَوڪريءَ لاءِ پَڙهن پيا.

6 ख़र्च वधंदा वञनि प्या। — ٦. خَرچ وَڌندا وَڃن پيا.

7 असां हुनरु सिखण लाइ वञूं प्या। — ٧. اَسان هُنرُ سِکڻ لاءِ وَڃوُن پيا.

8 मास्तर ढंग सां पढ़ाइन प्या। — ٨. ماستَر ڍَنگ سان پَڙهائِن پيا.

VI उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

(क) मिसालु : बार पढ़नि प्या। — (ڪ) مِثالُ : ٻارَ پَڙهن پيا.

बार पढ़ी रहया आहिनि। — ٻارَ پَڙهي رَهيا آهِن.

1 मोती घर खां अचे प्यो। — ١. موتي گهرَ کان اَچي پيو.

2 ख़र्च वधनि प्या। — ٢.خَرچ وَڌِن پيا.

3 मनीश चिठी लिखे प्यो। — ٣. مَنيش چِٺي لِکي پيو.

4 ममता गांधीधाम वञे पेई। — ٤. مَمتا گانڌِيڌام وَڃي پيئي.

5 हीना ऐं लवली सुमहनि पेयूं। — ٥. هينا ۽ لَولي سُمهن پيوُن.

(ख) मिसालु : असीं घर व्यासीं पिए। — (ک) مِثالُ : اَسين گهرِ وياسين پِئي.

असीं घर वञी रहया हुआसीं। — اَسين گهرِ وَڃي رَهيا هُئاسين.

1	रमेशु दुकान ते व्यो पिए।	١. رَميشُ دُڪانَ تي وَيو پِئي.
2	महेशु ऐं मुकेश नौकरीअ जी तलाश में घुमया पिए।	٢. مَهيشُ ۽ مُڪيشُ نَوڪريءَ جي تَلاشَ ۾ گُهميا پِئي.
3	सरोज पंहिंजी माउ खे ख़तु लिखयो पिए।	٣. سَروجُ پَنهنجِي ماءُ کي خَطُ لکيو پِئي.
4	मंजूअ सुनीता खे चयो पिए।	٤. مَنجوءَ سُنيتا کي چَيو پِئي.
5	इस्कूल ढंग सां हलया पिए।	٥. اِسڪولَ ڍَنگَ سان هَليا پِئي.

टिप्पणियां

I सिन्धी में वर्तमान सातत्य काल की रचना क्रिया के अनुज्ञावाची रूप में सातत्य बोधक चिहन 'पवणु' का उपयुक्त रूप जोड़कर होती है, जैसा कि नीचे दिए गए वाक्यों में देखा जा सकता है।

1	मां अचां प्यो।	١. مان اَچان پيو.
	असीं अचूं प्या।	اَسين اَچُون پيا.
2	तूं अचीं प्यो।	٢. تُون اَچين پيو.
	तव्हीं अचो प्या।	تَوهين اَچو پيا.
3	हू अचे प्यो।	٣. هوُ اَچي پيو.
	हू अचनि प्या।	هوُ اَچِن پيا.

उपरोक्त क्रिया रूपों के स्त्रीलिंग रूप नीचे दिए जा रहे हैं।

1	मां अचां पेई।	١. مان اَچان پيئي.
	असीं अचूं पेयूं।	اَسين اَچُون پيئُون.
2	तूं अचीं पेई।	٢.تُون اَچين پيئي.
	तव्हीं अचो पेयूं।	تَوهين اَچو پيئُون.
3	हूअ अचे पेई।	٣. هوءَ اَچي پيئي.
	हू अचनि पेयूं।	هوُ اَچِن پيئُون.

II सिन्धी में सातत्य भूतकाल की रचना क्रिया के सामान्य भूतकाल रूप के साथ सातत्य बोधक चिहन 'पवणु' का उपयुक्त रूप जोड़कर होती है, जैसा कि नीचे दिए गए वाक्यों में देखा जा सकता है।

1	मां आयुसि पिए।	١. مان آيُس پِئي.
	असीं आयासीं पिए।	اَسين آياسين پِئي.
2	तूं आएं पिए।	٢. تُون آئين پِئي.
	तवहीं आया पिए।	تَوهين آيا پِئي.
3	हू आयो पिए।	٣. هوُ آيو پِئي.
	हू आया पिए।	هوُ آيا پِئي.

स्त्रीलिंग क्रिया रूप नीचे दिए जा रहे हैं।

1 मां आयसि पिए। ١. مان آيَس پئي.

असीं आयूंसी पिए। اَسين آيوُنسين پئي.

2 तूं आइंअ पिए। ٢. توُن آئيئَن پئي.

तव्हीं आयूं पिए। تَوهين آيوُن پئي.

3 हूअ आई पिए। ٣. هوءَ آئي پئي.

हू आयूं पिए। هوُ آيوُن پئي.

भूतकाल में सातत्य चिहन 'पिए' सभी रूपों के साथ एक जैसा ही रहता है।

III सिन्धी में एक और प्रकार से भी सातत्य काल की रचना की जाती है। वह रुप नीचे दिया जा रहा है।

क्रिया धातु + 'ई/ए प्रव्यय + सातत्य बोधक चिहन 'रहणु' उपयुक्त लिंग और वचन चिहनो के साथ + योजक क्रिया 'हुअणु' उपयुक्त काल/ पुरुष/ वचन/ लिंग चिहनों के साथ।

उदाहरण : मां अची रहयो आहयां।

क्रिया धातु पुल्लिंग वर्तमान काल

ई एकवचन पुल्लिंग एकवचन प्रथम पुरुष

सातत्य भूतकाल का एक उदाहरण देखिए।

मिसालु : मां अची रहयो हुयुसि।

مِثالُ : مان اَچي رَهيو هُيُس.

1. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उतर दीजिए।

1 मोतीरामु किथां पिए मोटयो ?

١ موتيِرامر ڪِٿان پِئي موٽيو. ؟

____

2 घणेई माण्हू छा सां मथ्यों ख़र्चु हलाईनि प्या ?

٢ گَھڻا ئِي ماڻھوُ ڇا سان مَٿيون خرچُ ھَلائِين پيا.

____

3 बारनि जो ध्यानु छा में प्यो लग॒ ?

٣ ٻارنِ جو ڌيانُ ڇا ۾ پيو لَڳي ؟

____

4 अजकल्ह जा मास्तर छा ते प्या ज़ोरु डियनि ?

٤ اَڄُڪَلهَ جا ماستَر ڇا تي پيا زورُ ڏِينِ.

____

5 पैसे जे ज़ोर ते छा पेयूं मिलनि ?

٥ پَيسي جي زورَ تي ڇا پيِيوُن مِلَنِ ؟

____

2. दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर वाक्य पूर्ति कीजिए।

(रांदि, हलां, साईं, पढ़ण–पाढ़ण, बार बचा)

(راندِ، ھَلان، سائِين، پَڙھڻ-پاڙھڻ، ٻارَ-ٻَچا)

1 रामु–रामु ———————— अचो।

١ رامُ-رامُ -----------، اَچو.

2 खूश, चाकु, परसनु ———————— सभु मज़े में।

٢ خوُش، چاڪُ، پَرسنُ ---------- سَڀُ مَزي ۾.

3 टयूशन पढ़ाए मोटयसि पिए, सोचयुमि, तव्हां सां मिलंदो ——।

٣ ٽيوُشَن پَڙهائي موٽيسِ پِئي، سوچيُمِ، تَوهان سان مِلندو ------

4 अञा बि कुझु ———————— वारा आहिनि।

٤ اَڄا بِہ ڪُجهہ ----------- وارا آهِنِ.

5 पढ़ाई हिकु ———————— थी पेई आहे।

٥ پَڙهائي هِڪُ ------------- ٿي پيئي آهي.

3. कोष्ठक में दिए शब्द के उचित रुप से वाक्य पूर्ति कीजिए।

1 मोहनु दहलीअ खां ——————— पिए। (मोटणु)

١ موهنُ دَهليءَ کان ------------- پِئي. (موٽڻُ)

2 रोशनु पिकचरु ———————— प्यो। (ड्सिणु)

٢ روشَنُ پِڪچرُ ------------ پيو. (ڏِسڻُ)

3 पूरी दुनया जी ख़बर ——————— पेई। (मिलणु)

٣ پوُرِي دُنيا جي خَبَر ---------- پيئي. (مِلڻُ)

4 फुटबाल जी मैचि ———————— पेई। (थिअणु)

٤ فوُٽبال جي مَيچ ---------- پيئي. (ٿِئَڻُ)

5 सुधीर बारनि सां रांदि ———————— पिए। (करणु)

٥ سُڌِير ٻارنِ سان راندِ ----------- پِئي. (ڪَرڻُ)

4. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : मोतीरामु टयूशन पढ़ाए प्यो।

मोतीरामु टयूशन पढ़ाई पिए।

مِثالُ : موتيرامُ ٽيوُشن پَڙهائي پيو.

موتيرامُ ٽيوُشن پَڙهائي پِئي.

1 रामु सिंधी पढ़णु सिखे प्यो।	١ رامُ سِنڌِي پَڙهڻُ سِکي پِيو.
2 ॿार क्रिकेट रांदि कनि प्या।	٢ ٻارَ ڪِرڪيٽ رانِدِ ڪَنِ پيا.
3 मां बज़ारि मां अचां प्यो।	٣ مان بَزارِ مان اَچان پيو.
4 हरीशु मानी खाए प्यो।	٤ هَريشِ مانيِ کائي پيو.
5 रामलीला मैदान में प्रदर्शनी लॻ पेई।	٥ رام لِيلا مَيدانَ ۾ پردَرشنيِ لَڳي پيئيِ.

5. निम्नलिखित वाक्यों का सिन्धी में अनुवाद कीजिए।

1 श्याम स्कूल जा रहा है।

2 गीता अपने भाई के साथ बाज़ार जा रही है।

---

3 आपके पास महिमान आ रहे हैं।

---

4 क्या, आप पार्क जा रहे हैं।

---

5 मेरी बहन चाय पी रही है।

पाठ 10

घर की चिंता

कमल : अरे सीतल! क्या बात है ? बहुत उदास लग रहे हो ?

सीतल :तुम्हें क्या बताऊं यार। मुझे घर की याद आ रही है। पूरे घर का नक़्शा मेरे सामने घूम रहा है। वहां क्या क्या हो रहा होगा ? कौन क्या कर रहा होगा ?

कमल : तुम सोच रहे होंगे कि घरवाले तुम्हारे बिना कैसे चलते होंगे ?

सीतल : ऐसी बात नहीं है। आने से पहले मैंने अपनी पत्नी को समझाया था कि मेरे पीछे क्या और कैसे करना है ?

कमल : तो फिर तुम इसलिए उदास होते हो कि यहां परिवार के बिना कैसे रहोगे ?

सबकु 10

घर जी चिंता

कमलु : अड़े सीतल! छा ग॒ाल्हि आहे ? ड॒ाढो उदासु प्यो लग॒ों।

सीतलु : छा ब॒ुधायांइ, यार। घर जी यादि पेई अचेमि। सज॒ घर जो नक़शो अग॒ियां फिरी रहयो अथमि। हुते छा छा थी रहयो हूंदो। केरु छा करे रहयो हूंदो ?

कमलु : तूं सोचे रहयो हूंदे त घरवारा तोखां सवाइ कीअं हलंदा हूंदा ?

सीतलु : अहड़ी ग॒ाल्हि कान्हे। अचण खां पहिरीं पंहिंजी ज़ाल खे समझायो होमि त मुंहिंजे परपुठि छा ऐं कीअं करे।

कमलु : त पोइ तूं इनकरे उदास थींदो हूंदे त हिते परीवार बिना कीअं रहंदे ?

سَبَق ١٠

گهرَ جي چِنتا

ڪَمَلُ : اَڙي سيِتَلَ، چا ڳالهِ آهي ؟ ڏاڍو اُداسُ پيو لَڳين ؟

سيِتَلُ : چا ٻُڌايانءِ، يار. گهرَ جي يادِ پيئي اَچيمِ. سَڄي گهرَ جو نَقشو اَڳيان ڦِري رهيو اَٿمِ . هُتي چا چا ٿي رَهيو هوندو ؟ ڪيرُ چا ڪَري رَهيو هوندو ؟

ڪَمَلُ : توُن سوچي رَهيو هوندين تہ گهروارا توکان سَواءِ ڪيئَن هَلَندا هوندا.

سيِتَل : اَهڙِي ڳالهِ ڪانهي اَچَڻَ کان پَهرِين پَنهِنجي زال کي سمجهايو هومِ تہ مُنهِنجي پرپُٺ چا ۽ ڪيئِن ڪري.

ڪَمَلُ : تَہ پوءِ توُن اِن ڪَري اُداس ٿِيندو هوندين تَہ هِتي پَرِيوار بِنا ڪيئَن رَهَندين ؟

सीतल : यह भी बात नहीं है। मैं सोच रहा हूं कि रानी (मेरी पत्नी) घर की और बाहर की देख भाल कैसे करती होगी और बच्चों को भी संभालती होगी। उस पर कितना बोझा पड़ता होगा। बच्चे उसका कहना मान रहे होंगे या नहीं ? स्कूल समय से पहुंचते होंगें या नहीं ?

कमल : यार! तुम बेकार की चिंता कर रहे हो, आजकल की स्त्रियां होशियार है। भाभी सब अच्छे तरीके से संभालती रहेंगी। वे घर बाहर और बच्चे सभकी देखभाल तुमसे भी अच्छी करती होगी। तुम्हे यहां पत्रों और फोन के दवारा दिलासा देती रहेंगी।

सीतल : हां यार! कहते तो ठीक हो, हम बिना किसी बात के चिंता करते रहते हैं।

सीतलु : इहा बि ग॒ाल्हि कोन्हे। मां सोचयां प्यो त राणी (मुंहिंजी ज़ाल) घर जी ऐं ब॒ाहिरि जी संभाल कीअं कंदी हूंदी ? ऐं ब॒ारनि खे बि संभालींदी हूंदी। केतरो बारु पवंदो हूंदसु। ब॒ार खेसि मञी रहया हूंदा या न। इस्कूल टाइम सां पहुचंदा हूंदा या न।

कमलु : यार! तूं अजाई प्यो चिंता करीं अज॒कल्ह जूं ज़ालूं होशयारु आहिनि। भाभी सभु सुठे नमूने सां संभालींदी पेई। हूअ घरु ब॒ाहिरि ऐं ब॒ार सभिनी जी संभाल तोखां बि सुठी कंदी हूंदी। तोखे हिते ख़तनि ऐं फ़ोन ज़रीए आथतु ड॒ोंदी पेई।

सीतलु : हा यार! चवीं त ठीक थो, असीं बिना कंहिं ग॒ाल्हि जे चिंता कंदा रहंदा आहयूं।

سيتَل : اِها بِہ ڳالهِہ ڪانهي. مان سوچيان پيو تہ راڻي (مُنهِنجي زال) گهرَ جي ۽ ٻاهرِ جي سَنڀالَ ڪيئَن ڪَندي هوُندي ۽ ٻارَن کي بِہ سَنڀاليِندي هوُندي. ڪيترو بارُ پَوَندو هوُندُس. ٻارَ کيس مَڃي رَهيا هوُندا يا نَہ. اِسڪوُل ۾ ٽائيِمَ سان پَهُچَندا هوُندا يا نَہ.

ڪَمَلُ : يارَ توُن اَجائي پيو چِنتا ڪَرين اَڄُڪَلهَہ جوُن زالوُن هوشيارُ آهِن. ڀاڀِي سَڀُ سُٺي نَموُني سَنڀاليِندي پيئي. هوءَ گهرُ، ٻاهِرِ ۽ ٻارَ سَڀِني جي سَنڀال توکان بِہ سُٺِي ڪَندي هوُندي. توکي هِتي خَطنِ ۽ فون ذريعي آٿَتُ ڏيِندي پيئي.

سِيتَلُ : ها يارَ! چَوين تَہ ٺيڪُ ٿو، اَسين بِنا ڪَنهِن ڳالهِہ جي چِنتا ڪَندا رَهَندا آهيوُن.

शब्दार्थ

हिन्दी	*देवनागरी*	*सिन्धी*
बेकार	अजाई	اَجائِي
होशियार	होशयारु	هوشيارُ
भाभी	भाभी	ڀاڀِي
तरीका	नमूनो	نَموُنو
अच्छा	सुठो	سُٺو
चिट्ठी	ख़तु	خَطُ
दिलासा	आथतु	آٿَتُ
कहना	चवणु	چَوَڻُ
खुद ब खुद	पाण ही	پاڻ هِي

शब्दार्थ

हिन्दी	*देवनागरी*	*सिन्धी*
पीछे	पुठयां	پُٺيان
बाहर	ब॒ाहिर	ٻاهِرِ
पहले	पहरीं	پَهرِين
मैंने उसे समझाया	समझायोहोमि	سَمجهايو هومِ
देखभाल	संभाल	سَنڀالَ
देखभाल करना	संभालणु	سَنڀالڻُ
बोझ	बारु	بارُ
मानना	मञणु	مَڃڻُ
समय	टाईमु	ٽائِيمُ

शब्दार्थ

हिन्दी	*देवनागरी*	*सिन्धी*
चिंता	चिंता	چِنتا
उदास	उदासु	اُداسُ
(तुम्हें) बताऊं	बुधायाइं	ٻُڌايائِين
पूरा	सज॒ो	سَڄو
नक्शा	नक़शो	نَقشو
सामने	अग॒यां	اَڳيان
घूमना	फिरणु	ڦِرڻُ
घरवाले	घरवारा	گهرَوارا
चलना	हलणु	هَلَڻُ

I निम्नलिखित वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1 छा छा थी रहयो हूंदो ? ١. ڇا ڇا ٿي رَهيو هونُدو ؟

2 केरु छा करे रहयो हूंदो ? ٢. ڪيرُ ڇا ڪَري رَهيو هونُدو ؟

3 तूं साचे रहयो हूंदें। ٣. تون سوچي رَهيو هونُدين.

4 तूं उदास थींदो हूंदें। ٤. تون اُداس ٿيِندو هونُدين.

5 घरवारा तोखां सवाइ कीअं हलंदा हूंदा। ٥. گهروارا توکان سَواءِ ڪيِئن هَلندا هونُدا ؟

6 राणाी संभाल कीअं कंदी हूंदी ? ٦. راڻي سَنڀالَ ڪيِئَن ڪَنديِ هونُديِ ؟

7 भाभी सभु संभालींदी हूंदी। ٧. ڀاڀِي سَڀُ سَنڀاليِندي هونُديِ.

8 भाभी सभु संभाल कंदी रहंदी हूंदी। ٨. ڀاڀِي سَڀُ سَنڀال ڪَنديِ رَهنديِ هونُديِ.

II कोष्ठक में से उचित शब्द चुनकर वाक्य पूर्ति कीजिए।

(हूंदो, प्यो लगो, फिरी रहयो, कंदी पेई, पवंदो हुंदसि) (هونُدو، پيو لَڳِين، ڦِري رَهيو، ڪَنديِ پيئي، پَوَندو هونُدسِ)

1 तूं डाढो उदास ------। ١. تون ڏاڍو اُداس ------.

2 सजे घर जो नक्शो अगयां ---- अथमि। ٢. سَڄي گهرَ جو نَقشو اَڳيان ------ اَٿَمِ.

3 हुते छा छा थी रहयो --। ٣. هُتي ڇا ڇا ٿيِ رَهيو ------.

4 राणी मुंहिंजे पुठयां कीअं ------। ٤. راڻي مُنهِنجي پُٺيان ڪيِئَن ------.

5 भाभीअ ते केतरो बारु ----। ٥. ڀاڀِيءَ تي ڪيترو بارُ

III उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए। -----

(क) *मिसालु* : तूं सोचे रहयो हूंदें। مِثالُ : تونسوچيرهيو هونُدين.
तूं सोचींदो हूंदें। تون سوچِيندو هونُدين.

1 छा छा थी रहयो हूंदो। ١. ڇا ڇا ٿيِ رَهيو هونُدو ؟

2 केरु छा करे रहयो हूंदो। ٢.ڪيرُ ڇا ڪَري رَهيو هونُدو ؟

3 तूं उदासु थी रहयो हूंदें। ٣.تون اُداسُ ٿيِ رَهيو هونُدين.

4 राणी बारनि खे संभाले रहंदी हूंदी। ٤.راڻي ٻارنِ کي سَنڀالي رَهنديِ هونُديِ.

5 बार माणसि खे मञी रहया हूंदा। ٥. ٻارَ ماڻِسِ کي مَڃِي رَهيا هونُدا.

(ख) *मिसालु* : भाभी संभाल कंदी रहंदी। (ک) مِثالُ: ڀاڀِي سَنڀالَ ڪَنديِ رَهَنديِ.
भाभी संभाल कंदी पेई। ڀاڀِي سَنڀالَ ڪَنديِ پيئِي.

1 राणी आथतु ड॒ांदी रहंदी। ١. راڻِي آٿُتُ ڏِينديِ رَهَنديِ.

2 भाभी सभु संभालींदी रहंदी। ٢. ڀاڀِي سَڀُ سَنڀاليِنديِ رَهَنديِ.

3 वडा पाणे ही चिंता कंदा रहंदा। ٣. وَڏا پاڻيهِي چِنتا ڪَندا رَهَندا.

4 सज॒ घर जो नक़्शो अग॒यां फिरंदो रहंदो। ٤. سَڄي گَهرَ جو نَقشو اَڳِيان ڦِرَندو رَهَندو.

5 स्टेशन ते गाड॒यूं ईंदयूं रहंदयूं। ٥. اِسٽيشَن تي گاڏيوُن ايِنديوُن رَهنديوُن.

(ग) *मिसालु* : मूं खे घर जी यादि अचे पेई। (گ) مِثالُ: موُن کي گَهرَ جِي يادِ اَچي پيئِي.

मूं खे घर जी यादि ईंदी पेई। موُن کي گَهرَ جِي يادِ ايندِي پيئِي.

1 मां आफ़ीस मां अचां प्यो। ١. مان آفيس مان اَچان پيو.

2 मोहनु दहली घुमे प्यो। ٢. موهَنُ دَهلِي گُهمي پيو.

3 रोशनु ध्यानु करे प्यो। ٣. روشَنُ ڌيانُ ڪَري پيو.

4 मुंहिंजूं साहेड़यूं अचनि पेयूं। ٤. مُنهِنجوُن ساهيڙيوُن اَچِن پييوُن.

5 शालू सुबुह खां लिखे पेई। ٥. شالوُ صُبُحَ کان لِکي پيئِي.

टिप्पणियां

I सिंधी में सातत्य भविष्य काल की रचना चार अलग अलग तरीको से होती है। ये विभिन्न रूप नीचे दिए जा रहे हैं।

सातत्य भविष्य काल की रचना का प्रथम प्रकार जिसका प्रयोग अन्य प्रकारों से अधिक किया जाता है, नीचे दिया गया है।

क्रिया का सामान्य भविष्य कालक रूप + सातत्य बोधक चिहन 'पवणु' का उपयुक्त रूप

उदाहरण के लिए 'लिखणु' की रूपावली देखिए।

١. مان لِکندُس پيو — اَسين لِکنداسين پيا.

1 मां लिखंदुसि प्यो — असीं लिखंदासीं प्या।

٢. توُن لِکندي پيو. — تَوهين لِکندا پيا.

2 तूं लिखंदे प्यो। — तव्हीं लिखंदा प्या।

٣. هوُ لِکندو پيو. — هوُ لِکندا پيا.

3 हू लिखंदो प्यो। — हू लिखंदा प्या।

इनके स्त्रीलिंग रुप निम्न प्रकार से हैं।

١. مان لِکندَس پيئِي. — اَسين لِکنديوُسين پييوُن.

1 मां लिखंदसि पेई — असीं लिखंदयूंसी पेयूं।

٢. توُن لِکَنديئَن پيئيِ.   تَوهين لِکَندِيوُن پيوُن.

2 तूं लिखंदीअं पेई   तव्हीं लिखंदियू पेयूं।

٣. هوءَ لِکَندي پيئيِ.   هوُ لِکَنديوُن پييوُن.

3 हूअ लिखंदी पेई   हू लिखंदयूं पेयूं।

(ख) सातत्य भविष्य काल की रचना का दूसरा प्रकार निम्नलिखित है। क्रिया का सामान्य भविष्य कालिक रूप कंद + सातत्य बोधक चिहन 'रहणु' के साथ भविष्यकाल बोधक चिहन 'अद' का उपयुक्त रूप *नीचे दिए गए उदाहरण देखिए।*

١. مان کَمُ کَندو رَهَندُس.   اَسين کَمُ کَندا رَهَنداسين.

1 मां कमु कंदो रहंदुस   असीं कमु कंदा रहंदासीं।

٢. توُن کَمُ کَندو رَهَندي.   تَوهين کَمُ کَندا رَهَندا.

2 तूं कमु कंदो रहंदे   तव्हीं कमु कंदा रहंदा।

٣. هوُ کَمُ کَندو رَهَندو.   هوُ کَمُ کَندا رَهَندا.

3 हू कमु कंदो रहंदो   हू कमु कंदा रहंदा।

(ग) सातत्य भविष्य काल की रचना का तीसरा प्रकार निम्नलिखित है। क्रिया का सामान्य भविष्य कालिक रूप + उपयुक्त लिंग/वचन पुरुष और भविष्य कालिक चिहनों के साथ 'हुअणु' संयोजक क्रिया का रूप *नीचे दिए गए उदाहरण देखिए।*

١. مان ايندو هوُندس.   اَسين ايندا هوُنداسين.

1 मां ईंदो हुंदुस   असीं ईंदा हुंदासीं।

٢. توُن ايندو هوُندين.   تَوهين ايندا هوُندا.

2 तूं ईंदो हूंदें   तव्हीं ईंदां हूंदा।

٣. هوُ ايندو هوُندو.   هوُ ايندا هوُندا.

3 हू ईंदो हूंदो   हू ईंदां हूंदा।

इस प्रकार की सूचना संदेह सूचक है।

(घ) सिन्धी में सातत्य भविष्य काल की रचना का चौथा प्रकार निम्नलिखित है। यहसंरचना वर्तमान और भूत सातत्य के समान ही है। क्रियाधातु + 'ई/ए प्रत्यय + सातत्य बोधक चिहन 'रहणु' उपयुक्त लिंग और वचन चिहनों के साथ + योजक क्रिया 'हुअणु' उपयुक्त काल/पुरुष/ वचन लिंग चिहनों के साथ

मिसालु:–   مِثالُ :

1 बार इस्कूल जो कमु करे रहया हूंदा।   ١. ٻارَ اِسڪوُل جو کَمُ کَري رَهيا هوُندا.

2 राजू बैंक वञी रहयो हूंदो।   ٢. راجوُ بَينڪ وَڃي رهيو هوُندو.

इस प्रकार की रचना भी संदेह सूचक है।

RESPONSE SHEET - 10 جَوابي پيپَرُ ١٠ **उतरपत्रिका –10**

1. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उतर दीजिए।

1 सीतल खे कंहिं जी यादि पिए आई ? ا سِيتل کي ڪَنهِن جِي يادِ پِئي آئي .

---

2 सीतल जे अगयां छा फिरी रहयो हो ? ٢ سِيتل جي اَڳيان ڇا ڦِرِي رَهيو هو ؟

---

3 राणी कंहिं कंहिं जी संभाल कंदी रहंदी ? ٣ راڻِي ڪَنهِن ڪَنهِن جِي سَنڀال ڪَندِي رَهَندِي ؟

---

4 अजुकल्ह जूं ज़ालूं कहिड़यूं आहिनि ? ۴ اَڄُڪَلهَ جوُن زالوُن ڪهِڙيوُن آهِنِ ؟

---

5 राणी सीतल खे कहिं ज़रीए आथत डांदी पेई ? ٥ راڻِي سِيتل کي ڪَنهِن ذرِيعي آٿتُ ڏِيندِي پيئِي ؟ .

---

2. दिए हुए शब्दों के उचित रूप से उदाहरण के अनुसार वाक्य बनाइए।

रहणु, हुअणु, رَهَڻُ, هُئَڻُ

मिसालु : मोहनु अची ——— —————।	مِثالُ : موھنُ، اَچِي ---------- ---------.
मोहनु अची रहयो हूंदो।	موھنُ اَچِي رَھيو ھونُدو.
1 मिज़मान अची ———— —————।	ا مِزمان اَچِي ----------- --------------.
2 मां पंहिंजो कमु करे ————— —————।	٢ مان پَنهِنجو ڪَمُ ڪَري ----------- -----------.
3 तूं पुट खे पढ़ाए ———— ——————।	٣ توُن پُٽَ کي پَڙھائي ----------- --------------.
4 भाभी घर खे सुठे नमूने संभाले ——— —————।	۴ ڀاڀِي گَھرَ کي سُٺي نَموُني سَنڀالي -------- ---------.
5 तव्हां अजमेर वञी ————— —————।	۵ تَوھان اَجمير وَڃِي ----------- --------------.

3. कोष्ठक में दिए गए शब्द के उचित रुप से उदाहरण के अनुसार वाक्य पूर्ति कीजिए।

(क) मोहनु ईंदो —————। (रहणु)	(ڪ) موھنُ ايِندو ----------------. (رَھَڻُ)
मोहनु ईंदो रहंदो।	موھنُ ايِندو رَھَندو.
1 सीतलु चिंता कंदो —————।	ا سِيتلُ چِنتا ڪَندو ---------------.
2 शशी भाजो वठंदी ——————।	٢ شَشِي ڀاڄِي وَٺَندِي ----------------.
3 कमलु सजो डांहुं खाइंदो ——————।	٣ ڪَمَلُ سَڄو ڏِينھَن کائِيندو ----------------.

(ख) मोहनु ईंदो ————————। (पवणु)	(ک) موهنُ اِيندو -------------. (پَوَڻُ)
मोहनु ईंदो <u>प्यो</u>।	موهنُ اِيندو پيو.
1 श्यामु रांदि कंदो ——————————।	ا شيامُ راندِ ڪندو -------------.
2 राधा <u>बा</u>रनि खे संभालींदी ————————।	٢ راڌا ٻارنِ کي سَنڀالِيندِي -------------.
3 किशोरु गीतु <u>गा</u>ईंदो ——————————।	٣ ڪِشورُ گيتُ ڳائِيندو -------------.
(ग) मोहनु ईंदो ——————————। (हूंदो)	(گ) موهَنُ اِيندو -------------. (هوُندو)
मोहनु ईंदो हूंदो।	موهنُ اِيندو هوُندو.
1 लछमणु मुम्बईअ खां ईंदो ——————————।	ا لڇمَڻُ مُمبَئيءَ کان اِيندو -------------.
2 मुंहिंजी नुंहं दहलीअ मां ईंदी ——————————।	٢ مُنهِنجِي نُنهَن دَهليءَ مان اِينديِ -------------.
3 मुंहिंजो पीउ कानपूर वेंदो ——————————।	٣ مُنهِنجو پيءُ ڪانپوُر ويندو -------------.

4. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : मोती बज़ारि <u>वञे प्यो</u>।	مِثالُ : موتيِ بَزارِ وَڃي پيو.
मोती बज़ारि वञी रहयो हूंदो।	موتيِ بَزارِ وَڃِي رَهيو هوُندو.

1 पदमा केकु खाए पेई।

١ پَدما ڪيڪُ کائي پيئي.

2 नाना कोटु पाए प्यो।

٢ نانا ڪوٽُ پائي پيو.

3 अमां लकुणु खणे पेई।

٣ اَمان لَڪُڻُ کَڻي پيئي.

4 सीता मानी ठाहे पेई।

۴ سِيتا مانيِ ٺاهي پيئي.

5 किशनु माउ खां सुवालु पुछे प्यो।

۵ ڪِشنُ ماءُ کان سُوالُ پُڇي پيو.

5. निम्नलिखित वाक्यों का सिन्धी में अनुवाद कीजिए।

1 मेरा भाई रेडियो सुन रहा होगा।

2 कविता गाना गा रही होगी।

---

3 सोनू समय से स्कूल जाता होगा।

---

4 गुड़िया एक घंटे तक नाचती रहेगी।

---

5 घर में सब इस समय चाय पी रहे होंगे।

पाठ 11

किराए पर मकान

दीपक : रमेश, कल मैं तुम्हारे पास आया था, पर तुम नहीं थे। मुझे एक मकान की तलाश है। क्या तुम्हें कोई किराए का मकान सूझता है ?

रमेश : मकान किसके लिए चाहिए ? तुम्हारे पास तो अपना मकान है ना ?

दीपक : मुझे अपने लिए नहीं चाहिए। मेरा एक मित्र कल आया है। पहले वह कानपूर मैं नौकरी करता था; पर अब उसका स्थानांतरण यहां ही हो गया है, उसीके लिए मकान चाहिए।

रमेशु : अच्छा, कल जो तुम्हारे घर बैठा था, वही तुम्हारा दोस्त है ?

दीपक : हां, वही मेरा मित्र हरीश है। उसी को ही किराए पर मकान चाहिए। उसने पहले से ही मुझे लिखा था, पर मुझे

सबकु 11

मसिवाड़ ते जाइ

दीपकु : रमेश, कल्ह मां तो वटि आयो हुयुसि, पर तूं हुएं को न। मूं खे हिक जाइ जी गो॒ल्हा आहे। छा तोखे काई मसवाड़ जी जाइ सुझे थी ?

रमेशु : जाइ कंहिं लाइ खपेइ ? तोखे त पंहिंजी जाइ आहे न ?

दीपकु : मूं खे पंहिंजे लाइ न खपे। मुंहिंजो हिकु दोस्तु कल्ह आयो आहे। पहरीं उहो कानपूर में नौकरी कंदो हुओ, पर हाणे हुन जी बदली हिते ई थी आहे। उन्हीअ लाइ जाइ खपंदी हुई।

रमेशु : अछा, कल्ह तुंहिंजे घरि जेको वेठो हुओ, उहो ई तुंहिंजो दोस्तु आहे ?

दीपकु : हा, उहो ई मुंहिंजो दोस्तु हरीशु आहे। उन खे ई मसवाड़ ते जाइ घुर्जे। हुन अगि॒ में ई मूं खे लिख्यो हुओ,पर मूं खे

سبَقُ ١١

مَسواڙَ تي جاءِ

دِيپَڪُ : رَميشَ، ڪلھَہ مان تو وَٽِ آيو هُيُس، پَرَ توُن هُئين ڪونَہ. موُن کي هِڪَ جاءِ جي ڳولها آهي. ڇا توکي ڪائِي مَسواڙَ جي جاءِ سُجهي ٿِي ؟

رَميشُ : جاءِ ڪَنهِن لاءِ کَپيئِي ؟ توکي تَہ پَنهِنجِي جاءِ آهي نَہ ؟

دِيپَڪُ : موُن کي پَنهِنجي لاءِ نَہ کَپي. مُنهِنجو هِڪُ دوستُ ڪَلھَہ آيو آهي. پَهرِين اُهو ڪانَپوُرُ ۾ نَوڪرِي ڪَندو هُئو، پَرَ هاڻي هُنَ جي بَدلِي هِتي ٿِي ٿِي آهي. اُنهِيءَ لاءِ جاءِ کَپَندِي هُئِي.

رَميشُ : اَڇا، ڪَلھَہ تُنهِنجي گهرِ جيڪو وينو هُئو، اُهو ئِي تُنهِنجو دوستُ آهي ؟

دِيپَڪُ : ها، اُهو ئِي مُنهِنجو دوستُ هَريشُ آهي. اُنَ کي ئِي مَسواڙَ تي جاءِ گُهرجي. هُنَ اَڳِ ۾ ئِي موُن کي لِکيو

याद नहीं रहा। क्या कोई मकान नज़र में है ?

रमेश : आज ही अख़बार में एक दो कमरों के मकान का विज्ञापन तो था।

दीपक : किराया कितना था ?

रमेश : दो हज़ार ।

दीपक : इतना तो वह शायद नहीं देगा। फ़िलहाल उसके लिए एक कमरे का मकान ठीक रहेगा। उसका परिवार अभी नहीं आया है।

रमेश : मेरे घर के पास कुछ दिन पहले एक, एक कमरे का घर खाली तो था। अब तक पता नहीं ख़ाली रहा होगा या नहीं।

दीपक :देखना, यदि भर न गया हो तो, बताना।

रमेश : ठीक है, बताऊंगा।

यादि को न रहियो। काई जाइ नज़र में अथेइ छा ?

रमेशु : अज॒ जे अख़िबार में हिकु बि॒नि कमरनि जी जाइ जो इश्तहारु त हुओ।

दीपकु : मसवाड़ केतरी हुई ?

रमेशु : ब॒ हज़ार।

दीपकु : एतरो त हू शायदि को न डीं॒दो। फ़ीइलहालि हुन लाइ हिक कमरे जो घरु ठीकु रहंदो। हुनजो परीवार अञा को न आयो आहे।

रमेशु : मुंहिंजे घर वटि कुझु डीं॒हं पहरीं हिकु कमरे जो सेटु ख़ाली त हुओ। हाणे ताइं अलाए ख़ाली रहयो हूंदो या न।

दीपकु : डि॒सजांइ, जे भरजी न व्यो हुजे त बु॒धाइजांइ।

रमेशु : चङो, बु॒धाइंदो सांइ।

هُئو، پَرَ مون کي يادِ ڪونہ رَهيو.
ڪائي جاءِ نَظَر ۾ اَٿَئي چا ؟

رَميشُ : اَڄُ جي اَخبارَ ۾ هِڪُ ٻِنِ ڪَمرنِ جي جاءِ جو اِشتهارُ تہ هُئو.

ديپَڪُ : مَسوارَ ڪيتري هُئي ؟

رَميش : ٻہ هَزارَ

ديپَڪُ : ايترو تہ شايَدِ هو ڪونہ ڏيندو. في اِلحال هُنَ لاءِ هِڪَ ڪَمري جو گهرُ ٺيڪُ رَهَندو. هُنَ جو پَريوارُ اَڃا ڪونہ آيو آهي.

رَميشُ : مُنهِنجي گهرَ وَٽِ ڪُجهہ ڏينهَن پَهرِين هِڪُ ڪَمري جو گهرُ خالي تہ هُئو. هاڻي تائين اَلائي خالي رَهيو هوندو يا نہ.

ديپَڪ : ڏِسجانءِ جي ڀَرجي نہ ويو هُجي تہ ٻُڌائجانءِ.

رَميشُ : چَڱو ٻُڌائيندو سانءِ.

शब्दार्थ

हिन्दी	*देवनागरी*	سِنڌِي
परिवार	परीवारु	پَرِيوارُ
मकान	घरु	گَهرُ
अभी (तक)	अञा	اَڃا
अब, अभी	हाणे	هاڻي
रहा होगा	रहयो हूंदो	رَهيو هوندو
भर गया हो	भरजी व्यो हुजे	ڀَرجِي ويو هُجي

शब्दार्थ

हिन्दी	*देवनागरी*	سِنڌِي
बैठा था	वेठो हुओ	ويٺو هُئو
पहले	अगु में	اَڳُ ۾
लिखा था	लिख्यो हुओ	لِکيو هُئو
इश्तहार	इश्तहारु	اِشتهارُ
शायद	शायदि	شايَدِ
फिलहाल	फी इलहालु	فِي اِلحال
मकान	मकानु	مَڪانُ

शब्दार्थ

हिन्दी	*देवनागरी*	سِنڌِي
(मैं) आया था	आयो हुयुसि	آيو هُيُس
जगह, घर	जाइ	جاءِ
तलाश,	गोल्हा	ڳولها
कोई (स्त्रीलिंग)	काई	ڪائي
किराया, भाड़ा	मसवाड़	مَسواڙ
सूझना	सुझणु	سُجهڻُ
आया है	आयो आहे	آيو آهي

1. निम्नलिखित वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1	कल्ह मां तो वटि आयो होसि।	١. ڪَلهہ مان تو وَٽِ آيو هوس.
2	कल्ह तुंहिंजे घरि जेको वेठो हो।	٢. ڪَلهہ جيڪو تُنهِنجي گهرِ ويٺو هُئو.
3	हुन अगि॒ में ई मूं खे लिख्यो हो।	٣. هُنَ اَڳِ ۾ ئي مون کي لِکيو هو.
4	मुंहिंजो हिकु दोस्तु कल्ह आयो आहे।	۴. مُنهِنجو هِڪُ دوستُ ڪَلهہ آيو آهي.
5	हुन जी बदली हिते ई थी आहे।	۵. هُنَ جي بَدلِي هِتي ئي ٿي آهي.
6	हुन जो परीवार अञा को न आयो आहे।	٦. هُنَ جو پَرِيوار اَڃا ڪونہ آيو آهي.
7	अज॒ ताईं अलाए ख़ाली रहयो हूंदो या न।	٧. اَڄُ تائين اَلائي خالِي رَهيو هوندو يا نہ.
8	जे भरजी न व्यो हुजे, त बु॒धाइजांइ।	٨. جي ڀَرجِي نہ ويو هُجي تہ ٻُڌائِجانءِ.

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उचित रुपों से वाक्यों की पूर्ति कीजिए।

1	कल्ह हू तो वटि ----- हो। (वञणु)	١. ڪَلهہ هوُ تو وَٽِ -----هو. (وَڃَڻُ)
2	मुंहिंजो दोस्तु कानपूर मां ----- आहे। (अचणु)	٢.مُنهِنجو دوستُ ڪانپُور مان ----- آهي. (اَچَڻُ)
3	कल्ह मूं खे बज़ारि में रामु ----- हो। (मिलणु)	٣. ڪَلهہ مون کي بَزارِ ۾ رامُ ----- هو. (مِلَڻُ)
4	रोशनु कल्ह मुंबइअ खां ----- हूंदो। (अचणु)	۴. روشنُ ڪلهہ مُمبئِيءَ کان ---- هوندو. (اَچَڻُ)
5	मूं कल्ह घर फ़ोनु ----- हो। (करणु)	۵. مون ڪَلهہ گهر فونُ ----- هو. (ڪَرَڻُ)

3. उदाहरण के अनुसार प्रत्येक वाक्य के दो दो वाक्य बनाइए।

	मिसालु : कल्ह मुंहिंजो दोस्तु कानपूर मां आयो आहे।	مِثالُ : ڪَلهہ مُنهِنجو دوستُ ڪانپُور مان آيو آهي.
1	कल्ह मुंहिंजो दोस्तु कानपूर मां आयो हो।	١. ڪَلهہ مُنهِنجو دوستُ ڪانپُور مان آيو هو.

2 कल्ह मुंहिंजो दोस्तु कानपूर मां आयो हूंदो। — ٢. ڪلهہ مُنهنجو دوسٽُ ڪانپور مان آيو هوندو.

1 हुन कल्ह घर फ़ोन कयो आहे। — ١. هُن ڪلهہ گهر فونُ ڪيو آهي.

2 कोई तव्हां जे दर ते बीठो आहे। — ٢. ڪوئي توهان جي دَرَ تي بيٺو آهي.

3 दीपक, रोशन खे जाइ ग॒ोल्हण लाइ चयो आहे। — ٣. ديپڪ، روشن کي جاءِ ڳولهڻ لاءِ چيو آهي.

4 रोशन मूं खे चिठी लिखी आहे। — ٤. روشن مون کي چٺي لکي آهي.

5 ब॒ार सुम्ही प्या आहिनि। — ٥. ٻارَ سُمهي پيا آهن.

4. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसाल :राम, श्याम खे ख़तु लिख्यो। — مِثالُ : رامَ، شيامَ کي خطُ لکيو.

राम, श्याम खे ख़तु लिख्यो आहे। — رامَ، شيامَ کي خطُ لکيو آهي.

1 मूं आगरा में ताजमहलु ड॒िठो आहे। — ١. مون آگرا ۾ تاجمحلُ ڏٺو آهي.

2 ब॒ार अज॒ जल्दी इस्कूल व्या। — ٢. ٻارَ اَڄ جلدي اِسڪول ويا.

3 राम, श्याम खे घर अचण लाइ चयो। — ٣. رامَ، شيامَ کي گهر اَچڻ لاءِ چيو.

4 हरीशु गांधीधाम कपड़ा वठण व्यो। — ٤. هريش گانڌيڌام ڪپڙا وٺڻ ويو.

5 राजूअ प्रेम खे पंहिंजे घर जो पतो ड॒िनो। — ٥. راجوءَ پريمَ کي پنهنجي گهرَ جو پتو ڏنو.

5. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : मां कल्ह ब॒ारनि जे इस्कूल वियुसि। — مِثالُ : مان ڪلهہ ٻارن جي اِسڪول ويس.

मां कल्ह ब॒ारनि जे इस्कूल व्यो हुयुसि। — مان ڪلهہ ٻارن جي اِسڪول ويو هُيس.

1 तव्हां कल्ह मोहन खे कंहिं वक्ति मिल्या? — ١. توهان ڪلهہ موهن کي ڪنهن وقت مليا؟

2 असीं कल्ह राति जो देरि सां सुम्हियासीं। — ٢. اَسين ڪلهہ رات جو دير سان سُمهياسين.

3 मां कल्ह ब॒ां बजे पहुतुसि। — ٣. مان ڪلهہ ٻين ٻجي پهتس.

4 तूं गांधीधाम कहड़ी गाड॒ीअ में आएं? — ٤. تون گانڌيڌام ڪهڙي گاڏيءَ ۾ آئين؟

5 छा ब॒ार कल्ह इस्कूल व्या? — ٥. ڇا ٻارَ ڪلهہ اِسڪول ويا؟

6. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उतर दीजिए।

1	दीपक खे छा जी गो॒ल्हा आहे ?	ا. دِيپَڪ کي ڇا جي ڳولها آهي؟
2	दीपक खे जाइ कंहिं लाइ खपे ?	٢. دِيپَڪ کي جاءِ ڪَنهِن لاءِ کَپي ؟
3	हरीशु कानपुर मां छो आयो आहे ?	٣. هَرِيشُ ڪانپوُر مان ڇو آيو آهي؟
4	रमेश जे घर वटि केतरी व॒डो जाइ ख़ाली हुई ?	۴. رَميشَ جي گهرَ وَٽِ ڪيترِي وَڏِي جاءِ خالِي هُئِي؟
5	हरीश खे फीइलहालु नंढी जाइ छो खपे ?	۵. هَرِيشَ کي فِي اِلحال نَنڍِي جاءِ ڇو کَپي ؟

टिप्पणियां

1. सिन्धी में पूर्णवर्तमानकाल की रचना मुख्य क्रिया के सामान्य भूतकालिक रूप के साथ योजक क्रिया के उपयुक्त वर्तमानकालिक रूपों को जोड़कर की जाती है, जैसा कि निम्नलिखित उदाहरणों में दिया गया है।

1	मां आयो आहयां।	ا. مان آيو آهيان.
	असीं आया आहयूं।	اَسين آيا آهيوُن.
2	तूं आयो आहीं।	٢. توُن آيو آهِين.
	तव्हीं आया आहयो।	تَوهِين آيا آهيو.
3	हू आयो आहे।	٣. هوُ آيو آهي.
	हू आया आहिनि।	هوُ آيا آهِن.

2. सिन्धी में पूर्णभूतकाल की रचना मुख्य क्रिया के सामान्य भूतकालिक रूप के उपयुक्त भूतकालिक रूपों को जोड़कर की जाती है, जैसा कि निम्नलिखित उदाहरणों में दिया गया है।

1	कल्ह तुंहिंजे घर जेको वेठो हुओ।	ا. ڪَلهَہ تُنهِنجي گَهر جيڪو وينو هُئو؟
2	हुन अगि॒ में ई मूं खे लिख्यो हुओ।	٢. هُنَ اَڳِ ۾ ئِي موُن کي لِکيو هُئو.

सिन्धी में पूर्णभविष्यकाल की रचना, जो मूलतः संदेह बोधक अर्थ देती है, मुख्य क्रिया के सामान्य भूतकालिक रूप के साथ योजक क्रिया के उपयुक्त भविष्यकालिक रूपों को जोड़कर की जाती है। जैसा कि निम्नलिखित उदाहरणों में दिया गया है।

1	हू मकान हाणे ताईं अलाए ख़ाली रहयो हूंदो या न।	ا.هوُ مَڪانَ هاڻي تائِين اَلائي خالِي رَهيو هوُندو يا نَہ.
2	मोहन कल्ह दहलीअ खां वापसि आयो हूंदो।	٢. موهَنُ ڪَلهَہ دهلِيءَ کان واپِس آيو هوُندو.

RESPONSE SHEET - 11 جَوابي پيپَرُ ١١ उतरपत्रिका –11

1. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उतर दीजिए।

1 दीपक खे कंहिं लाइ जाइ जी गो॒ल्हा आहे ? ١ ديپڪ کي ڪَنهِن لاءِ جاءِ جي ڳولها آهي ؟

-- --

2 दीपक जे दोस्त जो नालो छा आहे ? ٢ ديپڪ جي دوسَت جو نالو ڇا آهي ؟

-- --

3 दीपक जो दोस्तु किथां आयो आहे ? ٣ ديپڪ جو دوستُ ڪِٿان آيو آهي ؟

-- --

4 अख़बार में केतरी वडो॒ जाइ जो इश्तहारु हुओ ? ٤ اَخبارَ ۾ ڪيترِي وڏِي جاءِ جو اِشتهارُ هُئو ؟

-- --

5 हरीशु खे केतरो वडो॒ मकानु खपे ? ٥ هَرِيشُ کي ڪيترو وَڏو مَڪانُ کَپي ؟

-- --

2. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : मोहनु अज॒ स्कूटर ते आफ़ीस व्यो। مِثالُ : موهنُ اَڄ اِسڪوٽر تي آفِيس ويو .

मोहनु अज स्कूटर ते आफ़ीस व्यो हूंदो।

موهنُ اَڄُ اِسڪوٽَر تي آفِيس ويو هوُندو.

1 बार अज इस्कूल सवेल व्या।

١ ٻار اَڄُ اِسڪوُل سويل ويا.

---

2 दादा बाहिरि घुमण व्या।

٢ دادا ٻاهِرِ گُهمَڻ ويا.

---

3 रोशन जे दोस्त जो कानपुर मां ख़तु आयो।

٣ روشَنَ جي دوست جو ڪانپوُرُ مان خَطُ آيو.

---

4 राधा बज़ारि मां ताज़ा फल आंदा।

۴ راڌا بَزارِ مان تازا ڦَلَ آندا.

---

5 रमेशु आफ़ीस जे कम सां मैसूरु व्यो।

۵ رَميشُ آفِيسَ جي ڪَمَ سان مَيسوُرُ ويو.

---

3. उदाहरणके अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : मां सुबुह जो गांधी समाधी डिसण व्यसि।

مِثالُ :مان صُبُحَ جو گانڌِي سَماڌِي ڏِسَڻ ويَسِ.

मां सुबुह जो गांधी समाधी डिसण वेई हुअसि।

مان صُبُحَ جو گانڌِي سَماڌِي ڏِسَڻ ويئِي هُئَسِ.

1 दीपक दोस्त खे ख़तु लिख्यो।

۱ دِيپڪَ دوستَ کي خَطُ لِکيو.

2 रामु कल्ह घरि देरि सां पहुतो।

۲ رامُ ڪَلهه گهرِ ديرِ سان پَهُتو.

3 असां कल्ह राति जो सिन्धी नाटकु ॾिठो।

۳ اَسان ڪَلهه راتِ جو سِنڌي ناٽڪُ ڏِٺو.

4 मीरां अज॒ सुबुह जो जल्दी उथी।

۴ مِيران اَڄُ صُبُح جو جَلدي اُٿي.

5 गीता रूपा सां कल्ह बैंक में मिली।

۵ گيتا روپا سان ڪلهه بَينڪ ۾ مِلي.

4. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : रामु कल्ह घरि व्यो आहे।

रामु कल्ह घरि व्यो हूंदो।

مِثالُ : رامُ ڪَلهه گهرِ ويو آهي.

رامُ ڪَلهه گهرِ ويو هوندو.

1 ॿार इस्कूल वक़्त ते व्या आहिनि।

۱ ٻارَ اِسڪوُلَ وَقتَ تي ويا آهِنِ.

2 राधा, गीता खे ख़तु लिख्यो आहे।	٢. راڌا، گيتا کي خَطُ لِکيو آهي.
3 मुंहिंजे घर पासे हिकु मकानु ख़ाली थ्यो आहे।	٣ مُنهِنجي گهرَ پاسي هِڪُ مَڪانُ خالِي ٿيو آهي.
4 रोशनु शाम जो पंजे बजे घरि पहुतो आहे।	۴ روشَنُ شامَ جو پَنجي بَجي گهرِ پَهُتو آهي.
5 हरीशु कल्ह कानपूर खां आयो आहे।	٥ هرِيشُ ڪَلهَ ڪانپوُرُ کان آيو آهي.

5. निम्नलिखित वाक्यों का सिन्धी में अनुवाद कीजिए।

1 रमेश कल आगरा गया होगा।

2 गीता ने अभी तक अपनी मां को पत्र नहीं लिखा है।

3 महेश पिछले महीने मुम्बई गया था।

____

4 रोशन ने मोहन को बाज़ार में देखा था।

____

5 मैं पहले भी आदिपूर आया हूं।

____

पाठ 12

संत कंवरराम

केवलराम : आओ बच्चो! आज मैं तुम्हें सिंध के प्रसिद्ध संत कंवरराम की कहानी सुनाऊं।

गोपी और चंदर : हां, हां चाचाजी! हम सब ज़रूर सुनेंगें। उनका जन्म कहां हुआ था ?

केवलराम : संत कंवरराम को भगत भी कहते हैं। इनका जनम सिंध के सखर ज़िल्ले के जरवारन नामक गांव में (13 अप्रेल सन् 1885) वैसाख संवत् उन्नीस सौ ब्यालीस में हुआ था।

राजू : चाचाजी! इनके माता पिता कौन थे ?

केवलराम : इनकी माता का नाम तीरथबाई और पिता श्री ताराचंद थे। कंवरराम को बचपन से संतो की सेवा, भजन

सबकु 12

संतु कंवरुरामु

केवलरामु : अचो बारो! अज मां तव्हां खे सिंध जे मशहूरु संतु कंवरराम जी कहाणी बुधायां।

गोपी ऐं चंदरु : हा, हा काका! असां सभु ज़रुर बुधंदासीं। हुननि जो जनमु किथे थ्यो हो ?

केवलरामु : संत कंवररामु खे भगतु बि चवंदा आहिनि। हिननि जो जनमु सिंधु जे सखर ज़िले जे जरवारन नाले गाठ में (13 अप्रेलु सन् 1885) वेसाखु संवतु उणवीह सौ बाएतालीह में थ्यो हो।

राजू : काका! हिननि जा माउ पीउ केरु हुआ ?

केवलरामु : हिननि जी माता जो नालो तीरथबाई ऐ पिता श्री ताराचंदु हुआ।
कंवरराम खे बालपण खां संतनि

سبَقُ ١٢

سَنتُ ڪَنوَرُرامُ

ڪيوَلرامُ : اَچو ٻارو! اَڄُ مان تَوهان کي سِنڌ جي مَشهورُ سَنتَ ڪَنورَرامُ جي ڪَهاڻي ٻُڌايان.

گوپي ۽ چَندرُ : ها، ها ڪاڪا! اَسان سَڀُ ضَرورُ ٻُڌَنداسين. هُنَنِ جو جَنَمُ ڪِٿي ٿيو هو ؟

ڪيوَلرامُ : سَنتُ ڪَنوَررامُ کي ’ڀڳَتُ‘ بہ چوَندا آهِنِ. هِنَنِ جو جَنَمُ سِنڌُ جي سَکَر ضِلع جي جَروارِنِ نالي ڳوٺَ ۾ (١٣ اَپريلُ سَنَ ١٨٨٥) ويساکُ سَنبَتُ اُڻويهَہ سَو ٻائيتاليهَہ ۾ ٿيو هو.

راجوُ : ڪاڪا! هِنَنِ جا ماءُ پيءُ ڪيرُ هُئا ؟

ڪيولرامُ : هِنَنِ جي ماتا جو نالو تيرٿ بائي ۽ پِتا شري تاراچَندُ هُئا. ڪَنورَرام کي ٻالَپَڻَ کان سَنتَنِ جي شيوا،

कीर्तन अच्छा लगता था।

गोपी : क्या संत कंवरराम ने शादी नहीं की ?

केवलराम : उनकी शादी बड़ी धूमधाम से काकनबाई के साथ (मार्च 1903) संवत् 1960 फाल्गुन में हुई। शादी के कुछ समय बाद दोनों संतों की सेवा करते रहे। उनके हाथ काम और हृदय भगवान की तरफ था।

चंदर : चाचाजी! संत कंवरराम ने कोई काम धंधा नहीं किया था ?

केवलराम : उन्होने उबले चने मटर बेचे। पिता के पंसारी की दुकान पर भी बैठे। पर उनका मन नहीं लग रहा था। उन्होंने कीर्तन किया। उन्हें कीर्तन से जो कुछ मिला सब लूलो, लंगड़ों और गरीबों में बांटा।

राजू : उनका पहनावा कैसा था ?

जी शेवा, भजनु, कीर्तनु वणंदो हो।

गोपी : छा संत कंवरुराम शादी का न कई हुई ?

केवलरामु : हुननि जी शादी डाढे धूमधाम सां काकनिबाईअ सां (मार्च 1903) संवतु 1960 फगुण में थी। शादीअ जे कुझु वक़्तु खां पोइ बई संतनि जी शेवा कंदा रहया। हुननि जा हथ हाज में, दिलि यार डाहुं हुई।

चंदरु : काका! संत कंवरुराम को धंधो धाड़ी को न कयो हो छा ?

केवलरामु : हुननि कुहर विक्या। पीउ सां गडु पसारीअ जे दुकान ते बि वेठा, पर हुननि जो मनु न लगी रहयो हो। भगति कयाऊं भगति मां जेकी मिल्युनि सभु लूलनि, लंगड़नि ऐं मिस्कीननि में विरहायाऊं।

राजू : उन्हनि जो पहिराऊ कहड़ो हो ?

يَجَنُ ڪيرتَنُ وَڻندو هو.

گوپي : ڇا سَنت ڪَنوَررامَ شاديِ ڪانہ ڪَئي هُئي؟

ڪيولَرامُ : هُنَنِ جي شادي ڏاڍي ڌام ڌوُم سان ڪاڪن بائيءَ سان (مارچ ١٩٠٣) سَنبَتُ ١٩٦٠ جي ڦَڳُڻَ ۾ ٿي. شاديءَ جي ڪُجهہ وَقتُ کان پوءِ ٻَئي سَنتَنِ جي شيوا ڪَندا رَهيا. هُنَنِ جا هَٿَ هاجَ ۾، دِلِ يارَ ڏانهُن هُئي.

چَندرُ : ڪاڪا! سَنتَ ڪَنوَررامَ ڪو ڌَنڌو ڌاڙي ڪونہ ڪيو هو ڇا؟

ڪيوَلرامُ : هُنَنِ ڪوُهر وڪيا. پيءُ سان گڏُ پَساريءَ جي دُڪانَ تي بہ ويٺا، پَرَ هُنَنِ جو مَنُ نہ لَڳِي رَهيو هو. ڀَڳِتِ ڪَيائوُن، ڀَڳِتِ مان جيڪي مِليُنِ سَڀُ لوُلَنِ، لَنگڙَنِ ۽ مِسڪينَنِ ۾ وِرهايائوُن.

راجوُ : اُنهَنِ جو پَهِراءُ ڪهڙو هو؟

केवलराम : वे खादी का कुर्ता और धोती पहनते थे। कीर्तन के समय वे लंबा जामा, पगड़ी और कमर में दुपटा बांधते थे।

गोपी : अरे वाह, इस पोशाक में वे संत कैसे लगते थे ?

केवलराम : इस पोशाक में वे सुंदर लगते थे। संत कंवरराम अपने कीर्तन और नृत्य से सब का मन मोहते थे। वे दया की मूर्ति, चमत्कार के धनी थे। एक नवंबर सन् 1939 में ये संत शहीद हो गए।

केवलरामु : हू खाधीअ जो कुर्तो ऐं धोती पहरींदा हुआ। भग॒ति जे वक़्त हू जामो, पग॒ ऐं चेल्हि में पटो ब॒धंदा हुओ।

गोपी : अड़े वाह! हिन ड्रेस में हू कीअं लग॒दा हुआ ?

केवलरामु : हिन ड्रेस में हू सुंदर लगंदा हुआ। संत कंवररामु पंहिंजी भग॒ति ऐं नाच सां सभनी जो मनु मोहींदा हुआ। हू दया जी मूर्ति, करामतुनि जा धणी हुआ। पहिरीं नवंबर सन् 1939 में ही संतु शहीदु थी व्यो।

كيوَلرامُ : هوُ کاڌِيءَ جو ڪُرتو ۽ ڌوتي پَهرِيندا هُئا. ڀَڳِتِ جي وَقتِ هوُ جامو، پَڳَ ۽ چيلِهہ ۾ پَٽوبَڌَندا هُئو.

گوپِي : اَڙي واهہ! هِنَ ڊِريسَ ۾ هوُ ڪِيئَن لَڳَندا هُئا؟

كيوَلرامُ : اُنَ ڊريس ۾ هوُ سُندَرُ لَڳَندا هُئا. سَنتُ ڪَنورَرامُ پَنهِنجي ڀَڳِتِ ۽ ناچَ سان سَڀِني جو مَنُ موهِيندا هُئا. هوُ دَيا جي موُرِتِ ڪرامَتُنِ جا ڌَڻِي هُئا. پَهرِين نَوَنبَر ١٩٣٩ ۾ هي سَنتُ شَهِيدُ ٿِي ويو.

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिन्धी
भजन	भजनु	ڀَڄَنُ
कीर्तन	कीर्तनु	ڪِيرتَنُ
शादी	शादी	شادِي
फाल्गुन	फगणु	ڦَڳُڻُ
दोनों	बई	ٻَئِي
हाथ	हथ	هَٿ
काम	हाज	هاجَ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिन्धी
संवत्	संबतु	سَنبَتُ
उन्नीस	उणवीह	اُڻويهَ
बयालीस	बाएतालीह	ٻائيتاليهَ
माता पिता	माउ पीउ	ماءُ پيءُ
बचपन	बालपिणु	ٻالپڻُ
लूले	लूला	لُولا
सेवा	शेवा	شيوا

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिन्धी
कहानी	कहाणी	ڪَهاڻي
संत	संतु	سَنتُ
जनम	जन्मु	جَنَمُ
भगत	भगतु	ڀَڳَتُ
नामक	नाले	نالي
गाव	गोठु	ڳوٺُ
वैशाख	वेसाखु	ويساکُ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌِي
चमत्कार	करामत	ڪَرامَت
मालिक	धणी	ڌَڻِي
उन्तालीस	उणेतालीह	اُڻيتاليِهَ
शहीद	शहीदु	شهِيدُ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌِي
पहनावा	पहराउ	پَهراءُ
कुर्ता	कुर्तो	ڪُرتو
जामा	जामो	جامو
पगड़ी	पग॒	پڳَ
कमरबंद	कमरबंधु	ڪمربِند
मोहित करना	मोहणु	موهَڻُ
दया की मूर्ति	दया जी मूर्ति	ڏَيا جِي موُرِت

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌِي
दोस्तु	यारु	يارُ
काम धंधा	धंधोधाड़ी	ڌَنڌو ڌاڙِي
बेचना	विकणणु	وِڪڻُ
पंसारी	पसारी	پَسارِي
लंगड़े	लंगड़ो	لَنگڙو
गरीब	मिस्कीन	مِسڪِينُ
बांटना	विरहाइणु	وِرهائڻ

1. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उतर दीजिए।

1 सिंध जो मशहूरु संतु केरु हो ? — ١. سِندُ جو مَشهوُرُ سَنتُ ڪيرُ هو ؟

2 संत कंवरराम जो जनमु किथे थ्यो हो ? — ٢. سَنتُ ڪَنوَررامُ جو جَنمُ ڪِٿي ٿيو هو ؟

3 संत कंवरराम खे बालकपणे खां छा वणंदो हो ? — ٣. سَنتُ ڪَنوَررامُ کي ٻالڪپڻي کان ڇا وَڻندو هو ؟

4 संत कंवरराम जी शादी कडहिं थी ? — ٤. سَنتُ ڪَنوَررامَ جِي شادِي ڪَڏهِن ٿِي؟

5 संत कंवररामु केरु हुआ ? — ٥. سَنتُ ڪَنوَررامُ ڪيرُ هُئا ؟

2. उदहारण के अनुसार प्रत्येक वाक्य के तीन वाक्य बनाइए।

मिसालु : संत कंवरराम पसारीअ जे दुकान ते वेठो। — مِثالُ : سَنت ڪَنوَررام پَسارِيءَ جي دُڪانَ تي وينو.

1 संत कंवरराम पसारीअ जे दुकान ते वेठो हो। — ١. سَنت ڪَنوَررام پَسارِيءَ جي دُڪانَ تي وينو هو.

2 संत कंवरराम पसारीअ जे दुकान ते वेठो हूंदो। — ٢. سَنتَ ڪَنوَررام پَسارِيءَ جِي دُڪان تي وينو هوُندو.

3 संत कंवरराम पसारीअ जे दुकान ते वेठो आहे। — ٣. سَنت ڪَنوَررامُ پَسارِيءَ جي دُڪانَ تي وينو آهي.

1 संत कंवरराम जो जन्मु जरवारनि में थ्यो। — ١. سَنت ڪنوَررامَ جو جَنمُ جَروارِنِ ۾ ٿيو .

2 संत कंवरराम जी कहाणी, बारनि बधी। — ٢. سَنت ڪَنوَررام جِي ڪَهاڻِي ٻارَنِ ٻُڌِي.

3 संत कंवरराम पंहिंजी भगति ऐं नाच सां सभनी खे मोहयो। — ٣. سَنت ڪَنوَررام پنهنجِي ڀَڳِتِ ۽ ناچَ سان سَينِي کي موهيو.

4 संत खे जेकी मिल्यो सो हुन लूलनि लंगड़नि ऐं मिस्कीननि में विरहायो। — ٤. سَنت کي جيڪي مِليو سو هُنَ لوُلَنِ لَنگڙَنِ ۽ مِسڪِينَنِ ۾ وِرهايو.

5 संत कवंरराम धोती ऐं कुर्तो पातो। — ٥. سَنت ڪَنوَررام ڌوتِي ۽ ڪُرتو پاتو.

3. उदहारण के अनुसार प्रत्येक वाक्य के तीन वाक्य बनाइए।

मिसालु : संत कंवर कूहर विक्या। — مِثالُ : سَنت ڪَنوَر ڪوُهَرَ وِڪيا.

1 संत कवर कूहर विकणे प्यो। — ١. سَنت ڪَنور ڪوُهَرَ وِڪڻي پيو.

2	संत कंवर कूहर विक्या पिए।	٢. سَنت کَنوَر کوُهَرَ وِکیا پِئي.
3	संत कंवर कूहर विकणंदो प्यो।	٣. سَنت کَنوَر کوُهَرَ وِکَڻندو پيو.
1	संत कंवर भगति कई।	١. سَنت کَنوَر ڀَڳت کَئي.
2	गोपीअ माउ पीउ जी शेवा कई।	٢. گوپيءَ ماءُ پيءُ جي شيوا کَئي.
3	चंदर नाचु कयो।	٣. چَندَر ناچُ کَيو.
4	राजूअ भगत कंवरराम जो नाचु डिठो।	٤. راجوءَ ڀَڳت کَنوَررامُ جو ناچُ ڏِٺو.
5	केवलराम बारनि खे बुधायो।	٥. کيوَلرام ٻارَنِ کي ٻُڌايو.

4. **निम्नवाक्यों का सिंधी में अनुवाद कीजिए।**

1 आपका जन्म कहां हुआ था ?

2 चंदर का भाई कीर्तन सुनने गया है।

3 महात्मागांधी का जन्म 2 अक्टूबर अठारह सौ उनहतर में हुआ था।

4 मेरे पिताजी इस समय दुकान पर बैठे होंगे।

5 दुकानदार अपनी अपनी चीजें बेच रहे थे।

6. ***निम्न वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।***

1	संतु कंवरराम कूहर विकणंदो हो।	١. سَنتُ کَنوَررامر کوُهَرَ وِکڻندو هو.
2	पसारीअ जे दुकान ते खाधे पीते जो सामानु मिले थो।	٢. پَسارِيءَ جي دُکانَ تي کاڌي پيتي جو سامانُ مِلي ٿو.
3	दोस्त जी शादीअ में वञणो होम।	٣. دوستَ جي شادِيءَ ۾ وَڃڻو هوم.
4	खेसि कुझु न चयाईं।	٤. کيسِ ڪُجھ نَہ چَيائين.
5	हेमूकालाणी ऐं ब्या घणेई मुल्क लाइ शहीदु थ्या हुआ।	٥. هيموُ ڪالاڻيءَ ٻيا گهڻيئي مُلڪَ لاءِ شَهِيدُ ٿيا هُئا.

1. दिए गए सिंधी शब्दों के उचित अर्थ को रेखांकित कीजिए।

1.	लौटना	लेटना	लोटना	वापसि	واپِس
2.	(तुमने) देखा	(मैंने) देखा	उसने (देखा)	डि॒ठुमि	ڏِٺُمِ
3.	परंतु	पर	सिर्फ़	रुगो॒	رُڳو
4.	(वह) घूमा	(मैं) घूमा	(तुम) घूमे	घुमियुसि	گُهميُس
5.	लगा हुआ	लगे हुए	लगी हुई	लग॒लु	لَڳَلُ
6.	सारा	बहुत	कम	डा॒ढो	ڏاڍو
7.	देश	गांव	शहर	मुल्कु	مُلڪُ
8.	बड़ी	बड़ा	बड़े	वडो॒	وَڏو
9.	लगन	लगना	लगाना	लग॒ाइणु	لَڳائِڻُ
10.	(मैंने)(उससे) पूछा	(उसने)(मुझसे) पूछा	पूछ	पुछयोमांसि	پُڇيومانِس
11.	जाना	गया	जाउंगी	वेंदसि	ويندَس
12.	माना	मनाना	मानना	मल्हाइणु	مَلهائِڻُ
13.	होना	होगा	होता है	थींदो	ٿيندو
14.	लूंगा	लूंगी	लेंगे	वठंदसि	وَٺندَس
15.	उठना	उठोगी	उठोगे	उथंदीअ	اُٿنديئَن

16.	कहा	कहना	बताना	चवणु	چوَڻُ
17.	उसे छोड़ो	छोड़िए	छोड़	छॾ्योसि	ڇَڏِيوسِ
18.	चाहिए	(मुझे) चाहिए	(तुम्हें) चाहिए	खपंदो	کَپَندو
19.	पड़ना	पड़ेगी	पड़ेगा	पवंदी	پَوَندِي
20.	आएगा	आएगी	आएंगे	ईंदी	ايندِي
21.	बांटोगी	बांटेगी	बांटना	विरहाइणु	وِرهائِڻُ
22.	दिखना	देखना	दिखाना	ॾिसणु	ڏِسڻُ
23.	आ रहे हैं	आ रहा है	आ रहे हो	अचो प्या	اَچو پيا
24.	जाना	जानना	जानूंगा	ॼाणणु	ڄاڻڻُ
25.	बढ़ाना	बढ़ना	बढूंगा	वधणु	وَڌَڻُ
26.	खर्च करो	खर्चा	खर्च करना	ख़र्चणु	خَرچَڻُ
27.	घटाना	कम होना	कमी	घटजणु	گهٽِجَڻُ
28.	(तुम्हें) बताउं	उसको बताया	बताना	ॿधायाईं	ٻُڌايائين
29.	घूमे	घूमना	घूमा	फिरणु	ڦِرَڻُ
30.	सोचा	सोचेंगे	सोचना	सोचणु	سوچَڻُ

2. दिए गए हिंदी शब्दों के उचित अर्थ को रेखांकित कीजिए।

1. चलना हलाइणु हलणु हिलणु هِلَڻُ هَلَڻُ هَلائِڻُ

2.	देखभाल करना	संभालणु	संभाल कर्यो	संभलणु	سَنڀلَڻُ	سَنڀالَ ڪَريو	سَنڀالَڻُ
3.	मानना	मञु	मञमि	मञणि	مَڃِڻ	مَڃِيمِ	مَڃُ
4.	कहना	चयो	चवणु	चयाईं	چَيائِين	چَوَڻُ	چَيو
5.	आया	आयो हुयुसि	आयो हो	आयो	آيو	آيو هو	آيو هُيُس
6.	खोजना	ग॒ोल्हा	ग॒ोल्हयो	ग॒ोल्हणु	ڳولهڻُ	ڳولهيو	ڳولها
7.	सूझना	सूझ	सुझणु	सूझयमु	سوُجَهيَمُ	سُجَهڻُ	سوُجَهه
8.	लिखना	लिखणु	लिख्यो	लिखा	لِکا	لِکيو	لِکَڻُ
9.	रहना	रहयो	रहया	रहणु	رَهَڻُ	رَهيا	رَهيو
10.	भरना	भरिजण	भरणु	भरयो	ڀَرِيو	ڀَرڻُ	ڀَرِجَڻ
11.	बेचना	विकणु	विक्यो	विकणणु	وِڪڻُڻُ	وِڪيو	وِڪڻُ
12.	मोहित करना	मोहणु	मोहयो	मोहयाईं	موهيائِين	موهيو	موهَڻُ

3. उचित संयुक्त रुप को रेखांकित कीजिए।

1.	ब॒ + ई	ब॒ई	ब॒ई	बो॒ई	ٻوئِي	ٻَئِي	ٻِيئِي	ٻَہ + ئِي	۱.
2.	करामतू + नि	करामतुनि	करामतूनि	करामतूनि	ڪَرامَتوُنِ	ڪَرامَتوُنِ	ڪَرامَتُنِ	ڪَرامَتوُ + نِہ	۲.
3.	अचे + मि	अचेइमि	अचेमि	अचमि	اَچَمِ	اَچيمِ	اَچيئِمِ	اَچي + مِ	۳.
4.	चयो + मि	चयोमि	चयुमि	चयमि	چَيَمِ	چَيُمِ	چَيومِ	چَيو + مِ	۴.
5.	कयो + ई	कयाईं	कयोई	कयुई	ڪَيُئِي	ڪَيوئِي	ڪَيائِين	ڪَيو + ئِي	۵.

6.	बुधु + व	बुधोव	बुधव	बुधुव	ٻُڌُوَ	ٻُڌَوَ	ٻُڌووَ	ٻُڌُ + وَ
7.	लिख्यो + सीं	लिख्योसीं	लिखीसी	लिख्यूंसी	لِکيوُنسيِ	لِکِيسيِ	لِکيوسِين	لِکيو + سِين
8.	चयो + मां + व	चयुमांव	चयोमांव	चयमावं	چَيماوَن	چَيومانوَ	چَيُمانوَ	چَيو + مان +وَ

4. दिए गए सिंधी शब्दों के उचित अर्थ को रेखांकित कीजिए।

1.	नाम	नामक	नाला	नालो	نالو
2.	बचपना	बचपन	बचकाना	बालपणु	ٻالَپڻُ
3.	काम	कम	कमा	हाज	هاجَ
4.	काले चने	उबले चने	उबले मटर	कूहर	ڪوُهَرَ
5.	व्यापार	व्यापारी	पंसारी	पसारी	پَساريِ
6.	अमीर	गरीब	बेचारा	मिस्कीनु	مِسڪِينُ
7.	चमक	चमत्कार	चमत्कारी	करामत	ڪَرامَت
8.	दिलासा	सहारा	सहयोग	आथतु	آٿَتُ
9.	बेकारी	बेगार	बेकार	अजायो	اَجايو
10.	पहले	पहला	पहल	पहरीं	پَهرِين

5. दिए गए हिंदी शब्दों के उचित सिंधी शब्द को रेखांकित कीजिए।

1.	होशियार	होशयारु	होशयारी	होशवारो	هوشَوارو	هوشيارِي	هوشيارُ	١ -
2.	चिटठी	खता	ख़तु	खट	کَٽَ	خَطُ	خَتا	.٢
3.	पीछे	पुठयां	पोइ	पहरीं	پَهرِين	پوءِ	پُٺيان	.٣
4.	आगे	अॻयां	अॻि	पहरीं	پَهرِين	اَڳِ	اَڳيان	.٤
5.	पूरा	सॼो	सॼा	सॼो	سَڄو	سَڄا	سَڄي	.٥
6.	मकान	घरु	जाइ	परिवारु	پَرِوارُ	جاءِ	گَهرُ	.٦
7.	विज्ञापन	विज्ञापनु	इश्तहारु	विज्ञापकु	وِگياپڪُ	اِشتهارُ	وِگياپنُ	.٧
8.	खोज	ॻोल्हा	ॻोल्ह	ॻोलु	ڳولُ	ڳولهَہ	ڳولها	.٨
9.	किराया	मसि	मसिवाड़	मसवाड़ी	مَسواڙِي	مَسواڙَ	مَسِ	.٩
10.	मनोरंजन	मौज	मस्ती	मौजमस्ती	مَوجَ مَستِي	مَستِي	مَوجَ	.١٠
11.	दबाव	ज़ोरु	ज़ोरि	ज़ोरीअ	زورِيءَ	زورِ	زورُ	.١١
12.	पोता	पोटी	पोटा	पोटो	پوٽو	پوٽا	پوٽِي	.١٢
13.	नाती	ॾोहटो	ॾुहिटो	ॾोहिटी	ڏوهٽِي	ڏُهٽو	ڏوهٽو	.١٣
14.	उपरी	मथो	मथे	मथ्यों	مَٿيون	مَٿي	مَٿو	.١٤
15.	दूर	परे	वेझो	अॻभरो	اَڳيَرو	ويجهو	پَري	.١٥

6. वाक्य की पूर्ति करने वाले कोष्ठक में दिये गये उचित शब्द को रेखांकित कीजिए।

1. कल्ह तोखे बज़ारि में ———। (ड्डिठुमि, ड्डिठसि, ड्डिठउं)
2. मां दहली ————। (वेंदो, व्युसि, व्यो)
3. राम दोस्त खे ख़तु ————। (लिख्युमि, लिख्यमि, लिख्यो)
4. इस्कूल में तहज़ीबी प्रोग्रामु ———। (थींदो, थींदी, थींदा)
5. (तूं) कहड़े वक़्ति ———— ? (उथंदसु, उथंदुसि, उथंदीअं)
6. मूं खे घाघरो ऐं चोली ———। (खपेमि, खपे, खपेसि)
7. खर्च वधंदा ——— वञनि। (प्या, प्यो पेई)
8. असां घरि ——— पिएं। (व्यासूं, व्या, व्यासीं)
9. तव्हीं दहलीअ ——— रहया हुआ। (वञु, वञी, वञे)
10. ———— गांधीधामु वञे पेई। (मनीशु, ममता, ब़ार)

١. ڪَلهہ توکي بَزارِ ۾ ----------. (ڏِٺُمِ، ڏِٺسِ، ڏِٺئوُن)

٢. مان ڏَهليءَ ----------. (ويندو، ويُسِ، ويو)

٣. رام دوستَ کي خَطُ ---------. (لِکيُمِ، لِکيمِ، لِکيو)

٤. اِسڪوُل ۾ تَهذيبي پروگرامُ ----. (ٿيندو، ٿيندي، ٿيندا)

٥. (توُن) ڪهڙي وَقتِ ------ ؟ (اُٿندسُ، اُٿندُسِ، اُٿنديئَن)

٦. موُن کي گهاگهرو ۽ چولي -------. (کپيمِ، کپي، کپيسِ)

٧. خَرچَ وَڌندا ------ وَڃنِ. (پيا، پيو، پيئي)

٨. اَسان گَهرُ --------- پِئي. (وياسوُن، ويا، وياسين)

٩. تَوهين دهليءَ ------- رهيا هُئا. (وَڃُ، وَڃي، وَڃي)

١٠. ------- گانڌيڌامُ وَڃي پيئي. (مَنيشُ، ممتا، ٻار)

7. सही वाक्य पर सही का चिन्ह लगाइए।

1. तूं उदासु थींदो हूंदा।
   तूं उदासु थींदो हूंदें।
   तो उदासु थींदों हूंदें।
2. तमना संभाल करी हूंदी।
   तमना संभाल कंदो हूंदी।

١. توُن اُداسُ ٿيندو هوُندا.
توُن اُداسُ ٿيندو هوُندين.
تو اُداسُ ٿيندو هوُندين.

٢. تَمَنا سَنڀال ڪَري هوُندي.
تَمنا سَنڀال ڪَندو هوُندي.

तमना संभाल कंदी हूंदी।

3. सज॒ घर जो नक़्शो फिरी रहयो अथमि।

सज॒ घर जा नक़्शा फिरी रहयो अथमि।

सज॒ घर जो नक़्शा फिरी रहयो अथमि।

4. गोपीअ माउ पीउ जी शेवा कई।

गोपीअ माउ पीअ जो शेवा कई।

गोपी माउ पीउ जी शेवा कई।

5. खेसि कुझु न चयोमांसि।

खेसि कुझु न चयुमि।

खेसि कुझु न चइसि।

تَمنا سَنڀالَ ڪَندي هونُدي.

٣. سَڄي گهر جو نَقشو ڦِري رهيو اَٿمِ.

سَڄي گهر جا نَقشا ڦِري رهيو اَٿمِ.

سَڄي گهر جو نَقشا ڦِري رهيو اَٿمِ.

٤. گوپيءَ ماءُ پيءُ جي شيوا ڪَئي.

گوپيءَ ماءُ پيءُ جو شيوا ڪَئي.

گوپي ماءُ پيءُ جي شيوا ڪَئي.

٥. کيس ڪُجهُ نَہ چَيومانس.

کيس ڪُجهُ نَہ چَيُمِ.

کيس ڪُجهہ نَہ چَئِس.

8. पाठों के आधार पर दिए गए प्रश्नों के सही उतर पर सही का चिन्ह लगाइए।

1. संतु कंवर राम जो जनमु किथे थ्यो हो ?

जवाबु 1. जरवारनि नाले गा॒ठ में

2. रोहड़ीअ में 3. कच्छ में

2. सीतल जे अग॒यां छा फिरी रहयो हो ?

जवाबु 1. सज॒ घर जो नक़्शो

2. बा॒र 3. दोस्त

١. سَنتُ ڪَنوَرَ رام جو جَنَمُ ڪِٿي ٿيو هو ؟

جوابُ ١. جَروارنِ نالي ڳوٺ ۾

٢. روهڙيءَ ۾ ٣. ڪَڇ ۾

٢. سيتَل جي اَڳيان ڇا ڦِري رهيو هو ؟

جَوابُ ١. سَڄي گهر جو نَقشو.

٢. ٻارَ ٣. دوستَ

3. अजुकल्ह जूं ज़ालूं कहिड़यूं आहिनि ?

जवाबु 1. बेकार 2. मूर्ख 3. होशियारु

4. मोतीरामु किथां मोटयो पिए ?

जवाबु 1. घरां 2. टयूशन पढ़ाए 3. दुकान तां

5. बारनि जो ध्यानु छा में लगु प्यो।

जबावु 1. टी.वी ऐं रांदि में 2. पढ़ाइअ में 3. पिक्चर डिसणु में

6. अजुकल्ह जा मास्तर छा ते ज़ोरु डियनि प्या ?

जवाबु 1. रांदि ते 2. पढ़ाइअ ते 3. टयूशन ते

7. पमीअ जे इस्कूल में छा थींदो ?

जवाबु 1. आज़ादीअ जो डांहुं 2. बाल दिवसु 3. तहज़ीबी प्रोग्रामु

8. प्रोग्रामु जो मुख्य महमानु केरु थींदो ?

जवाबु 1. सिंधीअ जो मश्हूर लेखक 2. मश्हूर संगीतकारु
3. शाइरु

9. दीपक जो दोस्तु पहरीं किथे नौकरी कंदो हुओ ?

जवाबु 1. कानपूर 2. आगरा 3. कलकता

10. रोशन जे भाउ जे कालेज में छा जो मैचु हुओ ?

जवाबु 1. क्रिकेट जो 2. फुटबाल जो 3. हाकीअ जो

٣. اَڄُڪلهه جوُن زالوُن ڪِهڙيوُن آهِنِ ؟

جوابُ ١. بيڪارَ ٢. موُرک ٣. هوشيارُ

۴. موتيرامُ ڪِٿان موٽيو پِئي ؟

جوابُ ١. گهران ٢. ٽيوُشن پَڙهائي ٣. دُڪان تان

۵. ٻارنِ جو ڌيانُ ڇا ۾ لَڳي پيو ؟

جَوابُ ١. ٽي وي ۽ راندِ ۾ ٢. پَڙهائيءَ ۾ ٣. پڪچر ڏِسڻ ۾

٦. اَڄُڪلهه جا ماستَر ڇا تي زورُ ڏِيَنِ پيا ؟

جوابُ ١. راندِ تي ٢. پَڙهائيءَ تي ٣. ٽيوُشَن تي

٧. پَميءَ جي اِسڪوُل ۾ ڇا ٿِيندو ؟

جوابُ ١. آزاديءَ جو ڏِينهُن ٢. ٻال دِوسُ ٣. تَهذيبي پروگرامُ

٨. پروگرامُ جو مُکيه مَهمانُ ڪيرُ ٿِيندو ؟

جوابُ ١. سِنڌيءَ جو مَشهوُر ليکڪ ٢. مَشهوُر سَنگيِتڪارُ
٣. شاعرُ

٩. ديِپَڪ جو دوستُ پَهرينِ ڪِٿي نَوڪري ڪَندو هُئو ؟

جَوابُ ١. ڪانپوُرُ ٢. آگرا ٣. ڪَلڪَتا

١٠. روشَن جي ڀاءُ جي ڪاليج ۾ ڇا جو مَيچُ هُئو ؟

جوابُ ١. ڪِرڪيٽ جو ٢. فوٽبال جو ٣. هاڪيءَ جو

1. उदाहरण के अनुसार वाक्य बनाइए।

मिसालु : मूं तोखे कल्ह बज़ारि में ॾिठो।	مِثالُ : موُن توکي ڪَلهه بَزارِ ۾ ڏِٺو.
तोखे कल्ह बज़ारि में ॾिठुमि।	توکي ڪَلهه بَزارِ ۾ ڏِٺُمِ.
1. हुन मुंहिंजो कमु कोन कयो।	١. هُن مُنهِنجو ڪَمُ ڪونہ ڪَيو.
2. मूं हुन खे घरु अचण लाइ चयो।	٢. موُن هُن کي گهرُ اَچَڻُ لاءِ چَيو.
3. तो मुम्बई वञण लाइ सोच्यो।	٣. تو مُمبئيِ وَڃَڻ لاءِ سوچيو.
4. तव्हां घणेई कम कया	٤. تَوهان گهڻيئيِ ڪَمَ ڪيا.
5. असां ख़त लिख्या।	٥. اَسان خَطَ لکيا.

2. वाक्य में रेखांकित शब्द के स्थान पर 'खपे' का प्रयोग कीजिए।

1. मूं खे पेंसिल खपंदी।	١. موُن کي پينسِل کَپَندِي.
2. राम ख पापड़ु खपंदो।	٢. رامَ کي پاپڙُ کَپندو.
3. असां खे रोजु जो कमु रोजु करणु खपंदो हो।	٣. اَسان کي روزُ جو ڪَمُ روزُ ڪَرَڻُ کَپندو هو.
4. तव्हां खे नौकरी खपंदी हुई।	٤. تَوهان کي نَوڪرِي کَپَندِي هُئِي.
5. बारनि खे ध्यानु सां पढ़णु खपंदो हुओ।	٥. ٻارنِ کي ڌيانُ سان پَڙهڻُ کَپندو هُئو.

3. 'डिसणु' किया के उचित भविष्यकालिक रुप से वाक्यों की पूर्ति कीजिए।

1.	तूं इस्कूल जो प्रोग्रामु ————।	توُن اِسڪوُل جو پروگرامُ ---------.	۱.
2.	पुश्पा घरवारनि सां गडि प्रदर्शनी ————।	پُشپا گهروارنِ سان گَڏُ پردَرشنيِ ---------.	۲.
3.	उषा जो पीउ रात जो फिल्म ————।	اُشاجو پيِءُ رات جو فِلم ---------.	۳.
4.	लालचंद जा बार दयालबागु ————।	لالَچند جا ٻار دَيال باغُ ---------.	۴.
5.	असीं क्रिकेट रांदि ————।	اَسين ڪِرڪيٽ راندِ ---------.	۵.
6.	छा तव्हीं ताजमहलु ———— ?	ڇا تَوهِين تاجمحلُ ---------.	۶.
7.	मां हीउ किताबु कोन ————।	مان هيِءُ ڪِتابُ ڪونَ ---------.	۷.
8.	छा तव्हां अशोक जे दुकान ते साढ़ियूं ————।	ڇا تَوهِين اَشوڪ جي دُڪان تي ساڙهيوُن -------.	۸.

4. उचित मिलान कीजिए।

1.	खेसि	मैंने गाया	ڪيسِ	۱.
2.	खेनि	आया था	ڪينِ	۲.
3.	गातुमि	करता रहेगा	ڳاتُمِ	۳.
4.	पढ़युमि	उसको	پَڙهيُمِ	۴.
5.	आयो हो	बेच रहा होगा	آيو هو	۵.
6.	कंदो प्यो	उनको	ڪَندو پيو	۶.
7.	लिख्यो हो	ग़रीब	لِکيو هو	۷.

8. विकणी रहयो हूंदो	लूला	٨. وِڪِڻي رَهيو هوندو
9. भॻति	लिखा था	٩. ڀَڳتِ
10. मिस्कीनु	कीर्तन	١٠. مِسڪينُ
11. लूलो	मैंने पढ़ा	١١. لُولو

5. कोष्ठक के उचित शब्द से वाक्य पूर्ति कीजिए।

(छा छा, रहयो हूंदो, थींदो हूंदे, हलंदा हूंदा, कंदी पेई)

(ڇا ڇا، رَهيو هوندو، ٿِيندو هوندين، هَلندا هوندا، ڪَنديِ پيئي)

1. ——— थी रहयो हूंदो ?	١. -------- ٿي رَهيو هوندو ؟
2. भाभी सभु संभाल ———।	٢. ڀاڀي سَڀُ سَنڀالُ -------- .
3. घर में सभु कीअं ——— ?	٣. گهرَ ۾ سَڀُ ڪيئَن ----------؟
4. केरु छा करे ——— ?	٤. ڪيرُ ڇا ڪَري ---------؟
5. तूं छा सोचे उदासु ——— ?	٥. تون ڇا سوچي اُداسُ -----------؟

6. उदाहरण के उनुसार वाक्य के तीन वाक्य बनाइए।

मिसालु : मोहनु अॼ इस्कूटर ते आफ़ीसु व्यो।	مِثالُ : موهنُ اَڄُ اِسڪوٽَر تي آفِيسُ ويو.
1. मोहनु अॼ इस्कूटर ते आफ़ीसु व्यो हो।	١. موهنُ اَڄُ اِسڪوٽَر تي آفِيسُ ويو هو.
2. मोहनु अॼ इस्कूटर ते आफ़ीसु व्यो आहे।	٢. موهنُ اَڄُ اِسڪوٽَر تي آفِيسُ ويو آهي.
3. मोहनु अॼ इस्कूटर ते आफ़ीसु व्यो हूंदो।	٣. موهنُ اَڄُ اِسڪوٽَر تي آفِيسُ ويو هوندو.

1. बा॒र अज॒ इस्कूल छहें लग॒ व्या।	١- ٻار اَڄ اِسڪوُل ڇهين لڳي ويا.
2. काका सुबुह जो पार्कु व्या।	٢. ڪاڪا صُبُح جو پارڪُ ويا.
3. मनीष जे दोस्त जो ख़तु जयपुर मां आयो।	٣. مَنيش جي دوسَت جو خَطُ جَيپوُر مان آيو.
4. शीला ताज़यूं ताज़यूं भाजि॒यूं आंदयूं।	٤. شيِلا تازيوُن تازيوُن ڀاڄيوُن آنديوُن.
5. मीना घर जे कम सां बज़ारि वेई।	٥. مِينا گهر جي ڪَمَ سان بَزارِ ويئي.

7. उदहारण के अनुसार प्रत्येक वाक्य के पांच वाक्य बनाइए।

मिसालु : शीला भाजि॒ो वठी रही आहे।	مِثالُ : شيِلا ڀاڄِي وَٺي رَهي آهي.
1. शीला भाजि॒ो वठी रही हूंदी।	١. شيِلا ڀاڄِي وَٺي رَهي هوُندي.
2. शीला भाजि॒ो वठंदी पेई।	٢. شيِلا ڀاڄِي وَٺندي پيئي.
3. शीला भाजि॒ो वठी रही हुई।	٣. شيِلا ڀاڄِي وَٺي رَهي هُئي.
4. शीला भाजि॒ो वठंदी हूंदी।	٤. شيِلا ڀاڄِي وَٺندي هوُندي.
5. शीला भाजि॒ो वठंदी रहंदी।	٥. شيِلا ڀاڄِي وَٺندي رَهندي.

1. तूं छा करे रहयो आहीं ?	١. توُن ڇا ڪَري رَهيو آهين ؟
2. रामु रांदि करण वञी रहयो आहे।	٢. رامُ راندِ ڪَرَڻ وَڃي رَهيو آهي.
3. कालेज में फुटबाल मैचु थी रहयो आहे।	٣. ڪاليج ۾ فوٽبال مَيچُ ٿي رَهيو آهي.
4. किशोर अजमेर वञण लाइ सोचे रहयो आहे।	٤. ڪِشور اَجمير وَڃَڻ لاءِ سوچي رَهيو آهي.
5. रोशनु शादीअ जी कैसेट डि॒सी रहयो आहे।	٥. روشنُ شاديءَ جي ڪَيسيٽ ڏِسي رَهيو آهي.

8. नीचे दिए गए शब्दों को सिन्धी में लिखिए।

1. पोशाक
2. हिस्सा लेना
3. प्रसन्न
4. स्वस्थ
5. आनंद
6. बाल बच्चे
7. वेतन
8. ख़र्चा
9. माध्यम
10. मनोरंजन

9. नीचे दिए शब्दों को हिंदी में लिखिए।

1.	आथतु	آٿَتُ	١.
2.	इश्तहारु	اِشتهارُ	٢.
3.	पाणे ही	پاڻي هِي	٣.
4.	मसवाड़	مَسواڙ	۴.
5.	फी इलहाल	فِي اِلحالُ	۵.
6.	घर	گَهر	٦.

7.	संबतु	سَنبَتُ	۷.
8.	शेवा	شيوا	۸.
9.	भज़नु	ڀَڄنُ	۹.
10.	धंधोधाड़ी	ڌَنڌو ڌاڙي	۱۰.
11.	पहराउ	پَهراءُ	۱۱.
12.	पग॒	پَڳ	۱۲.
13.	पटो	پَٽو	۱۳.
14.	धणी	ڌَڻي	۱۴.
15.	यारु	يارُ	۱۵.

10. शब्दों को जोड़िए।

1.	चयो + मां + सि	چَيو + مان + سِ	۱.
2.	चयो + मां + व	چَيو + مان + وَ	۲.
3.	ब॒धो + मि	ٻُڌو + مِ	۳.
4.	ब॒धायो + मि	ٻُڌايو + مِ	۴.
5.	ब॒धु + इ	ٻُڌُ + ءِ	۵.

11. शब्दों को विभक्त कीजिए।

1.	लिख्याईं	لِکيائين	۱.
2.	पढ़युमि	پڙهيُمِ	۲.
3.	चयाउं	چَيائون.	۳.

4. बुधायाउंसि	۴. ٻُڌايائونسِ
5. कयव	۵. ڪَيَوَ

12. निम्नलिखित वाक्यों का सिंधी में अनुवाद कीजिए।

1. कल मैंने तुम्हें बाज़ार में देखा।
2. तुम दिल्ली काम से गए थे या घूमने गए।
3. दिल्ली में अर्न्तराष्ट्रीय मेला लगा है।
4. शाम को मुझे लौटने में देर होगी।
5. आजकल पढ़ाई का स्तर कम होता जा रहा है।
6. हम बिना किसी बात के बेकार चिंता करते रहते हैं।
7. क्या तुम्हें कोई किराए का मकान ध्यान में है।
8. मेरे दोस्त का पिछले महीने स्थानांतरण हुआ है।
9. संत कंवरराम दया की मूर्ति, चमत्कार के धनी थे।
10. वे घर से सामान ला रहे होंगे।

13. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए।

1. रिक्शावारे खे चई छडयोसि त उहो सुबुह जो जल्दी अचे।	١. رِڪشاواري کي چَئي ڇَڏيوسِ تہ اُهو صُبُحَ جو جَلدِي اچي.
2. खुश, चाकु, परसनु, बार बचा सभु मज़े में।	٢. خوش، چاڪُ، پَرسنُ، ٻارَ ٻچا سَڀُ مَزي ۾.
3. अचण खां अवलि ज़ाल खे समझायुमि।	٣. اَچڻ کان اَولَ زال کي سَمجهايُمِ.

4. शामूअ जे घर वटि टिनि कमरनि जो घर मसवाड़ लाइ ख़ाली हो।
5. किशन इस्कूल जो सभु कमु सुठे नमूने संभाल्यो।
6. जीवतु ॿाहिरि जा घणेई कम करे रहयो आहे।
7. हिन महांगाई जे वक़्त में पघार मां पूरति कीअं थींदी ?
8. तव्हां सुबुह जो कहड़े वक़्तु उथ्या हुआ ?
9. दादा कविता जी शादीअ लाए ॻाल्हयूं करण व्या।
10. अहड़ा ॾींहं हमेशह ईंदा रहंदा।

۴. شاموءَ جي گهرَ وَٽِ ٽِنِ ڪَمَرنِ جو گهرُ مَسواڙَ لاءِ خالِي هو.
۵. ڪِشنَ اِسڪوُل جو سَڀُ ڪَمُ سُٺي نَموُني سَنڀاليو.
٦. جِيوَتُ ٻاهِرِ جا گهڻيئِي ڪَمَ ڪَري رَهيو آهي.
۷. هِنَ مهانگائِي جي وَقت ۾ پَگهار مان پوُرتِ ڪِيئَن ٿِيندِي ؟
۸. تَوهان صُبُحَ جو ڪَهڙي وَقتُ اُٿيا هُئا ؟
۹. دادا ڪَوِتا جِي شادِيءَ لاءِ ڳالهيوُن ڪَرڻ ويا.
۱۰. اَهڙا ڏِينهن هَميشه اِيندا رَهندا

पाठ 13

प्रदर्शनी

अंजना : कविता, सुनो। आजकल रामलीला मैदान में प्रदर्शनी लगी हुई है। कल के अख़बार में विज्ञापन दिया हुआ है।

कविता : ठीक है। हम ज़रूर चलेंगे। इन दिनों मेरा भाई रोशन भी आया हुआ है। इकट्ठे ही चलेंगे। तेरी बहन लता भी तो आई हुई होगी। उसे भी ले चलो, न।

अंजना : ठीक है। सभी साथ में चलेंगे।

रोशन : अरे, वाह! यहां तो पूरा मेला लगा हुआ है। जैसे कि पूरा देश ही यहां इकट्ठा हुआ है। देश के हर प्रांत की हस्तकला के स्टाल लगे हुए हैं।

कविता : देखो, अंजना। हिमाचल प्रदेश की यह शाल कितनी न सुंदर है। मैं तो यह अपने लिए लेती हूं। तुम भी अपने लिए लो न।

सबक़ 13

निमाइश

अंजना : कविता, बु॒धु। अज॒कल्ह राम लीला मैदान में निमाइश लग॒ल आहे। कल्ह जे अख़बार में इश्तहारु डि॒नल आहे।

कविता : ठीकु आहे। असीं ज़रुर हलंदासीं। हिननि डॊं॒हनि में मुंहिंजो भाउ रोशनु बि आयलु आहे। सभु गड॒जी हलंदासीं। तुंहिंजी भेण लता बि त आयल हूंदी। उन खे बि वठी हलु,न।

अंजना : ठीकु आहे। सभेई गड॒ हलंदासीं।

रोशनु : अड़े, वाह! हिते त पूरो मेलो लग॒लु आहे। ज॒णकि पूरो मुल्क़ ई हिते कठो थ्यो आहे। मुल्क़ जे हर प्रांत जे हथजे हुनरनि जा इस्टाल लग॒ल आहिनि।

कविता : डि॒सु, अंजना। हिमाचल प्रदेश जी हीअ शाल केतरी न सुहणी आहे। मां त हीअ पंहिंजे लाइ वठां थी। तूं बि पंहिंजे लाइ वठु न।

سَبَقُ ١٣

نِمائِش

اَنجنا : ڪِوتا ٻُڌُ! اَڄُڪَلهہ رام لِيلا مَيدانَ ۾ نِمائِشَ لڳَلَ آهي. ڪَلهہ جي اَخبارَ ۾ اِشتهارُ ڏِنَلُ هُئو.

ڪَوِتا : ٺيڪُ آهي. اَسِين ضَرورُ هَلَنداسِين. هِنَنِ ڏِينهَنِ ۾ مُنهِنجو ڀاءُ روشَنُ بِہ آيلُ آهي. سَڀُ گڏجي هَلَنداسِين. تُنهِنجي ڀيڻ لَتا بِہ تَہ آيَلَ هونديِ. اُنَ کي بِہ وَٺي هَلُ نَہ.

اَنجنا : ٺيڪُ آهي. سڀيئي گَڏُ هَلَنداسِين.

روشَنُ : اَڙي واهہ! هِتي تَہ پورو ميلو لڳَلُ آهي. ڄڻڪِ پورو مُلڪُ ئِي هِتي ڪَٺو ٿيو آهي. مُلڪَ جي هَر پرانتَ جي هَٿَ جي هُنرَنِ جا اِسٽالَ لڳَلَ آهِنِ.

ڪَوِتا : ڏِسُ اَنجنا! هِماچَلَ پَرديشَ جي هيءَ شالَ ڪيتري نَہ سُهڻي آهي. مان تَہ هيءَ پَنهِنجي لاءِ وٺان ٿِي. تون بِہ پَنهِنجي لاءِ وٺُ نَہ.

अंजना : नहीं, मेरी तो पहले ही ऐसी दो शालें ली हुई हैं। मैं तो अपने लिए एक मैसूर सिल्क की साढ़ी लूंगी। मैसूर की सादा और ज़री सिल्क बहुत अच्छी होती है।

लता : देखो यहां अलग अलग प्रांतों के लोक कलाकार भी आए हुए हैं। उन्होने अपने अपने प्रांत की वेशभूषा पहनी हुई है। चलो तो उनका गाना और नाच देखें।

अंजना : रोशन, तुम तो बहुत से स्थान घूमें होंगे।

रोशन : हां, मैं अपने देश में तो कई स्थानों पर गया हुआ हूं । मेरे उतर पूर्व में सिक्किम, दार्जलिंग,उत्तर में शिमला, देहरादून, मसूरी पश्चिम में राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोआ और दक्षिण में तमिलनाडु, कर्नाटक में कई स्थान घूमें हुए हैं । पहले भी मैं एक महीने

अंजना : न, मुंहिंज्यूं त पंहरीं ई अहिड़यूं ॿ शालूं वर्तल आहिनि। मां त पंहिंजे लाइ हिक मैसूरु सिल्क जी साढ़ी वठंदसि। मैसूर जी प्लेन ऐं ज़रीअ वारी सिल्क ॾाढी सुठी हूंदी आहे।

लता : ॾिसो हिते अलगि अलगि प्रांतनि जा लोक कलाकार बि आयल आहिनि। खेनि पंहिंजनि पंहिंजनि प्रांतनि जा वेस वॻा पातल आहिनि। हलो त हिननि जो ॻाइणु ऐं नाचु ॾिसूं।

अंजना : रोशन, तूं त घणेई हंध घुमियल हूंदें ?

रोशनु : हा, मां पंहिंजे मुल्क जे त घणन ई हंधनि ते व्यलु आहयां। मुंहिंजा उतर ओभर में सिकिम, दार्जलिंग, उतर में शिमला, देहरादूनु, मसूरी, ओलह में राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोआ ऐं ॾखण में तमिलनाडू ऐं कर्नाटक जा घणेई हंध ॾिठल आहिनि। अगि में मां

اَنجنا : نَہ، مُنهِنجيوُن تَہ پَهرِين ئِي اَهڙيوُن ٻَہ شالوُن وَرتَلَ آهنِ مان تَہ پَنهِنجي لاءِ هِڪ مَيسوُر سِلڪ جي ساڙهي وَٺندَسِ. مَيسوُر جي پلين ۽ زريءَ واري سِلڪ ڏاڍي سُٺي هوُندي آهي.

لَتا : ڏِسو هِتي اَلَڳِ اَلَڳِ پرانتَنِ جا لوڪ ڪَلاڪارَ بہ آيَلَ آهنِ. ڪينِ پَنهِنجَنِ پَنهِنجَنِ پرانتَنِ جا ويسَ وَڳا بہ پاتَلَ آهنِ. هَلو تَہ هِنَنِ جو ڳائِڻُ ۽ ناچُ ڏِسوُن.

اَنجنا: روشَنَ! توُن تَہ گهڻيئِي هَنڌَ گهُميَلُ هوُندين ؟

روشَنُ : ها، مان پَنهِنجي مُلڪ جي تَہ گهڻنِ ئِي هَنڌَنِ تي ويَلُ آهيان. مُنهِنجا اُتَرَ اوڀَرَ ۾ سِڪم، دارجلِنگ، اُتَرَ ۾ شِملا، ديهرادوُنُ، مَسوُرِي اولَهہ ۾ راجستان، گُجرات، مَهاراشٽر، گوئا، ۽ ڏَکڻ ۾ تَمِلَنادوُ ۽ ڪَرناٽَڪ جا گهڻيئِي هَنڌَ ڏِٺَلَ

के लिए यूरोप गया हुआ था।
वहां भी देखने और घूमने योग्य
कई स्थान हैं । नए स्थानों पर घूमने
से वहां के रहनेवालों के रहन
सहन, वेश भूषा, खान पान व्यवहार
आदि की जानकारी हासिल होती
है।

कविता : अच्छा, चलो तो कुछ खाएं पीएं।
देखो, वहां चाट पकौड़े, मिठाई,
आईस्क्रीम आदि के स्टाल लगे हुए
हैं।

लता : देखो यहां कितने स्कूलों के लड़के
लड़कियां आए हुए हैं।

अंजना : लता, देखो। उधर कुछ गुब्बारों और
खिलौनेवाले खड़े हुए हैं। अपने
भतीजे भतीजी राजा और रानी के
लिए कुछ गुब्बारे और खिलौने ले
चलें। वे बहुत ख़ुश होंगे।

लता : भले ही। अगर मां पिताजी यहां
नहीं आए होंगे, तो उनको भी कहेंगे
कि ज़रुर आएं।

हिक महने लाइ यूरोप व्यलु होसि।
उते बि ड॒िसण ऐं घुमण लाइ घणेई
हंध आहिनि। नंवनि हंधनि ते घुमण
सां उतां जे रहंदड़नि जी रहणी
करणी, वेसनि वग॒नि, खाधनि
पीतनि हलति चलति जी ज॒ाण
हासलु थींदी आहे।

कविता : चङो हलो त कुझु खाऊं पीऊं।
ड॒िसो, उते चाट पकोड़नि, मिठाईअ,
आइस्कीम वग़ैरह जा इस्टाल लग॒ल
आहिनि।

लता : ड॒िसो, हिते केतिरनि इस्कूलनि जा
छोकरा छोकरयूं आयल आहिनि।

अंजना : लता, ड॒िसु। होड॒ाहुं कुझु फूकणनि
ऐं रांदीकन वारा बीठल आहिनि।
पंहिंजे भाइटये भाइटीअ राजा ऐं
राणीअ लाइ कुझु फूकणा ऐं रांदीका
वठी हलूं। हू ड॒ाढो ख़ुशि थींदा।

लता : भले। जे ममी दादा हिते न आयल
हूंदा, त उन्हनि खे बि चवंदासीं त
ज़रुर अचनि।

آهِن. اَڳ ۾ مان هِڪَ مَهِني لاءِ
يُوروپ وِيَلُ هوس. اُتي بِہ ڏِسَڻَ
۽ گهُمَڻَ لاءِ گهڻيئِي هَنڌ آهِن.
نَوَنِ هَنڌَنِ تي گهُمَڻَ سان اُتان
جي رَهَندڙنِ جي رَهڻي ڪَرڻي،
ويسَنِ وَڳَنِ ، کاڌَنِ پيتَنِ، هَلَت
چَلَت جي ڄاڻ حاصلُ ٿيندي آهي.

ڪَوِتا : چڱو هَلو تَہ ڪُجهہ کائُون پيئُون.
ڏِسو، اُتي چاٽَ پَڪوڙَنِ، مِٺائيءَ
آئيسڪريم وَغيرَهہ جا اِسٽالَ لَڳَلَ
آهِن.

لَتا : ڏِسو، هُتي ڪيترَنِ اِسڪوُلنِ جا
ڇوڪرا ڇوڪريوُن آيَلَ آهِن.

اَنجنا : لَتا ڏِسُ، هوڏانهُن ڪُجهہ ڦوڪڻَنِ
۽ رانديڪَنِ وارا ويٺَلَ آهِن. پَنهِنجي
ڀائٽيي ڀائِٽِيءَ راجا ۽ راڻِيءَ لاءِ
ڪُجهہ ڦوڪڻا ۽ رانديڪا وَٺِي
هَلوُن. هوُ ڏاڍو خوُشِ ٿيندا.

لَتا : ڀَلي. جي مَمِي دادا هِتي نَہ آيَلَ
هوُندا، تَہ اُنهَنِ کي بِہ چَوَنداسين
تَہ ضَروُر اَچِنِ.

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिन्धी
वेश भूषा	वेस वॻा	ويس وَڳا
पहनना	पाइणु	پائڻُ
पहने हुए हैं	पातल आहिनि	پاتَل آهِنِ
गाना (कि)	ॻाइणु	ڳائڻُ
नृत्य	नाचु	ناچُ
स्थान	हंधु	هَنڌُ
उत्तर (दिशा)	उतरु	اُتَرُ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिन्धी
सुंदर	सुहणो	سُهڻو
कितना	केतरो	ڪيترو
ऐसा	अहड़ो	اَهڙو
ली हुई है	वर्तल आहिनि	وَرتَل آهِنِ
अलग अलग	अलॻि अलॻि	اَلَڳِ اَلَڳِ
गुब्बारा	फूकणो	ڦوڪڻو
खिलौना	रांदीको	رانديڪو

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिन्धी
प्रदर्शनी	निमाइश	نمائِش
लगी हुई है	लॻल आहे	لَڳَل آهي
दिया हुआ था	ॾिनलु हुओ	ڏِنَلُ هُئو
आया हुआ है	आयलु आहे	آيَلُ آهي
इकट्ठा	कठो	ڪٺو
आई हुई होगी	आयल हूंदी	آيَل هوندِي
ले चल	वठी हलु	وٺي هَلُ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिंधी
लड़का	छोकरो	ڇوڪرو
लड़की	छोकरी	ڇوڪري
खड़ा होना	बिहणु	بيهڻ
भतीजा	भाइटयो	ڀائٽيو
भतीजी	भाइटी	ڀائٽي
जैसे कि	ॼणकि	ڄڻڪ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिंधी
रहनेवाला	रहण वारो	رهڻ وارو
रहन सहन	रहणी करणी	رهڻي ڪرڻي
खाना पीना	खाधो पीतो	کاڌو پيتو
चाल चलन	हलति चलति	هلت چلت
जानकारी	ॼाण	ڄاڻ
मीठाई	मिठाई	مٺائي

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिंधी
पूर्व (दिशा)	ओभरु	اوڀر
पश्चिम (दिशा)	ओलह	اولهه
दक्षिण (दिशा)	ॾखणु	ڏکڻ
देखने योग्य	ॾिसण लाइ	ڏسڻ لاءِ
नया	नओं	نئون
नए	नवां	نوان

1. **उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।**

मिसालु : अजुकल्ह रोशन आयो आहे। — مِثالُ : اَڄُڪلهہ روشَن آيو آهي.

अजुकल्ह रोशनु आयलु आहे। — اَڄُڪلهہ روشَن آيَلُ آهي.

1 लता मिठाई वठण वेई आहे। — ا. لَتا مِٺائِي وَٺَڻ ويئِي آهي.

2 मुंहिंजो भाउ बाहिरि व्यो आहे। — ٢. مُنهِنجو ڀاءُ ٻاهِر ويو آهي.

3 राधा आगरा पहरीं बि वेई आहे। — ٣. راڌا آگرا پَهرِين ٻِہ ويئِي آهي.

4 मुंहिंजा दादा सिंधु मां आया आहिनि। — ۴. مُنهِنجا دادا سِنڌُ مان آيا آهِن.

5 बार सुबुह जो सतें बजे खां इसकूल व्या आहिनि। — ۵. ٻارَ صُبُحَ جو سَتين بَجي کان اِسڪوُل ويا آهِن.

2. *पाठ के आधार पर प्रश्नों के उतर दीजिए।*

1 अंजना कविता खे किथे हलण लाइ चयो ? — ا. اَنجنا ڪَوِتا کي ڪِٿي هَلَڻ لاءِ چَيو ؟

2 कविता जे भाउ जो नालो छा आहे ? — ٢. ڪَوِتا جي ڀاءُ جو نالو ڇا آهي ؟

3 अंजना जी भेण जो नालो छा आहे ? — ٣. اَنجنا جي ڀيڻَ جو نالو ڇا آهي ؟

4 अंजना खे निमाइश जो पतो कीअं लगा ? — ۴. اَنجنا کي نِمائِش جو پَتو ڪيئَن لَڳو ؟

5 अंजना निमाइश मां पंहिंजे लाइ छा वर्तो ? — ۵. اَنجنا نِمائِش مان پَنهِنجي لاءِ ڇا وَرتو ؟

टिप्पणियां

I सिंधी में भी अन्य अधिकांश भाषाओं की तरह दो लिंग, पुल्लिंग और स्त्रीलिंग होते हैं। स्त्रीलिंग संज्ञाएं सामान्यतः अकारांत, इकारांत या ईकारांत होती है, जैसा कि नीचे के उदाहरणों में देखा जा सकता है।

1	बेटी	धीअ	ا. ڌيءِ
2	बहन	भेण	٢. ڀيڻَ
3	भूल	भुल	٣. ڀُلَ
4	जानकारी	जाण	۴. ڄاڻَ

5	वस्तु	शै	۵. شي
6	बात	गाल्हि	٦. ڳالهه
7	कमर	चेल्हि	٧. چيلهه
8	आंख	अखि	٨. اَکِ
9	लड़की	छोकरी	٩. ڇوڪري
10	भाभी	भाजाई	١٠. ڀاڄائي
11	सब्ज़ी	भाजो	١١. ڀاڄي
12	नौकरी	नौकरी	١٢. نوڪري
13	बकरी	बकरी	١٣. ٻڪري
14	रेत	वारी	١٤. واري

पुलिंग संज्ञाए सामान्यतः ओकारांत या उकारांत होती है जैसा कि नीचे दिए गए उदाहरणों से स्पष्ट है।

1	लड़का	छोकरो	١. ڇوڪرو
2	पैसा	पैसो	٢. پيسو
3	रुपया	रुपयो	٣. رُپيو
4	कमरा	कमरो	٤. ڪمرو
5	बकरा	बकरो	٥. ٻڪرو
6	घोड़ा	घोड़ो	٦. گهوڙو

7	बेटा	पुटु	٧. پُٽُ
8	भाई	भाउ	٨. ڀاءُ
9	सूर्य	सिजु	٩. سِجُ
10	दुकान	दुकानु	١٠. دُڪانُ
11	आवाज़	आवाजु	١١. آوازُ
12	किताब	किताबु	١٢. ڪِتابُ
13	नाक	नकु	١٣. نَڪُ
14	हाथ	हथु	١٤. هَٿُ
15	फ़र्श	पटु	١٥. پَٽُ
16	चांद	चंडु	١٦. چَنڊُ
17	देश	मुल्कु	١٧. مُلڪُ

सिंधी में कुछ संज्ञाओं का प्रयोग केवल पुल्लिंग के रूप में होता है और उनके समानांतर स्त्रीलिंग रूप नहीं होत, और कुछ संज्ञाएं केवल स्त्रीलिंग होती हैं, जैसा कि निम्नलिखित उदाहरणों से स्पष्ट है।

		स्त्रीलिंग	
1	मक्खी	मखि	١. مَکِ
2	मछली	मछी	٢. مَڇي

3	कोयल	कोइलि	٣. ڪوئِل
4	छिपकली	किरड़ी	٤. ڪِرڙِي
		पुल्लिंग	
1	मच्छर	मछरु	١. مَڇرُ
2	खटमल	मुंघुणु	٢. مُنگهڻُ
3	मगरमच्छ	वाघू	٣. واگهوُ
4	ख़रगोश	सहो	٤. سَهو

सिंधी में एक और प्रकार की पुल्लिंग संज्ञाएं उनके स्त्रीलिंग रूपों में कुछ परिर्वतन करके बनाई जाती है।

	स्त्रीलिंग		पुल्लिंग	
1	पुफी	١. ڦُڦي	पुफड़ु	١. ڦُڦڙُ
	फूफी		फूफा	
2	मासी	٢. ماسي	मासड़ु	٢. ماسَڙُ
	मौसी		मौसा	
3	भेण	٣. ڀيڻَ	भेणवियो	٣. ڀيڻويو
	बहन		बहनोई	

RESPONSE SHEET - 13 جَوابي پيپَرُ ١٣ **उतरपत्रिका –13**

1. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उतर दीजिए।

1 निमाइश किथे लग॒ल हुई ?

١ نِمائِش ڪِٿي لَڳَل هُئي ؟

---

2 निमाइश ड॒िसण केरु केरु व्या ?

٢ نِمائِش ڏسَڻ ڪيرُ ڪيرُ ويا ؟

---

3 अंजना खे निमाइश मां छा वठणो आहे ?

٣ اَنجنا کي نِمائِش مان ڇا وَٺڻو آهي ؟

---

4 रोशनु पंहिंजे मुल्क में किथे किथे घुमियलु आहे ?

٤ روشَن پَنهِنجي مُلڪ ۾ ڪِٿي ڪِٿي گُهمِيل آهي ؟

---

5 लता पंहिंजे भाइटे ऐं भाइटीअ लाइ छा थी वठणु चाहे ?

٥ لتا پَنهِنجي ڀائِٽي ۽ ڀائِٽيءَ لاءِ ڇا ٿِي وَٺڻُ چاهي ؟

---

2. कोष्ठक में से अचित शब्द चुनकर वाक्यों की पूर्ति कीजिए।

1 राम जो पंहिंजो स्कूटर दोस्त खे ———— आहे।

(ड॒िनल, ड॒िनलु)

١ رام جو پَنهِنجو اِسڪوٽَر دوست کي ------------- آهي.

(ڏنَل، ڏِنَلُ)

2 राधा जो टैगोर जो शइरु ———— आहे।

(पढ़ियल, पढ़ियलु)

٢ راڌا جو ٽيگور جو شعر -------------- آهي.

(پڙهيلُ، پڙهيل)

3 शीला गांधीधाम पहरीं बि ———— आहे।

(आयल, आयलु)

٣ شيلا گانڌيڌام پهرِين ٻہ ------------ آهي.

(آيَل، آيلُ)

4 मुंहिंजा संत कंवरराम जा भज॒न ———— आहिनि।

(ब॒धल, ब॒धलु)

٤ مُنهنجا سَنت ڪنوررام جا ڀَڄن ------------ آهِن.

(ٻُڌل، ٻُڌلُ)

5 शाह लतीफ़ जो शइरु मूं वटि ———— आहे।

(लिख्यल, लिख्यलु)

٥ شاه لَطيف جو شَعرُ موُن وَٽِ -------------- آهي.

(لِکيَل، لِکيَلُ)

3. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उचित रूपों से वाक्यों की पूर्ति कीजिए।

1 कविता जो भाउ ब॒ाहरां ———— आहे। (अचणु)

١ ڪوتا جو ڀاءُ ٻاهران ----------- آهي. (اَچڻُ)

2 हीअ फ़िल्म मुंहिंजी ———— आहे। (ॾिसणु)

٢ هيءَ فِلم مُنهِنجي ------------ آهي. (ڏسڻُ)

3 ॿार सुबुह जो ———— आहे। (उथणु)

٣ ٻارَ صُبُحَ جو------------ آهي. (اُٿڻُ)

4 दीपकु अॼु देरि ताईं ———— आहे। (सुमहणु)

٤ ديپَڪُ اَڄُ ديرِ تائِين ------------ آهي. (سُمهڻُ)

5 हरीशु मूं वटि ———— आहे। (रहणु)

٥ هَرِيشُ مون وَٽِ ------------ آهي. (رَهڻُ)

4. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : ॿारनि इस्कूल जो कमु कयो आहे।

ॿारनि जो इस्कूल जो कमु कयलु आहे।

مِثالُ : ٻارنِ اِسڪوُل جو ڪَمُ ڪيو آهي.

ٻارنِ جو اِسڪوُل جو ڪَمُ ڪيلُ آهي.

1 रोशन निमाइश ॾिठी आहे।

١ روشَن نِمائِش ڏِٺي آهي.

____

- -

2 राजा ऐं राणीअ इस्कूल जो कमु कयो आहे।

٢ راجا ۽ راڻِيءَ اِسڪوُل جو ڪَمُ ڪيو آهي.

____

- -

3 रमेशु कलकता घुमयो आहे।

٣ رَميشُ ڪَلڪَتا گھُميو آهي.

____

- -

4 राधा सवेल ई मानी खाधी आहे।	۴. راڌا سَويل ئي مانيِ کاڌيِ آهي.
———————————————	- -
5 हरीश, शिवानीअ जा घणेई उपन्यास पढ़या आहिनि।	۵ هَريِش، شِوانيِءَ جا گَهڻيئيِ اُپنياس پَڙهِيا آهِنِ.
———————————————	- -

5. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के सिंधी रूपों से वाक्यों की पूर्ति कीजिए।

1 मूं खे डुखण जो —————— सुठो लगदो आहे।	۱ موُن کي ڏَکَڻ جو - - - - - - - - - - - - سُٺو لَڳندو آهي.
(खाना पीना)	(کانا-پِينا)
2 गोठनि जी ——————— सादी आहे। (रहन सहन)	۲ ڳوٺَنِ جيِ - - - - - - - - - - - - - - سادِي آهي. (رهن سهن)
3 असां जे शहर में घणेई सुठा ———— आहिनि। (मिठाईवाले)	۳ اَسان جي شَهر ۾ گَهڻيئيِ سُٺا - - - - - - - - - - آهِنِ. (مِٺائيِوالي)
4 बार —————— जे पुठयां भजनि प्या। (खिलौनेवाला)	۴ ٻار - - - - - - - - - - - - - - جي پُٺيان ڀَڄِنِ پيا. (کِلَونيوالا)
5 राजू ————— खां फूकिणा वठे प्यो। (गुब्बारे वाला)	۵ راجوُ - - - - - - - - - - - - - کان ڦوُڪڻا وَٺي پيو. (گُباري والا)

6. निम्नलिखित वाक्यों का सिंधी में अनुवाद कीजिए।

1 मैं हैदराबाद कई बार गया हुआ हूं।

____

2 राजू पूरा देश घूमा हुआ है।

____

3 मैं सुबह 5 बजे से उठा हुआ हूं।

____

4 'गोरा' उपन्यास टैगोर का लिखा हुआ है।

____

5 श्याम सरकारी काम से दिल्ली गया हुआ है।

____

पाठ 14

महंगाई

कमला : अरे शीला। कहां से आ रही हो ? बहुत थकी हुई लग रही हो।

शीला : क्या कहूं कमला। राशन की दुकान पर पूरा घंटा लाईन में खड़ा रहना पड़ा। तब भी पूरा राशन नहीं मिल सका। सिर्फ चीनी ही मिली। वहां से फिर सब्ज़ी और दाल लेने भी जाना पड़ा, क्योंकि घर में सभी चीजें समाप्त हो गई थी। बाज़ार से वापस आते वक़्त तो चल ही नहीं सक रही थी। कुछ भार भी अधिक उठाना पड़ा और ऊपर से महंगाई ने भी कमर तोड़ दी है।

कमला : कह तो ठीक रही हो। पहले बड़े कहते थे कि दाल रोटी खाओ और ख़ुश रहो पर आजकल दालें भी इतनी महंगी हो गई है कि आम आदमी दाल भी नहीं खा सकता।

सबकु 14

महांगाई

कमला : अड़े शीला। किथां पेई अचीं ? <u>डा</u>ढी थकल थी ल<u>गां</u>।

शीला : छा चवां कमला। राशन जे दुकान ते पूरो कलाकु क़तार में बीहणो प्यो। त बि पूरो राशनु न मिली सघयो। रु<u>गो</u> खंडु ई मिली। उतां वरी भा<u>जो</u> ऐं दालि बि वठण वञणो प्यो, छो त घर में सभ शयूं ख़तमि थी वयूं हुयूं। बज़ारि मां वापसि ईंदे वक़्ति त हली का न पेई सघां। कुझु बारु बि वधीक खणणो प्यो, ऐं मथां महांगाईअ बि चेल्हि चि<u>बो</u> करे छ<u>डो</u> आहे।

कमला : चवीं त ठीकु थी। अ<u>गु</u> में व<u>डा</u> चवंदा हुआ, त दालि रोटी खाओ ऐं ख़ुश रहो, पर अ<u>ज</u> कल्ह दालयूं बि एतरयूं महांगयूं थी वेयूं आहिनि जो आम माण्हूं दालि बि नथो खाई सघे।

سَبَقُ ١۴

مَهانگائِي

ڪَملا : اَڙي شيِلا! ڪِٿان پيئِي اَچين ؟ ڏاڍِي ٿَڪَلَ ٿي لَڳين ؟

شيِلا : ڇا چَوان ڪَملا. راشَن جي دُڪانَ تي پوُرو ڪَلاڪُ قَطار ۾ بيهڻو پيو. تَہ بِہ پوُرو راشَنُ نَہ ملِي سَگهيو. رُڳو کَنڊُ ئِي مِلِي. اُتان وَرِي ڀاڄِي ۽ دالِ بِہ وَٺَڻ وَڃڻو پيو، ڇو تَہ گهرَ ۾ سَڀ شَيوُن خَتَمِ ٿي وَيوُن هُيوُن. بَزارِ مان واپَسِ ايندي وَقتِ تَہ هَلِي ڪانَہ پيئِي سَگهان. ڪُجهہ بارُ بِہ وَڌيڪَ کَڻڻو پيو، ۽ مَٿان مَهانگائِيءَ بِہ چيلهِہ چِٻِي ڪَري ڇَڏِي آهي.

ڪَملا : چَوين تَہ ٺيڪ ٿي. اَڳُ ۾ وَڏا چَوَندا هُئا، تَہ دال روٽِي کائو ۽ خوُش رَهو، پَرَ اَڄُڪَلهَہ داليوُن بِہ ايتريوُن مَهانگيوُن ٿي وييوُن آهِنِ جو عام ماڻهوُ دالِ بِہ نَٿو کائِي سَگهي.

शीला : सब्ज़ी भी कौन सी सस्ती है। टमाटर बीस रुपए,आलू सोलह रुपए मिल रहे हैं। बच्चे आसानी से कोई सब्ज़ी खाते भी तो नहीं है। उनके लिए आलू तो ज़रूर लेने पड़ते हैं।	शीला : भाजो बि कहड़ी सस्ती आहे। टमाटा वीहें रुपए, पटाटा सोरहें रुपए मिलनि प्या। बार सवलाईअ सां काई भाजो खाइनि बि नथा। उन्हनि लाइ पटाटा त ज़रुर वठणा पवनि था।	شيلا : ڀاڄِي بہ ڪهڙِي سَستِي آهي. ٽماٽا ويهين رُپَئي، پَٽاٽا سورهين رُپَئي مِلَنِ پيا. ٻارَ سَولائيءَ سان ڪائي ڀاڄِي کائِنِ بہ نَٿا. اُنهَنِ لاءِ پَٽاٽا تہ ضرورُ وَٺڻا پَوَنِ ٿا.
कमला : सच कहती हो। आज की महंगाई में हमारे लिए गुज़ारा करना मुश्किल हो गया है, तो सोचती हूं कि बेचारे ग़रीब कैसे चूल्हा जला सकते होंगे।	कमला : सचु थी चईं। अजु जी महांगाईअ में असांजे लाइ ई गुज़रु करणु डुखयो थी प्यो आहे, त वेचारा ग़रीब कीअं चुल्हि बारे सघंदा हूंदा।	ڪَملا : سَچُ ٿي چَئِين. اَڄُ جي مَهانگائيءَ ۾ اَسانجي لاءِ ئي گُذرُ ڪَرَڻُ ڏُکيو ٿي پيو آهي، تہ ويچارا غريب ڪيئن چُلهِ ٻاري سَگهندا هونْدا.
शीला : देखो न कई महीनों से अपने लिए ज़रुरी कपड़े भी नहीं ले सकती थी। बच्चों की ज़रुरतों को तो पहले पूरा करना ही पड़ता है। हो या न हो, उनके स्कूलों के ख़र्च भी बहुत बढ़ गए हैं। उनके अध्यापक कभी कुछ और कभी कुछ मंगाते रहते हैं। उनकी फीस भी बहुत देनी पड़ती है।	शीला : डिसु न घणनि महिननि खां पंहिंजे लाइ ज़रुरी कपड़ा बि न पेई वठी सघां। बारनि जी ज़रूरतुनि खे त पहरीं पूरो करणो ई थो पवे। हुजे या न हुजे, हुननि जे इस्कूलनि जा ख़र्च बि डाढा वधी व्या आहिनि। हुननि जा मास्तर कड़हिं कुझु, ऐं कड़हिं कुझु घुरांईदा रहदां आहिनि। हुननि जी फ़ी बि डाढी डियणी पवंदी आहे।	شيلا : ڏِسُ گهڻِنِ ئي مَهِنَنِ کان پَنهِنجي لاءِ ضَروُرِي ڪپڙا بہ نَہ پيئي وَٺي سَگهان. ٻارَنِ جي ضَروُرَتُنِ کي تَہ پَهرِيْن پوُرو ڪَرڻو ٿو پَوي. هُجي يا نَہ هُجي، هُنَنِ جي اِسڪوُلَنِ جا خَرچَ بہ ڏاڍا وَڌِي ويا آهِنِ. هُنَنِ جا ماستَرَ ڪَڏهِن ڪُجهہ ۽ ڪَڏهِن ڪُجهہ گهرائيندا رَهَندا آهِنِ. هُنَنِ جي في بہ ڏاڍي ڏِيڻي پَوَندي آهي.

शब्दार्थ

हिन्दी	देवानागरी	सिंधी
मंगाना	घुराइणु	گهرائڻُ
वेतन	पघारु	پگهارُ
फिर	वरी	وَري
परिवार	कुटुंबु	ڪُٽنب
चुल्हा	चुल्हि	چُلهِه

शब्दार्थ

हिन्दी	देवानागरी	सिंधी
सोलह	सोरहां	سورهان
कौन सा	कहड़ो	ڪهڙو
आसानी	सवलाई	سَولائي
गुज़ारा	गुज़रु	گُذَرُ
मुश्किल	ॾुख्यो	ڏُکيو
ग़रीब	ग़रीबु	غريبُ
बढ़ना	वधणु	وَڌڻُ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवानागरी	सिंधी
थकी हुई	थकल	ٿَڪَل
खड़ा होना	बीहणु	بيهڻُ
मिलना	मिलणु	مِلڻُ
उठाना	खणणु	کَڻڻُ
कमर टेढ़ी कर देना (तोड़ देना)	चेल्हि चिॿो करे छॾणु	چيلهِه چِبِي ڪري ڇَڏڻُ
दाल	दालि	دالِ
बीस	वीह	ويهَه

I निम्नलिखित वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1	पूरो राशनु न मिली सघयो।	۱. پوُرو راشَنُ نہ مِلِي سَگهيو.
2	बज़ारि मां वापसि ईंदे वक़्ति त हली कान पेई सघां।	۲. بَزارِ مان واپَس ايندي وَقتِ تہ هَلِي ڪانہ پيئِي سَگهان.
3	अजु आम माण्हूं दालि बि नथो खाई सघे।	۳. اَڄُ عامُ ماڻهوُ دالِ بہ نَٿو کائِي سَگهي.
4	वेचारा ग़रीब कीअं चुल्हि बारे सघंदा हूंदा।	۴. ويچارا غريبَ ڪيئَن چُلهہ ٻاري سَگهندا هوُندا.
5	तड़हिं हू एतरा वड़ा कुटुंब हलाए सघया।	۵. تَڏهِن هوُ ايترا وَڏا ڪُٽُنب هَلائي سَگهيا.
6	राशन जे दुकान ते पूरो कलाकु क़तार में बीहणो प्यो।	۶. راشَن جي دُڪانَ تي پوُرو ڪلاڪُ قطار ۾ بيهَڻو پيو.
7	उतां वरी भाजो ऐं दालि बि वठण वञणो प्यो।	۷. اُتان وَري ڀاڄِي ۽ دالِ بہ وَٺَڻ وَڃڻو پيو.
8	हुननि लाइ पटाटा त ज़रुर वठणा पवनि था।	۸. هُنَنِ لاءِ پَٽاٽا تہ ضَرورُ وَٺڻا پَوَن ٿا.
9	बारनि जी ज़रुरतुनि खे त पहरीं पूरो करणो ई थो पवे।	۹. ٻارَنِ جي ضَروُرَتُنِ کي تہ پَهرِين پوُرو ڪرڻو ئِي ٿو پَوي.

2. कोष्ठक में दिए हुए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर वाक्यों की पूर्ति कीजिए।

(सघी, सघे, सघया, सघयो) (سَگهي، سَگهي، سَگهيا، سَگهيو)

1	शीला खे पूरो राशनु न मिली -----।	۱. شيلا کي پوُرو راشَنُ نہ مِلِي ---------
2	बार इस्कूल जो कमु वक़्तु ते पूरो न करे -----।	۲. ٻارَ اِسڪوُلَ جو ڪَمُ وَقتُ تي پوُرو نہ ڪَري --------
3	मां कल्ह बज़ारि न वञी --।	۳.مان ڪَلهہ بَزارِ نہ وَڃِي---.
4	शीला देरि सां घरि पहुची ---।	۴. شيلا ديرِ سان گَهرِ پَهچِي -----
5	छा, तूं शाम, ऐं राम जे घरि वञीं ------।	۵. ڇا، توُن شامَ ۽ رامَ جي گَهر وَڃِي -----

3. कोष्ठक में दिए हुए किया का सही प्रयोग करते हुए वाक्यों की पूर्ति कीजिए।

1	राम खे राति देरि ताईं आफ़ीस में विहणो -----। (प्यो)	۱. رامَ کي راتِ ديرِ تائِين آفيِسَ ۾ وِهڻو ------. (پيو)
2	शीला खे दाल ऐं भाजो बि वठणी -------। (पेई)	۲.شيلا کي دالِ ۽ ڀاڄِي بہ وَٺڻِي -------. (پيئِي)

3 बारनि जे इस्कूल लाइ घणेई खर्च करणा था ———। (पवणु)
٣. ٻارَنِ جي اِسڪوُل لاءِ گھڻيئي خَرچ ڪَرڻا تا ----- (پَوَڻِ)

4 अगएं महने मूं खे आफ़ीस पारां बाहिरि वञणो ———। (पवणु)
٤. اَڳئين مَهني مون کي آفيس پاران ٻاهِر وَڃڻو -----. (پَوَڻِ)

5 मोकल में मीरा खे घणेई कम करणा ———। (पवणु)
٦. موڪَلَ ۾ ميران کي گھڻئي ڪَمَ ڪَرڻا -----(پَوَڻِ)

4. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : राम कल्ह बारनि जे इस्कूल में व्यो।
مِثالُ : رام ڪَلهہ ٻارَنِ جي اِسڪوُل ۾ ويو.

राम कल्ह बारनि जे इस्कूल में न वञी सघयो।
رام ڪَلهہ ٻارَنِ جي اِسڪوُل ۾ نَہ وَڃي سَگھيو.

1 शीला कल्ह आफ़ीस मां जल्दी मोटी।
١. شيلا ڪالهہ آفيس مان جَلدي موٽي.

2 दादा सुबुह जो बाहिरि घुमण व्या।
٢. دادا صُبُح جو ٻاهِر گھمَڻَ ويا.

3 रमेशु परिवार सां गड हैदराबाद घुमयो।
٣. رَميشُ پَريوارَ سان گَڏُ حَيدرآباد گُھميو.

4 रोशनु पंहिंजे दोस्त राकेश खे मिल्यो।
٤. روشَنُ پَنهنجي دوسَت راڪيش کي مِليو.

5 मीरां राणीअ खे ख़तु लिख्यो।
٥. ميران راڻيءَ کي خَطُ لِکيو.

5. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : रामु सुबुह जो बारनि खे इस्कूल वठी वेंदो आहे।
مِثالُ : رامُ صُبُح جو ٻارَنِ کي اِسڪوُل وَٺي ويندو آهي.

राम खे सुबुह जो बारनि खे इस्कूलि वठी वञणो पवंदो आहे।
رامَ کي صُبُح جو ٻارَنِ کي اِسڪوُل وَٺي وَڃڻو پَوَندو آهي.

1 राजनु सुबुह जो जल्दी उथंदो आहे।
١. راجَنُ صُبُح جو جَلدي اُٿَندو آهي.

2 बार सुबुह जो सतें बजे इस्कूलि वेंदा आहिनि।
٢. ٻارَ صُبُح جو سَتين ٻَجي اِسڪوُل ويندا آهِنِ.

3 शीला बज़ारि मां भाजी ऐं दालयूं वर्तयूं।
٣. شيلا بَزارِ مان ڀاڄيون ۽ داليون وَرتيون.

4 राम मोकल जे डींहुं घर जा घणेई कम कया।
٤. رامَ موڪَلَ جي ڏينهن گھرَ جا گھڻئي ڪَمَ ڪيا

5 मोहनु पंहिंजे दोस्त खे डिसण इस्पतालि व्यो।
٥. موهَنَ پَنهنجي دوسَت کي ڏِسَڻ اِسپتال ويو.

टिप्पणियां

1. सिंधीअ में 'सघणु' किया का प्रयोग शक्यता या सामर्थ्य का भाव देता है। यह मुख्य किया के साथ सहायक किया के रूप में आता है। इस प्रकार के किया पदबंधो, जिनमें 'सघणु' सहायक किया के रूप में आती है, कि संरचना निम्न प्रकार की होती है।
किया धातु + 'ई' या 'ए' प्रव्यय + उपयुक्त काल / लिंग / वचन / पुरुष चिहनों के साथ 'सघणु का रूप
जब किया पदबंध में 'सघणु' सहायक किया के रूप में आती है, तब मुख्य किया धातु रूप में 'ई' या 'ए' प्रत्यय के साथ आती है। कुछ मुख्य कियाओं का प्रयोग देखिए।

एकारांत		*ईकारांत*	
सोचे सघणु	سوچي سَگھڻُ	चई सघणु	چَئِي سَگھڻُ
करे सघणु	ڪَري سَگھڻُ	वञी सघणु	وَڃِي سَگھڻُ
बारे सघणु	ٻاري سَگھڻُ	अची सघणु	اَچِي سَگھڻُ
ठाहे सघणु	ٺاهي سَگھڻُ	डिसी सघणु	ڏِسي سَگھڻُ
डखारे सघणु	ڏيکاري سَگھڻُ	वठी सघणु	وَٺِي سَگھڻُ
भरे सघणु	ڀَري سَگھڻُ	घुमी सघणु	گُھمِي سَگھڻُ
मारे सघणु	ماري سَگھڻُ	रही सघणु	رَهِي سَگھڻُ

2. सिंधी में 'पवणु' किया के सहायक किया के रूप में प्रयोग बाध्यता या कर्तव्य का भाव देता है। इस प्रकार के किया पदबंधो, जिनमें 'पवणु' किया सहायक किया के रूप में आती है, की संरचना निम्न प्रकार की होती है।
लिंग / वचन चिहनों के साथ किया का अनिश्चयवाची रूप + उपयुक्त काल / लिंग / वचन चिहनों के साथ 'पवणु' का रूप

निम्नलिखित उदाहरण देखिए।

1 मूं खे भाजो ऐं दालि वठण बि वञणो प्यो। | ١. مون کي ڀاڄِي ۽ دالِ وَٺَڻَ ٻِہ وَڃڻو پيو.

2 बारनि लाइ पटाटा त ज़रूरि वठणा पवनि था। | ٢. ٻارَنِ لاءِ پَٽاٽا تہ ضَرورُ وَٺڻا پَوَنِ ٿا.

3 गीता खे डाढी भज डुक करणी पवे थी। | ٣. گِيتا کي ڏاڍِي ڀَڄَ ڊُڪَ ڪَرڻِي پَوي ٿِي.

RESPONSE SHEET - 14 جَوابي پيپَرُ ١۴ **उतरपत्रिका –14**

1. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उतर दीजिए।

1 गीता किथे वेई हुई ?

١ گيتا ڪِٿي ويئِي هُئِي ؟

2 शीला खे राशन जे दुकान ते केतरी देरि बीहणो प्यो ?

٢ شيِلا کي راشن جي دُڪان تي ڪيتري ديرِ بيهِڻو پيو ؟

3 हुन खे राशन में छा मिल्यो ?

٣ هُنَ کي راشَن ۾ ڇا مِليو ؟

4 अगि॒ में व॒ड़ा छा चवंदा हुआ ?

۴ اَڳِ ۾ وَڏا ڇا چوَندا هُئا ؟

5 ब॒ार भाज॒ोअ में वधीक छा पसंद कंदा आहिनि ?

٥ ٻارَ ڀاڄِيءَ ۾ وَڌيڪ ڇا پَسَند ڪَندا آهِنِ ؟

2. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : माण्हू बा॒रनि लाइ डा॒ढी महिनत करे थो।

माणहू बा॒रनि लाए डा॒ढी मेहिनत करे सघे थो।

1 शीला आफ़ीस वञण सां गड॒ घर जो बि सभेई कमु करे थी।

____

2 रोशनु नौकिरीअ सां गड॒ इम्तिहान जी बि त्यारी करे थो।

____

3 गीता पढ़ाई सां गडो॒ गड॒ घुमे बि थी।

____

4 बा॒र इस्कूल में कम्प्यूटर बि सिखनि था।

____

5 विनोदु मास्तरीअ सां गड॒ टयूशनि बि वठे थो।

____

مِثالُ : ماڻهوءُ ٻارنِ لاءِ ڏاڍي مَحنَت ڪري ٿو.

ماڻهوءُ ٻارنِ لاءِ ڏاڍي مَحِنَت ڪري سَگهي ٿو.

١ شيِلا آفِيس وَڃڻ سان گڏُ گهرَ جو بہ سَڀيئي ڪَمُ ڪري ٿي.

- - - - - - - - - - - - - - - - - - - -

٢ روشنُ نَوڪريءَ سان گڏُ اِمتحان جي بہ تياري ڪري ٿو.

- - - - - - - - - - - - - - - - - - - -

٣ گيِتا پَڙهائيءَ سان گڏو گڏُ گهمي بہ ٿي.

- - - - - - - - - - - - - - - - - - - -

٤ ٻار اِسڪولَ ۾ ڪمپيوٽر بہ سِکنِ ٿا.

- - - - - - - - - - - - - - - - - - - -

٥ وِنودُ ماستريءَ سان گڏُ ٽيوشنِ بہ وَٺي ٿو.

- - - - - - - - - - - - - - - - - - - -

3 कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही रूप चुनते हुए वाक्यों की पूर्ति कीजिए।

1 मां अॼु बज़ारि कोन वञी ————————। | ۱ مان اَڄُ بَزارِ ڪونہ وَڃي ....

(सघंदो, सघंदी, सघंदुस) | (سَگهندو، سَگهندي، سَگهندُس)

2 छा तूं शाम जो मुहिंजे घरि अची ——————————। | ۲ ڇا توُن شام جو مُنهِنجي گهرِ اَچي ....

(सघंदी, सघंदे, सघंदो) | (سَگهندي، سَگهندي، سَگهندو)

3 रामु अॼु बैंक खां जल्दी वापसि कोन अची ————————। | ۳ رامُ اَڄُ بَينڪ کان جَلدي واپِس ڪونہ اَچي ....

(सघंदो, सघे, सघीं) | (سَگهندو، سَگهي، سَگهين)

4 मीरां अॼु गीता जे घरु कान वञी ——————————। | ۴ ميران اَڄُ گيتا جي گهرِ ڪانہ وَڃي ....

(सघंदा, सघंदी, सघे) | (سَگهندا، سَگهندي، سَگهي)

5 हीरे जी परख हरको माण्हू नथो करे ————————। | ۵ هيري جي پَرک هَرڪو ماڻهوُ نَٿو ڪَري ....

(सघंदो, सघे, सघीं) | (سَگهندو، سَگهي، سَگهين)

4. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : मां सुभाणे ॿारनि जे इस्कूलु वेंदुसि। | مِثالُ : مان سُڀاڻي ٻارنِ جي اِسڪوُل ويندُس.

मूं खे सुभाणे ॿारनि जे इस्कूलु वञणो पवंदो। | موُن کي سُڀاڻي ٻارنِ جي اِسڪوُل وَڃڻو پَوَندو.

1 रामु सुभाणे आफ़ीस जे कम सां ॿाहिरि वेंदो।

١ رامُ سُڀاڻي آفيِسَ جي ڪَمَ سان ٻاهِرِ ويندو.

____

2 मीरां छुटीअ में घणेई कम कंदी।

٢ مِيران ڇُٽيءَ ۾ گهڻيئِي ڪَم ڪنديِ.

____

3 मीरां ॿारनि लाइ नवां कपड़ा वठंदी।

٣ مِيران ٻارنِ لاءِ نوان ڪَپڙا وَٺنديِ.

____

4 राधा इस्कूल मां वापसि अचण खां पोइ मानी ठाहींदी।

٤ راڌا اِسڪوُلَ مان واپسِ اَچَڻَ کان پوءِ مانيِ ٺاهِينديِ.

____

5 मोहनु पंहिंजे पुट खे डाक्टर खे ॾखारींदो।

٥ موهَنُ پَنهِنجي پُٽَ کي ڊاڪٽرَ کي ڏيکارِيندو.

____

5. निम्नलिखित वाक्यों का सिंधी में अनुवाद कीजिए।

1 राम को सुबह जल्दी उठना पड़ता है।

____

2 कमला आज बैंक नहीं जा सकती।

____

3 क्या तुम कल मेरे घर आ सकते हो ?

____

4 मैं बहुत अधिक चाय नहीं पी सकती।

____

5 माता पिता को हर महीने बच्चों के स्कूल जाना पड़ता है।

____

पाठ 15

विचारों की लेन देन

पद्मा : लाल! आजकल तुम क्या करते रहते हो ?

लाल : मैं आजकल बहुत अधिक व्यस्त हूं। सुबह टयूशन पढ़ाने जाता हूं। फिर आफ़िस जाता हूं। साथ साथ अपनी तरक्की के लिए परीक्षा की तैयारी करता रहता हूं।

पद्मा : आफ़िस में तुम कौन सा काम करते हो ?

लाल : हमारी आफ़िस में अलग अलग तरह के काम होते रहते हैं । छोटे बड़े प्रोजेक्ट आते रहते हैं।

पद्मा : ये प्रोजेक्ट आपके पास कहां से आते हैं ?

लाल : कुछ प्राजेक्ट सरकार देती है। कुछ हम आवश्यकतानुसार स्वयं भी बना

सबकु 15

वीचारनि जी ॾ वठु

पद्मा : लाल! अज़कल्ह तूं छा कंदो रहंदो आहीं ?

लालु : मां अज़कल्ह तमामु घणो रुधलु आहयां। सुबुह जो टयूशन पढ़ाईंदो आहयां। पोइ आफ़ीस वेंदो आहयां। गॾोगॾि पंहिंजी तरक़ीअ लाइ इम्तहान जी त्यारी कंदो रहंदो आहयां।

पदमा : आफ़ीस में तूं कहड़ो कमु कंदो आहीं ?

लालु : असांजे आफ़ीस में अलगि अलगि तरीक़नि जा कम थींदा रहंदा आहिनि। नंढा वॾा प्रोजेक्ट ईंदा रहंदा आहिनि।

पदमा : इहे प्रोजेक्ट तव्हां वटि किथां ईंदा आहिनि ?

लालु : कुझु प्रोजेक्ट सरकार ॾींदी आहे।कुझु असां ज़रूरत मूजिबि पाण बि ठाहे

سَبَقُ ١٥

وِيچارَنِ جِي ڏي وَٺُ

پَدما : لالَ! اَڄُڪلهہ تون ڇا ڪندو رَهندو آهين ؟

لالُ : مان اَڄُڪلهہ تَمامُ گهڻو رُڌَلُ آهيان. صُبُحَ جو ٽيوشَنِ پَڙهائيندو آهيان. پوءِ آفِيس ويندو آهيان. گَڏوگَڏُ پَنهنجي تَرَقيءَ لاءِ اِمتحانَ جِي تياريِ ڪندو رَهندو آهيان.

پَدما : آفِيس ۾ تون ڪهڙو ڪَمُ ڪندو آهين ؟

لالُ : اَسان کي آفِيس ۾ اَلگ اَلگ طَرِيقن جا ڪَمَ ٿِيندا آهِنِ. نَنڍا وَڏا پروجيڪٽ ايندا رَهندا آهِنِ.

پَدما : اِهي پروجيڪٽ تَوهان وَٽِ ڪِٿان ايندا آهِنِ ؟

لالُ : ڪُجهہ پروجيڪٽ سَرڪار ڏِيندِي آهي. ڪُجهہ اَسان ضرورَت موجِب پاڻَ بہِ ٺاهي

सकते हैं। उसके लिए फिर सरकार से मंजूरी लेनी पड़ती है।

पद्मा : अभी आपके पास कौन से प्रोजेक्ट हैं

लाल : अभी हम बढ़ती जनसंख्या, दहेज, प्रौढ़ शिक्षा, बेरोज़गारी की समस्याओं को सुलझाने के लिए काम करते हैं।

पद्मा : आपका काम तो वास्तव में रुचिकर है। इसमें आपको क्या करना पड़ता है ?

लाल : हम घर घर जाते हैं। लोगों को समझाते हैं। उन्हे सरकार के नियम कानून बताते हैं। हर बात के लाभ हानी के बारे में बताकर उनके प्रश्नों को अच्छी तरह सुलझाने की कोशिश करते हैं।

पदमा : बहुत अच्छा! आपके इन तरह के कामों का आम आदमी पर अच्छा प्रभाव पड़ता होगा। उन्हें काफ़ी

सघंदा आहयूं। तंहिं लाइ वरी सरकार खां मंजूरी वठणी पवंदी आहे।

पद्मा : हीअंर कहड़ा प्रोजेक्ट अथव ?

लालु : हीअंर असां वधंदड़ आदमशुमारी, ड॒ेती लेती, बालग़ु तइलीम, बेरोज़गारीअ जे मसइले जे निबेरे बाबति कमु कंदा आहयूं।

पद्मा : तव्हां जो कमु त वाक़ई मज़ेदारु आहे। इन में तव्हां खे छा करणो पवंदो आहे

लालु : असां घरि घरि वेंदा आहयूं। माण्हुनि खे समझाइंदा आहयूं। खेनि सरकारि जा क़ाइदा कानून ब॒धाइंदा आहयूं। हर ग॒ाल्हि जे नफ़े नुक़सान बाबति ब॒धाए संदनि सवालनि खे चङीअ तरह सुलझाइण जी कोशिश कंदा आहयूं।

पदमा : डाढो सुठो। तव्हांजे इन्हनि तरीक़नि जे कमनि जो आम माण्हूअ ते सुठो असरु पवंदो हूंदो। खेनि चङी जाण

سَگھندا آھيوُن. تَنهن لاءِ وَري سَرڪار کان مَنظوُري وَٺڻي پَوَندي آهي.

پَدما : هيئَنر ڪھڙا پروجيڪٽَ اَٿوَ ؟

لالُ : هيئَنرَ اَسان وَڌَندَڙُ آدَمَشُماري، ڏيتي ليتي، بالغ تَعليم ،بيروزگاري جي مَسئلي جي نِبيري بابَت ڪَمُ ڪَندا آهيوُن.

پَدما : توهان جو ڪَمُ واقعي مَزيدار آهي. اِنَ ۾ توهان کي ڇا ڪَرڻو پَوَندو آهي ؟

لالُ : اَسان گَھر گَھر ويندا آهيوُن.ماڻھُنِ کي سَمجھائيندا آهيوُن. کينِ سَرڪار جا قاعدا قانوُنَ ٻُڌائيندا آهيوُن.هَرَ ڳالهِ جي نَفعي نُقصان بابَت ٻُڌائي سَندَنِ سُوالَنِ کي چَڱيءَ طَرحَ سُلجھائڻ جي ڪوشش ڪَندا آهيوُن.

پَدما : ڏاڍو سُنو. توهان جي اِنهَن طريقَنِ جي ڪَمَنِ جو عام ماڻهوءَ تي سُنو اَثَر پَوَندو هوندو. کينِ چَڱي جاڻَ ٻِہ مِلندي

जानकारी भी मिलती रहती होगी।

लाल : बेशक, इसमें कोई दो रायें नहीं है। शुरु में मैं जनसंख्या वाले प्रोजेक्ट में बहुत गांवों में जाता रहता था। ख़ूब छान बीन होती रहती थी। इससे हमारा अनुभव भी बड़ता रहता है।

पदमा : अच्छा, लाल! अब मैं चलती हूं। वीचार विमर्श करने में मुझे समय का पता ही नहीं पड़ा।

बि मिलंदी रहंदी हूंदी।

लालु : बेशकि इन में का बुराइ कान्हे। शुरूअ में मां आदमशुमारीअ जे प्रोजेक्ट वक़्ति घणनि ई ग॒ोठनि में वेंदो रहंदो होसि। घणी छंड छाण थींदी रहंदी हुई। इन सां असां जो आज़मूदो बि वधंदो रहंदो आहे।

पदमा : चङो लाल। हाणे मां हलां थी। वीचारनि जी ड॒ वठि में वक़्त जो पतो ई कोन प्युमि।

رَهَندِي هوُندِي.

لالُ : بيشَڪُ اِنَ ۾ ڪائِي بُرائِي ڪانهي.شُروُعَ ۾ مان آدمشُمارِيءَ جي پروجيڪٽَ وَقتِ گَهڻَنِ ئِي ڳوٺَنِ ۾ ويندو رَهَندو هوسِ. گَهڻِي ڇَنڊ ڇاڻَ ٿِيندِي رَهَندِي هُئِي. اِنَ سان اَسان جو آزموُدو بِہ وَڌَندو رَهَندو آهي.

پَدما : چَڱو لالَ هاڻي مان هَلان ٿِي. وِيچارَنِ جِي ڏي وَٺِ ۾ وَقتَ جو پَتو ئِي ڪونَہ پيُمِ.

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
बेशक	बेशकि	بيشَڪُ
दो राय	ब राइ	ٻہ راءِ
के समय	भेरे	ڀيري
छान बीन	छंड छाण	ڇنڊ ڇاڻ
अनुभव	आज़मूदो	آزمودو
विचार	वीचारु	ويچارُ
समस्या	मसइलो	مَسئلو
वास्तव में	वाक़ई	واقعي
नियम कानून	क़ाइदा क़ानून	قاعدا قانوَن

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
बढ़ती	वधंदड़ु	وَڌندڙُ
जनसंख्या	आदमशुमारी	آدَمشُماري
दहेज	डती लेती	ڏيتي ليتي
प्रौढ़ शिक्षा	बालिगु तइलीम	بالغُ تَعليمَ
बारे में	बाबति	بابَتِ
प्रश्न	सुवालु	سُوالُ
सुलझाना	सुलझाइणु	سُلجهائڻُ
सामान्य आदमी	आम माण्हू	عامَ ماڻهوُ
प्रभाव	असरु	اَثرُ
जानकारी	जाण	ڄاڻ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
बहुत	तमामु	تَمامُ
व्यस्त	रुधलु	رُڌَلُ
साथ साथ	गडोगड	گڏو گڏ
उन्नति	तरक़ी	تَرَقي
परीक्षा	इम्तहानु	اِمتحانُ
सरकार	सरकार	سَرڪار
आवश्यकतानुसार	ज़रुरत मुजिबि	ضرورَت موُجِب
बनाना	ठाहिण	ٺاهِڻ
सकना	सघणु	سَگهڻُ
स्वीकृति	मंजूरी	مَنظوُري

1. निम्नलिखित वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1 तूं छा कंदो रहंदो आहीं ? — ١. توُن ڇا ڪندو رَهندو آهين ؟

2 मां इम्तहान जी तयारी कंदो रहंदो आहयां। — ٢. مان اِمتحانَ جي تَياري ڪندو رَهندو آهيان.

3 नंढा वड॒ा प्रोजेक्ट इंदा रहदां आहिनि। — ٣. ننڍا وَڏا پروجيڪٽَ ايندا رَهندا آهِن.

4 शुरुअ में घणनि ई ग॒ोठनि में वेंदो रहंदो होसि। — ٤. شُروُعَ ۾ گهڻِن ئي ڳوٺِن ۾ ويندو رَهندو هوسِ.

5 घणी छंडछाण थींदी रहंदी हुई। — ٥. گهڻي ڇنڊ ڇاڻ ٿيندي رَهندي هُئي.

6 खेनि चङी जाण मिलंदी रहंदी हूंदी। — ٦. کين چڱي ڄاڻ مِلندي رَهندي هوُندي.

7 आम माण्हूअ ते सुठो असरु पवंदो हूंदो। — ٧. عامَ ماڻهوءَ تي سُٺو اَثرُ پَوَندو هوُندو.

2. दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर वाक्य पूर्ति कीजिए।

(रुधल, मंजूरी, वाकई, आज़मूदो, बुराइ) — (رُڌَل، مَنظوُرِي، واقعِي، آزَموُدو، بُرائِي)

1 तव्हां जो कमु त ---- मज़ेदार आहे। — ١. توهان جو ڪَمُ تہ ---- مَزيدار آهي.

2 असांजो ---- बि वधंदो रहंदो आहे। — ٢. اَسان جو ---- بہ وَڌندو رَهندو آهي.

3 बेशकु इन्हीअ में का ---- कान्हे। — ٣. بيشَڪِ اِنهيءَ ۾ ڪا ---- ڪانهي.

4 मां तमामु घणो ---- रहंदो आहयां। — ٤. مان تَمامُ گهڻو ---- رَهندو آهيان.

5 प्रोजेक्ट लाइ ---- वठणी पवंदी आहे। — ٥. پروجيڪٽَ لاءِ ---- وَٺڻي پَوَندي آهي.

3. वाक्य में रेखांकित शब्द के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों को प्रयोग करते हुए तीन तीन नएं वाक्य बनाइए।

1 मां सुबुह जो टयूशन पढ़ाईंदो आहयां। (पढ़ंदो, वठंदो, ड॒ांदो) — ١. ما صُبحِ جو ٽيوُشَنِ پَڙهائيندو آهيان.(پَڙهندو، وَٺندو، ڏيندو)

2 तूं आफ़ीस में छा कंदा हुए ? (पढ़ंदो, लिखंदो, ड॒िसंदो) — ٢. آفيسَ ۾ ڇا ڪندو هُئين ؟ (پَڙهندو، لِکندو، ڏِسندو)

3 असीं गांधीधाम इंदा रहंदा आहयूं।(वेंदा, घुमंदा, डिसंदा)

۳. اَسين گانڌيڌام ايندا رَهندا آهيوُن. (ويندا، گهمَندا، ڏِسَندا)

4 आफ़ीस में नंढा वडा प्रोजेक्ट इंदा रहंदा आहिनि। (डोंदा, वठंदा, मिलंदा)

۴. آفيس ۾ ننڍا وَڏا پروجيڪٽ ايندا رَهندا آهِن. (ڏيندا،وٺندا، ملندا)

5 खेनि चडी जाण थींदी रहंदी हूंदी।(मिलंदी, पवंदी, खपंदी)

۵. کين چڱي ڄاڻ ٿيندي رَهندي هونِدي.(مِلَندي، پَوَندي، کَپَندي)

4. कोष्ठक में दिए शब्द के उचित रुप से वाक्य पूर्ति कीजिए।

1 राजू इम्तिहान जी त्यारी ——— रहंदो आहे। (करणु)

۱. راجوُ اِمتحانَ جي تياري ---- رَهندو آهي. (ڪَرَڻُ)

2 ममता सजो डोंहुं ——— रहंदी हुई। (पढ़णु)

۲. مَمتا سَڄو ڏينهُن ----- رَهندي هُئي.(پَڙهَڻُ)

3 विजय ख़तु ——— रहंदो हो। (लिखणु)

۳. وِجيہ خَطُ ---- رَهندو هو. (لِکَڻُ)

4 सरकारि प्रोजेक्ट ——— रहंदी आहे। (डियणु)

۴. سَرڪار پروجيڪٽ ------ رَهندي آهي. (ڏِيَڻُ)

5 आश्रम में ग़रीबनु खे खाधो ——— रहंदो हूंदो। (मिलणु)

۵. آشرمَ ۾ غريبنِ کي کاڌو ---- رَهندو هونُدو. (مِلَڻُ)

5. उदाहरण के अनुसार प्रत्येक वाक्य के दो दो वाक्य बनाइए।

मिसालु : लालु अहमदाबाद में रहंदो आहे।

مِثالُ : لالُ اَحمدآباد ۾ رَهندو آهي.

1 लालु अहमदाबाद में रहंदो हूंदो। ۱. لالُ اَحمدآباد ۾ رَهندو هونُدو.

2 लालु अहमदाबाद में रहंदो हो। ۲. لالُ اَحمدآباد ۾ رَهندو هو.

1 हर कंहिं खे वक़्ति ते ज़रुरत पवंदी आहे।

۱. هَرَ ڪنهِن کي وَقتِ تي ضَروُرت پَوَندي آهي.

2 पदमा सिलाई सिखंदी आहे। ۲. پدما سِلائي سِکَندي آهي.

3 नीलम इस्कूल पढ़ण वेंदी आहे। ۳. نيلَمُ اِسڪوُل پَڙهڻ ويندي آهي.

4 हास्टल में सभु छोकरा छोकर्यूं मिली कमु कंदा आहिनि।

۴. هاسٽَل ۾ سَڀُ ڇوڪرا ڇوڪريوُن مِلِي ڪَمُ ڪندا آهِن.

5 मामा पंहिंजे पुट खे समझाइंदो आहे।

۵. ماما پَنهِنجي پُٽَ کي سَمجهائِيندو آهي.

6. **उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।**

मिसालु : गोपालु ख़तु लिखंदो आहे। مثالُ : گوپالُ خَطُ لِکَندو آهي.

छा, गोपालु ख़तु लिखंदो आहे ? ڇا گوپالُ خَطُ لِکَندو آهي ؟

1 रामू श्यामूअ सां गड॒ पढ़ंदो आहे। ١. راموُ شَياموءَ سان گَڏُ پَڙهندو آهي.

2 मंजू साहेड़ीअ खे मदद कंदी आहे। ٢. مَنجوُ ساهيڙِيءَ کي مَدد ڪَندي آهي

3 सरकार प्रोजेक्ट ड॒ींदी आहे। ٣. سَرڪارِ پروجيڪٽ ڏِيندي آهي.

4 तूं अजमेर वेंदो आहीं। ٤. توُن اَجمير ويندو آهِين.

5 मां, माउ खे फ़ोन कंदी आहयां। ٥. مان، ماءُ کي فون ڪَندِي آهيان.

टिप्पणियां

1. सिंधी में क्रिया के आभ्यासिक रूप की रचना दो प्रकार से होती है। पहले प्रकार में मुख्य क्रिया के भविष्य कालिक रूप में योजक क्रिया का वर्तमान, भूत या भविष्य कालिक रूप जोड़कर होता है। नीचे वर्तमान आभ्यासिक और भविष्य आभ्यासिक रूपों का प्रयोग देखिए।

वर्तमान आभ्यासिक

1 मां सुबुह जो टयूशन पढ़ाईंदोवइंदो आहयां। ١. مان صُبُحَ جو ٽيوُشَن پَڙهائِيندو آهيان.

2 आफ़ीस में तूं कहड़ो कमु कंदो आहीं ? ٢. آفيِسَ ۾ توُن ڪهڙو ڪَمُ ڪَندو آهِين؟

भूत आभ्यासिक

1 रोशनु अगि॒ में मुंबईअ में कमु कंदो हुओ। ١. روشَن اَڳِ ۾ مُمبئِيءَ ۾ ڪَمُ ڪَندو هُئو.

2 रामु बज़ारि खां वापसि ईंदो हूंदो। ٢. رامُ بَزارِ کان واپَس اِيندو هوُندو.

2. आभ्यासिक किया रूपों की रचना का दूसरा तरीका इस प्रकार है। मुख्य किया का भविष्य कालिक रूप + 'रहणु' आभ्यासिक चिहन भविष्य कालिक चिहन के साथ+ उपयुक्त काल/ वचन/ लिंग/पुरुष चिहनों के साथ योजक किया रूप निम्नलिखित वर्तमान आभ्यासिक किया रूप के उदाहरण देखिए।

1 अजुकल्ह तूं छा कंदो रहंदो आहीं ? — ١. اَڄُڪلهہ توُن ڇا ڪندو رَهَندو آهين؟

2 मां राम जे घर वेंदी रहंदी आहयां। — ٢. مان رامَ جي گهر ويندي رَهَندي آهيان.

भूत आभ्यासिक

1 रामु अकसर आफ़ीस जे कम सां मुंबईअ वेंदो रहंदो हुओ। — ١. رامُ اَڪثر آفِيس جي ڪمَ سان مُمبئيءَ ويندو رَهَندو هُئو.

2 अगि में ड्रियारीअ खां महनो अगु ई घर में मिठायूं ठहंदयूं रहंदयूं हुयूं। — ٢. اَڳِ ۾ ڏِياريءَ کان مَهنو اَڳُ ئِي گهرَ ۾ مِٺايوُن ٺَهَنديوُن رَهَنديوُن هُيوُن.

भविष्य आभ्यासिक

1 धंधे में हुननि खे नफ़ो – नुक़सानु त थींदो रहंदो हूंदो। — ١. ڌَنڌي ۾ هُننِ کي نَفعو - نُقصانِ تَہ ٿِيندو رَهَندو هوُندو.

2 खेनि चङी जाण बि मिलंदी रहंदी हूंदी। — ٢. کينِ چَڱي ڄاڻَ بِہ مِلَندِي رَهَندي هوُندِي.

RESPONSE SHEET - 15 جَوابي پيپَرُ ١٥ **उतरपत्रिका –15**

1. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उतर दीजिए।

1 लालु छा जे लाइ त्यारी कंदो रहंदो आहे ?

١ لالُ ڇا جي لاءِ تياريِ ڪندو رَهندو آهي ؟

2 पाण ठहयल प्रोजेक्टनि लाइ कंहिं खां मंजूरी वठणी पवंदी आहे?

٢ پاڻ ٺاهِيل پروجيڪٽنِ لاءِ ڪَنهِن کان مَنظوُريِ وَٺڻِي پَوَنديِ آهي؟

3 सरकारि जा क़ाइदा क़ानून कंहिं खे ॿुधाईंदा आहिनि ?

٣ سَرِڪارِ جا قاعِدا قانوُن ڪَنهِن کي ٻُڌائِيندا آهِنِ ؟

4 लाल जे आफ़ीस में कहड़नि मसइलनि ते कमु थींदो आहे ?

٤ لالَ جي آفِيس ۾ ڪَهڙَنِ مَسئِلن تي ڪَمُ ٿِيندو آهي ؟

5 घणी छंडछाणि सां छा वधंदो आहे ?

٥ گهڻيِ ڇَنڊَڇاڻِ سان ڇا وَڌَندو آهي ؟

2. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : पदमा लाल खां कम बाबति पुछंदी आहे।

पदमा लाल खां कम बाबति पुछंदी रहंदी आहे।

مِثالُ : پَدما لال کان ڪم بابتِ پُڇنديِ آهي.

پَدما لال کان ڪَمَ بابتِ پُڇنديِ رَهنديِ آهي.

1 राम लीला मैदान में निमाइश लग॒दी आहे।

١ رام لِيلا مَيدان ۾ نِمائِش لَڳنديِ آهي.

2 कमला, विमला खां संदसि इस्कूल बाबति पुछंदी आहे।

٢ ڪَملا، وِملا کان سَندسِ اِسڪوُلَ بابتِ پُڇنديِ آهي.

3 दहली शहर में हर प्रांत जा इस्टाल लग॒दा आहिनि।

٣ دهلِي شَهرَ ۾ هَر پرانت جا اِسٽال لَڳندا آهِنِ.

4 भावना सत्संग में वेंदी आहे।

٤ ڀاونا سَتسَنگ ۾ وينديِ آهي.

5 सुमनि अठें बजे ताईं सुम्हंदी आहे।

٥ سُمَن اَٺين ٻَجي تائِين سُمهَنديِ آهي.

3. कोष्ठक में दिए शब्द के उचित रूप से वाक्य पूर्ति कीजिए।

1 किशोरु काशीअ में ———————— आहे। (रहणु)	١ ڪِشور ڪاشيءَ ۾ ---------- آهي. (رهڻُ)
2 कौशल्या, कश्मीर मां शालूं ———————— आहे। (वठणी)	٢ ڪَوشليا، ڪَشمِير ،مان شالوُن --------- آهي. (وَنٽِي)
3 पार्वतीअ खे लड्‌ ———————— हो। (वणणु)	٣ پاروَتيِءَ کي لَڏوُن ---------- هو. (وَتڻُ)
4 द्रोपदी साल में ब॒ दफ़ा हरिदवार ——————— हूंदी। (वञणु)	٤ دروپَديِ سالَ ۾ ٻہ دفعا هَرِدوار --------- هوُنديِ. (وَڃڻُ)
5 शालूअ खे माउ वटां ड॒िणु ——————— रहंदो आहे। (अचणु)	٥ شالوُءَ کي ماءُ وَٽان ڏِڻُ -------- رَهَندو آهي. (اَچڻُ)

4. दिए गए शब्दों के लिए सिंधी शब्द लिखिए।

1 जनसंख्या ————————————

2 दहेज ————————————

3 प्रौढ़ शिक्षा ————————————

4 उन्नति ————————————

5 व्यस्त ————————————

,6 लेन देन ————————————

5. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए।

1 छा तोखे पढ़ण लाइ वक़्तु मिलंदो आहे ?

١. ڇا توکي پڙهڻ لاءِ وَقتُ مِلندو آهي ؟

---

2 गांधीधाम खां अहमदाबाद लाइ घणेई गाडॖयूं वेंदयूं रहंदयूं आहिनि।

٢. گانڌيڌام کان اَحمدآباد لاءِ گهڻيئي گاڏيوُن ويندیوُن رَهنديوُن آهِن.

---

3 हर मसइले जो हलु थींदो आहे।

٣. هَرَ مَسئِلي جو هَلُ ٿِيندو آهي.

---

4 सरकारि, मुल्क लाइ घणेई कुझु कंदी रहंदी आहे।

٤. سَرڪارِ، مُلڪ لاءِ گهڻيئي ڪُجهه ڪندِي رَهندِي آهي.

---

5 असांखे तव्हां जूं ख़बरुं पवंदयूं रहंदयूं आहिनि।

٥. اَسان کي تَوهان جوُن خَبروُن پَوَنديوُن رَهَنديوُن آهِن.

पाठ 16

हैदराबाद की यात्रा

शकुंतला : मीरा! तुम्हारी हैदराबाद की यात्रा कैसी रही। तुम यहां से कौन सी गाड़ी में गई थी ?

मीरा : नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन से चलती हुई ए.पी. एक्सप्रेस सिकंदराबाद तक जाती है। मैं और मेरे साथ काम करनेवाले साथी इसी गाड़ी में गए थे।

शकुंतला : हैदराबाद पहुंचने में कितने घंटे लगते हैं ?

मीरा : एक दिन, दोपहर दो बजे गाड़ी पकड़कर दूसरे दिन शाम के चार बजे ही हैदराबाद पहुंच जाते हैं।

शकुंतला : इतनी लंबी यात्रा में बोरियत नहीं होती है ?

मीरा : नहीं मैं हमेशा खिड़कीवाली सीट

सबकु 16

हैदराबाद जो सफ़रु

शकुंतला : मीरां! तुंहिंजो हैदराबाद जो सफ़रु कीअं रहयो। तूं हितां कहड़ी गाड॒ीअ में वई हुईअं ?

मीरां : नई दहली रेलवे स्टेशन खां हलंदड़ ए.पी. एक्सप्रेस सिधो सिकंदराबाद वेंदी आहे। मां ऐं मूं सां गड॒ कमु कंदड़ साथी इन्हीअ गाड॒ीअ में व्या हुआसीं

शकुंतला : हैदराबाद पहुचण में घणा कलाक लग॒दा आहिनि।

मीरां : हिक ड॒ींहु, मंझधि जो ब॒ीं बजे वारी गाड॒ी पकड़े बि॒ए ड॒ींहुं शाम जो चई बजे ई हैदराबादि पहुची वेंदा आहयूं।

शकुंतला : एतरे लंबे सफ़र में बोरियत कान थींदी आहे ?

मीरां : न, मां हमेशह दरीअ वारी सीट

سَبَقُ ١٦

حَيدراباد جو سَفَرُ

شَڪُنتَلا : ميران ! تُنهنجو حَيدراباد جو سَفَرُ ڪيئَن رَهيو. توُن هِتان ڪهڙِي ڳاڏِيءَ ۾ ويئِي هُئيئَن ؟

ميران : نَئِين دَهلِي ريلوي اِستيشَنِ کان هَلَندڙَ اي.پِي. ايڪسپريس سِڌو سِڪندراباد ويندِي آهي. مان ۽ مُون سان گَڏُ ڪَمُ ڪَندَڙ ساٿِي اِنهِيءَ ڳاڏِي ۾ ويا هُئاسِين.

شَڪُنتَلا : حَيدراباد پَهُچَڻ ۾ گهڻا ڪَلاڪَ لَڳَندا آهِن.

ميران : هِڪ ڏِينهُن مَنجَهندِ جو ٻِين ٻَجي واري ڳاڏِي پَڪَڙي، ٻِئي ڏِينهُن شامَ جو چَئِين ٻَجي ئِي حَيدراباد پَهُچِي ويندا آهيوُن.

شَڪُنتَلا : ايتري لَنبي سَفَرَ ۾ بورِيَت ڪانَ ٿِيندِي آهي ؟

ميران : نَ مان هَميشَه دَرِيءَ واري سِيٽ

ही लेती हूं। मुझे चलती हुई गाड़ी से बाहर देखते जाना अच्छा लगता है । बाहर के दृश्य देखते देखते ही समय बीत जाता है। रस्ते में बड़े बड़े पहाड़ बहती हुई नदियां, छोटे बड़े गांव और शहर नज़र आते हैं। काम करते हुए किसान गाती हुई औरतें और खेलते हुए बच्चों को देखकर अच्छा लगता है।

शकुंतला : हैदराबाद शहर कैसा है ?

मीरां : यह शहर निज़ाम के समय का बना हुआ बहुत पुराना है। वहां के 'चारमीनार' का नाम तो तुम्हारा सुना हुआ होगा। पूरा पुराना शहर इसीके चारों तरफ बसा हुआ है।

शकुंतला : तुमने खरीदारी भी की होगी ?

मीरां : हां, मैंने वहां के मोतियों की कुछ मालाएं और लाक्ष के पत्थर पर कारीगरी वाले कंगन खरीदे।

ई वठंदी आहयां। मूं खे हलंदड़ गाड॒ीअ मां ब॒ाहिरि ड॒िसणु सुठो लग॒दो आहे। ब॒ाहिरि जा नज़ारा ड॒िसंदे ड॒िसंदे ई वक्तु गुज़री वेंदो आहे। रस्ते में वड॒ा वड॒ा जबल, वहंदड़ नदयूं, नंढा वड॒ा ग॒ोठ ऐं शहर नज़र ईंदा आहिनि। कमु कंदड़ हारयुनि ग॒ाइंदड़ ज़ालुनि ऐं रांदि कंदड़ ब॒ारनि खे ड॒िसी सुठो लग॒दो आहे।

शकुंतला :हैदराबाद शहरु कीअं आहे ?

मीरां : हीउ शहरु निज़ाम जे ज़माने जो काफ़ी पुराणो ठहियलु आहे। हुतां जे चारमीनार जो नालो ब॒ुधलु हून्दुइ। सज॒ो पुराणो शहरु उन जे चौधारी वसियलु आहे।

शकुंतला :तो ख़रीदारी बि कई हूंदी ?

मीरां : हा, मां उतां जे मोतयुनि जूं कुझु माल्हाऊं ऐं लाख जे पथर ते कारीगरीअ जा कंगण ख़रीद कया।

ئي وَتَندي آهيان. مُون کي هَلَندڙ گاڏيءَ مان ٻاهِر ڏسڻُ سُنو لَڳَندو آهي. ٻاهِر جا نَظارا ڏِسَندي ڏِسَندي ئي وَقُت گُذري ويندو آهي. رَستي ۾ وَڏا وَڏا جَبَل، وَهَندڙ نَديون، نَنڍا وَڏا ڳوٺ ۽ شَهرَ نَظَر ايندا آهِن. ڪَمُ ڪَندڙ هارين ڳائيندڙ زالُن ۽ راند ڪَندڙ ٻارَن کي ڏِسي سُنو لَڳَندو آهي.

شَڪُنتَلا : حَيدرآباد شَهرُ ڪيئَن آهي ؟

ميران : هيءُ شَهرُ نِظامَ جي زَماني جو ڪافي پُراڻو ٺَهيلُ آهي. هُتان جي چارمينارَ جو نالو ٻُڌَلُ هونديءِ. سَڄو پُراڻو شَهرُ اُنَ جي چوڌاري وَسيَلُ آهي.

شَڪُنتَلا :تو خَريداري بِہ ڪَئي هوندي ؟

ميران : ها، مُون اُتان جي موتين جون مالهائون ۽ لاک جي پَٿر تي ڪاريگريءَ جا ڪَنگَڻ خَريد ڪَيا.

शकुंतला : और कहां कहां गई ?

मीरा : हैदराबाद में सालारजंग म्यूज़ियम, गोलाकंडा किला, बिरला मंदिर, हुसैन सागर देखने लायक हैं। पूरा हैदराबाद मेरा पहले भी घुमा हुआ और देखा हुआ है। घूमते घूमते मेरा बुरा हाल हो गया था। विशेष रुप से किले की सीढ़ीयां चढ़ते चढ़ते तो मेरी सांस फूल गई थी। पर उपर पहुंच कर शहर का दृश्य देखते ही पूरी थकान दूर हो गईथी।

शकुंतला : इतना मोहनेवाला है हैदराबाद। अवसर मिलने पर मैं अवश्य हैदराबाद घूमूंगी।

शकुंतला : ब़्यो किथे किथे वेईअं ?

मीरा : हैदराबाद में सालारजंग म्यूज़ियम , गोलकंडा किलो, बिरला मंदर, हुसैन सागर ड़िसण लाइकु आहिनि। सज़ो हैदराबाद मुंहिंजो पहरीं बि घुम्यलु ऐं ड़िठलु आहे । घुमंदे घुमंदे बुरो हाल थी व्यो होमि । ख़ास करे क़िले जूं ड़ाकणूं चढ़ंदे चढ़ंदे त साहु चढ़ी व्यो होमि । पर मथे पहुची शहर जो नज़ारो ड़िसंदेई सज़ो थकु भज़ो प्यो हो।

शकुंतला : अहड़ो मोहींदड़ु आहे हैदराबादि! मोको मिलण ते मां ज़रुर हैदराबाद घुमंदसि।

شڪُنتَلا : ٻيو ڪِٿي ويئِئَن ؟

مِيران : حَيدرآباد ۾ سالارجَنگ مِيوزِيَمر، گولڪنڊا قِلعو، بِرلا مَندر ۽ حُسَين ساگَر ڏِسَڻَ لائِقُ آهِن. سَڄو حَيدرآبادَ مُنهِنجو پَهرِين بِہ ڏِٺَلُ ۽ گهُمِيَلُ آهي. گهُمَندي گهُمَندي بُرو حالُ ٿِي ويو هومِ. خاص ڪري قِلعي جوُن ڏاڪڻُون چَڙهندي چَڙهندي تَہ ساهُہ چَڙهِي ويو هومِ. پَرَ مٿي پَهُچِي شَهَر جو نَظارو ڏِسَندي ئِي سَڄو ٿَڪُ ڀَڄِي پيو هو.

شَڪُنتَلا : اَهڙو موهِيندڙ آهي حَيدرآباد! موقعو مِلَڻَ تي مان ضَروُر حَيدرآباد گهُمندَسِ.

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
दृश्य	नज़ारा	نظارا
बीतना	गुज़िरणु	گُذرَڻُ
रास्ता	रस्तो	رَستو
पहाड़	जबलु	جَبَلُ
बहती हुई	वहंदड़	وَهَندڙ
किसान	हारी	هارِي

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
घंटा	कलाकु	ڪَلاڪُ
दोपहर	मंझंदि	مَنجهندِ
बजते ही	बजे ई	بَجي ئِي
बोरियत	बोरियत	بورِيَت
खिड़की	दरी	دَرِي

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
यात्रा	सफ़रु	سَفَرُ
कौन सी	कहड़ी	ڪَهڙِي
गाड़ी	गा<u>डी</u>	گاڏِي
चलनेवाली	हलंदड़ु	هَلَندڙُ
सीधा	सिधो	سِڌو
काम करनेवाले	कमु कंदड़	ڪَمُ ڪَندڙُ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
सीढ़ी	डाकणि	ڏاڪڻِ
सांस फूलना	साहु चढ़णु	ساهُ چڙهڻُ
उपर	मथे	مَٿي
थकान	थकु	ٿَڪُ
भागना	भजणु	ڀَڄڻُ
मोहनेवाला	मोहींदड़ु	موهيِندڙُ
कारीगरी	कारीगरी	ڪاريِگري

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
कड़ा	कंगणु	ڪَنگڻُ
ख़रीदे	ख़रीद कया	خَريد ڪَيا
घूमा हुआ	घुमयलु	گهُميَلُ
देखा हुआ	डिठलु	ڏِٺَلُ
बुरा हाल	बुरो हालु	بُرو حالُ
विशेषरूप से	ख़ास करे	خاص ڪَري

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
ज़माना	ज़मानो	زمانو
बना हुआ	ठहियलु	ٺَهيَلُ
सुना हुआ	बुधलु	ٻُڌَلُ
चारों तरफ	चौधारी	چَوڌاري
बसा हुआ	वसियलु	وَسيَلُ
अवसर	मोक़ो	مو قعو

1. निम्नलिखित वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1 नईं दहली रेलवे इस्टेशन ١ نئين دهلي ريلوي اِسٽيشن
खां हलंदड़ ए.पी. एक्सप्रेस کان هَلَندَڙ اي.پي. ايڪسپريس
सिधो सिकंदराबाद वेंदी आहे। سِڌو سِڪندرآباد ويندي آهي.

2 कमु कंदड़ हारयुनि, गाईंदड़ ٢ ڪَمُ ڪندَڙ هاريُنِ، ڳائيندڙ
ज़ालुनिऐं रांदि कंदड़ बारनि زالُنِ ۽ راندِ ڪندَڙ ٻارَنِ کي
खे डिसी सुठो लगदो आहे। ڏسي سُٺو لڳندو آهي.

3 बाहिरि जा नज़ारा डिसंदे ٣ ٻاهِرجا نظارا ڏِسَندي ڏِسَندي
डिसंदे ई वक़्तु गुज़िरी वेंदो आहे। ئي وَقتُ گُذري ويندو آهي.

4 डाकणयूं चढ़ंदे चढ़ंदे त ٤. ڏاڪڻيُون چَڙهندي چَڙهندي تہ
साहु चढ़ी व्यो होमि। ساهُہ چَڙهي ويو هوم.

5 शाम जे चार वजदे ई ٥ شامَ جو چارِ وَڄندي ئي حيدرآبادَ
हैदराबाद पहुची वेंदा आहयूं। پَهُچي ويندا آهيُون.

6 शहर जो नज़ारो डिसंदे ई सजो ٦ شَهر جو نَظارو ڏِسَندي ئي
थकु भजो व्यो हो। سَڄو ٿَڪُ ڀَڄي ويو هو.

7 ही शहरु निज़ाम जे ज़माने ٧ هي شَهرُ نِظامَ جي زماني جو
जो काफ़ी पुराणो ठहियलु आहे। ڪافي پُراڻو ٺَهيَلُ آهي.

8 सजो पुराणो शहरु उन जे ٨ سَڄو پُراڻو شَهرُ اُنَ جي
चौधारी वसियलु आहे। چَوڌاري وَسيَلُ آهي.

2. **उदाहरण के अनुसार दिए हुए वाक्यों को बदलिए।**

गाडो हले पेई ڳاڏي هَلي پيئي.
हलंदड़ गाडी هَلَندَڙ ڳاڏي.
साथी कमु करे प्यो। ساٿي ڪَمُ ڪَري پيو.
कमु कंदडु साथी। ڪَمُ ڪَندَڙُ ساٿي.

1 नदी वहे पेई। ١. نَدي وَهي پيئي.
2 हारी कमु करे प्यो। ٢. هاري ڪَمُ ڪَري پيو.
3 ज़ाल गाए पेई ٣. زالَ ڳائي پيئي.
4 बारु रांदि करे प्यो। ٤. ٻارُ راندِ ڪَري پيو.
5 बारु खिले प्यो। ٥. ٻارُ کِلي پيو.

3. **उदाहरण के अनुसार दिए हुए वाक्यों को वाक्यांशों में बदलकर नए वाक्य बनाइए।**

मिसालु : पाणी वहे प्यो। مِثالُ : پاڻي وَهي پيو.
मूं वहंदड़ पाणी डिठो। مون وَهندَڙ پاڻي ڏِٺو.

1 छोकरो पढ़े प्यो। ١. ڇوڪرو پَڙهي پيو.
2 मोरु नचे प्यो। ٢. مورُ نَچي پيو.
3 छोकरी रांदि करे पेई। ٣. ڇوڪري راندِ ڪَري پيئي.

4 छोकरी खिले पेई। ۴. ڇوڪري کِلي پيئِي.

5 बारु सुम्हे प्यो। ۵. ٻارُ سُمهي پيو.

4. **उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।**

मिसालु : तो चारमीनार जो नालो बुधो आहे। مِثالُ : تو چارمينارَجو نالو ٻُڌو آهي.

तुहिंजो चारमीनार नालो बुधल आहे। تُنهنجو چارمِينارَ نالو ٻُڌَل آهي.

1 अकबर फतहपुर सिकरी वसाई आहे। ۱. اَڪبرَ فَتحپوُر سِڪرِي وَسائِي آهي.

2 प्रेमचंद गोदानु लिख्यो आहे। ۲. پريمچندَ گودانُ لِکيو آهي.

3 महात्मा गांधीअ अहंसा परमो धर्म जो नारो डिनो आहे। ۳. مهاتما گانڌيءَ اَهنسا پَرَمو ڌَرمَ جو نعرو ڏِنو آهي.

4 मीरां हीउ किताबु पढ़यो आहे। ۴.ميِران هيءُ ڪتابُ پَڙهيوآهي.

5 मूं घर में झूलेलाल जो फोटो रखयो आहे। ۵. مُون گهرَ ۾ جهوُليلال جو فوٽو رَکيو آهي.

5. **उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए शब्द के उचित रूप से वाक्य पूर्ति कीजिए।**

मिसालु : बाहिरि जा नज़ारा —— ई वक़्तु गुज़री वेंदो आहे। (डिसंदे) مِثالُ : ٻاهِرِ جا نظارا---- ئِي وَقتُ گُذرِي ويندو آهي. (ڏِسَندي)

बाहिरि जा नज़ारा डिसंदे डिसंदे ई वक़्तु गुज़री वेंदो आहे। ٻاهِرِ جا نَظارا ڏِسَندي ڏِسَندي ئِي وَقتُ گُذرِي ويندو آهي.

1 मीरां किताबु —— मानी खाए पेई। (पढ़ंदे) ۱. ميِران ڪِتابُ ------ مانِي کائي پيئِي. (پَڙهَندي)

2 राजू टी.वी —— सुम्ही प्यो। (डिसणु) ۲. راجوُ ٽِي.وِي ----- سُمهِي پيو. (ڏِسَندي)

3 रमेशु रेडयो —— लिखे प्यो। (बधणु) ۳. رَميشُ ريڊيو ----- لِکي پيو. (ٻُڌَڻُ)

4 गुड़या —— अचे पेई। (नचणु) ۴. گُڙيا ----- اَچي پيئِي. (نَچَڻُ)

5 नित्य —— खिले प्यो। (सुम्हंदे) ۵. نِتيَہ ----- کِلي پيو. (سُمهَندي)

5. **दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर वाक्य पूर्ति कीजिए।**

(पहुचंदे, पढ़ंदे, लेटंदे, डिसंदे, घुमंदे)

(پَھُچَندي، پَڙهندي، ليٽَندي، ڏِسَندي، گُهمَندي)

1 शहर जो नज़ारो ——— ई सजो थकु भजी प्यो।

ا. شَهرَ جو نَظارو ---- ئي سَڄو ٿَڪُ ڀَڄِي پيو.

2 असां जे इस्टेशन ते ——— ई गाडो हलण लगो।

٢. اَسان جي اِستيشَنَ تي ---- ئي گاڏِي هَلَڻ لَڳِي.

3 रामु बाग़ में ——— ई ख़ुशि थियण लगो।

٣. رامُ باغُ ۾ ----- ئي خوُشِ ٿِيَڻ لَڳو.

4 शीला पलंग ते ——— ई सुम्ही पेई।

٤. شيِلا پَلَنگَ تي ---- ئي سُمهِي پيئِي.

5 हू ख़बर ——— ई घरां निकरी व्यो।

٥. هوُ خَبَرَ ---- ئي گهران نِڪرِي ويو.

टिप्पणियां

1. सिंधी में वर्तमानकालिक कृदंत रूपों की रचना किया धातु में सामान्य भविष्यकालिक प्रत्यय 'ईंद' या 'अंद' और कृदंतीय प्रत्यय 'अड़' जोड़कर होती है, जैसा कि नीचे देखा जा सकता है।

उदाहरण :

1 खा+ईंद+अड़ = खाईंदड़ — ا. کا + اِيندَ + اَڙَ = کائِيندَڙ

2 मिल+अंद+अड़ = मिलंदड़ — ٢. مِلَ + اندَ + اڙَ = مِلَندَڙ

3 गा+ईंद+अड़ = गाईंदड़ — ٣. ڳا + اِيندَ + اَڙَ = ڳائِيندَڙ

4 डिस+अंद+ अड़ = डिसंदड़ — ٤. ڏِسَ + اَندَ + اَڙَ = ڏِسَندَڙ

भजंदड़ु घोड़ो — ڀَڄَندَڙُ گهوڙو.

वहंदड़ नदी — وَهَندَڙ نَدِي.

हलंदड़ गाडी — هَلَندَڙ گاڏِي.

वर्तमानकालिक कृदंत के इन रूपों का प्रयोग विशेषण और संज्ञा के रूप में होता है। विशेषण के रूप में ये विशष्य संज्ञा के लिंग और वचन के अनुसार बदलते हैं, जैसा कि उपरोक्त उदाहरणों में देखा जा सकता है।

(ख) इन रूपों का प्रयोग संज्ञा के रूप में भी होता है, जैसा कि नीचे के उदाहरण में देखा जा सकता है।

वेंदड़नि खे न रोकयो।	ويندَڙن کي نـَ روڪيو.
जाते हुओं को मत रोकीये।	

(ग) वर्तमानकालिक कृदंत के इन रूपों के तिर्यक रूप की पुनरुक्ति कर इनका प्रयोग किया विशेषण की तरह कर सकते हैं, जैसा कि नीचे दिए गए उदाहरणों से स्पष्ट होता है।

(ग) वर्तमानकालिक कृदंत के इन रूपों के तिर्यक रूप की पुनरुक्ति कर इनका प्रयोग किया विशषेण की तरह कर सकते हैं, जैसा कि नीचे दिए गए उदाहरणों से स्पष्ट होता है।

1	असीं क़िले जूं डाकणयूं चढ़ंदे चढ़ंदे थकजी पवंदा आहयूं।	١. اَسين قِلعي جوُن ڏاڪڻيوُن چَڙهندي چَڙهندي ٿَڪجي پَوَندا آهيوُن.
2	बाहिरि जा नज़ारा डिसंदे डिसंदे ई वक्तु गुज़री वेंदो आहे।	٢. ٻاهِرِ جا نظارا ڏِسَندي ڏِسَندي ئي وَقتُ گُذري ويندو آهي.

(घ) वर्तमानकालिक कृदंत के तिर्यक रूप के साथ अव्यय 'ई' जुड़ने पर कार्य के तुरंत होने की सूचना मिलती है, जैसा कि निम्नलिखित उदाहरणों में देखा जा सकता है।

1	चईं बजे ई गाडो हैदराबाद पहुची वेंदी आहे।	١. چَئين ٻَجي ئي گاڏي حيَدرآباد پَهُچي ويندي آهي.
2	बार इस्कूल मां ईंदे ई मानी खाईंदा।	٢. ٻارَ اِسڪوُل مان ايِندي ئي ماني کائيِندا.

(ङ) वर्तमानकालिक कृदंत का तिर्यक रूप किया पदबंध के हिस्से के रूप में भी प्रयोग किया जा सकता है। उदाहरण देखें।

1	राम सीता खे वेंदे डिठो।	١. رامَ سيتا کي ويندي ڏٺو.
2	मूं गीता खे गाईंदे बुधो।	٢. موُن گيتا کي ڳائيِندي ٻُڌو.

1. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उतर दीजिए।

1. नईं दहली रेलवे इस्टेशन खां सिधो सिकंदराबाद कहड़ी गाॾो वेंदी आहे ?

١. نَئِي دهلِي ريلوي اِستيشن کان سِڌو سِڪندرابادَ ڪهڙِي گاڏِي ويندِي آهي ؟

____

2. मीरां सां गॾु ॿ्यो केरु हैदराबाद व्यो हो ?

٢. مِيران سان گَڏُ ٻيو ڪيرُ حَيدراباد ويو هو ؟

____

3. गाॾोअ में मीरां जो वक्तु कीअं गुज़री वेंदो आहे ?

٣. گاڏِيءَ ۾ مِيران جو وَقتُ ڪيئَن گُذرِي ويندو آهي ؟

____

4. चारमीनार जे चौधारी छा वसियलु आहे ?

٤. چارمِينار جي چَوڌارِي ڇا وَسِيَلُ آهي ؟

____

5. हैदराबाद में ॾिसण लाइकु कहिड़यूं जॻहयूं आहिनि ?

٥. حَيدراباد ۾ ڏِسَڻ لائِقُ ڪهڙيوُن جَڳهيوُن آهِنِ ؟

____

2. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए शब्द के उचित रूपों से दो दो वाक्य बनाइए।

मिसालु : ब॒ाहिरि जा नज़ारा ——— वक़्तु गुज़री वेंदो आहे। (ड॒िसंदे)

مِثالُ : ٻاهِرِ جا نظارا --------- وَقتُ گُذرِي ويندو آهي. (ڏِسڻُ)

ब॒ाहिरि जा नज़ारा ड॒िसंदे ई वक़्तु गुज़री वेंदो आहे।

ٻاهِر جا نظارا ڏِسندي ئِي وَقتُ گُذرِي ويندو آهي.

ब॒ाहिरि जा नज़ारा ड॒िसंदे ड॒िसंदे वक़्तु गुज़री वेंदो आहे।

ٻاهِر جا نَظارا ڏِسندي ڏِسندي وَقتُ گُذرِي ويندو آهي.

1. मीरां किताबु ——— सुम्ही पेई। (पढ़णु)

١. ميران ڪِتابُ ---------- سُمهِي پيئِي. (پَڙهڻُ)

---

2. राजू टी.वी ——— सुम्ही प्यो। (ड॒िसणु)

٢. راجوُ ٽِي.وِي ----------- سُمهِي پيو. (ڏِسڻُ)

---

3. महेशु ख़तु ——— ख़्यालनि में गुम थी व्यो। (लिखणु)

٣. مَهيشُ خَط --------- خيالِن ۾ گُم ٿِي ويو. (لِکَڻُ)

---

4. गुड॒ो ——— किरी पेई। (नचणु)

٤. گُڏِي ----------- ڪِري پيئِي. (نَچڻُ)

5. सरोज रेडये ते गीतु ——— लिखणु लगो। (बधणु)

۵. سَروجِ ريڊيي تي گيِتُ ------------ لِکڻ لڳي. (ٻڌڻُ)

4. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : मा हैदराबाद घुमी आहयां।

मुंहिंजो हैदराबाद घुम्यलु आहे।

مِثالُ : مان حَيدراباد گُهمي آهيان.

مُنهنجو حَيدراباد گُهميلُ آهي.

1. शीला रामाइणु बधो आहे।

۱. شيلا رامائڻ ٻڌو آهي.

2. तो नदीअ में स्नानु कयो आहे।

۲. تو نَديءَ ۾ سنانُ ڪيو آهي.

3. छा तव्हां कारि हलाई आहे ?

۳. ڇا تَوهان ڪار هَلائي آهي ؟

4. मूं ताजमहलु कोन डि॒ठो आहे। | ۴. مون تاج مَحلُ کونہَ ڏِٺو آهي.

-- | --

5. हुन सिंधीअ में एम.ए कई आहे। | ۵. هُنَ سِنڌِيءَ ۾ ايم. اي. ڪَئِي آهي.

-- | --

5. निम्नलिखित वाक्यों का सिंधी में अनुवाद कीजिए।

1. चलती हुई गाड़ी से कभी नहीं उतरना चाहिए।

----

2. मुझे काम करते करते दो घंटे हो गए।

----

3. मीरा को आफ़िस पहुंचते ही मीटिंग में जाना पड़ा।

----

4. प्रेमचंद का साहित्य मेरा पढ़ा हुआ है।

----

5. जयपुर मेरा देखा हुआ है।

पाठ 17

मामोई सन्यासियों के पद

दीपक : यार! मुझे सिंधी साहित्य के सेमिनार के लिए एक लेख लिखकर भेजना है। सिंधी पदों पर कुछ पुस्तकें निकाल कर दो।

रमेश : मामोई सन्यासियों के पदों पर लिखकर भेजो। मैं तुम्हें कुछ पुस्तकें निकाल कर देता हूं।उनमें से अच्छे पद चुन चुन कर लेख लिख सकते हो।

(दीपक रमेश से पुस्तकें लेकर घर आता है)

सोनू : दादा! क्या आप मेरे लिए कहानी की पुस्तकें लेकर आए हैं ?

दीपकु : नहीं बेटा, ये मामोई सन्यासियों के पदों के पुस्तकें हैं।

सोनू : मामोई सन्यासी कौन थे दादा ?

दीपकु : बेटा, यह एक दिलचस्प कहानी है।

सबकु 17

मामोई फ़क़ीरनि जा बैत

दीपकु : यार! मूं खे सिंधी अदब जे सेमीनार लाइ हिकु लेखु लिखी करे मोकलणो आहे। सिंधी बैतनि ते के किताब कढी ड॒।

रमेशु : मामोई फ़क़ीरनि जे बैतनि ते लिखी मोकलि। मां तोखे कुझु किताब कढी ड॒ियां थो। उन्हनि मां सुठा बैत चूंडे लेख लिखी सघीं थो।

(दीपकु रमेश खां किताब वठी घर करे अचे थो)

सोनू : दादा! छा मूं लाइ कहाणीअ जा किताब वठी आया आहयो ?

दीपकु :न पुट, हीउ मामोई फ़क़ीरनि जे बैतनि जा किताब आहिनि।

सोनू : मामोई फ़क़ीर केरु हुआ, दादा ?

दीपकु : पुट, ईहा हिक दिलचस्पि आखाणी

سَبَقُ ١٧

ماموئِي فَقيرِنِ جا بَيتَ

ڏيپَڪُ : يارَ! مونَ کي سِنڌِي اَدَبَ جي سيمينارَ لاءِ هڪُ ليکُ لِکِي ڪَري موڪلڻو آهي. سِنڌِي بَيتَنِ تي ڪي ڪِتابَ ڪڍِي ڏي.

رَميشُ : ماموئِي فَقيرَنِ جي بَيتَنِ تي لِکِي موڪِلِ. مان توکي ڪُجهہ ڪِتابَ ڪَڍِي ڏِيان ٿو. اُنهَنِ مان سُٺا بَيتَ چونڊِي ليک لِکِي سَگهين ٿو.

(ڏيپَڪُ رَميشَ کان ڪِتابَ وَٺِي ڪَري گهرُ اَچي ٿو)

سونوُ : دادا! ڇا مونَ لاءِ ڪَهاڻِيءَ جا ڪِتابَ وَٺِي آيا آهيو ؟

ڏيپَڪُ : نَہ پُٽَ، هيءُ ماموئِي فقيرَنِ جي بَيتَنِ جا ڪِتابَ آهِنِ.

سونوُ : ماموئِي فَقِيرڪيرُ هُئا، دادا ؟

ڏيپَڪُ : پُٽَ، اِها هڪَ دِلچسپُ آکاڻِي آهي.

ध्यान देकर सुनो। सुनकर अपने दोस्तों को सुनाना। एक बार मुलतान के संत मख़दूम बहाउददीन ठटे (सिंध) में अपने शिष्यों को लेकर बदीन जाने के लिए आए थे। उनके अनपढ़ शिष्यों ने सोचा, यदि हम अपने धर्मगुरु को काट काट कर एक हांडी में पका कर खाएं तो वे सदा हमारे दिल में रहेंगे।

सोनू : फिर क्या हुआ, दादा ?

दीपक : इस विचार की खबर सुनकर बहाउदीन का बड़ा ख़लीफा शेख स्वामी के बिस्तर पर सो गया। बिना देखे शिष्यों ने उसे अपना गुरु समझकर उसके टुकड़े टुकड़े करके हांडी में डालकर पकाने लगे। मांस बनकर तैयार होने पर वे बहुत पछतावा करने लगे। उन्होने वह हांडी मास बिना खाए ही नदी में बहा दी।

सोनू : फिर ?

दीपक : नदी के किनारे बैठे सात मछुआरे वह

आहे। ध्यानु डई बुधु। बुधी पंहिंजे दोस्तनि खे बुधाइज। हिक दफ़े मुलतान जो संतु मख़दूम बहाउदीन ठटे (सिंध) में पंहिंजे मुरीदनि खे वठीकरे बदीनि वञण लाइ आयो हो। उनजे अणपढ़ियल मुरीदनि सोचयो जे असीं पंहिंजे मुर्शिद खे टुकरा टुकरा करे हिक देगि में रधेकरे खाऊं त उहे सदाईं असांजी दिलयुनि में रहंदा।

सोनू : पोइ छा थ्यो, दादा ?

दीपकु : उन वीचार जी ख़बर बुधी बहाउदीन जो वडो ख़लीफ़ो शेख़, साईंअ जे बिस्तरे ते सुम्ही प्यो। बिना डिठे मुरीदनि उन खे पंहिंजो मुर्शिदु समुझी करे टुकर टुकर करे देगि में विझी रधण लगा। मासु ठही त्यारु थ्यण ते हू डाढो पछताउ करण लगा। उन्हनि उहा देगि मासु बिना खाईण जे ई नदीअ में वहाए छडो।

सोनू : पोइ ?

दीपकु :नदीअ जे किनारे ते वेठल सत मुहाणा

ڌيانُ ڏيئي ٻُڌُ. ٻُڌي پَنهنجَنِ دوستَنِ کي ٻُڌائِجِ. هِڪَ دَفعي مُلتانَ جوسَنتُ مَخدوُمِ بَهائُدين ٺَٽي (سِنڌ) ۾ پَنهنجَنِ مُريدنِ کي وٺي ڪري بَدينِ وَڃَڻَ لاءِ آيو هو. اُنَ جي اَڻَ پَڙهيلَ مُريدنِ سوچيوتَ جي اَسين پَنهنجي مُرشِدَ کي ٽُڪرا ٽُڪرا ڪري هِڪَ ديڳِ ۾ رَڌي ڪري کائُون تہ اُهي سَدائين اَسانجي دِليُنِ ۾ رَهَندا.

سونوُ: پوءِ ڇا ٿيو، دادا ؟

ديپَڪ: اُنَ ويچارَ جي خَبَرَ ٻُڌي بَهائُدينِ جو وَڏو خَليفو شيخ سائينءَ جي بِستري تي سُمهي پيو. بِنا ڏِٺي مُريدَنِ اُنَ کي پَنهنجو مُرشِدُ سَمُجهي ڪري ٽُڪرَ ٽُڪرَ ڪري ديڳِ ۾ وِجهي رَڌَڻَ لَڳا. ماسُ ٺَهي تَيارُ ٿِيڻَ تي هوُ ڏاڍو پَڇِتاءُ ڪَرَڻَ لَڳا. اُنهنِ اُها ديڳِ، ماسُ بِنا کائِڻُ جي ئي نَديءَ ۾ وَهائي ڇَڏِي.

سونوُ: پوءِ ؟

ديپَڪ: نَديءَ جي ڪِناري تي ويٺَلَ سَتَ مُهاڻا

हांडी देखकर खुश हुए। हांडी में से पका पकाया मांस निकाल निकालकर खाने लगे। मांस खा कर वे दर्वेश हो गए और भविष्यवाणियां करने लगे।

सोनू : फिर क्या हुआ ?

दीपक : एक बार ठटे के राजा ज़ाम तमाची ने किसी बात पर गुस्से में आकर बिना सोचे सातों दर्वेशों (मछुआरों) के सिर धड़ से अलग करवा दिए। हर एक धड़ अपना सिर हाथ में लेकर पदों के रूप में भविष्यवाणियां करते हुए पूर्व दिशा की तरफ उड़ गया।

सोनू : दादा, मैं यह मामोई सन्यासियों की कहानी अपने दोस्तों को अवश्य सुनाऊंगा।

उहा देगि॒ डि॒सी करे खुशि थ्या। देगि॒ मां रधयलु ठहियलु मासु कढी कढी खाइण लगा॒। मासु खाई हू दर्वेश थी प्या ऐं अग॒कथयूं करण लगा॒।

सोनू : पोइ छा थ्यो ?

दीपकु : हिक दफ़े ठटे जे राजा, ज़ाम तमाचीअ कंहिं गा॒ल्हि ते कावड़ि में अची बिना सोचे सतनि ई दर्वेशनि (मुहाणनि) जा सिर धड़ खां अलग॒ कराए छडि॒या। हर हिक धडु॒ पंहिंजो सिरु हथ में खणी बैतनि में अग॒कथयूं कंदो ओभर डां॒हुं उडा॒मी व्यो।

सोनू : दादा, मां इहा मामोई फ़क़ीरनि जी आखाणी पंहिंजनि दोस्तनि खे ज़रुर बुधाइंदुसि।

اُها ديڳ ڏسي ڪري خوش ٿيا. ديڳ مان رڌيلُ ٺهيلُ ماس ڪڍي ڪڍي کائڻ لڳا. ماس کائي هو دَرويش ٿي پيا ۽ اڳڪٿيون ڪرڻ لڳا.

سونو: پوءِ ڇا ٿيو ؟

ديپڪ: هڪ دفعي ٺٽي جي راجا، ڄام تماچيءَ ڪنهن ڳالهه تي ڪاوڙ ۾ اچي بنا سوچي ستن ئي دَرويشن (مُهاڻن) جا سر ڌڙ کان اَلڳ ڪرائي ڇڏيا. هر هڪ ڌڙُ پنهنجو سرُ هٿ ۾ کڻي بيتن ۾ اڳڪٿيون ڪندو اوڀر ڏانهن اُڏامي ويو.

سونو: دادا، مان اِها ماموئي فقيرن جي آکاڻي پنهنجن دوستن کي ضرور ٻڌائيندس.

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
बनकर	ठही	ٺَهي
पछतावा	पछताउ	پڇتاءُ
बहाना	वहाइणु	وَهائِڻُ
बैठे हुए	वेठल	ويٺَلَ
सात	सत	سَت
मछुआरे	मुहाणा	مُهاڻا
पक्का पकाया	रधयलु ठहियलु	رَڌَيلُ،ٺَهيَلُ
संत	दरवेश	دَرويش

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
धर्मगुरु	मुर्शिद	مُرشِدَ
काट काटकर	कटे कटे	ڪَٽي ڪَٽي
बड़ी हंडी	देगि	ديڳِ
पकाना	रधणु	رَڌَڻُ
दिल में	दिलयुनि में	دِليُن ۾
विचार	वीचारु	ويچارُ
जानकारी	ख़बर	خَبَرَ
स्वामी	साईं	سائِين

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
सन्यासी	फ़कीर	فَقِير
पद	बैतु	بَيتُ
साहित्य	अदबु	اَدَبُ
लेख	लेखु	ليکُ
लिखकर	लिखी	لِکي
भेजना	मोकिलणो	موڪلڻو
कुछ	के	ڪي
निकालकर दो	कढी डे	ڪَڍي ڏي

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
गुस्से में	कावड़ि में	ڪاوڙِ ۾
सातों	सतनि ई	سَتَنِ ئي
धड़	धड़ु	ڌَڙُ
बिस्तर	बिस्तरु	بِستَرُ
बात	ॻाल्हि	ڳالهِ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
टुकड़े टुकड़े	टुकर टुकर	ٽُڪَرَ ٽُڪَرَ
डालकर	विझी	وِجهِي
मांस	मासु	ماسُ
उड़ गए	उॾामी व्या	اُڏامي ويا
भविष्यवाणी	अॻकथी	اَڳَڪَٿِي

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
भेजो	मोकिलि	موڪِلِ
चुन चुनकर	चूंडे चूंडे	چوُنڊي چوُنڊي
शिष्य	मुरीदु	مُرِيدُ
अनपढ़	अणपढ़ियलु	اَڻپَڙهِيلَ
सर	सिर	سِر

1. निम्नलिखित वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1	मूं खे हिकु लेख लिखी मोकिलणो आहे।	١. مونَ کي هِڪُ ليک لِکِي موڪلڻو آهي.
2	सिंधी बैतनि ते के किताब कढी ड॒।	٢. سِنڌي بَيتَنِ تي ڪي ڪِتابَ ڪَڍي ڏي.
3	तूं सुठा बैत चूंडे लेख लिखी सघीं थो।	٣. توُن سُٺا بَيتَ چوُنڊي ليکَ لِکِي سَگهين ٿو.
4	देगि॒ मां रधयलु ठहियलु मासु कढी कढी खाइण लगा॒।	٤. ديڳَ مان رَڌَيلُ ٺَهيَلُ ماسُ ڪَڍي ڪَڍي کائڻ لَڳا.
5	उहा देगि॒ बिना खाधे ई नदीअ में वहाए छडो॒।	٥. اُها ديڳَ بِنا کاڌي ئي نَديءَ ۾ وَهائي ڇَڏِي.
6	राजा बिना सोचे सतनि ई दरवेशनि जा सिर धड़ खां अलग॒ कराए छड॒या।	٦. راجا بِنا سوچي ئي سَتنِ ئي دَرويشَنِ جا سِر ڌَڙَ کان اَلڳَ ڪَرائي ڇَڏيا.
7	मुहाणा उहा देगि॒ ड॒िसी करे खुशि थ्या।	٧. مُهاڻا اُها ديڳَ ڏِسِي ڪَري خوُشِ ٿيا.
8	मुरीद उन खे पंहिंजो मुर्शिदु समुझी टुकर करे रधण लगा॒।	٨. مُريدَ اُنَ کي پَنهِنجو مُرشِدُ سَمُجهِي ٽُڪَرَ ڪَري رَڌَڻَ لَڳا.

2. वाक्य में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए शब्दों से उचित शब्द का प्रयोग करते हुए नए वाक्य बनाइए।

1	राम अख़बार पढ़ी करे नेरनि कई। (ड॒िसीकरे, खाईकरे, वञीकरे)	١. رامَ اَخبارَ پَڙهي ڪَري نيرَنِ ڪَئي. (ڏِسِي ڪَري، کائي ڪَري، وَڃِي ڪَري)
2	रमेश होटल पहुची करे चांहि पीती। (पढ़ीकरे, लिखीकरे, वञीकरे)	٢. رَميشَ هوٽَلَ پَهچِي ڪَري چانهِه پِيتِي. (پَڙهِي ڪَري، لِکِي ڪَري، وَڃِي ڪَري)
3	बा॒र उथी करे माउ खां पैसा घुरया। (कढीकरे, थी करे, अची करे)	٣. ٻارَ اُٿِي ڪَري ماءُ کان پَيسا گُهريا. (ڪَڍي ڪَري، ٿِي ڪَري، اَچِي ڪَري)
4	राधा बा॒रनि खे मानी रधे कर डि॒नी। (ठाहेकरे, ड॒िसीकरे, लिखीकरे)	٤. رادا ٻارَنِ کي ماني رَڌي ڪَري ڏِني. (ٺاهي ڪَري، ڏِسِي ڪَري لِکِي ڪَري)
5	बाबा पाठु पढ़ीकर राजूअ खे समझायो। (थी करे, पी करे, लिखी करे)	٥. بابا پاٺُ پَڙهِي ڪَري راجوءَ کي سَمجهايو. (ٿِي ڪَري، پِي ڪَري، لِکِي ڪَري)

3. कोष्ठक में दिए शब्द के उचित रूप से वाक्य पूर्ति कीजिए।

1	कविता देवदास जी कहाणी	١. ڪَوِتا ديوداسَ جي ڪَهاڻي
	----- रुअण लगी। (बुधणु)	----- رُئَڻَ لڳي. (ٻُڌَڻُ)
2	कमला मानी टेबल ते ----	٢. ڪَملا ماني ٽيبَلَ تي -----
	सभनी खे खाराइ। (रखणु)	سڀني کي کارائي. (رَکَڻُ)
3	कमल विमला खे अलमारीअ मां	٣. ڪَمَل وِملا کي اَلماريءَ مان
	किताब---- अचण लाइ चयो।	ڪِتابَ--- اَچَڻَ لاءِ چيو.
	(कढण)	(ڪَڍڻُ)
4	मास्तर बारनि खे ब पाठ यादि	٤. ماستر ٻارَنِ کي ٻہ پاٺَ يادِ
	---- अचण लाइ चयो। (करणु)	--- اَچَڻُ لاءِ چيو. (ڪَرَڻُ)
5	दीपकु सदाईं ---- गाल्हाईंदो	٥. ديپَڪُ سَدائين----
	आहे। (सोचणु)	ڳالهائيندو آهي. (سوچَڻُ)

4. उपयुक्त कियारूप का प्रयोग करते हुए निम्न वाक्यों की पूर्ति कीजिए।

1	सुलोचना भाउ जी चिठी ----	١. سُلوچنا ڀاءُ جي چِٺي ----
	ख़ुशि थी वेई। (पढ़णु)	خوشِ ٿي ويئي. (پَڙهڻُ)
2	बार आइस्कीम ---- करे	٢. ٻارَ آئيسڪرِيم ---- ڪَري
	नचण लगा। (खाइणु)	نَچَڻ لڳا. (کائِڻُ)
3	कमलु आफ़ीस मां छुटी ----	٣. ڪَمَلُ آفيسَ مان ڇُٽي ----
	घुमण व्यो। (वठणु)	گهُمَڻَ ويو. (وَٺَڻُ)
4	प्रेम सुबुह जो बज़ारि मां मखणु	٤. پريم صُبُحَ جو بَزارِ مان
	----- आयो। (खाइणु)	مَکَڻُ --- آيو. (کائِڻُ)
5	राजूअ घरि ----- करे मानी	٥. راجوءَ گهر ---- ڪَري ماني
	खाधी। (पहुचणु)	کاڌي. (پَهچَڻُ)

5. उदाहरण के अनुसार वाक्य युग्मों को जोड़िए।

	मिसालु : राजू घरि आयो।	مِثالُ : راجوُ گَهرِ آيو.
	राजूअ मानी खाधी	راجوءَ ماني کاڌي.
	राजूअ घरि अची मानी खाधी।	راجوءَ گَهر اَچي ماني کاڌي.
1	सुरेश किताबु पढ़यो। सुरेश	١. سُريشَ ڪِتابُ پَڙهيو. سُريش
	भेण खे आखाणी बुधाई।	ڀيڻ کي آکاڻي ٻُڌائي.
2	बाबा सुबुह जो जल्दी उथंदा	٢. بابا صُبُحَ جو جَلدي اُٿَندا
	आहिनि। बाबा सुबुह जो	آهِنِ. بابا صُبُحَ جو گهُمَڻَ
	घुमण वेंदा आहिनि।	ويندا آهِنِ.

3 दीपकु आफ़ीस मां छुटी वठंदो।वंदो। ٣. دِيپَڪُ آفِيس مان ڇُٽِي وٺَندو.
दीपकु परीवार सां ऊटी वेंदो। دِيپَڪُ پَرِيوارَ سان گَڏُ اوٽِي ويندو.
4 कमलु शाम जो घर वेंदो। ٤. ڪَمَلُ شامَ جو گَهر ويندو. ڪَمَلُ
कमलु बज़ारि मां भाजो आणींदो। بَزارِ مان ڀاڄِي آڻِيندو.
5 सुरेशु घर पहुतो। सुरेश चिठी ٥. سُريش گَهر پَهُتو. سُريشَ
लिखी। چِٺي لِکِي.

6. उदाहरण के अनुसार वाक्य युग्म जोड़िए।

मिसालु : गीता सजो डींहुं مِثالُ : گِيتا سَڄو ڏِينهُن پَڙهَندِي
पढ़ंदी रही। गीता थकजी पेई। رَهي. گِيتا ٿَڪجِي پيئِي.
गीता सजो डींहु पढ़ी पढ़ी گِيتا سَڄو ڏِينهُن پَڙهِي پَڙهِي
थकजी पेई। ٿَڪجِي پيئِي.

1 बारु मिठाई खाए प्यो। बार ١. ٻارُ مِٺائِي کائي پيو. ٻار
मिठाई ख़तमु करे छडो। مِٺائِي خَتمُ ڪَري ڇَڏِي.
2 माण्हू टिकाणे में अचनि प्या। ٢. ماڻهوُ ٽِڪاڻي ۾ اَچَنِ پيا.
माण्हू दर्शन कनि प्या। ماڻهوُ دَرشَنِ ڪَنِ پيا.
3 बारनि सर्कसि में जोकर डिठो। ٣. ٻارَنِ سَرڪَسِ ۾ جوڪَر ڏِٺو.
बार खुशि थ्या। ٻارَ خوُشِ ٿيا.
4 अशोकु घणो खाए थो। अशोकु ٤. اَشوڪ گَهڻو کائي ٿو. اَشوڪ
बीमारु थिए थो। بِيمارُ ٿئي ٿو.
5 दीपकु गाल्हियूं बुधे प्यो। ٥. دِيپَڪُ ڳالهيوُن ٻُڌي پيو.
दीपकु परेशान थी प्यो। دِيپَڪُ پَريشانِ ٿِي پيو.

7. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : रामु घरां मानी खाई مِثالُ: رامُ گَهران مانِي کائِي
करे न निकतो। ڪَري نَہ نِڪتو.
रामु घरां मानी खाधे बिना رامُ گَهران مانِي کاڌي بِنا
निकतो। نِڪتو.

1 राजू रस्ते ते डिसी करे न ١. راجوُ رَستي تي ڏِسي ڪَري نَہ
प्यो हले। پيو هَلي.
2 कमला इम्तिहान में पढ़ी करे ٢. ڪَملا اِمتحانَ ۾ پَڙهِي ڪري
न वेई। نَہ ويئِي.
3 सुरेशु सिनेमा डिसण घर में बुधाए ٣. سُريش سِنيما ڏِسَڻ گهرَ ۾
करे न व्यो। ٻُڌائي ڪَري نَہ ويو.
4 राकेशु बरसाति में छटी खणी ٤. راڪيش بَرساتِ ۾ ڇَٽِي کَڻِي
करे न आयो। ڪَري نَہ آيو.
5 दादा राजूअ खे सोचे करे न ٥. دادا، راجوءَ کي سوچي ڪَري
मार डिनी। نَہ مارَ ڏِني.

टिप्पणियां

1. सिंधी में पूर्वकालिक कृदंत रूप की रचना क्रिया धातु में 'ई' या 'ए' प्रत्यय जोड़कर और इस क्रिया रूप के साथ वैकल्पिक रूप से 'करे' जोड़कर होती है। जैसा कि निम्नलिखित उदाहरणों मे देखा जा सकता है।

1	लेखु त उते वञी करे ई पढ़णो आहे।	١. ليکُ تَہ اُتي وَڃِي ڪَري ئي پَڙهڻو آهي.
2	मां तोखे कुझु किताब कढी डियां थो।	٢. مان توکي ڪُجھ ڪِتابَ ڪَڍِي ڏِيان ٿو.

2. पूर्वकालिक कृदंत रूप की पुनरावृतित भी की जा सकती है, जैसा कि निम्नलिखित उदाहरणो से स्पष्ट होता है।

1	देगि मां रधियलु ठहियलु कढी कढी खाइण लगा।	١. ديڳِ مان رَڌِيَلُ ٺَهِيَل ڪَڍِي ڪَڍِي کائِڻ لَڳا.
2	उन्हनि मां सुठा बैत चूंडे चूंडे लेखु लिखी सघीं थो।	٢. اُنهَنِ مان سُٺا بَيتَ چوُنڊي چوُنڊي ليکُ لِکِي سَگهين ٿو.

3. निषेधात्मक अव्यय 'बिना' भूतकालिक कृदंत के तिर्यक रूप के आगे या पीछे जुड़कर किसी वाक्य में क्रिया विशेषण पदबंध का कार्य करता है जैसा कि निम्नलिखित उदाहरणों में देखा जा सकता है।

1	रामु घरां मानी खाधे बिना निकतो।	١. رامُ گَهران مانِي کاڌي بِنا نِڪتو.
2	राजू रस्ते ते डिठे बिना प्यो हले।	٢. راجوُ رَستي تي ڏِٺي بِنا پيو هَلي.

RESPONSE SHEET - 17 جَوابي پيپَرُ ١٧ **उतरपत्रिका –17**

1. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उतर दीजिए।

1. दीपक खे कंहिं लाइ लेखु लिखी मोकिलणो आहे ?

١. ديپڪ کي ڪَنهِن لاءِ ليکُ لِکِي موڪَلڻو آهي ؟

2. अणपढ़यल मुरीदनि छा सोचयो ?

٢. اَڻپَڙهيل مُريدِنِ ڇا سوچيو ؟

3. मख़दूम बहाउदीन मुरीदनि खे छा लाइ वठी आयो हो ?

٣. مَخدوُم بَهائُدِين مُريدَنِ کي ڇا لاءِ وَٺِي آيو هو ؟

4. वडु ख़लीफे शेख छा कयो ?

٤. وَڏي خَلِيفي شيخ ڇا ڪَيو ؟

5. मुरीदनि, बहाउद्दीन खे टुकर टुकर छो कयो।

٥. مُريدَنِ بَهائُدِيَن کي ٽُڪرَ ٽُڪرَ ڇو ڪَيو ؟

6. रधियलु ठहियलु मासु कंहिं खाधो ?

٦. رَڌَيلُ ٺَهيلُ ماسُ ڪَنهِن کاڌو ؟

7 मासु खाई मुहाणा छा करण लगा।

۷. ماسُ کائي مُهاڻا ڇا ڪَرَڻ لَڳا ؟

2. कोष्ठक में दिए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर वाक्य–पूर्ति कीजिए।

1. रमेशु राति जो सिनेमा ———— घर पहुतो।
   (डिठो, डिसंदो, डिसी)

۱. رَميشُ راتِ جو سِنيما ------------- گهر پَهُتو.
(ڏِٺو، ڏِسندو، ڏِسي)

2. राधा साहेड़ीअ खे चिठी ———— पोस्टु कई।
   (लिखणु, लिखी, लिखंदे)

۲. راڌا ساهيڙيءَ کي چِٺي ---------- پوسٽ ڪَئي.
(لِکڻُ، لِکي، لِکندي)

3. राजा ख़ुशि ——— वज़ीर खे इनामु डिनो। (थी, थ्यणु, थींदो)

۳. راجا خوش ------ وَزير کي اِنعام ڏِنو. (ٿي، ٿِيڻُ، ٿِيندو)

4. राजूअ हथ मुंहं ——— मानी खाधी। (धुअंदी, धोती, धोई)

۴. راجوءَ هَٿ مُنهُن --------ماني کاڌي. (ڌُئَندي، ڌوتي، ڌوئي)

5. शालूअ घरि ———— स्नानु कयो। (वञणु, वञी, वेंदी)

۵. شالوءَ گهرِ -------- سِنانُ ڪيو. (وَڃڻُ، وَڃي، ويندي)

3. वाक्य में रेखांकित शब्द के साथ 'करे' का प्रयोग करते हुए पुनः वाक्य बनाइए।

1. राजूअ घर <u>वञी</u> मानी खाधी।

۱. راجوءَ گهر وَڃي ماني کاڌي.

2. कैलाशु बज़ारि मां भाॼो वठी आयो। ٢. ڪَيلاشُ بَزارُ مان ڀاڄِي وَٺِي آيو.

________________ - - - - - - - - - - - - - - - -

3. चपरासी कैंटीन पहुची चांहि पीती। ٣. چَپراسِي ڪَينٽِين پَهُچِي چانهِه پِيتِي.

________________ - - - - - - - - - - - - - - - -

4. शीला खीरु वठी खीरणी ठाही। ٤. شِيلا کِيرُ وَٺِي کِيرڻِي ٺاهِي.

________________ - - - - - - - - - - - - - - - -

5. रमेश अलमारीअ मां किताबु कढी पढ़यो। ٥. رَميش اَلمارِيءَ مان ڪِتابُ ڪَڍِي پَڙهيو.

________________ - - - - - - - - - - - - - - - -

4. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दी गई किया के उचित रूप से वाक्यों की पूर्ति कीजिए।

मिसालु : मोहनु ख़त ———— थकजी प्यो। مِثالُ : موهنُ خَطُ ------------ ٿَڪجِي پيو.

मोहनु ख़त लिखी लिखी थकजी प्यो। موهنُ خَطُ لِکِي لِکِي ٿَڪجِي پيو.

1. रमेश बैतनि जा किताब ———— कढी रखया। ١. رَميش ٻَيتنِ جا ڪِتاب ------------ ڪَڍِي رَکيا.

(चूंडणु) (چُونڊِڻُ)

2. मां तोखे हरको किताबु ———— ॾखार्यां थो। (कढणु) ٢. مان توکي هَرڪو ڪِتابُ ---------- ڏيکاريان ٿو. (ڪَڍِڻُ)

3. नरेशु ———— कमु कंदो आहे। (सोचणु)

٣. نَريش ---------- ڪَمُ ڪَندو آهي. (سوچڻُ)

4. ———— दिनेश जे पेट में सूर थी प्यो। (खिलणु)

٤. ---------- دِنيش جي پيٽ ۾ سُور ٿي پيو. (کِلڻُ)

5. शांतीअ जो बारु ———— साहु चढ़ी व्यो। (खणणु)

٥. شانتيءَ جو ٻارُ ---------- ساهُه چَڙهي ويو. (کَڻڻُ)

5. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : रामु घरां मानी खाई करे निकतो।

مِثالُ : رامُ گهران مانِي کائِي نِڪتو.

रामु घरां मानी <u>बिना खाधे</u> निकतो।

رامُ گهران مانِي بِنا کاڌي نِڪتو.

1. मनीशु ड्रिसी करे सुवाल जो जवाबु ड्रिनो।

١. مَنِيش ڏِسي ڪَري سوال جو جَوابُ ڏِنو.

---

2. प्रवीणु बुधाए करे पंहिंजे दोस्त वटि व्यो।

٢. پروِڻ ٻُڌائي ڪَري پَنهِنجي دوست وَٽِ ويو.

---

3. कमला, पढ़ी करे इम्तिहानु ड्रियण वेई आहे।

٣. ڪَملا پَڙهي ڪَري اِمتحانُ ڏِيڻَ ويئي آهي.

---

4. कमलु, सोचे करे नौकरीअ ते व्यो।

٤. ڪَملُ سوچي ڪَري نَوڪريءَ تي ويو.

---

5. को बि फ़ैसलो ॿुधी करे न कजे।

٥. ڪو بِہ فَيصلو ٻُڌِي ڪَري نَہ ڪَجي.

6. निम्न वाक्यों का सिन्धी में अनुवाद कीजिए।

1. सोहन ने पत्र लिखकर भेजा।

2. मोहन दृश्य देख देख कर हंस रहा था।

3. किशन बिना सोचे किसी पर गुस्सा नहीं करता।

4. रीटा घर आकर अपना काम करने लगी।

5. सीमा रीना के साथ जाकर पढ़ती है।

पाठ 18

जागृति

निर्मला : आज (आपको) देर क्यों हुई ?

निखिल : जयकिशन ने बेटा होने की खुशी में पार्टी दी थी। वहां से निकलते निकलते देर हो गई।

निर्मला : उनको तो दो बेटियां पहले से ही थीं न ? ये फिर तीसरा बच्चा ?

निखिल : बस बेटे की आशा में बेटियां पैदा करता गया।

निर्मला : और अब भी बेटा न होता तो फिर क्या करता ?

निखिल : फिर भी शायद कोशिश करते रहते।

निर्मला : पर यह तो पागलपन की बात है । पढ़े लिखे लोग ही अगर बेटियों और बेटों में फ़र्क करते रहेंगे तो अनपढ़ो को क्या दोष दें ?

सबकु 18

सुजागो

निर्मला :अजु देरि छो थ्यव ?

निखिलु :जैकिशन, पुट जमण जी ख़ुशीअ मे पार्टी ड़िनी। उतां निकरंदे निकरंदे देरि थी वेई।

निर्मला : हुननि खे त ब धीअरु अगि में ई हुयूं न ? हीउ वरी टियों बारु ?

निखिलु : बसि, पुट जी चाह में धीअरु जणींदो व्यो।

निर्मला : ऐं हींअर बि पुटु न जमें हा त पोइ छा कनि हा ?

निखिलु : पोइ बि शायद कोशिश कंदा रहनि हा।

निर्मला : पर इहा त चर्याईअ जी गाल्हि आहे। पढ़यल लिखयल माण्हू ई जे धीअरुनि ऐं पुटनि में फ़र्कु कंदा रहंदा, त अण पढ़ियलनि खे कहड़ो डोहु डयूं ?

سَبَقُ ١٨

سُڄاڳِي

نِرملا : اَڄُ دير چو ٿِيَوَ ؟

نِکلُ : جَيڪشن، پُٽ ڄمڻ جي خوشيءَ ۾ پارٽي ڏني. اُتان نِڪرندي نِڪرندي دير ٿي ويئي.

نِرملا : هُنن کي تہ ٻہ ڌيئَرُ اَڳ ۾ ئي هُيوُن نہ ؟ هيءُ وَري ٽِيون ٻارُ ؟

نِکلُ : بَس، پُٽ جي چاهہ ۾ ڌيئَرُ ڄڻيندو ويو.

نِرملا : ۽ هينئَر بہ پُٽُ نہ ڄمي ها تہ پوءِ ڇا ڪن ها ؟

نِکلُ : پوءِ بہ شايد ڪوشش ڪندا رهن ها.

نِرملا : پَرَ اِها تہ چرياڻيءَ جي ڳالهہ آهي. پَڙهيل لِکيل ماڻهوئي جي ڌيئَرُن ۽ پُٽن ۾ فرقُ ڪندا رهندا تہ اَڻ پَڙهيلن کي ڪهڙو ڏوهہ ڏيون.

निखिल : यह इनको कौन समझा सकेगा ? इनके दिमाग में तो यही भरा हुआ है कि बेटे बिना हमारा नाम कैसे चलता रहेगा ? लड़कियों को तो लोग आज भी भार समझते रहते हैं। और बेटों को हद से ज़्यादा लाड प्यार करके बिगाड़ देते हैं। और आजकल के बेटे आगे चलकर माता पिता को पूछते भी नहीं हैं। हमें तो सोचना चाहिए कि चाहे बेटीं हो या बेटा बस एक या दो बच्चे ही हों। आनेवाले बच्चे को ही आप प्यार से पालें पोसें और पढ़ाएं, तो वे ही आगे जाकर देश की और हमारी सेवा कर सकेंगे।

निर्मला : सच है। हम बिना सोचे एक दूसरे के पीछे बच्चे पैदा करते जाएंगे, तो दुनिया की आबादी भी बढ़ती जाएगी। इस बढ़ती हुई आबादी के लिए खाना पीना, घर, ज़मीन, काम धंधा और

निखिलु : ईहो हिननि खे केरु समझाए सघंदो हिननि जे दिमाग़ में त ईहो ई भरियलु आहे त पुट बिना असांजो नालो कीअं हलंदो ? छोकरियुनि खे त माण्हू अज़ बि बारु समझंदा रहंदा आहिनि। ऐं पुटनि खे हद खां वधीक लाड॒ कोड॒ करे बिगाड़े छड॒ंदा आहिनि। ऐं अज॒कल्ह जा पुट अग॒यां हली माउ पीउ खे पुछंदा बि कोन आहिनि। असांखे त सोचणु खपे त चाहे धीउ हुजे या पुटु बसि हिकु या ब॒ ब॒ार ई हुजनि। ईंदड़ ब॒ार खे ई तव्हां प्यार सां निपायो ऐं पढ़ायो, उहे ई अगि॒ते हली करे मुल्क जी ऐं असांजी शेवा करे सघंदा।

निर्मला : सचु आहे। असां बिना सोचे हिक बि॒ए जे पुठयां ब॒ार पैदा कंदा वेंदासीं, त दुनया जी आबादी बि वधंदी वेंदी। इन वधंदड़ आबादीअ लाइ खाधो पीतो, घरु, ज़मीन, धंधो धाड़ी ऐं ब्यूं सहूलयतूं

نِکلُ : اِهو هِنَنِ کي کيرُ سَمجھائي سَگھندو ؟ هِنَنِ جي دِماغ ۾ تَہ اِهو ئي ڀَرِيلُ آهي تَہ پُٽَ بِنا اَسان جو نالو ڪيئَن هَلَندو ؟ ڇوڪريُنِ کي تَہ ماڻھوُ اَڄُ بِہ بارُ سَمَجھندا رَهندا آهِنِ ۽ پُٽنِ کي حَد کان وَڌيڪ لاڏُ ڪوڏُ ڪَري بِگاڙِي ڇَڏِيندا آهِنِ ۽ اَڄُڪَلھَہ جا پُٽَ اَڳِيان هَلِي ماءُ پِيءُ کي پُڇَندا بِہ ڪونَ آهِنِ. اَسان کي تَہ سوچَڻُ کَپي تہ چاهي ڌِيءُ هُجي يا پُٽُ بَس هِڪُ يا ٻَہ بارَ ئِي هُجَنِ. اِيندڙ ٻارَ کي ئِي تَوهان پيارَ سان نِپايو ۽ پَڙهايو، اُهي ئِي اَڳِتي هَلِي ڪَري مُلڪَ جي ۽ اَسانجِي شيوا ڪَري سَگھندا.

نِرملا : سَچُ آهي. اَسان بِنا سوچي هِڪ ٻِئي جي پُٺيان ٻارَ پَيدا ڪَندا ويندا سِين تَہ دُنيا جي آبادِي بِہ وَڌَندِي وينديِ. اِنَ وَڌَندڙَ آباديءَ لاءِ کاڌو پِيتو، گَھرُ، زَمِينَ، ڌَندو ڌاڙِي ۽ ٻِيوُن سَهوُلِيتوُن

अन्य सुविधाएं कहां से आएंगी ?

निखिल : यह बात अगर हम इतना पढ़े लिखे भी नहीं समझेंगे तो कम पढ़े हुए क्या समझेंगे ? मैंने तो जयकिशन को दूसरी बात भी समझाई कि ज़्यादा बच्चे पैदा करने से महिलाओं के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

निर्मला : सिर्फ़ किताबी ज्ञान से कुछ नहीं होगा। इसके लिए लोगों में जागृति लानी पड़ेगी और महिलाओं को भी शिक्षा देनी होगी। इससे ही समाज में जागृती आ सकेगी।

किथां ईंदयूं ?

निखिलु : ईहा ॻाल्हि जे असां ऐतरो पढ़ियल लिखियल बि न समझंदासीं त घटि पढ़ियल छा समझंदा ? मूं त जैकिशन खे ॿो ॻाल्हि बि समझाई त घणा ॿार पैदा करण सां ज़ालुनि जी सिहत ते बि ख़राबु असरु पवे थो।

निर्मला : रुॻो किताबी ॼाण सां कुझु कोन थींदो। इन्हीअ लाइ माण्हुनि में सुजाॻो आणणी पवंदी ऐं ज़ालुनि खे बि तइलीम ॾियणी पवंदी। तॾहिं ई समाज में सुजाॻी अची सघंदी।

ڪِٿان ايندِيُون ؟

نِکلُ : اِها ڳالهِہ جي اَسان ايترو پَڙهيل لِکِيلُ بِہ نَہ سَمجهِي سَگهنداسِين تَہ گهٽِ پَڙهِيلَ ڇا سَمجهندا؟ مُون تَہ جَيڪِشَنَ کي ٻِي ڳالهِہ بِہ سَمجهائِي تَہ گهڻا ٻارَ پَيدا ڪَرَڻ سان زالُنِ جي صِحتَ تي بِہ خَراب اَثرُ پَوي ٿو.

نِرملا : رُڳو ڪِتابِي ڄاڻَ سان ڪُجهہ ڪونَہ ٿِيندو. اِنهِيءَ لاءِ ماڻهُنِ ۾ سُڄاڳِي آڻڻِي پَوَندِي ۽ زالُنِ کي بِہ تَعلِيمَ ڏِيڻِي پَوَندِي. تَڏهِن ئِي سَماجَ ۾ سُڄاڳِي اَچِي سَگهندِي.

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
बिगड़ना	बिगड़णु	بِگڙڻُ
पूछना	पुछणु	پُڇڻُ
सेवा	शेवा	شيوا
जनसंख्या	आबादी	آبادي
सुविधा	सहूलयत	سَهوليَتَ
कम	घटि	گهٽِ
खराब	ख़राबु	خَرابُ
प्रभाव	असरु	اَثرُ
सुजागी	सुजागी	سُجاڳي
लाना	आणणु	آڻڻُ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
पागल	चर्यो	چَريو
पढ़े लिखे	पढ़ियल लिखियल	پڙهيل لِکيلُ
फ़र्क	फ़रकु	فَرقُ
अनपढ़	अणपढ़ियलु	اَڻپڙهيلُ
बाकी	बाकी	باقي
दोष	डोहु	ڏوهُ
भरा होना	भरजणु	ڀَرجَڻُ
लाड़ प्यार	लाडु कोडु	لاڏُ ڪوڏُ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
निकलते	निकरंदे	نِڪرَندي
निकलना	निकरणु	نِڪرَڻُ
इच्छा, चाह	चाह	چاهَ
पैदा करना	जणणु	ڄَڻَڻُ
पैदा होना	जमणु	ڄَمَڻُ
शायद	शायदु	شايدُ
कोशिश	कोशिश	ڪوشِش
पागलपन	चर्याई	چَريائي

1. पाठ के आधार पर कोष्ठक में से सही शब्द चुनते हुए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1 उतां ---- देरि थी वेई। ا. اُتان ---- ديرِ ٿي ويئي.
(ईंदे ईंदे, कंदे कंदे, निकरंदे، (ايندي ايندي، ڪندي ڪندي،
निकरंदे) نِڪرندي نِڪرندي)

2 बसि पुट जी चाह में धीअरुं ۲. بَس، پُٽ جي چاهہ ۾ ڌيئَروُن
---- व्यो। (जणणु, जणया, ---- ويو. (ڄڻڻُ، ڄڻيا،
जणींदो) ڄڻيندو)

3 असां बाक़ी अणपढ़यलनि खे ۳. اَسان باقي اَڻپَڙهيلنِ کي
कहड़ो डोहु डई ----। ڪهڙو ڏوهہ ڏيئي ------.
(सघंदो, सघंदासीं, सघंदा) (سَگهندو، سَگهنداسين،سَگهندا)

4 अजुकल्ह जा पुट अगते ---- ۴. اَڄُ ڪلهہ جا پُٽ اَڳتي
माउ पीउ खे पुछंदा बि कोन --- ماءُ پيءُ کي پُڇندا بہ
आहिनि।(हली, हले, हिलयो) ڪونہ آهنِ. (هَلي، هَلي، هَليو)

5 इन्हें लाइ माण्हुनि में सुजागो ۵. اِنهين لاءِ ماڻهُنِ ۾ سُجاڳي
---- पवंदी। (आणणु, आणणो, --- پَوَندي. (آڻڻُ، آڻڻو،
आणणी) آڻڻي)

2. उदाहरण के अनुसार किया रूप बदलिए।

मिसालु : विहंददु = वेठल مِثالُ : وهَندڙُ - ويٺَلُ

1 कंददु	2 लगदडु	ا. ڪندڙُ	۲. لَڳندڙُ
3 रहंददु	4 गाईंदडु	۳. رَهندڙُ	۴. ڳائيندڙُ
5 सोचींददु	5 मिलंददु	۵. سوچيندڙُ	٦. مِلندڙُ
7 थींददु	8 खाईंददु	۷. ٿيندڙُ	۸. کائيندڙُ
9 ईंददु	10 वेंददु	۹. ايندڙُ	١٠. ويندڙُ

3. उदाहरण के अनुसार वाक्य युग्मों का जोड़िए।

मिसालु : गाडो हले पेई। مِثالُ : گاڏي هَلي پيئي.
तूं न चढु। توُن نہ چَڙهہ.
हलंदड़ गाडोअ में तूं न चढु। هَلندڙُ گاڏيءَ ۾ توُن نَہ چَڙهہ.

1 बारु खिले प्यो। तूं न रूआरि। ا. ٻارُ کِلي پيو. توُن نَہ روئار.
2 शीला बाहिरि वञे पेई। ۲. شيلا ٻاهِرِ وَڃي پيئي.
तूं न रोकि। توُن نہ روڪ.
3 छोकरो सुम्हे प्यो। तूं न उथारि। ۳. ڇوڪروسُمهي پيو. توُن نہ اُٿارِ.
4 गुलु टिड़े प्यो। तूं न टोड़ि। ۴. گُلُ ٽِڙي پيو. توُن نَہ ٽوڙِ.

5 पखी उड़ामे प्यो। तूं न मारि। ۵. پکي اُڏامي پيو. توُن نہ مارِ.

4. **उदाहरण के अनुसार वाक्य युग्मों को जोड़िए।**

मिसालु : गीता उपन्यासु पढ़यो। مِثالُ : گيتا اُپنياس پڙهيو.

लाइब्ररीअ मे वापसि ड॒िनो। لائبَررِيءَ ۾ واپِس ڏِنو.

गीता उपन्यासु पढ़ी करे گيتا اُپنياسُ پڙهي ڪَري

लाइब्ररीअ में वापसि ड॒िनो। لائِبرري ۾ واپِس ڏِنو.

1 रतन दोस्त खे चिठी लिखी। ۱. رَتنَ دوستَ کي چِٺي لِکِي.

पोस्ट कई। پوست ڪَئي.

2 शीला फिल्म डिठो। कहाणी रीता ۲. شيِلا فِلمَ ڏِٺي.ڪَهاڻي رِيتا

खे बुधाई। کي ٻُڌائي.

3 रोशन मिठाई खाधी।पाणी पीतो। ۳. روشَنَ مِٺائي کاڌي.پاڻي پِيتو

4 गोपालु राति हिक बजे सुम्हियो। ۴. گوپالُ راتِ هِڪَ ٻَجي

सुबुह पंजे बजे उथयो। سُمهِيو. صُبُحُ جو پَنجي ٻَجي اُٿيو.

5 अमर थेल्हो खयों। बज़ारि व्यो। ۵. اَمَرَ ٿيلهو کَنيو. ٻَزارِ ويو.

5. **उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।**

मिसालु : सीता टैगोर जो उपन्यासु पूरो पढ़यो। مِثالُ : سيتا ٽَيگورَ جو اُپَنياسُ پوُرو پَڙهيو.

सीता टैगोर जो उपन्यासु पूरो कान पढ़ी सघी। سيتا ٽَيگورَ جو اُپنياسُ پوُرو ڪانَہ پَڙهي سَگهي.

1 रोशन अज़ सुबुह जो जल्दी उथयो। ۱. روشَنُ اَڄُ صُبُحُ جو جَلدي اُٿيو.

2 बार स्कूल मां मोटी ट्युशन ते व्या। ۲. ٻارَ اِسڪوُلَ مان موٽي ٽِيوُشَن تي ويا.

3 पार्टीअ में मानी पूरी थी। ۳. پارٽِيءَ ۾ ماني پوُري ٿي.

4 राधा हिन महने बारनि जा कपड़ा वर्ता। ۴. راڌا هِنَ مَهني ٻارِنِ جا ڪَپڙا وَرتا.

5 रमेश हैदराबाद जे पासे गोलकंडा डिठो। ۵. رَميشَ حَيدرآبادَ جي پاسي گولڪنڊا ڏِٺو.

6. उदाहरण के अनुसार वाक्य युग्मों को जोड़िए।

	मिसालु : कमलु फोनु न कंदो।	مِثالُ: ڪَمَلُ فونُ نَہ ڪَندو.
	ज्याति पार्टीअ में न ईंदी।	جيوتيِ پارٽيِءَ ۾ نَہ ايِنديِ.
	कमल जे फ़ोनु करण खां सवाइ	ڪَمَلَ جي فونُ ڪَرَڻُ کان سَواءِ
	ज्योति पार्टीअ मे न ईंदी।	جيوتيِ پارَٽيِءَ ۾ نَہ ايِنديِ.
1	रमेशु बिजलीअ जे दफ़्तर में	ا. رَميشُ بِجليِءَ جي دَفتَر ۾
	न वेंदो। बिजलीअ जो बिलु	نَہ ويندو. بِجليِءَ جو بِلُ
	कीअं भरींदो ?	ڪِيئَن ڀَرِيندو ؟
2	राधा न मञींदी। हुनजी शादी	٢. راڌا نَہ مَڃِيندِي. هُن جيِ
	कीअं थींदी ?	شاديِ ڪِيئَن ٿِينديِ ؟
3	मास्तर हिसाब न कराईंदो।	٣. ماستَرُ حِسابَ نَہ ڪَرائِيندو.
	ॿार कीअं समझंदा ?	ٻارَ ڪِيئَن سَمَجهندا.
4	रीता मानी न ठाहींदी। छा	۴. رِيتا مانيِ نَہ ٺاهِينديِ. ڇا
	खाईंदी ?	کائِيندي؟
5	मोहनु डाक्टर वटि न वेंदो।	۵. موهَنُ ڊاڪٽرَ وَٽِ نَہ ويندو.
	ठीकु कीअं थींदो ?	ٺِيڪ ڪِيئَن ٿِيندو.

1. दिए गए सिंधी शब्दों के उचित अर्थ को रेखांकित कीजिए।

۱.	ڏِنَلُ	ड़िनलु	देता हुआ	देखा हुआ	दिया हुआ
۲.	آيَلُ	आयलु	आते हुए	आया हुआ	आता हुआ
۳.	وَرتَلُ	वर्तलु	लेते हुए	लेता हुआ	लिया हुआ
۴.	پاتَلُ	पातलु	पहना हुआ	पहने हुए	पहनता हुआ
۵.	چَيَلُ	चयलु	कहा हुआ	कहता हुआ	कहना
۶.	ويٺَلُ	वेठलु	बैठना	बैठा हुआ	बैठी हुई
۷.	ٿيَلُ	थ्यलु	होता हुआ	होना	हो चुका
۸.	ويلُ	व्यलु	जाना	गया हुआ	जाता हुआ
۹.	گُهميلُ	घुम्यलु	घूमा हुआ	घूमते हुए	घूमता हुआ
۱۰.	کاڌَلُ	खाधलु	खाया हुआ	खाता हुआ	खाना
۱۱.	سُمهيَلُ	सुम्हियलु	सोना	सोया हुआ	सोता हुआ
۱۲.	بيهَندڙُ	बीहंदड़ु	खड़ा होना	खड़ा हुआ	खड़ा होने वाला
۱۳.	مِلَندڙُ	मिलंदड़ु	मिलना	मिलता हुआ	मिला हुआ
۱۴.	هلَندڙُ	हलंदड़ु	चलता हुआ	चलते हुए	चलती हुई
۱۵.	کڻندڙُ	खणंदड़ु	उठाती हुई	उठाया हुआ	उठाने वाला

बढ़ा हुआ	बढ़ता हुआ	बढ़ाया हुआ	वधंदड़ु	وَڌندڙُ	١٦.
न देखना	न देखा	बिना देखे	बिना ॾिठे	بِنا ڏِٺي	١٧.
न खाना	बिना खाए	न खाते हुए	बिना खाधे	بِنا کاڌي	١٨.
बिना बैठे	न बैठता हुआ	न बैठे	बिना वेठे	بِنا ويٺي	١٩.
उठा उठा कर	उठकर	उठाकर	खणी खणी	کَڻِي کَڻِي	٢٠.
आ	आकर	आ आ कर	अची अची	اَچِي اَچِي	٢١.
देखकर	देख	देखना	ॾिसी	ڏِسِي	٢٢.
उतर	उतर कर	उतरना	लही करे	لَهِي ڪَري	٢٣.

2. दिए गए हिंदी शब्दों के उचित अर्थ को रेखांकित कीजिए।

1.	प्रदर्शनी	निमाइश	निमाइश	नुमाशु	نُماش	نِمائِش	نِمائِش
2.	ऐसा	अहड़ी	अहड़ो	अहड़ा	اَهڙا	اَهڙو	اَهڙِي
3.	प्रांत	शहरु	ॻोठु	प्रांतु	پرانتُ	ڳوٺُ	شَهرُ
4.	वेश भूषा	वेसु वॻो	पहरावो	वेस	ويسَ	پَهراوو	ويسُ وَڳو
5.	पश्चिम	ओभरु	ओलहु	उतरु	اُترُ	اولَهُہ	اوڀَرُ
6.	पूर्व	ओलहु	ॾखणु	ओभरु	اوڀَرُ	ڏَکڻُ	اولهُہ
7.	उतर	ॾखणु	उतरु	ओलहु	اولَهُہ	اُترُ	ڏَکڻُ
8.	नया	नई	नओं	नवां	نَوان	نَئون	نَئِين

9.	हासिल	पाइणु	हासिलु करणु	हासिलु	حاصِلُ	حاصِلُ ڪَرَڻُ	پائِڻُ
10.	पकोड़े	पकोड़ो	पकोड़ा	पकोड़े	پَڪوڙي	پَڪوڙا	پَڪوڙو
11.	गुब्बारा	फूकणो	फूकणा	फूकणे	ڦوُڪڻي	ڦوُڪڻا	ڦوُڪڻو
12.	खिलौना	रांदि	रांदीको	रांदीका	رانديِڪا	رانديِڪو	رانڊِ
13.	भतीजा	डोहटो	भाटयो	भाइटो	ڀائِٽو	ڀاٽيو	ڏوهٽو
14.	भतीजी	भाइटी	भाटी	डोहटी	ڏوهٽِي	ڀاٽِي	ڀائِٽِي
15.	मैदान	मेदानु	मैदानु	ज़मीन	زَمِين	مَيدانُ	ميدانُ
16.	तरक़्क़ी	तरक़ी	नोकरी	छोकरी	ڇوڪرِي	نوڪرِي	تَرقِي
17.	परीक्षा	इंटरव्यू	तरक़ी	इम्तिहानु	اِمتحانُ	تَرقِي	اِنٽرويوُ
18.	सामान्य	आमु	ख़ासु	विचोलो	وِچولو	خاصُ	عامُ
19.	स्वीकृति	मंजूरी	मजूरी	मोकल	موڪَلَ	مَجوُرِي	مَنظوُرِي
20.	प्रश्न	पुछणु	जवाबु	सुवालु	سُوالُ	جَوابُ	پُڇَڻُ
21.	प्रभाव	असरु	मोक़ो	ज़ोरि	زورِ	موقعو	اَثرُ
22.	अनुभव	दिमागु	आज़मूदो	वीचारु	ويِچارُ	آزموُدو	دِماغُ
23.	समस्या	समाधानु	निबेरो	मसइलो	مَسئِلو	نِبيرو	سَماڌانُ

3. उचित संयुक्त रूप को रेखांकित कीजिए।

1.	आ + य + लु	अचलु	आयलु	अच्यलु	اَچيلُ	آيَلُ	اَچلُ	آ + يَ + لُ	.١
2.	व + य + अलु	वेठलु	व्यलु	वेहयलु	ويهيلُ	ويَلُ	ويٺلُ	و + يَ + لُ	.٢

.٣	کا + يِ + لُ	کائِلُ	کايِلُ	کاڏلُ	खा + य + लु	खाअलु	खायलु	खाधलु
.۴	سُمهه + يِ + لُ	سُمهِيلُ	سُمهلُ	سُمهلَ	सुम्हि + य + लु	सुम्हियलु	सुम्हलु	सुम्हल
.۵	ڪَ + يِ + لُ	ڪَريَلُ	ڪَيِّلُ	ڪَريل	क + य + लु	करयलु	कयलु	कर्यल
.٦	وِهه + اَندَ + ڙُ	ويهُدَڙُ	وِهَندَڙُ	وِهُندَڙُ	विह + अंद + ॾु	वेहुदॾु	विहंदॾु	विहुंदॾु
.٧	بيهه + اَندَ + ڙُ	بِهُدَڙُ	بيهُدَڙَ	بيهَندَڙُ	बीह + अंद + ॾु	बिहुदॾु	बीहुदड़	बीहंदॾु
.٨	کِل + اَندَ + ڙُ	کِلاندَڙُ	کِلُندَڙُ	کِلَندَڙُ	खिल + अंद + ॾु	खिलांदॾु	खिलुंदॾु	खिलंदॾु
.٩	ڪ + اَندَ + ڙُ	ڪَراندَڙُ	ڪَرندَڙُ	ڪَندَڙُ	क + अंद + ॾु	करांदॾु	करंदॾु	कंदॾु
.١٠	ٻال + پَڻ	ٻالپڻو	ٻالَپَڻ	ٻالَپُڻ	ॿाल + पण	ॿालपिणो	ॿालपण	ॿालपुण
.١١	اَچ + ئي	اَچِي	اَچُئِي	اَچي	अचु + ई	अची	अचुई	अचे
.١٢	اُٿ + ئِي	اُٿِي	اُٿُئِي	اُٿء	उथु + ई	उथी	उथई	उथइ

4. दिए गए सिंधी शब्दों के उचित अर्थ को रेखांकित कीजिए।

.١	واقعي	वाकई	वास्तव में	वाक्य	बहुत से
.٢	سَفرُ	सफ़रु	सफल	सफर	यात्रा
.٣	گاڏي	गाॾो	गड्ढा	गाड़ी	गाडी
.۴	سِڌو	सिधो	सामने	सिर	सीधा
.۵	ڪَلاڪُ	कलाकु	घंटी	घंटा	कला
.٦	دَرِي	दरी	दरी	दर	खिड़की
.٧	جَبَلُ	जबलु	पहाड़	पहाड़ी	जब

किसान	हार	माली	हारी	هارِي	.٨
चार रास्ते	चार धारवाला	चारों तरफ	चौधारी	چَوڌارِي	.٩
कंघी	कंगन	कंघा	कंगणु	ڪَنگَڻُ	.١٠
मौका	उपर	अवसर	मोक़ो	موقعو	.١١

5. दिए गए हिंदी शब्दों के उचित अर्थ को रेखांकित कीजिए।

1.	बसा हुआ	ठहियलु	वसियलु	वर्तलं	وَرتلُ	وَسِيَلُ	ٺِهيَلُ
2.	बना हुआ	ठहियलु	वसियल	ड॒िठलु	ڏِٺَلُ	وَسِيَلُ	ٺهيَلُ
3.	देखते जाना	वञणु	ड॒िसणु	ड॒िसंदो वञणु	ڏِسندو وَڃَڻُ	ڏِسَڻُ	وَڃَڻُ
4.	बिताना	गुज़िरणु	गुज़ारण	गुज़री वञणु	گُذرِي وَڃَڻُ	گُذارَڻُ	گُذِرَڻُ
5.	द्रश्य	नज़ारो	सीनु	तस्वीर	تَصوِير	سِينُ	نَظارو
6.	सीढ़ी	ड॒ोंको	ड॒ाको	ड॒ाकणि	ڏاڪَڻِ	ڏاڪو	ڏونڪو
7.	उपर	मथे	मथो	मति	مَٿِ	مَٿو	مَٿي
8.	थकान	थक्यलु	थकु	थकणु	ٿَڪَڻُ	ٿَڪُ	ٿِڪيلُ
9.	पद	आखाणी	कविता	बैतु	بَيتُ	ڪَوِتا	آکاڻِي
10.	धर्मगुरु	गुरू	संतु	मुर्शिदु	مُرِشِدُ	سَنتُ	گُروُ
11.	शिष्य	मुरीदु	गुरु	मुर्शिदु	مُرِشِدُ	گُروُ	مُرِيدُ

6. वाक्य की पुर्ति करने वाले उचित शब्द को रेखांकित कीजिए।

1. सिंधी बैतनि ते के किताब ——— ॾ। (कढणु, कढी, कढयल)	١ سِنڌِي بَيتنِ تي ڪي ڪِتابَ ---- ڏي (ڪَڍڻُ، ڪَڍِي، ڪَڍِيلَ)
2. मुहाणा देगि॒ ——— करे खुशि थ्या। (ॾिसणु, ॾिठलु, ॾिसी)	٢ مُهاڻا ديڳِ ---- ڪَري خوُشِ ٿيا. (ڏِسڻُ، ڏِٺلُ، ڏِسِي)
3. दादा राजूअ खे ——— मार ॾिनी। (बिना लिखे, बिना सोचे, बिना चए)	٣ دادا راجوءَ کي ------ مار ڏِني. (بِنا لِکي، بِنا سوچي، بِنا چَئي)
4. भव्य पाठु ——— लिखण लगो॒। (ॾिसी ॾिसी, खाई खाई, पी पी)	٤ ڀَويہ پاٺُ ----- لِکڻُ لَڳو. (ڏِسي ڏِسِي، کائي کائِي، پِي پِي)
5. अख़िबार में इश्तिहारु ——— हुओ। (ॾिठलु, खाधलु, ॾिनलु)	٥ اَخبار ۾ اِشتهارُ ----- هُئو. (ڏِٺلُ، کاڌلُ، ڏِنلُ)
6. अजु॒ लता ——— हूंदी। (चयलु, आयल, कयलु)	٦ اَڄُ لَتا ----- هونديِ. (چَيَل، آيَل، ڪَيل)
7. मैदान में निमाइश ——— आहे। (ॾिनल, ब॒धल, लग॒ल)	٧ مَيدان ۾ نِمائِش ----- آهي. (ڏِنلَ، ٻُڌَلَ، لَڳَلَ)
8. लालु गांधीधाम ——— रहंदो आहे। (खाईदो, पीअंदो, ईंदो)	٨ لالُ گانڌِيڌام ---- رَهَندو آهي. (کائِيندو، پِيئَندو، اِيندو)
9. पद्मा रेडये ते गाना ——— रहंदी आहे। (ब॒धंदी, सोचींदी, लिखंदी)	٩ پَدما ريڊيي تي گانا ---- رَهندِي آهي. (ٻُڌَنديِ، سوچِينديِ، لِکَندِي)
10. शेवकु दुकान ते ——— रहंदो हूंदो। (घुमंदो, वेंदो, थींदो)	١٠ شيوڪُ دُڪان تي ---- رَهَندو هوُندو. (گُهمَندو، ويندو، ٿِيندو)
11. तोलाराम गा॒ल्हि ——— रहंदो हूंदो। (ईंदो, वेंदो, कंदो)	١١ تولارام ڳالِه ---- رَهَندو هو. (اِيندو، ويندو، ڪَندو)

7. सही वाक्य पर सही का चिन्ह लगाइए।

1. मुंहिंजो हरिदवारु ॾिठलु आहे।	١. مُنهِنجو هَردوارُ ڏِٺَلُ آهي.
मुंहिंजो हरिदवारु ॾिसंदड़ु आहे।	مُنهِنجو هَردوارُ ڏِسندڙُ آهي.
मुंहिंजो हरिदवारु ॾिठो आहे।	مُنهِنجو هَردوارُ ڏِٺو آهي.

2. नित्य सुम्हे सुम्हे खिले प्यो।
नित्य सुम्हयल खिले प्यो।
नित्य सुमहंदड़ु खिले प्यो।

3. हली, गाडोअ मां न लहु।
हलंदड़ु गाडोअ मां न लहु।
हल्यल गाडोअ मां न लहु।

4. पुट जी चाह में धीअरु जणयो व्यो।
पुट जी चाह में धीअरु जणी व्यो।
पुट जी चाह में धीअरु जणींदो व्यो।

٢. نِتيہ سُمهي سُمهي کِلي پيو.
نِتيہ سُمهيل کِلي پيو.
نِتيہ سُمهندڙ کِلي پيو.

٣. هَلي، گاڏيءَ مان نہ لهُہ.
هَلَندڙ گاڏيءَ مان نہ لهُہ
هَليل گاڏيءَ مان نہ لهُہ.

٤. پُٽ جي چاهہ ۾ ڌيئَرُ ڄڻيو ويو.
پُٽ جي چاهہ ۾ ڌيئَرُ ڄڻي ويو.
پُٽ جي چاهہ ۾ ڌيئَرُ ڄڻيندو ويو.

8. पाठ के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उतर पर सही का चिन्ह लगाइए।

1. अंजना खे निमाइश मां छा वठणो आहे।
जवाबु अंजना खे निमाइश मां मैसूर सिल्क जी साढ़ी वठणी आहे।
अंजना खे निमाइश मां शाल वठणी आहे।
अंजना खे निमाइश मां सलवार सूट वठणो आहे।

2. घणी छंडछाण सां छा वधंदो रहंदो आहे ?
जवाबु घणी छंडछाण सां बुधी वंधंदी रहंदी आहे।
घणी छंडछाण सां आज़मूदो वधंदो रहंदो आहे।
घणी छंडछाण सां दिमागु वधंदो रहंदो आहे।

١. اَنجنا کي نِمائِش مان ڇا وَٺڻو آهي ؟
جوابُ اَنجنا کي نِمائِش مان مَيسوُر سِلڪ جي ساڙهِي وَٺڻِي آهي.
اَنجنا کي نِمائِش مان شال وَٺڻِي آهي.
اَنجنا کي نِمائِش مان سَلوار سوُٽ وَٺڻو آهي.

٢. گهڻِي ڇَنڊ ڇاڻ سان ڇا وَڌندو رَهندو آهي.
جوابُ گهڻِي ڇَنڊ ڇاڻ سان ٻُڌِي وَڌندِي رَهندِي آهي.
گهڻِي ڇَنڊ ڇاڻ سان آزموُدو وَڌندو رَهندو آهي.
گهڻِي ڇَنڊ ڇاڻ سان دِماغ وَڌندو رَهندو آهي.

3. चारमीनार जे चौधारी छा वसियलु आहे।

जवाबु चारमीनार जे चौधारी हैदराबाद वसियलु आहे।

चारमीनार जे चौधारी अजमेर वसियलु आहे।

चारमीनार जे चौधारी सॼो पुराणो शहरु वसियलु आहे।

4 बैतनि में अॻकथयूं कंदा केरु, उॾामी व्या ?

जवाबु मामोई दर्वेश बैतनि में अॻकथयूं कंदा उॾामी व्या।

बहाउदीन जा मुरीद बैतनि में अॻकथयूं कंदा उॾामी व्या।

ख़लीफ़ो शेख बैतनि में अॻकथयूं कंदा उॾामी व्या।

۳. چارمِينار جي چَوڌارِي ڇا وَسِيلُ آهي ؟

جوابُ چارمِينار جي چَوڌارِي حَيدراباد وَسِيلُ آهي.

چارمِينار جي چَوڌارِي اَجمير وَسِيلُ آهي.

چارمِينار جي چَوڌارِي سَڄو پُراڻو شَهرُ وَسِيلُ آهي.

۴. بَيتنِ ۾ اَڳَڪٿيوُن ڪَندا ڪيرُ اُڏامِي ويا ؟

جوابُ ماموئِي درويش بَيتنِ ۾ اَڳَڪٿيوُن ڪَندا اُڏامِي ويا.

بهائُدِين جا مُرِيد بَيتنِ ۾ اَڳَڪٿيوُن ڪَندا اُڏامِي ويا.

خلِيفو شيخ بَيتنِ ۾ اَڳَڪٿيوُن ڪَندا اُڏامِي ويا.

1. उदाहरण के अनुसार वाक्य बनाइए।

मिसालु : रोशनु आयो आहे।
रोशनु आयलु आहे।

1. शीला भाजो वठण वेई आहे।
2. मोहनु बाहिरि व्यो हो।
3. दादा भुज मां आया आहिनि।
4. मीरां खे ख़तु पहुतो हूंदो।
5. कल्ह तूं लैबररी व्यो हुएं।

مِثالُ : روشَنُ آيو آهي.
روشَنُ آيَلُ آهي.

١. شيِلا ڀاڄِي وَٺَڻَ ويئي آهي.
٢. موهَنُ ٻاهِرِ ويو هو.
٣. دادا ڀُڄ مان آيا آهِنِ.
۴. ميِران کي خَطُ پَهُتو هوندو.
۵. ڪَلهه توُن لَيبررِي ويو هُئين.

2. उदाहरण के अनुसार 'सघणु' किया के उचित रुप से वाक्य की पूर्ति कीजिए।

मिसालु : नीता सुभाणे खां इस्कूलु वञी ———। (सघणु)
नीता सुभाणे खां इस्कूलु वञी सघंदी।

1. गीता खे अज़ पूरो राशनु मिली ———।
2. छोकरा घर जो कमु पूरो न करे ———।
3. मां सूमर डींहुं बज़ारि न वञी ———।
4. कलां जल्दी अची ———।
5. छा तूं दादा जे घर पहुची ———।

مِثالُ : نيِتا سُڀاڻي کان اِسڪوُل وَڃِي ---------. (سَگهڻُ)
نيِتا سُڀاڻي کان اسڪوُل وَڃِي سَگهندِي.

١. گيِتا کي اَڄُ پوُرو راشَنُ مِلِي ----------.
٢. ڇوڪرا گهرَ جو ڪَمُ پوُرو نَہ ڪَري ----------.
٣. مان سوُمَرَ ڏِينهُن بَزارِ نَہ وَڃِي----------.
۴. ڪَلان جَلدِي اَچِي ---------.
۵. ڇا توُن دادا جي گهرِ پَهُچِي ----------.

3. उचित मिलान कीजिए।

1.	ईंदड़ु	गाता हुआ	اِيندَڙُ	١.
2.	वेंदड़ु	घूमा हुआ	وِيندَڙُ	٢.
3.	गाईंदड़ु	आता हुआ	ڳائِيندَڙُ	٣.
4.	घुम्यलु	जाता हुआ	گُهميلُ	٤.
5.	धीअ	पैदा होना	ڌِيءَ	٥.
6.	जमणु	बेटी	جَمَڻُ	٦.

4. कोष्ठक के उचित शब्द से वाक्य की पूर्ति कीजिए।

1. मां सुबुह जो सवेल ——— आहयां। (पढ़ंदो, घुमंदो, डिसंदो)
2. असां गांधीधाम में ईंदा ——— आहयूं। (पढ़ंदा, कंदा, रहंदा)
3. शीला आफ़ीस में कमु ——— रहंदी आहे। (उथंदी, कंदी, ईंदी)
4. सोनू भोपालु ——— रहंदो हो। (वेंदो, खाईंदो, पीअंदो)
5. तव्हां वटि त दादा ईंदा रहंदा ———। (डांदी, कंदा, हूंदा)

١. مان صُبُح جو سَويل ----- آهيان. (پَڙهَندو، گُهمندو، ڏِسندو)
٢. اَسان گانڌيڌام ۾ اِيندا ---- آهيوُن. (پَڙهندا، ڪَندا، رَهندا)
٣. شِيلا آفِيس ۾ ڪَمُ ---- رَهَندِي آهي. (اُٿَندِي، ڪَندِي، اِيندِي)
٤. سونوُ ڀوپالُ ----- رَهَندو هو. (وِيندو، کائِيندو، پِيئَندو)
٥. تَوهان وَٽِ تہ دادا اِيندا رَهَندا ----. (ڏِيندا، ڪَندا، هوُندا)

5. उदाहरण के अनुसार दिए हुए वाक्यों को दो वाक्यांशों में बदलिए।

मिसालु : गाडो हले पेई।

हलंदड़ गाडो।

हल्यल गाडो

مِثالُ : گاڏِي هَلي پيئي.

هَلَندڙ گاڏِي.

هَليل گاڏِي.

1. छोकरी शादी करे पेई।	١. چوڪرِي شادِي ڪَري پيئِي.
2. छोकरो पढ़े प्यो।	٢. چوڪرو پَڙهي پيو.
3. बारु सुम्हे प्यो।	٣. ٻارُ سُمهي پيو.
4. जग़ह ठहे पेई।	٤. جَڳهَه ٺَهي پيئِي.
5. गुडो बीहे प्यो।	٥. گُڏو بيهِي پيو.

6.नीचे दिए गए शब्दों को सिंधी में लिखिए।

1. पैदा करना।
2. पैदा होना।
3. निकलना।
4. अनपढ़।
5. दोष।
6. सुविधा।
7. आशा।
8. निकलते निकलते।

7. नीचे दिए गए शब्दों को हिंदी में लिखिए।

1. शायदि	١. شايد
2. आबादी	٢. آبادِي

3.	लाड कोड	لاڏ ڪوڏ	.٣
4.	ज़मानो	زَمانو	.٤
5	नज़ारो	نَظارو	.٥
6.	बोरियत	بوريَت	.٦
7.	हंधु	هَنڌُ	.٧
8.	नाचु	ناچُ	.٨

8. शब्दों को जोड़िए।

1.	नच + अंद + अड़ु	نَچ + اَند + اَڙُ	.١
2.	बु॒ध + अंद + अड़ु	ٻُڌ + اَند + اَڙُ	.٢
3.	निकिर + अंद + अड़ु	نِڪر + اَند + اَڙُ	.٣
4.	ज॒म + अंद + अड़ु	ڄَم + اَند + اَڙُ	.٤
5.	ज॒ण + ईंद + अड़ु	ڄَڻ + اِيند + اَڙُ	.٥

9. शब्दों का विच्छेद कीजिए।

1.	चयलु	چَيَلُ	.١
2.	लिख्यलु	لِکيَلُ	.٢
3.	बु॒धायलु	ٻُڌايَلُ	.٣
4.	लग॒दड़ु	لَڳندَڙُ	.٤
5.	भर्यलु	ڀَريَلُ	.٥

10. वाक्यों का सिंधी में अनुवाद कीजिए।

1. मछुआरों ने पका पकाया मांस खा लिया।
2. पुष्पा चुन चुन कर साहित्य पढ़ती है।
3. अशोक बिना कहे कहीं भी आ पहुंचता है।
4. रमा बीमार होने पर सो सो कर थक गई।
5. शीतल अपनी दुकान से फल लेकर आया।
6. यह पुस्तक अरबी लिपि में लिखी हुई है।
7. सदा बहता हुआ पानी अच्छा होता है।
8. मीरचंद हमेशा पद गाता रहता है।
9. क्या संत हमेश भजन गाते रहते होंगे ?

11. वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए।

1. हिन वक़्ति ॿार सुम्हियल आहिनि। — ۱. هِنَ وِقِت ٻارَ سُمهيَلَ آهِنِ.
2. रोशन! तूं त घणेई हंध घुम्यल हूंदे। — ۲. روشَنَ! توُن تَہ گهڻيئِي هَنڌ گُهميل هوُندين.
3. गोठ वारनि जी रहणी कहणी सादी आहे। — ۳. ڳوٺ وارَنِ جي رَهڻي ڪَهڻي سادي آهي.
4. मूं शीला खे ॻाईंदे कॾहिं कोन ॾिठो आहे। — ۴. موُن شيِلا کي ڳائيِندي ڪَڏهِن ڪونہ ڏِٺو آهي.
5. छा, मुकेश हैदराबादि खां ईंदे ई आफ़ीसु हल्यो वेंदो ? — ۵. ڇا، مُڪيش حَيدرابادِ کان ايِندي ئِي آفيِسُ هَليو ويندو ؟
6. ॿार सर्कसि में जोकरु ॾिसी करे खुशि थ्यनि था। — ۶. ٻار سَرڪس ۾ جوڪَرُ ڏِسي ڪَري خوُشِ ٿين ٿا.
7. रमेशु जीअं तीअं ॻाल्हाईंदो हो। — ۷. رَميشُ جيِئَن تيِئَن ڳالهائيِندو هو.

8. संस्कृत में रामाइणु वाल्मिकि जो लिख्यलु आहे।	٨ - سَنسڪرت ۾ رامائڻ والمِڪيءَ جو لکيَلُ آهي.
9. अज़ु मीना खे चङो होमवर्क मिल्यलु आहे।	٩. اَڄُ مينا کي چڱو هوم وَرڪ مِليَلُ آهي.
10. छा, तव्हां खे मामोई फ़कीरनि जी आखाणी ब़ुधल आहे।	١٠. ڇا، تَوهان کي ماموئيءِ فَقيرَنِ جي آکاڻي ٻُڌَل آهي.

12. उदाहरण के अनुसार वाक्य बनाइए।

मिसालु : राजू कमु करे थो।	مِثالُ : راجوُ ڪَمُ ڪَري ٿو.
राजूअ खे कमु करणो पवे थो।	راجوءَ کي ڪَمُ ڪَرڻو پَوي ٿو.

1. दादा विच में ग़ाल्हाए थो।	١. دادا وِچَ ۾ ڳالهائي ٿو.
2. अज़ु श्यामु खंड वठण वञे थो।	٢. اَڄُ شيامُ کَنڊ وَٺَڻ وَڃي ٿو.
3. रश्मी राशन जी दुकान ते बीठी।	٣. رَشمي راشن جي دُڪانَ تي بيٺي.
4. हेमा सज़ो ड़ींहुं इस्कूल में ब़ारनि जे पुठयां भज़ थी।	٤. هيما سڄو ڏينهُن اِسڪوُل ۾ ٻارَن جي پُٺيان ڀَڄي ٿي.
5. भावना दालि चांवर ठाहे थी।	٥. ڀاونا دالِ چانورَ ٺاهي ٿي.

पाठ 19

फिल्म का कार्यक्रम

गीता : मीरा, बच्चे कह रहे हैं कि तुम आज फिल्म देखने जा रही हो।

मीरा : हां, मेरी बहन आई हुई है, इसलिए सोच रही हूं कि उसे कहीं से घुमा आऊं। तुम भी चलो न हमारे साथ।

गीता : ठीक है, पास के ही एक सिनेमा हाल में फिल्म लगी हुई है।'शल धीअरु न जमनि' (काश बेटियां पैदा न हो) जो अच्छी है, वह देखें ?

मीरा : लगता है कि यह लड़कियों के पैदा होने के बारे में होगी।

गीता : ज़रुर, इसमें कोई उपदेश या शिक्षा भी होगी जो हमारे समाज को सुधार सके।

मीरा : बारह बजेवाले शो में चलें जिससे घर में भी कोई परेशानी न हो।

सबकु 19

फ़िल्म जो प्रोग्रामु

गीता : मीरां, बार चवनि प्या त तूं अज फिल्म थी डिसण वञीं।

मीरां : हा, मुहिंजी भेण आयल आहे, इन्हें करे सोचयां पेई त किथां घुमाए अचांसि। तूं बि असां सां गडु हलु न ।

गीता : ठीकु आहे, पासे जे ई हिक सिनेमा हाल में फ़िल्म लगल आहे 'शल धीअरु न जमनि' जेका सुठी आहे हलो त उहा डिसूं।

मीरां : लग थो त इहा छोकिरयुनि जे जमण जे बारे में हूंदी।

गीता : ज़रुर, इन में काई नसीहत या सिख्या बि हूंदी जेका असां जे समाज खे सुधारे सघे।

मीरां : बारहें बजे वारे शो में हलूं जीअं शाम जो घर में का परेशानी न थिए।

سَبَقُ ١٩

فِلمَ جو پروگرامُ

گيتا : ميران، ٻارَ چَوَنِ پيا تہ توُن اَڄُ فِلمَ ڏِسَڻُ تي وَڃِين ؟

ميران : ها، مُنهنجي ڀيڻ آيَل آهي. اِن ڪري سوچيان پيئي تہ ڪِٿان گُهمائي اَچانسِ. توُن بہ اَسان سان گَڏُ هَلُ نہ ؟

گيتا : ٺيڪُ آهي. پاسي جي ئي هِڪ سِنيما هال ۾ فِلمَ لَڳَلَ آهي ' شَلَ ڌيئَرُ نہ ڄَمَنِ ' جيڪا سُٺي آهي. هَلو تہ اُها ڏِسوُن .

ميران : لڳي تو تہ اِها ڇوڪرِيُنِ جي ڄَمَڻَ جي باري ۾ هوُندي.

گيتا : ضَرورُ اِنهي ۾ ڪائي نَصيحَتَ يا سِکيا بہ هوُندي جيڪا اَسان جي سَماج کي سُڌاري سَگهي.

ميران : ٻارهين ٻَجي واري شو ۾ هَلوُن جيئَن شامَ جو گَهرَ ۾ ڪا پَريشاني نہ ٿِئي.

गीता : ठीक है, मैं घर बताकर तैयार होकर आती हूं। ताकि वे चिंता न करें।

(मीरा गीता और शीला जैसे ही सिनेमा हाल पहुंचती है वैसे ही फ़िल्म शुरु हो जाती है)

मीरां : हाल में लोग तो बहुत कम हैं।

शीला : आजकल उस फ़िल्म में भीड़ होती है जिसमें मार धाड़ और रोमांस होता है।

(सब फिल्म देखकर बाहर निकलते हैं)

गीता : कैसी लगी फ़िल्म ?

मीरां : ठीक थी। कलाकारों की अदाकारी अच्छी थी। फ़िल्म में जो जो बातें बताई गई हैं वे आज भी सच हैं। हालांकि आज की लड़कियों में पहले से काफ़ी परिर्वतन आया है, फिर भी लड़केवालों की मनोवृति में कोई अंतर नहीं आया है।

शीला : इसीलिए आज भी माता पिता को

गीता : ठीकु आहे, मां घर में बुधाए, संभरी अचां थी जीअं हू चिंता न कनि।

(मीरां, गीता ऐं शीला जीअं ई सिनेमा हाल में पहुत्यूं तीअं ई फ़िल्म शुरु थी वेई)

मीरां : हाल में माण्हू डाढा घटि आहिनि।

शीला : अजकल्ह उन फिल्म में भीड़ हूंदी आहे जंहिं में मार कुट ऐ रोमांसु हूंदो आहे।

(सभई फ़िल्म डिसी बाहिरि निकिरन था)

गीता : फ़िल्म कीअं लगव ?

मीरां : ठीक हुई, कलाकारनि जी अदाकारी सुठी हुई। फ़िल्म में जेके जेके गाल्हियूं बुधायूं वयूं आहिनि उहे अज बि सचु आहिनि। हालांकि अज जी छोकिरयुनि में पहिरीं खां चङो बदलाव आयो आहे तड़हिं बि छोकरे वारनि जी मनोविरतीअ में को फ़र्कु कोन आयो आहे।

शीला : तंहिं करे ई अज बि माउ पीउ खे

گيتا : ٺيڪ آهي، مان گھرَ ۾ ٻڌائي سَنيري اَچان ٿي جيئَن هوُ چنتا نہ ڪن.

(ميران گيتا ۽ شيلا جيئَن ئي سنيما هال ۾ پَهُتيوُن تيئَن ئي فِلمَ شُروُع ٿي ويئي.)

ميران : هال ۾ ماڻهوُ ڏاڍا گهٽ آهن.

شيلا : اَڄُ ڪلهہ اُن فِلمَ ۾ ڀيڙ هوُندي آهي جَنهِن ۾ مارَ ڪُٽ ۽ رومانسُ هوُندو آهي.

(سَيئي فِلمَ ڏسي ٻاهر نڪرَن ٿا)

گيتا : فِلم ڪيئَن لَڳَو ؟

ميران : ٺيڪ هُئي، ڪَلاڪارَن جي اَداڪاري سُٺي هُئي. فِلم ۾ جيڪي جيڪي ڳالهيوُن ٻُڌايوُن وَيوُن آهن اُهي اَڄُ بہ سَچُ آهن. حالانڪ اَڄُ جي ڇوڪريُن ۾ پَهرين کان چَڱو بَدلاءُ آيو آهي تَڏَهن بہ ڇوڪري وارَن جي مَنورتيءَ ۾ ڪو فَرقُ ڪونہ آيو آهي.

شيلا : تَنهِن ڪَري ئي اَڄُ بہ ماءُ پيءُ کي

लड़कियों को पढ़ाने लिखाने के बावजूद उनकी शादी की चिंता लगी रहती है।

गीता : जब तक लोग अपने विचारों में परिर्वतन नहीं लाएंगे तब तक यह समस्या रहेगी। इसीलिए उन्हें सोचना चाहिए। कहीं लड़कियां समाज के इस रवैये को देखकर कोई ऐसा कदम न उठाएं जिस कारण पूरे समाज को फिर भुगतना पड़े।

शीला : हां, लड़कियां पढ़ लिखकर अपने पैरों पर खड़ी हों, माता पिता को सहारा बनें और बेटों से भी बढ़कर आगे होकर दिखाएं तभी लड़केवाले स्वयं ही मजबूर होकर, मांघनेवाले याचक बनकर, हाथ जोड़कर, लड़कीवालों के पास आएंगे।

छोकरयुनि खे पढ़ाइण लिखाइण जे बावजूदि संदनि शादीअ बाबति चिंता हूंदी अथनि।

गीता : जेसीं माण्हूं पंहिंजे वीचारनि में बदिलाउ न आणींदो तेसीं ईहो मसइलो रहंदो ई। इन करे उन्हनि खे सोचणु घुर्जे मतां छोकरयूं समाज जे इन रवइये खे डिसी को अहड़ो क़दमु खणनि जंहिं करे सज समाज खे पोइ भोगणो पवे।

शीला : हा, छोकरयूं पढ़ी लिखी पंहिंजनि पेरनि ते बीहनि, माउ पीउ जो सहारो थ्यनि ऐं पुटनि खां बि अगरो थी डखारीनि तडहिं छोकरेवारा पाण ई मजबूर थी, घुरजाउ बणजी हथ जोड़े, छोकिरीअ वारनि वटि ईंदा।

ڇوڪرِيُنِ کي پَڙهائِڻ لِکائِڻ جي باوَجوُد سَندنِ شاديءَ بابت چِنتا هونديِ آهي.

گِيتا : جيسِين ماڻهوُ پَنهِنجي وِيچارَنِ ۾ بَدلاءُ نَہ آڻِيندو تيسِين اِهو مَسئلو رَهَندو ئِي. اِنَ ڪَري اُنهنِ کي سوچَڻُ گُهرجي. مَتان ڇوڪِريوُن سَماجَ جي اِن رَوَئِيي کي ڏِسِي ڪو اَهڙو قَدمُ نَہ کَڻِن جَنهِن ڪَري سَڄي سَماج کي پوءِ ڀوڳڻو پَوي.

شِيلا : ها، ڇوڪريوُن پَڙهي لِکِي پَنهِنجنِ پيرنِ تي بيهنِ، ماءُ پيءُ جو سَهارو ٿِيَنِ ۽ پُٽنِ کان بِہ اَڳرو ٿي ڏيکارِينِ تَڏِهن ڇوڪري وارا پاڻ ئِي مَجبوُر ٿي گُهرجائوُ بَڻجِي، هَٿ جوڙي، ڇوڪريءَ وارنِ وَٽِ ايندا.

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिन्धी
कम	घटि	گهٽ
भीड़	भीड़	ڀيڙ
मार धाड़	मारकुट	مارڪُٽ
कैसे	कीअं	ڪيئَن
कलाकारी	अदाकारी	اَداڪاري
जो जो	जेके जेके	جيڪي جيڪي
हालांकि	हालांकि	حالانڪِ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिन्धी
पैदा होना	जमण	ڄمَڻُ
उपदेश	नसीहत	نَصيحَت
शिक्षा	सिख्या	سِکيا
सुधार सके	सुधारे सघे	سُڌاري سَگهي
जैसे	जीअं	جيئَن
तैयार होकर	संभरी	سَنڀري
वैसे	तीअं	تيئَن

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिन्धी
कहां से	किथां	ڪِٿان
तो	त	تہ
पास के	पासे जे	پاسي جي
काश	शल	شَلَ
बेटियां	धीअरु	ڌيئَرُ
पैदा हों	जमनि	ڄمَنِ
जो	जेका	جيڪا

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌِي
परिर्वतन	बदलाउ	بَدلاءُ
मनोवृति	मनविरती	مَنوِرتيِ
अंतर	फ़र्कु	فَرقُ
बावजूद	बावजूदि	باوَجوُدِ
उनकी	संदनि	سَندَنِ
के संबंध में	बाबति	بابَتِ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌِي
कहीं	मतां	مَتان
रवैया	रवइयो	رَوَئيو
कदम	क़दमु	قَدمُ
भोगना	भोग॒णो	ڀوڳڻو
पैरों पर खड़ी हो	पेरनि ते बीहण	پيرَنِ تي بِيهڻ
आगे बढ़कर	अग॒रो	اَڳرو

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌِي
हाथ जोड़ना	हथ जोड़णु	هَٿ جوڙڻُ
याचक	घुरजाऊ	گهرجائوُ
तब तक	तेसीं	تيسِين

I निम्नलिखित वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1	बार चवनि था त तूं अज फ़िल्म डिसण थी वञीं ?	١. ٻارَ چوَنِ ٿا تہ توُن اَڄُ فِلمِ ڏِسَڻَ ٿي وَڃين ؟
2	लगे थो त इहा छोकरयुनि जे जमण जे बारे में हूंदी।	٢. لَڳي ٿو تہ اِها ڇوڪرِيُنِ جي ڄَمَڻَ جي باري ۾ هوُندي.
3	मुंहिंजी भेण आयल आहे इन करे सोचयां पेई।	٣. مُنهِنجي ڀيڻَ آيَل آهي اِنَ ڪري سوچيان پيئي.
4	मतां छोकरियूं को अहिड़ो कदमु खणनि जंहिकरे सजे समाज खे पोइ भोगणो पवे।	٤. مَتان ڇوڪريوُن ڪو اَهڙو قَدَمُ کڻِنِ جَنهِن ڪري سَڄي سَماج کي پوءِ ڀوڳڻو پَوي.
5	पासे जे सिनेमा हाल में फ़िल्म लगल आहे जेका सुठी आहे।	٥. پاسي جي سِنيما هالَ ۾ فِلمَ لَڳل آهي جيڪا سُٺي آهي.
6	बारहें लग वारे शो में हलूं जीअं शाम जो घर में का परेशानी न थिए।	٦. ٻارهين لَڳي واري شو ۾ هَلوُن جيئَن شامَ جو گهر ۾ ٻہ ڪا پَريشاني نَہ ٿِئي.
7	उन फिल्म में भीड़ हूंदी आहे जंहि में मारकुट हूंदी आहे।	٧. اُنَ فِلمِ ۾ ڀيڙ هوُندي آهي جَنهِن ۾ مارَڪُٽ هوُندي آهي.
8	छोकरयुनि में बदलाउ आयो आहे तडहिं बि छोकरे वारनि में को फ़र्कु कोन आयो आहे।	٨. ڇوڪرِيُنِ ۾ بَدلاءُ آيو آهي تَڏهِن بہ ڇوڪري وارنِ ۾ ڪو فَرقُ ڪونہ آيو آهي.

II कोष्ठक के शब्द की सहायता से वाक्यों को जोड़िए।

मिसालु : बार चवनि प्या। | مِثالُ : ٻارَ چوَنِ پيا.

तूं फ़िल्म डिसण थी वञीं। | توُن فِلمِ ڏِسَڻَ ٿي وَڃين.

बार चवनि प्या त तूं फिल्म डिसण थी वञीं। | ٻارَ چوَنِ پيا تہ توُن فِلَمِ ڏِسَڻَ ٿي وَڃين.

1	मां इस्टेशन ते पहुतसि। गाडी हलण लगो।	١. مان اِسٽيشَن تي پَهُتس. گاڏي هَلَڻَ لَڳي.
2	धीअ वडो थी। माउ पीउ खे चिंता थ्यण लगो।	٢. ڌيءَ وَڏي ٿي. ماءُ پيءُ کي چِنتا ٿِيَڻ لَڳي.
3	राति जा अठ वजदा। दुकान बंदि थ्यण लगदा।	٣. راتِ جا اَٺ وَڄندا. دُڪان بَندِ ٿِيَڻَ لَڳندا.
4	फ़िल्म सुठी हुई। अदाकारी बि सुठी हुई।	٤. فِلَمِ سُٺي هُئي. اَداڪاري بہ سُٺي هُئي.

III कोष्ठक के शब्द की सहायता से वाक्यों को जोड़िए।

	मिसालु : पासे जे सिनेमा हाल	مِثالُ : پاسي جي سِنيما هالَ
	में फ़िल्म लगल आहे।	۾ فِلم لَڳل آهي.
	फिल्म सुठी आहे। (जेका)	فِلم سُٺي آهي. (جيڪا)
	पासे जे सिनेमा हाल में फ़िल्म	پاسي جي سِنيما هالَ ۾
	लगल आहे जेका सुठी	فِلمَ لَڳل آهي جيڪا سُٺي
	आहे।	آهي.
1	बार खे रांदीका वणनि था।	١. ٻارَ کي رانديڪا وڻَن ٿا.
	रांदीका रंगबिरंगी आहिनि।	رانديڪا رَنگ‌بِرَنگي آهِن.
	(जेके)	(جيڪي)
2	मुंहिंजा पैसा ख़तम थी व्या।	٢. مُنهنجا پَيسا خَتمَ ٿي ويا.
	पैसा तव्हां मूं खे डिना।	پَيسا توهان مُون کي ڏِنا.
	(जेके)	(جيڪي)
3	राम खे हिक धीअ हुई। धीअ	٣. رامَ کي هِڪ ڌِيءَ هُئي. ڌِيءَ
	डाढी मोटी हुई। (उहा)	ڏاڍي موٽي هُئي. (اُها)
4	मां टाइम ते घर पहुची वेंदसि।	٤. مان ٽائيمَ تي گهرِ پَهُچِي
	कंहिं खे ख़बर न पवे।	ويندس ڪَنهِن کي خَبَر نَہ پَوي.
	(जीअं)	(جيئَن)
5	अशोक कुल्फी खाधी। कुल्फीअ	٥. اَشوڪ ڪُلفي کاڌِي. ڪُلفِيءَ
	में पिस्ता प्यल हुआ। (जहिं)	۾ پِستا پِيَل هُئا. (جَنهِن)

IV उदाहरण के अनुसार वाक्यों को जोड़िए।

	मिसालु : मुंहिंजी भेण आयल	مِثالُ : مُنهنجِي ڀيڻَ آيَل
	आहे।	آهي.
	फिल्म डखारण जी सोचयां पेई।	فِلم ڏيکارَڻ جي سوچيان پيئي.
	(इन करे)	(اِنَ ڪَري)
	मुंहिंजी भेण आयल आहे इन	مُنهنجِي ڀيڻ آيل آهي اِنَ
	करे फिल्म डखारण जी सोचयां	ڪَري فِلم ڏيکارَڻ جي سوچيان
	पेई।	پيئي.
1	अखलेशु पढ़ाईअ में रुधलु आहे।	١. اَکليشُ پَڙهائيءَ ۾ رُڌَلُ آهي.
	फ़िल्म डिसण न व्यो। (इन करे)	فِلم ڏِسَڻ نَہ ويو. (اِن ڪَري)
2	रमेशु कलकते व्यलु हो। दीपक	٢. رَميشُ ڪَلڪَتي ويَلُ هو.
	जी शादीअ ते कोन व्यो।	ديپَڪ جي شاديءَ تي ڪونَہ
	(जंहिंकरे)	ويو. (جَنهِن ڪَري)
3	अजु गीता अचणी आहे। मुं छुटी	٣. اَڄُ گيتا اَچڻي آهي. مُون
	कई आहे। (तंहिंकरे)	ڇُٽِي ڪَئي آهي. (تَنهِن ڪَري)

4 बा॒र रांदि में मस्त हुआ। दर जोह ۴. ٻارَ راندِ ۾ مَست هُئا. دَرَ جواءِ
आवाजु कोन था बु॒धनि। آوازُ ڪونَہ ٿا ٻُڌَنِ.
(इन करे) (اِن ڪَري)

5 असां खे समस्या जो अहिड़ो हलु ۵. اَسان کي سَمسيا جو اَهڙو
कढणु घुरजे। सज॒ समाज खे न هَلُ ڪَڍَڻُ گُهرجي. سَڄي
भोग॒णो पवे। (जंहिंकरे) سَماج کي نَہ ڀوڳڻو پَوي. (جَنهِن ڪَري)

V *उदाहरण के अनुसार वाक्यों को अलग अलग कीजिए।*

मिसालु :फिल्म में काई नसीहत مِثالُ : فِلم ۾ ڪائِي نَصيحَت
हूंदी। जेका असांजे समाज खे هونّدِي. جيڪا اِسانجي سَماج
सुधारे सघे। کي سُڌاري سَگهي.

1 फिल्म में काई नसीहत हूंदी।ا. فِلم ۾ ڪائِي نَصيحَت هونّدِي.

2 असां जे समाज खे सुधारे.۲. اَسانجي سَماج کي سُڌاري سَگهي.
सघे।

1 बा॒रहे वारे शो में हलूं जीअं ا. ٻارهين واري شو ۾ هَلوُن جيئن
घर में का परेशानी न थिए। گهرَ ۾ ڪا پَريشاني نَہ ٿِئي.

2 चौराहे ते हिक मूर्ती आहे ۲. چوَراهي تي هِڪ موُرتي آهي
जेका डा॒ढी वड॒ो आहे। جيڪا ڏاڍِي وَڏِي آهي.

3 गोपाल घड़ी वर्ती जेका जल्दी ۳. گوپالَ گهڙِي وَرتي جيڪا
ख़राबु थी वेई। جَلدي خَرابُ ٿي ويئي.

4 तूं छा प्यो सोचीं जो कम ते ध्यानु ۴. توُن ڇا پيو سوچين جو
नथो डीं॒। ڪَمَ تي ڌيانُ نَٿو ڏِين.

5 नरेशु अज॒ देरि सां उथ्यो ۵. نَريشُ اَڄ ديرِ سان اُٿيو جَنهِن
जहिंकरे स्कूल में लेट थी व्यो। ڪَري اِسڪوُل ۾ ليٽ ٿي ويو.

टिप्पणियां

I सिंधी में दो या दो से अधिक वाक्यों को जोड़ने के लिए कुछ सम्मुचय बोधक शब्दों का प्रयोग होता है जो मिश्र वाक्य अथवा संयुक्त वाक्य की रचना करते हैं। मिश्र वाक्य में एक वाक्य दूसरे वाक्य पर आश्रित होता है, संयुक्त वाक्य में दोनों वाक्य स्वतंत्र होते हैं एक दूसरे पर आश्रित नहीं होते। ये सम्मुचयबोधक शब्द इस प्रकार है 'त', 'जो', 'जेका', 'इनकरे', 'जहिंकरे', 'तहिंकरे' आदि। ऐं संयोजक सम्मुचयवाची शब्द हैं और 'या' वियोजक सम्मुचयवाची शब्द। इन सम्मुचयवाची शब्दों का प्रयोग देखिए।

1 लग थो त इहा छोकरयुनि जी पैदाइश ते असांजे समाज खे थींदड़ परेशानीअ जे बारे में हूंदी।
١. لَڳي ٿو تہ اِها ڇوڪريُنِ جي پَيدائِش تي اَسانجي سَماج کي ٿِيندَڙ پَريشانيءَ جي باري ۾ هوُندي.

2 फ़िल्म में सिख्या हूंदी जेका असां जे समाज खे सुधारे सघे।
٢. فِلمر ۾ سِکيا هوُندي جيڪا اَسان جي سَماج کي سُڌاري سَگهي.

3 मां घर में बधाए अचां थी जीअं हू चिंता न कनि।
٣. مان گَهر ۾ ٻُڌائي اَچان ٿي جِيئَن هوُ چِنتا نہ ڪَنِ.

4 छोकिरयूं छोकरनि खां बि अगरो थी डखारिनि जंहिंकरे छोकरेवारा पाण खे बदलण लाइ मजबूर थ्यनि।
٤. ڇوڪريوُن ڇوڪَرنِ کان بہ اَڳرو ٿي ڏيکارِنِ جَنهِن ڪَري ڇوڪريوارا پاڻ کي بَدلڻ لاءِ مَجبوُر ٿِينِ.

5 फ़िल्म ठीक हुई ऐं अदाकारी बि सुठी हुई।
٥. فِلَمر ٺِيڪ هُئِي ۽ اَداڪارِي بِہ سُٺِي هُئِي.

6 अज़कल्ह उन फिल्म में भीड़ हूंदी आहे जंहिं में मारकुट हूंदी या रोमांसु हूंदो आहे।
٦. اَڄُ ڪَلهہ اُنَ فِلَمر ۾ ڀِيڙ هوُندي آهي جَنهِن ۾ مارڪُٽ هوُندِي يا رومانسُ هوُندو آهي.

RESPONSE SHEET - 19 جَوابي پيپَرُ ١٩ उतरपत्रिका –19

1. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उतर दीजिए।

1. बार छा प्या चवनि ?

١. ٻار ڇا پيا چَوَنِ ؟

2. पासे जे सिनेमा हाल में कहड़ी फ़िल्म लगल आहे ?

٢. پاسي جي سِنيما هال ۾ ڪهڙي فِلم لَڳَل آهي ؟

3. छोकरयुनि खे पढ़ाइण लिखाइण जे बावजूद अज बि माउ पीउ खे छाजी चिंता हूंदी आहे ?

٣. ڇوڪريُنِ کي پَڙهائِڻ لِکائِڻ جي باوجوُد اَڄُ بِہ ماءُ پيءُ کي ڇا جي چِنتا هوُندي آهي؟

4. इहो मसइलो केसीं रहंदी ?

٤. اِهو مَسئِلو ڪيسِين رَهَندو ؟

5. छोकरे वारा कडहिं मजबूर थी घुरजाऊ बणजी छोकरीअ वारनि वटि ईंदा ?

٥. ڇوڪري وارا ڪڏهِن مَجبوُر ٿي گھُرجائوُ بَڻجي ڇوڪريءَ وارنِ وَٽِ ايندا ؟

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों से उचित शब्द चुनकर वाक्यों को जोड़िए।

(त, जो, जेका, जंहिं में. तंहिंकरे, ऐं)

(تَہ، جو، جيڪا، جَنهِن ۾، تَنهِن ڪَري، ءِ)

1. गोपाल चयो। मां सिंधीअ में एम.ए. कंदुसि।

١. گوپال چَيو. مان سِنڌِيءَ ۾ ايم. اي ڪَندُس.

2. शीलाः फ़िल्म ड॒िसण वेई। फिल्म में मारकुट कान हूई।

٢. شيلا فِلم ڏِسَڻ ويئِي. فِلمَ ۾ مارَڪُٽَ ڪانَہ هُئِي.

3. गीता सुम्ही पेई आहे। तूं छो पेई जाग॒ां।

٣. گِيتا سُمهِي پيئِي آهي. توُن ڇو پيئِي جاڳِين.

4. लोकेश खे टी.वी. ड॒िसंदे ड॒िसंदे निंड अची वेई। लोकेश मानी कान खाधी।

۴. لوڪيش کي ٽِي.وِي ڏِسَندي ڏِسَندي نِنڊ اَچِي ويئِي. لوڪيش مانِي ڪانَہ کاڌِي.

5. उन फ़िल्म में भीड़ कानहे। फ़िल्म में मारकुट कानहें।

٥. اُنَ فِلمر ۾ ڀيِڙ ڪانهي. فِلمر ۾ مارڪُٽ ڪانهي.

6. मीरां खे साढ़ी खपे। साढ़ी माउ ड॒िनी अथसि।

٦. مِيران کي ساڙهِي کَپي. ساڙهِي ماءُ ڏِني اَٿَسِ.

3. प्रत्येक वाक्य के दो वाक्य बनाइए।

1. दीपा जा पेपर आहिनि जंहिं करे हूअ रांदि नथी करे।

١. دِيپا جا پيپَر آهِنِ جَنهِن ڪَري هوءَ راندِ نَٿي ڪَري.

2. अज॒ बि उहे ग॒ाल्हियूं सचु आहिनि जेके फ़िल्म में ब॒धायूं वेयूं आहिनि।

٢. اَڄُ بِہ اُهي ڳالهيُوں سَچُ آهِنِ جيڪي فِلمر ۾ ٻُڌايُوں ويُيُوں آهِنِ.

3. रमेशु छा प्यो करे जो आफ़ीस कोन प्यो अचे ?

٣. رَميشُ ڇا پيو ڪَري جو آفِيس ڪونَہ پيو اَچي ؟

4. शांती घरि ईंदी या सिधो मीटिंग में पहुचंदी ?

۴. شانتيِ گهر ايِنديِ يا سِڌو ميِٽِنگ ۾ پَهُچَنديِ ؟

5. कनिका खे ग॒ाइणु ईंदो आहे ऐं मानसीअ खे नचणु ईंदो आहे।

۵. ڪَنِڪا کي ڳائِڻُ ايِندو آهي ۽ مانسيءَ کي نَچَڻُ ايِندو آهي.

4. दिए गए शब्दों के सिंधी शब्द लिखिए।

1. ऐसा हो ____________________.
2. बेटियां ____________________.
3. पैदा होना ____________________.
4. तैयार होना ____________________.
5. आगे बढ़कर ____________________.
6. याचक ____________________.

5. निम्न वाक्यो का हिंदी में अनुवाद कीजिए।

1. जीअं ई शीला, गीता, मीरां सिनेमा हाल में पहुत्यूं तीअं ई फ़िल्म शुरु थी वेई।

١. جيئَن ئي شيلا، گيتا، ميران سِنيما هال ۾ پَهُتيوُن تيئَن ئي فِلم شُروُع ٿِي ويئِي.

----

2. जेसीं माण्हू पंहिंजे वीचारनि में बदिलाउ न आणींदो तेसीं ईहो मसइलो रहंदो।

٢. جيسِين ماڻهوُ پَنهنجي ويچارنِ ۾ بَدِلاءُ نَہ آڻِيندو تيسِين اِهو مَسئِلو رَهَندو.

----

3. मतां छाकिरयूं समाज जे रवये खे ड॒िसी को अहड़ो क़दमु खणनि जो सज॒ समाज खे भोग॒णो पवे।

٣. مَتان ڇوڪريوُن سَماج جي رَوَيي کي ڏِسِي ڪو اَهڙو قَدَمُ کڻِن جو سَڄي سَماج کي ڀوڳڻو پَوي.

----

4. 'शल धीअरु न ज॒मनि' फ़िल्म कंहिं में लग॒ल आहे ?

٤. 'شَلَ ڌِيئَرُ نَہ ڄَمَنِ' فِلم ڪَنهِن ۾ لَڳَل آهي ؟

5. छोकरयूं पंहिंजे पेरनि ते बीहनि ऐं माउ पीउ जो सहारो थियनि।

٥. ڇوڪريوُن پَنهِنجي پيرنِ تي بيهنِ ۽ ماءُ پيءُ جو سَهارو ٿِينِ.

पाठ 20

दो सखियों में वार्तालाप

रानी : बहन मोहिनी, कैसी हो ?

मोहिनी : अरे रानी! बहुत दिनों के बाद आई हो।

रानी : क्या करुं जब घर और आफ़िस से फ़ुर्सत मिले तब तो कहीं आऊं जाऊं। बच्चे दोनो छोटे हैं। कभी एक बीमार होता है तो दूसरा भी बीमार हो जाता है। या तो तुम्हारी तरह कोई सास ननंद होती तो काफ़ी मदद मिलती।

मोहिनी : क्यों, तुम्हारा पति मदद नहीं करता है क्या?

रानी : यदि वे ही मेरा हाथ बंटाते तो परेशानी क्यों होती ? कभी कभी मुझे परेशान देखकर अब बच्चों को थोड़ा देखने लगे हैं।

मोहिनी : अगर तुम कहो तो मैं उन्हें कुछ

सबकु 20

ब॒िनि साहेड़्युनि जी गुफ़्तगू

राणी : भेण मोहनी, कीअं आहीं ?

मोहनी : अड़े राणी! ड॒ाढनि ड॒ींहनि खां पोइ आई आहीं।

राणी : छा कर्यां, जड॒हिं घर ऐं, आफ़ीस खां वांदकाई मिले तड॒हिंत किथे अचां वञां। ब॒ार ब॒ई नंढा आहिनि। कड॒हिं जे हिकड़ो बीमार थिए त ब्॒यो बि बीमार थी पवे थो। या त तो वांगुर का ससु निराण हुजे हा, त चङी मदद मिले हा।

मोहनी : छो, घोटइं मददि कोन थो करेई छा ?

राणी : जे उहेई हथु वठाइन हा त ड॒खयाई छो थिए हा। कड॒हिं कड॒हिं मूं खे ख़फ़े ड॒िसी ब॒ारनि खे हाणे थोरो ड॒िसण लग॒ा आहिनि।

मोहनी : जे तूं चवीं त मां उनहन खे कुझु

سَبَقُ ٢٠

ٻِنِ ساهيڙيُنِ جي گُفتَگوُ

راڻِي : ڀيڻَ موهني، ڪيئَن آهين ؟

موهنِي : اَڙي، راڻِي! ڏاڍَنِ ڏينهَن کان پوءِ آئِي آهين!

راڻِي : ڇا ڪريان، جَڏِهن گهرَ ۽ آفيِسَ کان واندڪائِي مِلي تَڏِهن تَہ ڪِٿي اَچان وَڃان. ٻارَ ٻَئِي نَنڍا آهِنِ. ڪَڏِهن جي هِڪڙو بيمار ٿِئي تو تَہ ٻيو ٻِہ بيمار ٿِي تو پَوي. يا تَہ تو وانگُر ڪا سَسُ نِراڻَ هُجي ها، تَہ چَڱِي مَددَ مِلي ها.

موهنِي : ڇو، گهوٽئِن مَدد ڪونَہ تو ڪريئِي ڇا ؟

راڻِي : جي اُهي ئِي هَٿُ وَٺائِن ها تَہ ڏُکيائِي ڇو ٿِئي ها. ڪَڏِهن ڪَڏِهن موُن کي خَفي ڏِسي ٻارَنِ کي هاڻي ٿورو ڏِسَڻ لَڳا آهِنِ.

موهنِي : جي توُن چوين تَہ مان اُنهَنِ کي

समझाऊं कि घर में भी कुछ ध्यान
दें।

रानी : नहीं, नहीं बिल्कुल नहीं जो थोड़ा
बहुत अभी करते हैं वह भी छोड़
देंगे। जबकि मेरा कहना अलग होगा।

मोहिनी : इस ज़िंदगी से तो पहले के समय
में अच्छा था कि स्त्रीयां सिर्फ़ घर ही
संभालती थी।

रानी : क्या वह भी कोई ज़िंदगी थी जो घर
के सिवा दुनिया की ख़बर ही नहीं
पड़ती थी कि क्या हो रहा है। कोई
भी छोटी से छोटी बात होती तो भी
पुरुषों पर आश्रित होना पड़ता था।

मोहिनी : यह बात तो है, जबकि हमने पुरुषों
का कितना काम संभाला है फिर भी
वे हमसे वही अपेक्षाएं रखते हैं। हम
पर काम का बोझ कितना न बढ़ गया
है।

राणी : यदि हम केवल एक दूसरे को

समझायां त घर में बि कुझु ध्यानु
डानि।

राणी : न, न हर्गिज़ न, जेको थोरो घणो हाणे
कंदा आहिनि सो बि छड डांदा
जेतोणीक मुंहिंजो चवणु अलगु थींदो।

मोहनी : इन ज़िंदगीअ खां त पहरिएं ज़माने
में सुठो हो जो ज़ालूं रुगा घर ई
संभालींदयूं हुयूं।

राणी : छा उहा बि का ज़िंदगी हुई, जो घर
खां सवाइ दुनया जी का ख़बर ई
कान पवंदी हुई त छा थी रहयो आहे।
का बि नंढे में नंढी गाल्हि हुजे त बि
मर्दनि ते भाड़णो पवंदो हो।

मोहनी : इहा गाल्हि त आहे। जडहिं कि असां
मर्दनि जो केतरो कमु संभाल्यो आहे
तडहिं बि हू असां खां सागयूं उमेंदू था
रखनि। असां ते कम जो बारु केतरो न
वधी व्यो आहे।

राणी : जे असां सिर्फ़ हिक बिए खे समझी

ڪُجھہ سَمجھايان تہ گھر ۾
ڪُجُھہ ڌيانُ ڏينِ.

راڻي : نہ، نہ هَرگز نہ، جيڪو ٿورو هاڻي
ڪَندا آهِنِ سو بہ ڇَڏي ڏيندا
جيتوڻيڪ مُنهنجو چَوَڻُ اَلَڳ ٿيندو.

موهني : اِنَ زندگيءَ کان تہ پَهرئين زَماني
۾ سُٺو هو جو زالُون رُڳو گھرُ ئي
سَنڀاليندِيُون هُيُون.

راڻي : ڇا اُها بہ ڪا زندگي هُئي جو گھرَ
کان سِواءِ دُنيا جي ڪا خَبَر ئي ڪانہ
پَوندي هُئي تہ ڇا ٿي رَهيو آهي.
ڪا بہ ننڍي ۾ ننڍي ڳالهہ هُجي تہ
بہ مَردنِ تي ڀاڙڻو پَوَندو هو.

موهني : اِها ڳالهہ تہ آهي. جَڏهِن ڪِ اَسان
مَردنِ جو ڪيترو ڪَمُ سَنڀاليو آهي
تَڏهِن بہ هوُ اَسان مان ساڳيُون
اُميدُون ٿا رَکنِ. اَسان تي ڪَمَ جو
بارُ ڪيترو نہ وَڌي ويو آهي.

راڻي : جي اَسان صِرف هِڪ ٻِئي کي سَمجهي

समझकर चलें तो कोई परेशानी न हो, धीरे धीरे सभु ठीक हो जाए यदि बच्चों को शुरु से एक समान शिक्षा और संस्कार डालें, उन्हें अपना काम स्वयं और समय पर करना सिखाएं तो आज की समस्याएं कल नहीं होगी।

मोहिनी : ठीक बात है। ख़ैर और बताओ आजकल क्या कर रही हो ?

रानी : जो बात मैं तुम्हें बताने आई थी वह तो भूल ही गई। कल 'महिला मंडली' में एक बैठक रखी है। जिसमें समाज कल्याण के लिए स्त्रीयां क्या कर रहीं हैं और क्या कर सकती हैं इस पर चर्चा होगी। यदि तुम आओ तो तुम्हें अच्छा लगेगा।

मोहिनी : ठीक है मैं ज़रूर आऊंगी।

रानी : अच्छा तो चलें, कल मीटिंग में मिलेंगे।

हलूं त का परेशानी न थिए। धीरे धीरे सभु ठीकु थी वञे। जे ब॒ारनि खे शुरुअ खां हिक जहड़ी सिख्या ऐं संस्कार विझूं पंहिंजो, कमु पाण ऐं टाइम ते करणु सेखारयूं त अज॒ जूं ड॒खयाइयूं सुभाणे न थींदयूं।

मोहनी : बराबरि, ख़ैर! ब॒यो बुधाइ, अज॒कल्ह छा करे रही आहीं ?

राणी : अड़े जेका ग॒ाल्हि मां तोखे ब॒धाइण आई हुयसि सा त भुलजी व्यसि। सुभाणे 'महला मंडल' में हिक मीटिंग रखी अथऊं जंहिं में समाज कल्याण लाइ ज़ालूं छा करे रहयूं आहिनि ऐं छा करे सघंदयूं इन ते ग॒ाल्हि बोल्ह थींदी। तूं जेकर अचीं त सुठो लग॒दो।

मोहनी : ठीकु आहे मां ज़रूर ईंदसि।

राणी : चङो, सुभाणे मीटिंग में मिलंदासीं।

هَلوُن تَہ ڪا پَريشاني نَہ ٿِئي. ڌيري ڌيري سَڀُ ٺيڪُ ٿي وَجي. جي ٻارنِ کي شُروُع کان هِڪَ جهڙي سِکيا ۽ سَنسڪار وِجهوُن، پَنهِنجو ڪَمُ پاڻ ۽ ٽائيم تي ڪَرَڻُ سيکاريوُن تَہ اَڄُ جوُن ڏُکيائيوُن سُڀاڻي نَہ ٿينديوُن.

موهني : بَرابرَ ! خَير، ٻيو ٻُڌاءِ اَڄُ ڪَلهَہ ڇا ڪَري رَهِي آهين ؟

راڻي : اَڙي جيڪا ڳالهِہ مان توکي ٻُڌائِڻ آئي هُيسِ سا تَہ ڀُلجي وِيَس. سُڀاڻي مَهلا مَنڊلَ ۾ هِڪ ميٽِنگ رَکي اٿَئوُن جَنهِن ۾ سَماج ڪَلياڻَ لاءِ زالوُن ڇا ڪَري رَهيوُن آهِن ۽ ڇا ڪَري سَگهنديوُن اِنهي تي ڳالهِہ ٻولهَہ ٿيندي. توُن جيڪَر اَچين تَہ سُٺو لَڳَندو.

موهني : ٺيڪ آهي، مان ضَروُر ايندَسِ.

راڻي : چَڱو، سُڀاڻي ميٽِنگ ۾ مِلَنداسين.

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
वार्तालाप	गुफ़तगू	گُفتگوُ
फुर्सत	वांदकाई	واندڪائِي
तुम्हारी तरह	तो वांगुरु	تو وانگُرُ
सास	ससु	سَسُ
ननंद	निराण	نِراڻَ
पति	घोटु	گھوٽُ
हाथ बटाना	हथु वठाइणु	هَٿُ وَٺائِڻُ
परेशान	ख़फा	خَفا

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
बिल्कुल	हर्गिज़	هَرگِز
जहां तक	जेतोणिक	جيتوڻِڪ
स्त्रीयां	ज़ालूं	زالوُن
सिर्फ़	रुग॒ो	رُڳو
आश्रित होना	भाड़णु	ڀاڙَڻُ
वे ही	साग॒यूं	ساڳيوُن
बोझ	बारु	بار
बढ़ना	वधणु	وَڌَڻُ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
केवल	सिर्फ़ि	صِرفِ
स्वयं	पाण	پاڻَ
ठीक बात	बराबरि	بَرابَرِ
बैठक	मीटिंग	ميٽِنگ
कठिनाइयां	डुख्याइयूं	ڏُکيائِيوُن
हो सकता है	मतां	مَتان

I निम्नलिखित वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1 जड॒हिं घर ऐं आफ़ीस खां वांदकाई मिले तड॒हिं त किथे अचां वञां।

١. جَڏهن گهر ۽ آفيس کان واندڪائِي مِلي تَڏهِن تَہ ڪِٿي اَچان وَڃان.

2 कड॒हिं जे हिकड़ो बीमार थिए थो त ब॒यो बि बीमारु थी पवे थो।

٢. ڪَڏهن جي هِڪڙو بيِمار ٿئي ٿو تَہ ٻيو بہ بيِمارُ ٿِي پَوي ٿو.

3 यां त तो वांगुरु ससु निराण हुजे हा त चङी मदद मिले हा।

٣. يا تَہ تو وانگُرِ سَسُ نِراڻ هُجي ها تَہ چَڱِي مَدد مِلي ها.

4 जेको थोरो कंदा आहिनि सो बि छड॒ डां॒दा।

٤. جيڪو ٿورو ڪَندا آهِنِ سو بِہ ڇَڏي ڏِيندا.

5 जेतोणीक मुंहिंजो चवणु अलग॒ थींदो।

٥. جيتوڻيِڪ مُنهِنجو چَوڻُ اَلَڳ ٿِيندو.

II उदाहरण के अनुसार जड॒हिं तड॒हिं की सहायता से वाक्य जोड़िए।

मिसालु : मां इस्टेशनि ते पहुतसि। गाडो॒ हली पिए।

مِثالُ : مان اِسٽيشنِ تي پَهُتسِ. گاڏِي هَلِي پِئي.

जड॒हिं मां स्टेशनि ते पहुतसि तड॒हिं गाडो॒ हले पेई।

جَڏهن مان اِسٽيشن تي پَهُتَسِ تَڏهن گاڏِي هَلي پيئِي.

1 घर मां वांदकाई मिले। किथे अचां वञां।

١. گهر کان واندڪائِي مِلي. ڪِٿي اَچان وَڃان.

2 मां हास्टल में हुयुसि। मानी पाण ई ठाहींदो हुयुसि।

٢. مان هاسٽَل ۾ هُيُسِ. مانِي پاڻ ئِي ٺاهِيندو هُيُسِ.

3 रमेशु आगरा वेदो। ताजमहलु ज़रूर डि॒संदो।

٣. رَميش آگرا ويندو. تاج مَحَل ضَرورُ ڏِسَندو.

4 नीता घरि वेंदी। मथुरा जा पेड़ा ज़रूर आणींदी।

٤. نيِتا گَهر وينديِ. مَٿُرا جا پيڙا ضَرورُ آڻِينديِ.

5 लता क्लास में पहियों नंबर ईंदी। हुन खे साइकिल मिलंदी।

٥. لَتا ڪِلاسَ ۾ پَهريون نَمبرُ اِينديِ. هُن کي سائِيڪل مِلَنديِ.

III उदाहरण के अनुसार जे — त का प्रयोग करते हुए वाक्यों को जोड़िए।

मिसालु : हिकड़ो बीमार थिए थो। ब॒यो बि बीमारु थी पवे थो।

مِثالُ : هِڪڙو بيِمار ٿئي ٿو. ٻيو بيِمار ٿِي پَوي ٿو.

जे हिकड़ो बीमारु थिए थो त ब॒यो बि बीमारु थी पवे थो।

جي هِڪڙو بيِمار ٿئي ٿو تَہ ٻيو بيِمار ٿِي پَوي ٿو.

1 घर वारा हथ वठाइनि। | ١. گهرَ وارا هَٿ وَٺائِن.
डुखयाई छो थिए हा ? | ڏُکيائي ڇو ٿِئي ها ؟
2 तोखे मूं सां गडि हलणो | ٢. توکي مون سان گڏ هَلڻو آهي.
आहे। बारहें लगु पहुची | ٻارهين لَڳي تائين پَهُچِي
वञिजाईं। | وَڃجانءِ.
3 किशनु अचणो आहे। मां उन सां | ٣. ڪِشَن اَچڻو آهي. مان اُن
गडु वेंदसि। | سان گڏ ويندَس.
4 मीरां बारनि खे विहारींदी। | ٤. ميران ٻارن کي وِهاريندِي.
गीता फिल्म डिसण वेंदी। | گيتا فِلم ڏسڻ ويندي.
5 सरोज पेपरनि में महनत कंदी। | ٥. سَروج پيپَرن ۾ مَحنت
हूअ ज़रुर पास थींदी। | ڪَندي. هوءَ ضرور پاس ٿيندي.

IV कोष्ठक के शब्दों की सहायता से वाक्य जोड़िए।

मिसालु : वडा चवंदा। नंढा | مِثالُ : وَڏا چوندا. نَنڍا
मञंदा। | مَڃيندا.
(जीअं जीअं –– तीअं तीअं) | (جيئَن جيئَن - تيئَن تيئَن)
जीअं जीअं वडा चवंदा तीअं | جيئَن جيئَن وَڏا چوندا
तीअं नंढा मञंदा। | تيئَن تيئَن نَنڍا مَڃيندا.

1 आदमशुमारी वधंदी वेंदी। | ١. آدمشُماري وَڌندي ويندي.
ग़रीबी थींदी वेंदी। | غريبي ٿيندي ويندي.
(जीअं जीअं –तीअं तीअं) | (جيئَن جيئَن - تيئَن تيئَن)
2 कमु पूरो कोन थींदो। अनीता | ٢. ڪَمُ پُورو ڪونَه ٿيندو. اَنيتا
कान सुम्हंदी। | ڪانَه سُمهندي.
(जेसीं –– तेसीं) | (جيسين - تيسين)
3 ज़ालूं बाहिरि जो कमु कनि | ٣. زالُون ٻاهِر جو ڪَمُ ڪَن
थ्यूं। मर्द ज़ालुनि ते रौबु | ٿيُون. مَردَ زالُن تي رَوبُ
हलाइनि था। | هَلائِن ٿا.
(जडहिं कि –– तडहिं बि) | (جَڏهِن ڪِ - تَڏهِن بِه)
4 मोहनु घरु ठहराईंदो। | ٤. موهَنُ گهرُ ٺهرائيندو.
पार्टी डांदो। | پارٽي ڏيندو.
(जडहिं –– तडहिं) | (جَڏهن - تَڏهن)
5 कृष्णा घुमण वञे हा। पदमा | ٥. ڪرشنا گهمَڻ وَڃي ها. پَدما
खे ज़रूर वठी वञे हा। | کي ضرور وَٺي وَڃي ها.
(जे –– त) | (جي - تَه)

V प्रत्येक वाक्य के दो दो वाक्य बनाइए।

1 या त तो वांगुर ससु निराण हुजे ١. يا تہ تو وانگُر سَسُ نِراڻ
हां त चडी मदद मिले हा। هُجي ها تہ چَڱي مَدد مِلي ها.

2 जे उहे ई हथु वठाइनि हा त ٢. جي اُهي ئي هَٿُ وَٺائِن ها تہ
डुखयाई छो थिए हां। ڏُکيائي ڇو ٿِئي ها.

3 जेको थोरो घणो हाणे कंदा ٣. جيڪو ٿورو گهڻو هاڻي ڪَندا
आहिनि सो बि छड डांदा। آهِن سو بہ ڇَڏي ڏيندا.

4 जेका गाल्हि मां तोखे बधाइण ٤. جيڪا ڳالهہ مان توکي
आई हुयसि सा त भुलजी ٻُڌائِڻ آئي هُيس سا تہ ڀُلِجي
व्यसि। وِيس.

5 जिते ज़ालुनि पाण खे बदल्यो ٥. جِتي زالُنِ پاڻَ کي بَدليو
आहे उते मर्द बि पाण खे آهي اُتي مَرد بہ پاڻ کي
बदलीनि। بَدلِين.

टिप्पणियां

I सिंधी में मिश्र वाक्य की संरचना करनेवाले कुछ ऐसे सम्मुचयवाची शब्द होते हैं जिन्हे शर्तवाची वाक्य संयोजक कहते हैं। इनमें से एक का प्रयोग होने पर दूसरे का प्रयोग भी अवश्य होता है। इन शर्तवाची वाक्य संयोजको के प्रयोग निम्न वाक्यों में देखिए।

1 जडहिं — तडहिं ١. جَڏهِن --- تَڏهِن
जडहिं कविता घरि पहुती جَڏهِن ڪَوِتا گهر پَهُتي تَڏهِن
तडहिं हीना संभिरणु शुरू कयो। هينا سَنڀِرڻُ شُروُع ڪيو.

2 जे — त ٢. جي ---- تہ
जे रमा चवे हा त राणी मदद جي رَما چَوي ها تہ راڻي مَدد
करे हा। ڪَري ها.

3 जीअं जीअं—तीअं तीअं ٣. جيئَن جيئَن --تيئَن تيئَن
जीअं जीअं छोकरी वडो थींदी جيئَن جيئَن ڇوڪري وَڏي
वञे थी तीअं तीअं माउ ٿيندي وَڃي ٿي تيئَن تيئَن ماءُ
पीउ जी चिंता वधे थी। پيءُ جي چِنتا وَڌي ٿي.

4 जेसीं –– तेसीं	۴. جيسِين -- تيسِين
जेसीं श्यामु सुख सां मुंबई न	جيسِين شيامُ سُک سان مُمبئِي
पहुचंदो तेसीं मूं खे चैन	نَہ پَھُچندو تيسِين مُوں کي چَين
कोन ईंदो।	ڪونَہ ايِندو.
5 जड॒हिं कि –– त बि	۵. جَڏهِن ڪِ -- تَہ بِہ
जड॒हिं कि माणस घणोई	جَڏهِن ڪِ ماڻسِ گَھڻوئِي
समुझायाईंसि त बि उहा	سَمُجھايائِينس تَہ بِہ هُن کي اُها
गा॒ल्हि हुन खे समुझ में न आई।	ڳالهِہ سَمُجھہ ۾ نَہ آئِي.
6 जेतोणीक –– त बि	۶. جيتوڻِيڪ --- تَہ بِہ
जेतोणीक हुन जो चवणु ठीकु	جيتوڻِيڪ هُن جو چَوڻُ ٺِيڪُ
आहे त बि वड॒नि जी मञणु	آهي تَہ بِہ وَڏنِ جي مَڃڻُ
खपे।	کَپي.

इन शर्तवाची वाक्य संयोजको से संदेहात्मक वाक्यों की रचना भी होती है जैसे :

जे रामु, मेहनत करे हा त	جي رامُ محنت ڪَري ها تَہ
सुठयुनि मार्कुनि सां पासि थिए	سُٺِيُنِ مارڪُنِ سان پاس ٿِئي
हा। जेसीं ममता पढ़े हा तेसीं	ها. جيسِين مَمتا پَڙهي ها
हीना बि पढ़े हा।	تيسِين هِينا بِہ پَڙهي ها.

1. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. राणी मोहनीअ वटि डाढनि डाँहनि खां पोइ छो आई आहे ?

   ١. راڻيِ موهنيِءَ وَٽ ڏاڍِنِ ڏِينهنِ کان پوءِ ڇو آئيِ آهي ؟

   ____

2. जे हिकड़ो बीमारु थिए थो त ब्यो बि छा थी पवे थो ?

   ٢. جي هِڪڙو بيمارُ ٿِئي ٿو تَہ ٻيو بِہ ڇا ٿيِ پَوي ٿو ؟

   ____

3. पहिऍं ज़माने में छा सुठो हुओ ?

   ٣. پَهِرئين زَماني ۾ ڇا سُٺو هُئو ؟

   ____

4. राणीअ खे पहिऍं ज़माने जी ज़ालुनि जी ज़िंदगी पसंदि छो न हुई ?

   ۴. راڻيِءَ کي پَهِرئين زَماني جي زالُنِ جيِ زِندگيِ پَسَندِ ڇو نَہ هُئيِ ؟

   ____

5. 'महला मंडल' में छा जी गाल्हि बोल्हि थिअणी हुई ?

   ٥. مَهِلا مَندِلَ ۾ ڇا جيِ ڳالهِہ ٻولهِہ ٿِئَڻي هُئيِ ؟

   ____

2. कोष्ठक में शर्तवाची वाक्य संयोजक शब्दों से वाक्य जोड़िए।

1. असीं पोखींदासीं। असीं लुणंदासीं। (जेको –– सो ––)

____

١. اَسِين پوکِينداسِين. اَسِين لُڻنداسِين. (جيڪو- - - -سو- - - -)

- -

2. तो चयो। मू कयो। (जीअं ––– तीअं–––)

____

٢. تو چَيو. مؤن ڪَيو. (جِيئَن- - - - - - تِيئَن- - - - - -)

- -

3. हुन मूं खा पुछयो। मूं जवाबु डिनो। (जड॒हिं–– तड॒हिं––)

____

٣. هُن مؤن کان پُڇيو. مؤن جَوابُ ڏِنو. (جَڏهِن- - - - تَڏهِن- - - -)

- -

4. ब॒ार अचनि हा। मूंखे वधीक ख़ुशी थिए हा। (जे –– त ––)

____

٤. ٻارَ اَچِن ها. مؤن کي وَڌِيڪ خوشِي ٿِئي ها. (جي..... تَہ- - - -)

- -

5. राम चयो। शीला पहुती। (जिते –– उते ––)

____

٥. رامَ چَيو. شِيلا پَهُتِي. (جِتي- - - - - - - - اُتي - - - - - - - -)

- -

3. प्रत्येक वाक्य के दो वाक्य बनाइए।

1. जीअं जीअं तव्हीं चवंदा व्या तीअं तीअं मां कंदी व्यसि।

١. جِيئَن جِيئَن تَوهان چَوندا ويا تِيئَن تِيئَن مان ڪَندِي ويَس.

2. जेड॒ांहु असीं हलूं था तेड॒ांहुं हू न था हलनि।

۲. جيڏانهن اَسين هَلون ٿا تيڏانهن هو نَہ ٿا هَلَنِ.

3. जेतोणीक हुन खे ज॒ाण न हुई त बि हू ड॒िसी ड॒िसी समुझी व्यो।

۳. جيتوڻيڪ هُن کي ڄاڻَ نَہ هُئي تَہ بہ هو ڏِسي ڏِسي سَمُجهي ويو.

4. जेके–जेके इनामु खटंदा उहे दावत ड॒ींदा।

۴. جيڪي جيڪي اِنعامُ کَٽندا اُهي دعوَت ڏيندا.

5. जिनि खे टिकेटूं मिल्यूं तिनि नाटकु ड॒िठो।

۵. جِنِ کي ٽِڪيٽون مِليون. تِنِ ناٽڪُ ڏٺو.

6. जे हू इहो चर्चो बुधंदा त हू ज़रूर खिली डींदा।

۵. جي هوُ اِهو چَرچو ٻُڌندا تَہ هوُ ضَرورُ ڪِلي ڏِيندا.

4. उचित वाक्य संयोजकों से रिक्त स्थान पूर्ति कीजिए।

1. ——— तोखे मोकल मिले ——— तूं घरि अचिजि।

١. ---------- توکي موڪَلَ مِلي ---------- توُن گهرِ اَچِ.

2. ——— मास्तरु पुछे हा ——— मीना ठीकु ठीकु जवाबु डिए हा।

٢. ---------- ماستَرُ پُڇي ها ---------- مِينا ٺيڪُ ٺيڪُ جَوابُ ڏِئي ها.

3. ——— ध्यानु लगाईंदे ——— समुझ में अची वेंदुइ।

٣. -------- ڌيانُ لَڳائِيندي -------- سَمُجهہ ۾ اَچي ويندءِ.

4. ——— कमु पहरीं पुरो कंदो ——— फ़िल्म डिसण हलंदो।

۴. -------- ڪَمُ پَهِرين پوُرو ڪَندو -------- فِلم ڏِسڻ هَلَندو.

5. ——— महांगाई वध्यल आहे ——— बज़ारि में भीड़ घटि कान्हे।

۵. ---------- مَهانگائِي وَڌيل آهي ---------- بَزارِ ۾ ڀِيڙَ گهٽِ ڪانهي.

5. निम्नलिखित वाक्यों का सिंधी में अनुवाद कीजिए।

1. यदि मेरे पास पैसे होते तो मैं भी मेला देखने जाता।

____

2. जब आप रोज सुबह जल्दी उठेंगे तब मेरे साथ पैदल चल पाएंगे।

____

____

3. जो जो अच्छी बातें कहीं गई हैं वे सब हमें माननी चाहिए।

____

4. जब कि आप समय पर नहीं पहुचे फिर भी आपको अवसर दिया गया।

____

____

5. जहां प्रवीण जाएगा वहां मनीष भी जाएगा।

6. जहां जहां गंदगी है वहां वहां मक्खियां और मच्छर हैं।

7. जितना मुझे मालुम था उतना तुम्हें बता दिया है।

8. जब तक मेरी बात पूरी नहीं होगी। तब तक मैं आपसे बात नहीं करुंगी।

पाठ 21

राष्ट्रीय एकता

अहमद : अरे कमल ! कैसे हो ? अच्छा हुआ यहीं मिल गए हो। मैं तुम्हारे पास ही आने का सोच रहा था।

कमल : मैं भी तुम्हारी तरफ ही निकला था। मैंने सोचा, पता करुं कि तुम्हारे तरफ़ क्या हाल चाल है।

अहमद : अब तो ठीक हो गया है। बीच में कफ़र्यू के कारण पुलिस कहां भी नहीं जाने दे रही थी। बहुत परेशान होने लगे थे। तुम्हारी तरफ का वातावरण कैसा है ?

कमल : यहां भी आज से ही ढील मिली है, समझ में नहीं आता है हमारे देश में कौन सी मुसीबत आ पड़ी है। पूरे देश में सांप्रदायिक झगड़ों की आग लगी हुई है। किसी समय मंदिर मस्जिद की समस्या देश को हिला

सबक़ु 21

कौमी एको

अहमदु : अड़े कमल! कीअं आहीं ? सुठो थ्यो हिते ई मिली विएं। मूं तो वटि ई अचण जो सोच्यो पिए।

कमलु : मां बि तुंहिंजे पासे ई निकतो होसि। सोच्युमि ख़बर कयाँ त तुंहिंजे पासे छा हाल आहे।

अहमदु : हाणे त ठीक थी व्यो आहे। विच में कफ़र्यूअ जे करे पुलीस किथे बि न पेई वञण ड॒िए। ड॒ाढा परेशानि थ्यण लग॒ा हुआसीं। तव्हां जे पासे माहोलु कीअं आहे ?

कमलु : हिते बि अज॒ खां ई ढिल मिली आहे, समुझ में नथो अचे असां जे मुल्क में कहड़ी मुसीबत अची पेई आहे। पूरे मुल्क में झग॒ड़नि जी बाहि लग॒ो पेई आहे। कंहिं वक़्ति मंदर मस्जिद जो मसइलो मुल्क खे लाड॒ छड॒

سَبَقُ ٢١

قَومِي ايڪو

اَحمَد : اَڙي ڪَمَلَ! ڪِيئَن آهِين ؟ سُٺو ٿيو هِتي ئي مِلِي وئين. مون تو وَٽِ اَچَڻَ جو سوچيو پِئي.

ڪَمَلُ: مان بِہ تُنهِنجي پاسي ئِي نِڪتو هوس. سوچيُمِ، خَبَر ڪَريان تہ تُنهِنجي پاسي ڇا حال آهي.

اَحمَد: هاڻي تہ ٺِيڪُ ٿِي ويو آهي. وِچَ ۾ ڪَرفيوءَ جي ڪَري پولِيس ڪِٿي بِہ نَہ پيئِي وَڃَڻَ ڏِئي. ڏاڍا پَريشان ٿِيڻَ لَڳا هُئاسين . تَوهان جي پاسي ماحولُ ڪِيئَن آهي ؟

ڪَمَلُ: هِتي بِہ اَڄُ کان ئِي ڍِلَ مِلِي آهي، سَمُجهہ ۾ نَٿو اَچي اَسان جي مُلڪ ۾ ڪَهڙِي مُصِيبَت اَچِي پيئِي آهي. پوري مُلڪ ۾ جَهيڳڙَنِ جي باهِہ لَڳِي پيئِي آهي. ڪَنهِن وَقتِ مَندر مَسجِد جو مَسئِلو مُلڪ کي لوڏي ڇَڏي

डालती है। तो किसी समय अपने धर्म की उन्नति के लिए दूसरों को अपने धर्म में लाने की कोशिश होती रहती है। या फिर राजनीति के चक्कर में लड़ाई झगड़े हमारा जीना मुश्किल कर रहे हैं।

अहमद : हां यार, मुझे तो लगता है, इस सब के पीछे है तो हमारी राजनीति का ही काम। राजनीतिक दलों की लड़ाई में पिसना पड़ता है और हम ग़रीब जनता को; जान माल का नुक़सान भी सहना पड़ता है।

कमल : और क्या, देख लो न, बड़े लोगों और नेताओं पर क्या प्रभाव पड़ा । कितने दिनों से सब्ज़ी दूध, दही जैसी आवश्यक वस्तुओं के मोहताज़ तो हम ही हुए थे न ? इस कर्फ़्यू की हालत में घर से बाहर निकलना कितना मुश्किल हो गया था।

थो त कंहिं वक़्ति पंहिंजे धर्म जे वाधारे लाइ ॿियनि खे पंहिंजे धर्म में आणण जी जदोजहदि थींदी रहे थी। त वरी कड॒हिं वोटनि जे चकर में लड़ाई झग॒ड़ा असांजो जीअणु मुश्किल करे रहया आहिनि।

अहमदु : हा यार, मूं खे त लग॒ थो, हिन सभनी जे पुठयां आहे त असां जी सियासत जो ई कमु। सियासी पार्टयुनि जे झग॒ड़नि में पीसिजणो पवंदो आहे असां ग़रीब जनता खे जानि ऐं मालि जो नुक़सान बि सहणो पवंदो आहे।

कमलु : ॿ्यो छा, डि॒सी वठु न वडु॒नि माण्हुनि ऐं नेताउनि ते कहड़ो असरु थ्यो। केतिरनि डीं॒हनि खां भाजि॒यूं खीरु, डु॒ध जहिड़यूं ज़रुरी शयुनि जो मुहताज थी प्यासीं त असां ई न? हिन कर्फ़्यूअ जी हालति में घर खां ॿाहिरि निकिरण केतरो न मुश्किल थी प्यो।

تو تہ ڪنهن وقت پنهنجي ڌرم جي واڌاري لاءِ ٻين کي پنهنجي ڌرم ۾ آڻڻ جي جدوجهد ٿيندي رهي ٿي. تہ وري ڪڏهن ووٽن جي چڪر ۾ لڙائي جهيڙا اسانجو جيئڻ مشڪل ڪري رهيا آهن.

اَحمد: ها يار، مون کي تہ لڳي ٿو، هن سڀني جي پٺيان آهي تہ اسانجي سياست جو ئي ڪم. سياسي پارٽين جي جهيڙن ۾ پيسجڻو پوندو آهي اسان غريب جنتا کي جان ۽ مال جو نقصان بہ سهڻو پوندو آهي.

ڪمل: ٻيو ڇا، ڏسي وٺ نہ وڏن ماڻهن ۽ نيتائن تي ڪهڙو اثر ٿيو؟ ڪيترن ڏينهن کان ڀاڄيون کير، ڏڌ جهڙيون ضروري شين جا محتاج ٿي پياسين تہ اسان ئي نہ؟ هن ڪرفيوءَ جي حالت ۾ گهر کان ٻاهر نڪرڻ ڪيترو نہ مشڪل ٿي پيو.

अहमदः हमारी तरफ़ भी वही हाल था। यह राजनीति हमें बंटने के लिए मजबूर कर रही है। हमारे भारत में सदा से सभी जातियां हिंदू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई आपस में एक दूसरे से मिल जुल कर हसीं ख़ुशी से रहती आई है। साथ साथ काम करती आई है। एक दूसरे के तीज त्योहार मनाती हैं। बीमारी और मुसीबत में एक दूसरे की मदद और सेवा बिना किसी भेदभाव के करते हैं। तो फिर हम अलग अलग कैसे हैं ?

कमल : दुख तो इसी बात का है कि कुछ राजनैतिक और सांप्रदायिक दलों के झगड़ों में हमारे भाई बन्धू कभी कभी बहक जाते हैं। हमें सांप्रदायिक एकता के लिए आगे आना चाहिए। अपने अड़ोस पड़ोस और सबको समझाना चाहिए कि जैसे इन दलों के चंगल में न फंसकर आपस में शांति और भाईचारा रखकर देश में अमन चैन ला सकें और सुखी होकर गुज़ार सकें।

अहमदु : असां जे पासे बि साॻयो हालु हो। ईहा सियासत असां खे वंडिजण लाइ मजबूर करे पेई। असांजे भारत में सदाईं खां सभु कौमूं हिंदू,मुसलमान सिख ऐं ईसाई पाण में हिक ॿिए सां मिली जुली खिल ख़ुशीअ सां रहंदयूं आयूं आहिनि। गॾोगॾि कमु कंदयूं आयूं आहिनि, ऐं हिक बिए जा ॾिण वार मल्हाइंदयूं आहिनि। बीमारीअ ऐं मुसीबतुनि में हिक ॿिए जी मदद ऐं सेवा बिना कंहिं भेदभाव जे कंदा आहयूं। त पोइ असां अलग अलग कीअं आहियूं।

कमलु : ॾुखु त इन्हीअ ॻाल्हि जो आहे त कुझु सियासी ऐं क़ौमी पार्टियुनि जे झगिड़नि में असां जा भाउर कॾहिं कॾहिं बहिकजी पवंदा आहिनि। असां खे क़ौमी एके लाइ अॻयां अचणु घुरजे। पंहिंजे आड़े पाड़े ऐं सभनी खे समुझाइणु घुरजे त जीअं इन्हनि पार्टयुनि जे चकर में न फासी पाण में शांति ऐं भाईचारो रखी मुल्क में अमन चैन आणे सघूं ऐं सुखी थी गुज़ारे सघूं।

اَحمَد : اَسان جي پاسي بہ ساڳيو حالُ هو. اِها سِياست اَسان کي وَندِجَڻ لاءِ مَجبوُر ڪَري پيئي. اَسانجي ڀارَت ۾ سَدائين کان سَڀُ قومُون هِندوُ، مُسلمان سِکَ ۽ عيسائي پاڻ ۾ هِڪ ٻِئي سان مِلي جُلي کِل خوُشيءَ سان رَهَنديوُن آيوُن آهِن. گَڏو گَڏُ ڪَمُ ڪَنديوُن آيوُن آهِن ۽ هِڪ ٻِئي جا ڏِڻ وارَ مَلهائينديوُن آهِن. بيماريءَ ۽ مُصيبَتُن ۾ هِڪ ٻِئي جي مَدد ۽ سيوا بِنا ڪَنهِن ڀيدڀاو جي ڪَندا آهيوُن. تَہ پوءِ اَسان اَلَڳ اَلَڳ ڪيئَن آهيوُن؟

ڪَمَلُ : ڏُکُ تَہ اِنهيءَ ڳالِهہ جو آهي تَہ ڪُجهہ سِياسي ۽ قَومِي پارٽيُن جي جَهيڳڙن ۾ اسان جا ڀائُر ڪَڏهِن ڪَڏهِن ڀَهڪجي پَوَندا آهِن. اَسان کي قَومِي ايڪي لاءِ اَڳيان اَچَڻُ گُهرجي. پَنهِنجي اوڙي پاڙي ۽ سَڀني کي سَمُجهائِڻُ گُهرجي تَہ جيئَن اِنهن پارٽيُن جي چَڪَر ۾ نَہ ڦاسي پاڻ ۾ شانتي ۽ ڀائيچارو رَکِي مُلڪ ۾ اَمَن چَين آڻي سَگهوُن ۽ سُکِي ٿِي گُذاري سَگهوُن.

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
कश्मकश	जदोजहद	جَدوجَهد
मत	वोट	ووٽُ
चक्कर	चकरु	چَڪَرُ
जीना	जीअणु	جيئَڻُ
राजनीति	सियासत	سِياسَت
पिसना	पीसिजणु	پيسِجَڻُ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
ढील	ढिल	ڍِلَ
देश	मुल्कु	مُلڪ
लड़ाई	झग॒ड़ो	جَهيڳڙو
आग	बाहि	باهِ
समस्या	मसइलो	مَسئِلو
उन्नति	वाधारो	واڌارو

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
सांप्रदायिक	क़ौमी	قَومِي
एकता	एको	ايڪو
तरफ़	पासे	پاسي
बीच	विच	وِچ
कफर्यू	कफर्यू	ڪَرفيوُ
वातावरण	माहोलु	ماحولُ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
जाति	क़ौम	قَوم
तीज त्योहार	ड़िण वार	ڏِڻ وار
बिताना	गुज़ारणु	گُذارڻُ
मजबूर	मजबूर	مَجبُورُ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
दुख	ड़ुख	ڏُکَ
बहकना	बहिकिजणु	بَهِڪِجڻُ
आस पड़ोस	ओड़ो पाड़ो	اوڙو پاڙو
फंसना	फासणु	ڦاسڻُ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌي
दूध	खीरु	کِيرُ
दही	ड़ुधु	ڏُڌُ
परेशान	मुहताज	مُحتاج
बंटना	वंडिजणु	وَنڊجَڻُ

I निम्नलिखित वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1 सुठो थ्यो हिते ई मिली व्यो आहीं। — ١ سُنو ٿيو هِتي ئي مِلي ويو آهين.

2 हाणे त ठीक थी व्यो आहे। — ٢ هاڻي تہ نيڪ ٿي ويو آهي.

3 कर्फ़्यूअ जे करे पुलीस किथे बि न पेई वञण ॾिए। — ٣ ڪرفيوءَ جي ڪري پوليس ڪٿي بہ نہ پيئي وڃڻ ڏئي.

4 असां ॾाढा परेशान थ्यण लॻा हुआसीं। — ٤ اَسان ڏاڍا پَريشان ٿيڻ لَڳا هُئاسين.

5 मुल्क में कहड़ी मुसीबत अची पई आहे। — ٥ مُلڪ ۾ ڪهڙي مُصيبت اَچي پئي آهي.

6 मुल्क में क़ौमी झॻड़नि जी बाहि लॻी पेई आहे। — ٦ مُلڪ ۾ قومي جهڳڙن جي باهہ لَڳي پيئي آهي.

7 मंदिर मस्जिद जो मसइलो मुल्क खे लोॾ छॾे थो। — ٧ مَندر مَسجد جو مَسئِلو مُلڪ کي لوڏي ڇڏي ٿو.

8 पंहिंजे धर्म जे वाधारे लाइ जदोजहदि थींदी रहे थी। — ٨ پَنهنجي ڌَرم جي واڌاري لاءِ جَدوجَهد ٿيندي رَهي ٿي.

9 लड़ाई झॻड़ा असां जो जीअणु मुश्किलु करे रहया आहिनि। — ٩ لَڙائي جهڳڙا اَسان جو جيئَڻُ مُشڪلُ ڪَري رَهيا آهِن.

10 असां मुल्क में अमन चैन आणे सघूं। — ١٠ اَسان مُلڪ ۾ اَمن چين آڻي سگهون.

11 असां सुखी थी गुज़ारे सघूं। — ١١ اَسان سُکي ٿي گُذاري سگهون.

II उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : किताबु मुंहिंजो लिख्यलु आहे। — مِثالُ : ڪِتابُ مُنهنجو لِکيلُ آهي.

मूं किताबु लिख्यो आहे। — مون ڪِتابُ لِکيو آهي.

1 हीउ गानो मुंहिंजो ॿुधल आहे। — ١. هيءُ گانو مُنهنجو ٻُڌَل آهي.

2 कहाणी राम जी पढ़ियल आहे। — ٢. ڪَهاڻي رامَ جي پَڙهيَل آهي.

3 नाटकु सोनूअ जो ॾिठलु आहे। — ٣. ناٽَڪُ سونوءَ جو ڏِٺَلُ آهي.

4 कमु घणो कयलु आहे। — ٤. ڪَمُ گهڻو ڪَيَلُ آهي.

5 मैगज़िन मुंहिंजी वर्तल आहे। — ٥. مَيگزِن مُنهنجي وَرتَل آهي.

III उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : मूं किताबु लिख्यो आहे। — مِثالُ : مون ڪِتابُ لِکيو آهي.

मूं किताबु लिखी वर्तो आहे। — مون ڪِتابُ لِکي وَرتو آهي.

1 मुकेश कमु कयो आहे। ١. مُڪيش ڪَمُ ڪيو آهي.

2 रमेश अख़बार मां ख़बर पढ़ी हुई ٢. رَميش اَخبارَ مان خَبر پَڙهي هُئي.

3 सुरेश जलसे में भाषण ड॒िनो हो। ٣. سُريش جَلسي ۾ ڀاشَڻ ڏِنو هو.

4 मीना मानी खाधी हूंदी। ٤. مينا ماني کاڌي هونديِ.

5 सुनीता गुंजन खे आखाणी ब॒धाई हूंदी। ٥. سُنيتا گُنجَن کي آکاڻي ٻُڌائي هونديِ.

IV उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : मूं किताबु लिखी वर्तो आहे। مِثالُ : مون ڪتابُ لِکي وَرتو آهي.

मूं किताबु लिखी छड॒यो आहे। مون ڪتابُ لِکي ڇَڏيو آهي.

1 राकेश मानी खाई वर्ती आहे। ١. راڪيش ماني کائي وَرتي آهي.

2 राजेश, रमेश जो कमु करे वर्तो आहे। ٢. راجيش، رَميش جو ڪَمُ ڪَري وَرتو آهي.

3 कमल दोस्त खे ख़तु लिखी वर्तो हूंदो। ٣. ڪَمَل دوسَت کي خَطُ لِکي وَرتو هوندو.

4 शीला मानी ठाहे वर्ती हूंदी। ٤. شيلا ماني ٺاهي وَرتي هونديِ

5 मीरां कैसेट ब॒धी वर्ती हूंदी। ٥. ميران ڪيسيٽ ٻُڌي وَرتي هونديِ.

V उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : मूं किताबु लिखी वर्तो आहे।(पढ़णु) مِثالُ : مون ڪتابُ لِکي وَرتو آهي. (پَڙهڻُ)

मूं किताबु पढ़ी वर्तो आहे। مون ڪتابُ پَڙهي وَرتو آهي.

1 योगेश सवाल करे वर्ता हुआ। (समुझण) ١. يوگيش سَوال ڪَري وَرتا هُئا. (سَمُجهڻ)

2 राधां कपड़ा सुकाए वर्ता आहिनि। (प्रेसु करणु) ٢. راڌان ڪپڙا سُڪائي وَرتا آهِن. (پريس ڪَرڻُ)

3 किशोर पाणी पी वर्तो हूंदो। (भरणु) ٣. ڪشورَ پاڻي پي وَرتو هوندو. (ڀَرڻُ)

4 हरीश जी कुंवारि पेती ठाहे वर्ती आहे। (ड॒िसणु) ٤. هَريش جي ڪُنوار پيتي ٺاهي وَرتي آهي. (ڏِسڻُ)

5 सोना वग॒ो सुबी वर्तो हूंदो। (खणणु) ٥. سونا وَڳو سُبي وَرتو هوندو. (کَڻڻُ) .

टिप्पणीयां

I. सिंधी में मिश्र क्रिया की रचना में दो भाग होते हैं पहले; भाग में संज्ञा या विशेषण अथवा क्रियांगी शब्द होता है दूसरे में क्रिया शब्द। जैसे, ख़बर करणु, असरु थ्यणु, मुसीबत अचणु, मदद करणु आदि। इनमें पहला भाग ख़बर, असरु, मुसीबत, मदद संज्ञा शब्द है, तथा दूसरा भाग क्रिया शब्द। इसी प्रकार मुश्किल थ्यणु, परेशान थ्यणु, मोहताज थ्यणु में मुश्किल (संज्ञा), परेशान (विशेषण) मोहताज (विशेषण) है और थ्यणु क्रिया शब्द है। परंतु मना करणु मना शब्द संज्ञा या विशषण न होकर मिश्र किया का अभिन्न अंग के रूप में प्रयुक्त हुआ है।

II सिंधी में संयुक्त क्रिया की रचना भी दो या दो से अधिक क्रियाओं के मेल से होती है। इसमें पहली क्रिया का कृदंतीय रूप प्रयुक्त होता है और दूसरी क्रिया में पक्ष, वृति, काल सूचक प्रत्यय जुड़ते हैं। जैसे मिली विएं, सोचयो पिए, लोड छड थो, पीसिजणो पवंदो आहे, रहंदा आया आहयूं, गुज़ारे सघूं आदि। इनमें पहली क्रिया मुख्य अर्थ देती है, दूसरी क्रिया अपना स्वतंत्र अर्थ न देकर मुख्य क्रिया के अर्थ को विकसित, सीमित या रंजित करती है।

RESPONSE SHEET - 21 جَوابي پيپَرُ ٢١ **उतरपत्रिका –21**

1. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उतर दीजिए।

1. कमलु कहड़ी ख़बर करण निकतो हो ?	١. ڪَمَلُ ڪهڙي خَبر ڪَرَڻ نِڪتو هو ؟
--	--
2. पुलीस किथे छो न पेई वञण ड॒िए ?	٢. پوُلِيس ڪِٿي ڇو نہ پيئِي وَڃَڻ ڏِئي ؟
--	--
3. मुल्क में कहड़ा मसइला जीअणु मुश्किल करे रहया आहिनि ?	٣. مُلڪ ۾ ڪهڙا مَسئِلا جيئَڻُ مُشڪِل ڪَري رَهيا آهِنِ ؟
--	--
4. सियासी पार्टयुनि जे झग॒ड़नि में कंहिं ते असरु पवंदो आहे ?	٤. سِياسِي پارٽيُنِ جي جَهڳڙنِ ۾ ڪنهِن تي اَثرُ پَوَندو آهي ؟
--	--
5. असां खे क़ौमी एके लाइ छा करण घुरजे ?	٥. اَسان کي قَومِي ايڪي لاءِ ڇا ڪَرَڻُ گُهرجي ؟
--	--

2. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : मूं किताबु लिख्यो आहे।

مِثالُ : مون ڪِتابُ لکيو آهي.

मां किताबु लिखी आयो आहयां।

مان ڪِتابُ لِکِي آيو آهيان.

1. संजय रेडये ते ख़बर बु॒धी हुई।

۱. سَنجَيہ ريڊيي تي خَبر ٻُڌِي هُئِي.

____________________ ---------------------

2. मुंहिंजो पीउ रोजु रामाइणु पढ़ंदो आहे।

۲. مُنهنجو پِيءُ روزُ رامائِڻُ پَڙهَندو آهي.

____________________ ---------------------

3. अज॒ राजू दोस्त सां गडु जयपुर घुमंदो।

۳. اَڄُ راجوُ دوستَ سان گَڏُ جَيپوُر گُهمندو.

____________________ ---------------------

4. सोनीअ अज॒ टी.वी. अ ते फ़िल्म डि॒ठी हुई।

۴. سونِيءَ اَڄُ ٽِي.وِي.ءَ تي فِلم ڏِٺِي هُئِي.

____________________ ---------------------

5. कांता भाउ खे फ़ोन कयो आहे।

۵. ڪانتا ڀاءُ کي فونُ ڪَيو آهي.

____________________ ---------------------

3. उचित किया रूपों से वाक्य पूरे कीजिए।

1. मीना मानी खाई —————— आहे।
2. श्यामु दुकान ते कमु —————— प्यो।
3. कफ़र्यूअ जे करे डाढी परेशानी —————— आहे।
4. क़ौमी झगड़नि में आम जनता खे भोगणो —————— आहे।
5. असां खे मुसीबतुनि में हिक बिए जी मददि —————— घुरजे।

١. مِينا مانِي کائِي ------------------آهي.

٢. شيامُ دُڪان تي ڪَمُ -------------- پيو.

٣. ڪَرفيوءَ جي ڪري ڏاڍِي پَريشانِي ----------- آهي.

۴. قَومِي جَهيڳڙن ۾ عامَ جَنتا کي ڀوڳڻو ----------- آهي.

۵. اَسان کي مُصيبَتُن ۾ هِڪ ٻئي جِي مَدَد -----------
گُهرجي.

4. दिए गए किया रूपों के सिंधी रूप लिखिए।

1. स्वागत करना चाहिए। ——————————
2. मुश्किल होने लगी। ——————————
3. ख़ुश गुज़ार सकें। ——————————
4. नुक़सान सहना पड़ा। ——————————
5. फंस गया। ——————————

6. निकल चुका है। ____________________

7. आ सकता है। ____________________

8. कर दिया। ____________________

9. गिर पड़ा। ____________________

10. हंसने लगा। ____________________

5. अची, मिली, करे, खाई, मुख्य कियाओं के साथ अचणु, वञणु, ड॒ियणु, वठणु, उथणु, विहणु, चुकणु, सघणु, छड॒णु, पवणु, सहायक कियाओं का प्रयोग करते हुए उचित कियारूप बनाइए।

ڏِيَڻُ، وَڃَڻُ، اُٿَڻُ، وِهَڻُ، چُڪَڻُ، سَگهَڻُ، ڇَڏَڻُ، پَوَڻُ،

मुख्य किया + सहायक कियाएं

1. अची ________, ________, ________, ________

2. मिली ________, ________, ________, ________

3. करे ________, ________, ________, ________

4. खाई ________, ________, ________, ________

١. اَچِي --------، --------، --------، --------

٢. مِلِي --------، --------، --------، --------

٣. ڪَري --------، --------، --------، --------

۴. کائِي --------، --------، --------، --------

पाठ 22

बहन का विवाह

शीला : कहो, सुनीता। तुमने मुझे क्यों बुलवाया है ? कल (तुमने अपने) पति से कहलवाया था ना?

सुनीता : भूल गई क्या ? आनेवाले महीने में मेरी बहन लाज की शादी है । अभी तक कुछ तैयारी नहीं हुई है । बाज़ार से कई चीज़ें मंगवानी हैं। चलो, आज बाज़ार के कुछ काम करके आएं । अब तुम्हें ही सब काम जल्दी कराने हैं।

शीला : ठीक है। तुम मुझे कामों की एक लिस्ट लिखवाओ ताकि कोई भी काम करवाने में आसानी हो।

सुनीता : पहले तो लड़की के कपड़े और गहने बनवाने हैं। फिर उसके लिए पेटी श्रृंगार, चप्पल, थाली, कटोरा,

सबकु 22

भेण जी शादी

शीला : चउ, सुनीता। तो मूंखे छो सॾायो आहे ? काल्ह घोटइं खां चवारायो हुयुइ न ?

सुनीता : भुलजी वेईअं छा ? ईंदड़ महने में मुंहिंजी भेण लाज जी शादी आहे। अञा ताईं कुझु त्यारी कान थी आहे। बज़ारि मां घणेई शयूं घुराइणयूं आहिनि। हलु, अज़ बज़ारि जा कुझु कम करे अचूं। हाणे तोखे ई जल्दी सभु कम कराइणा आहिनि।

शीला : ठीकु आहे। तूं मूं खे कमनि जी लिस्ट लिखाइ जीअं हर को कमु कराइण में सवलाई थिए।

सुनीता : पहरीं त छोकरीअ जा कपड़ा ऐं ॻह ठहराइणा आहिनि । ॿ्यो उन्हन लाइ पेती सींगार जो सामान, चंपलु,थाल्ही,

سَبَقُ ٢٢

ڀيڻَ جي شادي

شِيلا : چَئُہ سُنِيتا. تو موُن کي ڇو سَڏايو آهي؟ ڪَلهہ گهوٽَئَن کان چَوارايو هُيُئِہ نَہ ؟

سُنِيتا: ڀُلجِي ويئِيئَن ڇا ؟ اِيندڙَ مَهني ۾ مُنهِنجِي ڀيڻ لاجَ جِي شادِي آهي. اَجا تائِين ڪُجُهہ تياري ڪانَہ ٿِي آهي. بَزارِ مان گَهڻيئِي شيوُن گُهرائِڻيوُن آهِنِ. هَلُ اَڄُ بَزارِ جا ڪُجُهہ ڪَمَ ڪَري اَچوُن. هاڻي توکي ئِي جَلدِي سَڀُ ڪَمَ ڪَرائڻا آهِنِ.

شِيلا : ٺِيڪُ آهي. توُن موُن کي ڪَمنِ جي لِسٽ لِکاءِ جيِئَن هَر ڪو ڪَمُ ڪَرائڻ ۾ سَولائِي ٿِئي.

سُنِيتا : پَهرِين تَہ ڇوڪرِيءَ جا ڪَپڙا ۽ ڳَهہ ٺهرائِڻا آهِنِ. ٻيو اُنهنِ لاءِ پيتِي سِينگار جو سامانُ ، چَمپَلُ، ٿالهِي،

नाड़ेदानी, सुरमेदानी, बिस्तर और कुछ अन्य चीजें लेनी हैं।

शीला : मेरी एक पहचानी हुई दुकान है। वहां हर तरह के कपड़े हैं। पैसे भी ठीक लगवा दूंगी। उसके पास कुछ नहीं भी होगा, तो वह मंगवा देगा। उस दुकान से ही (तुम्हें) सब कपड़े दिलवा दूंगी।

सुनीता : फिर कपड़े सिलवाने भी तो हैं।

शीला : एक हफता किसी दर्जी को घर में बिठाओगी तो (वह) सारे घर के कपड़े सी देगा।

सुनीता : शादी के कार्ड भी तो छपवाने हैं। फिर उनको बांटना भी तो है। खीचे (चावल के पापड़) पापड़ भी बनवाने है। समझ में नहीं आता कि कैसे सारे काम होंगे।

शीला : चिंता मत करो। मिलकर तुम्हें सब काम करा लेंगे। जो हमसे न हुए, वे किसी से कहकर करवा लेंगे। अभी तो पूरा महीना है।

कटोरो, अग॒ठकानी, आनड़ो, कोठो ऐं ब॒िए कुझ्ु शयूं वठणयूं आहिनि।

शीला : मुंहिंजो हिक सुञातल दुकानु आहे। उते सभनी तरह जा कपड़ा आहिनि पैसा बि ठीक लग॒राए ड॒ींदीसांइं। हुन वटि कुझ्ु न बि हूंदो त घुराए ड॒ींदो। उनहीअ दुकान तां ई सभु कपड़ो वठाराए ड॒ींदीसांइ।

सुनीता : पोइ कपड़ा बि त सिबाराइणा आहिनि।

शीला : हिकु हफ़्तो कंहिं दर्ज़ीअ खे घर में विहारींदीअं त सज॒ घर जा कपड़ा सिबी ड॒ींदुइ।

सुनीता : शादीअ जा कार्ड बि त छपाराइणा आहिनि। वरी उहे विरहाइणा बि आहिनि। खीचा पापड़ बि ठहराइणा आहिनि। समझ में नथो अचे, त सभु कम कीअं थींदा।

शीला : चिंता न करि, गड॒जी करे तोखे सभु कम कराए ड॒ींदासीं। जेके असां खां न थ्या, से कंहिं खे चई कराए वठंदासीं। अञां त पूरो महनो आहे।

ڪَٽورو، اَڳَنڪاني، آنڙو، ڪوٺو ۽ ٻيوُن ڪُجھہ شيوُن وَٺڻيوُن آهِن.

شيلا : مُنهنجو هڪ سُڃاتَل دُڪانُ آهي. اُتي سَيني طَرحَ جا ڪَپڙا آهِن. پيسا بہ ٺيڪ لڳارائي ڏينديسانءِ. هُن وَٽ ڪُجھہ نہ بہ هوُندو تہ گھرائي ڏيندو. اُنهيءَ دُڪان تان ئي سَڀُ ڪَپڙا وَٺارائي ڏينديسانءِ.

سُنيتا :پوءِ ڪَپڙا بہ تہ سِبارائڻا آهِن.

شيلا : هڪُ هَفتو ڪَنهِن دَرزيءَ کي گھر ۾ وهارينديئَن تہ سَڄي گھر جا ڪَپڙا سِبي ڏيندُءِ.

سُنيتا :شاديءَ جا ڪارڊَ بہ تہ ڇپارائِڻا آهِن. وَري اُهي وِرهائڻا بہ آهِن. کيچا پاپڙَ بہ ٺَهرائڻا آهِن. سَمجھہ ۾ نٿو اَچي، تہ سَڀُ ڪَمَ ڪيئَن ٿيندا.

شيلا : چِنتا نہ ڪَرِ، گَڏجي ڪَري توکي سَڀُ ڪَمَ ڪرائي ڏينداسين. جيڪي اَسان کان نہ ٿيا، سي ڪَنهَن کي چَئي ڪَرائي وَٺنداسين. اَڃان تہ پوُرو مَهنو آهي.

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिंधी
मंगाना	घुराइणु	گھرائڻُ
दिलवाना	वठाराइणु	وَٺارائڻُ
सिलवाना	सिबाराइणु	سِبارائِڻُ
बिठाना	विहारणु	وِهارڻُ
सीना	सिबणु	سِبَڻُ
दर्ज़ी	दर्ज़ी	دَرزِي
छपवाना	छपाराइणु	ڇپارائِڻُ
बंटवाना	विरहाइणु	وِرهائڻُ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिंधी
श्रृंगार (का सामान)	सींगार	سِينگارُ
चप्पल	चंपलु	چَمپَلُ
थाली	थाल्ही	ٿالهِي
कटोरा	कटोरो	ڪَٽورو
नाड़ेदानी	अगुठदानी	اَڳِندانِي
सुरमेदानी	आनड़ो	آنڙو
विवाह के अवसर पर दियाजाने वाला बिस्तर	कोठो	ڪوٺو
पहचाना हुआ	सुञातल	سُڃاتَل
लगवाना	लगाराइणु	لَڳارائڻُ

शब्दार्थ

हिन्दी	*देवनागरी*	सिंधी
बुलाना	सडाइणु	سَڏائِڻُ
कहलवाना	चवाराइणु	چَوارائِڻُ
मंगाना	घुराइणु	گھرائِڻُ
जल्दी	जल्दी	جَلدِي
कराना	कराइणु	ڪَرائِڻُ
लिखवाना	लिखाइणु	لِکائِڻُ
बनवाना	ठहिराइणु	ٺَهرائِڻُ
गहने	गह	ڳَهه
पेटी	पेती	پيتِي

I *निम्नलिखित वाक्यों का अभ्यास कीजिए।*

1	तो मूं खे छो सड॒ायो आहे।	١. تو موُن کي چو سَڏايو آهي.
2	बज़ारि मां घणेई शयूं घुराइणयूं आहिनि।	٢. بَزارِ مان گهڻيئي شيوُن گُهرائِڻيوُن آهِن.
3	हाणे तोखे ई झटि पटि सभेई कम कराइणा आहिनि।	٣. هاڻي توکي ئِي جَهٽِ پَٽِ سَيِئِي ڪَم ڪَرائڻا آهِن.
4	गड॒िजी तोखे सभेई कम कराए वठंदासीं।	۴. گَڏجِي توکي سَيِئِي ڪَمَ ڪَرائي وَٺَنداسِين.
5	कल्ह चोटइं खां चवारायो हुयुइ न।	۵ ڪَلهہ گهوٽئِن کان چَوارايو هُئُہِ نَہ.
6	तूं मूं खे कमनि जी लिस्ट लिखाराए।	٦. توُن موُن کي ڪَمَنِ جي لِسٽ لِکاراءِ.
7	पहिरीं त छोकरीअ जा कपड़ा ऐं ग॒ह ठाराहणा आहिनि।	٣. پَهرِين تَہ ڇوڪرِيءَ جا ڪَپڙا ۽ ڳَهہ ٺاراهڻا آهِن.
8	शादीअ जा कार्ड बि त छपाराइणा आहिनि।	۴. شادِيءَ جا ڪارڊ بِہ تَہ ڇپارائِڻا آهِن.
9	उन्हीअ दुकान तां ई सभु कपड़ो वठाराए ड॒ोंदीसांइ।	۵. اُنهِيءَ دُڪان تان ئِي سَڀُ ڪَپڙو وَٺارائي ڏينديسانءِ.
10	पोइ कपड़ा बि त सिबाराइणा आहिनि।	٦. پوءِ ڪَپڙا سِبارائِڻا بِہ تَہ آهِن.

II *रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए हुए शब्दों के उपयुक्त रूप का प्रयोग करते हुए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।*

1	सुभाणे सुनीता तोखे सड॒ायो आहे। (घुराइणु)	١. سُڀاڻي سُنيتا توکي سَڏايو آهي. (گُهرائِڻُ)
2	शीला घोटसि खां चवायो आहे। (लिखाइणु)	٢. شيِلا گهوٽِس کان چَوايو آهي. (لِکائِڻُ)
3	मूं खे कपड़ा सिबाइणा आहिनि। (वठाइणु)	٣. موُن کي ڪَپڙا سِبائِڻا آهِن. (وَٺائِڻُ)
4	तव्हां खे अघ लग॒ाइणा आहिनि। (बधाइणु)	۴. تَوهان کي اَگهہ لَڳائِڻا آهِن. (ٻُڌائِڻُ)
5	तोखे सभु कमु कराइणो आहे। (सम्झाइणु)	۵. توکي سَڀُ ڪَمُ ڪَرائڻو آهي. (سَمجهائِڻُ)

***III* कोष्ठक में से उचित शब्द चुनते हुए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।**

1 राम मीरां खे शीला जे घरि ——। (पहुचायो, डखारयो) ١. رامَ ميران کي شيلا جي گھرِ ----. (پَھُچايو، ڏيکاريو)

2 हाणे मूं खे सभु गाल्हियूं —— अथइ। (कराइणी, बुधाइणी) ٢. هاڻي مون کي سَڀُ ڳالهيون --- اَٿيئي. (ڪرائڻي، ٻُڌائڻي)

3 राम खे नवां कपड़ा —— आहिनि। (चवाइणा, सिबाइणा) ٣. رامَ کي نوان ڪپڙا --- آهنِ. (چوائڻا، سِبائڻا)

4 राधा खे घरु —— आहे। (ठाराहणो, कराइणो) ٤. راڌا کي گھرُ ---- آهي. (ٺاراهڻو، ڪرائڻو)

5 किशन पुट खे ख़तु ——। (लगायो, लिखायो) ٥. ڪِشَن پُٽ کي خَطُ ----. (لڳايو، لکايو)

***IV* उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए शब्दों का प्रयोग करते हुए नए वाक्य बनाइए।**

मिसालु : मीरां तोखे सडयो आहे। (घोटसि द्वारा) مِثالُ : ميران توکي سَڏيو آهي. (گھوٽسِ دوارا)

मीरां तोखे घोटसि द्वारा सडायो आहे। ميران توکي گھوٽس دوارا سَڏايو آهي.

1 सुहेल मीरां खे इस्कूल छडयो। (रोशन द्वारा) ١. سُهيل ميران کي اِسڪولَ ڇَڏيو. (روشَن دوارا)

2 गीता पुट जा कपड़ा सिबी वर्ता। (दर्ज़ीअ द्वारा) ٢. گيتا پُٽ جا ڪپڙا سِبي ورتا. (دَرزِيءَ دوارا)

3 राधा, राम खे चिठी लिखे पेई। (पुट द्वारा) ٣. راڌا، رامَ کي چِٺي لِکي پيئي. (پُٽ دوارا)

4 कमल, शाह लतीफ जो किताबु गोल्हे प्यो। (सुरेश द्वारा) ٤. ڪَمَلُ، شاهہ لَطيفَ جو ڪِتابُ ڳولهي پيو. (سُريش دوارا)

5 सुरेश राम खे घरि अचण लाइ चवंदो। (राधा द्वारा) ٥. سُريشَ رامَ کي گھر اَچڻَ لاءِ چوَندو. (راڌا دوارا)

***V* उदाहरण के अनुसार वाक्य बनाइए।**

मिसालु : राम कल्ह सुरेश खे चिठी लिखी। مِثالُ : رامَ ڪلهہ سُريشَ کي چِٺي لِکي.

राम कल्ह सुरेश खे चिठी लिखाराई। رامَ ڪلهہ سُريشَ کي چِٺي لِکارائي.

1 राधा धीअ जा कपड़ा ठाहया। ١. رادا ڌيءَ جا ڪپڙا ٺاهيا.

2 सुनीता शीला खे घरि अचण लाइ चयो। ٢. سُنيتا شيلا کي گهر اَچڻ لاءِ چيو.

3 रमेश महेश खे गानो बुधायो। ٣. رَميش مَهيش کي گانو ٻُڌايو.

4 मोहन मसवाड़ लाइ हिकु घरु डिठो। ٤. موهن مَسواڙ لاءِ هِڪُ گهرُ ڏِنو.

5 शीला शादीअ जो कपड़ो वठंदी। ٥. شيلا شاديءَ جو ڪپڙو وَٺندي.

टिप्पणियां

सिंधी में प्रेरणार्थक कियाएं सामान्य कियाओं की तरह सभी कालों एवं सकारात्मक, नकारात्मक, प्रश्नार्थक वाक्यों में प्रयुक्त हों सकती है। सिंधी में दो तरह की प्रेरणार्थक कियाएं बनती हैं। प्रेरणार्थक

1 किया धातु में –आर प्रत्यय लगाकर और प्रेरणार्थक

2 किया धातु में आराइ प्रत्यय जोड़कर बनाई जाती है। उदाहरण स्वरुप नीचे लिखे किया रुपों को देखा जा सकता है।

सामान्य किया		प्रेरणार्थक 1		प्रेरणार्थक 2	
विहणु	وهڻُ	विहारणु	وهارڻُ	विहाराइणु	وهارائِڻُ
उथणु	اُٿڻُ	उथारणु	اُٿارڻُ	उथाराइणु	اُٿارائِڻُ
सुम्हणु	سُمهڻُ	सुम्हारणु	سُمهارڻُ	सुम्हाराइणु	سُمهارائِڻُ
जागणु	جاڳڻُ	जागाइणु	جاڳائِڻُ	जागाराइणु	جاڳارائِڻُ
रधणु	رَڌڻُ	रधाइणु	رَڌائِڻُ	रधाराइणु	رَڌارائِڻُ
लिखणु	لِکڻُ	लिखाइणु	لِکائِڻُ	लिखाराइणु	لِکارائِڻُ
पढ़णु	پَڙهڻُ	पढ़ाइणु	پَڙهائِڻُ	पढ़ाराइणु	پَڙهارائِڻُ
डिसणु	ڏِسڻُ	डखारणु	ڏيکارڻُ	डखाराइणु	ڏيکارائِڻُ
वठणु	وَٺڻُ	वठाइणु	وَٺائِڻُ	वठाराइणु	وَٺارائِڻُ
करणु	ڪَرڻُ	कराइणु	ڪَرائِڻُ	कराराइणु	ڪَرارائِڻُ
वंडणु	وَنڊڻُ	वंडाइणु	وَنڊائِڻُ	वंडाराइणु	ونڊارائِڻُ
लगणु	لَڳڻُ	लगाइणु	لَڳائِڻُ	लगाराइणु	لَڳارائِڻُ

सिन्धी में प्रेरणार्थक क्रियाओं के साथ भी सार्वनामिक प्रव्यय जुड़ सकते हैं, जैसा कि निम्नलिखित उदाहरण में देखा जा सकता है।

1 चवारायो अथाईं। ١. چَوارايو اَٿائين.

(उसने) कहलवाया है।

2 लगाराए डांदीसांइ। ٢. لَڳارائي ڏيِنديسانءِ

(मैं) (तुम्हें) लगवा दूंगी।

RESPONSE SHEET - 22 | جَوابِي پيپَرُ ٢٢ | उतरपत्रिका – 22

1. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उतर दीजिए।

1. शीला खे कंहिं सडायो ?

١. شيِلا کي ڪَنهِن سَڏايو ؟

---

2. सुनीता शीला खे छो सडायो ?

٢. سُنيِتا شيِلا کي ڇو سَڏايو ؟

---

3. शादीअ में केतरो वक़्तु आहे ?

٣. شاديءَ ۾ ڪيترو وَقتُ آهي ؟

---

4. शादीअ लाइ सुनीता खे छा छा वठणो आहे ?

٤. شاديءَ لاءِ سُنيِتا کي ڇا ڇا وَٺڻو آهي ؟

---

5. कपड़ा वग़ैरह सिबाइण लाइ शीला सुनीता खे कहड़ी सलाह डिनी ?

٥. ڪَپڙا وَغيَره سِبائِڻ لاءِ شيِلا سُنيِتا کي ڪَهڙِي صَلاحَ ڏِني ؟

---

2. कोष्ठक में दिए हुए शब्दों के उपयुक्त रूप का प्रयोग करते हुए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. रामु पहिंजे पुट खे ———— आहे। (पढ़ाइणु)
2. राधा मोहन खे कपड़ा ————। (वठाराइणु)
3. गीता धीअ खे मानी ———— पेई। (खाराइणु)
4. सुरेशु किशन खे ताजमहलु ———— आयो। (ड॒खारणु)
5. राजन बा॒रनि खे नवां किताब ————। (डि॒यारणु)

١. رامُ پَنهِنجي پُٽَ کي ------------ آهي. (پَڙهائِڻُ)

٢. راڌا موهَن کي ڪَپڙا ------------. (وَٺارائِڻُ)

٣. گيِتا ڌيءَ کي مانيِ ------------ پيئي. (کارائِڻُ)

٤. سُريشُ ڪِشنَ کي تاج مَحَلُ ------------ آيو. (ڏيکارڻُ)

٥. راجَن ٻارنِ کي نَوان ڪِتابَ ------------. (ڏِيارڻُ)

3. कोष्ठक में से उचित शब्द चुनते हुए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. राम सीता खे पंहिंजो घरु ———— आहे।
   (डेखारि/डेखारयो)
2. मोहनु पुट खे टयूशनि ———— प्यो।
   (डि॒याराइ/पढ़ाराए)
3. सुरेश ज़ाल खे साड़ी ————। (डि॒यारी/डि॒यारियो)
4. गीता साहेड़ीअ खे आगरा ———— वेई। (घुमाइण/घुमाइणो)

١. رامَ سيِتا کي پَنهِنجو گهرُ ------------ آهي.

(ڏيکارِ، ڏيکاريو)

٢. موهَنُ پُٽ کي ٽِيوُشَنِ ------------ پيو.

(ڏِيارائي، پَڙهارائي)

٣. سُريش زال کي ساڙهي ------------. (ڏِياري، ڏِياريو)

٤. گيِتا ساهيڙِيءَ کي آگرا ------------ ويئي. (گُهمائِڻ، گُهمائِڻو)

5. शीला अजु बारनि खे जल्दी ——————। (सुम्हारणो/ सुम्हारयो)	٥. شِيلا اَڄُ ٻارنِ کي جَلدِي --------------. (سُمهارڻو، سُمهاريو)

4. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : सुनीता शीला खे अचण लाइ चयो।	مِثالُ : سُنيِتا شِيلا کي اَچَڻَ لاءِ چَيو.
सुनीता शीला खे अचण लाइ चवारायो।	سُنيِتا شِيلا کي اَچَڻَ لاءِ چَوارايو.
1. सुरेश पुट खे चिठी लिखी।	١. سُريشَ پُٽَ کي چِٺِي لِکِي.
————————————	--------------------------------
2. राम मोहन खे किताब वठी ड॒िना।	٢. رامَ موهَنَ کي ڪِتابَ وَٺِي ڏِنا.
————————————	--------------------------------
3. दुकानवारे मीरां लाइ नवां डिज़ाइन कढया।	٣. دُڪان واري مِيران لاءِ نَوان ڊِزائِنَ ڪَڍيا.
————————————	--------------------------------
4. सीता पुट जी चिठी पढ़ी ।	٥. سِيتا پُٽَ جي چِٺِي پَڙهي.
————————————	--------------------------------

5. मोहन पंहिंजो घरु ठाहे वर्तो आहे।

۵. موھَن پَنھِنجو گھرُ ٺاھي وَرتو آھي.

5. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए हुए शब्दों का प्रयोग करते हुए प्रत्येक वाक्य से दो दो वाक्य बनाइए।

मिसालु : सुधा कपड़ो डि॒से पेई। 1. दुकानदारु 2. नौकर खां

مِثالُ : سُڌا ڪپڙو ڏِسي پيئي. ١. دُڪاندارُ ٢. نوڪرَ کان.

1. दुकानदारु सुधा खे कपड़ो ड॒खारे प्यो।

١. دُڪاندارُ سُڌا کي ڪپڙو ڏيکاري پيو.

2. दुकानदारु सुधा खे नौकर खां कपड़ो ड॒खाराए प्यो।

٢. دُڪاندارُ سُڌا کي نوڪرَ کان ڪپڙو ڏيکارائي پيو.

1. सुरेशु चिठी लिखे प्यो। 1. मीरां खां 2. पीउ खे।

١. سُريشُ چِٺي لِکي پيو. ١. ميران کان. ٢. پيءُ کي.

2. ब॒ारु खीरु पिए थो। 1. माउ 2. नर्सि खां।

٢. ٻارُ کيرُ پِئي ٿو. ١ ماءُ. ٢. نَرسِ کان.

3. स्कूटर दर ते बीठो आहे। 1. रामु 2. पुट खां

٣. اِسڪوٽر دَرَ تي بيِٺو آهي. ١. رامُ. ٢. پُٽَ کان

4. रतनु पढ़े प्यो। 1. रमेशु 2. मास्तर खां।

۴. رَتَنُ پَڙهي پِيو. ۱. رَميشُ ۲. ماستَرَ کان.

5. मानी ठहे पेई। 1. रमा 2. राधाऊ खां।

۵. مانيِ ٺَهي پيئيِ. ۱. رَما. ۲. راڌائوُ کان.

पाठ 23

वन अधिकारी

मोहन : जीवन आजकल हो कहां कि दिखते नहीं हो ?

जीवन : हां, मैं कुछ दिनों से एक प्रोजेक्ट में व्यस्त था, इसलिए तुमसे मिल न सका।

मोहन : अच्छा ? ऐसे कौन से काम में इतने व्यस्त थे कि दोस्तों के लिए वक़्त निकालना भी मुश्किल हो गया था।

जीवन : तुम्हे तो मालूम ही है कि मैं वन अधिकारी हूं। हम हर साल अलग अलग स्थानों पर वनों की हिफाज़त और नए वन लगाने के लिए कार्यक्रम चलाते हैं। कुछ दिनों से मैं आगरा के पास ऐसे ही एक कार्यक्रम में व्यस्त था।

मोहन : अच्छा ? इस तरह के कार्यक्रम में

सबकु 23

बलाई अमलदार

मोहनु : जीवन अजुकल्ह आहीं किथे जो डिसण में नथो अचीं ?

जीवनु : हा, मां कुझु डांहनि खां हिक प्रोजेक्ट में रुधलु हुयुसि, तंहिं करे तोसां मिली न सघयुसि।

मोहनु : अछा ? अहड़े कहड़े कम में एतरो रुधलु हुए जो दोस्तनि लाइ वक़्तु कढणु बि डखयो थी प्युइ ?

जीवनु : तोखे त ख़बर ई आहे त मां बलनि जो अमलदार आहयां। असीं हरि साल अलगि अलगि जगहियुनि ते बलनि जी हिफाज़त ऐं नवां वण लगाइण लाइ प्रोग्राम हलाईदा आहयूं। कुझु डांहनि खां मां आगरे पासे अहड़े ई हिक प्रोग्राम में रुधलु हुयुसि।

मोहनु : अछा ? इन्हे तरह जे प्रोग्राम में तव्हां

سَبَقُ ٢٣

ٻيلائِي عَملدار

موھَنُ : جيوَن اَڄُ ڪلھ آھين ڪِٿي جو ڏِسَڻ ۾ نَٿو اَچين ؟

جِيوَنُ : ھا، مان ڪُجھ ڏينھَنِ کان ھِڪ پروجيڪٽ ۾ رُڌَلُ ھُيُس تَنھن ڪَري توسان مِلِي نَہ سَگھيُس.

موھَنُ : اَچا ؟ اَھڙي ڪَھڙي ڪَمَ ۾ ايترو رُڌَلُ ھُئين جو دوستن لاءِ وَقتُ ڪَڍَڻُ بہ ڏُکيو ٿي پيئہ ؟

جِيوَنُ : توکي تَہ خَبَر ئي آھي تَہ مان ٻيلَنِ جو عَملدار آھيان. اَسين ھَر سالُ اَلَڳ اَلَڳ جَڳھيُنِ تي ٻيلَنِ جي حِفاظَت ۽ نَوان وَڻَ لَڳائِڻ لاءِ پروگرام ھَلائِيندا آھيوُن. ڪُجھ ڏِينھَنِ کان مان آگري پاسي اَھڙي ئي ھِڪ پروگرام ۾ رُڌَلُ ھُيُس.

موھَنُ : اَچا ؟ اِنھي طرح جي پروگرامَ ۾

आप क्या क्या करते हैं ?

जीवन : सबसे पहले तो लोगों को जाग्रत करना पड़ता है, ताकि वे भी वनों की सुरक्षा का महत्व समझें और हमें भी मदद दे सकें।

मोहन : वनों का महत्व ?

जीवनु : हां भाई। तुम तो पढ़े लिखे हो, इसीलिए तुम्हें तो पता ही होगा कि मनुष्य अपनी प्रगति के साथ साथ पेड़ों को काट काटकर कारखाने और घर बनाता गया है। इससे प्रकृति का संतुलन बिगड़ गया है जिसके कारण हमें कहीं सूखे और कहीं बाढ़ का सामना करना पड़ता है।

मोहनु : क्या यह सब पेड़ों के कटने के कारण ही होता है ?

जीवनु : और क्या ? इसीलिए ही सरकार वनों की सुरक्षा के लिए कार्यक्रम चलाती है, ताकि आम आदमी प्रकृति के

छा छा कंदा आहयो।

जीवनु : सभ खां पहरीं त माण्हुनि खे सुजाॻ करणो पवंदो आहे, जीअं हू बि ॿेलनि जी हिफाज़त जी अहमियत समझनि ऐं असां खे मदद ॾई सघनि

मोहनु : ॿलनि जी अहमियत ?

जीवनु : हा, भाई। तूं त पढ़ियलु लिख्यलु आहीं, इनकरे तोखे त ख़बर ई आहे त इंसानु पंहिंजी तरक़ीअ सां गॾो गॾु वणनि खे कटे कटे कारख़ाना ऐं घर ठाहींदो आहे। इन्हें सां कुदरत जो मेज़ान बिगड़ी व्यो आहे जंहिं करे असांखे किथे सोक त किथे ॿोॾि जो मुक़ाबलो करणो पवंदो आहे।

मोहनु : ईहो सभु वणनि जे कटिजण जे करे इ थिए थो।

जीवनु : ब्यो छा ? इन करे ई सरकारि ॿलनि जी हिफाज़त लाइ कार्यक्रम रखंदी आहे, जीअं आम माण्हू कुदिरत जे

توهان ڇا ڇا ڪندا آهيو ؟

جيوَنُ : سَڀ کان پهرين تہ ،ماڻهُنِ کي سُڄاڳُ ڪرڻو پوَندو آهي، جيئَن هوُ بہ ٻيلَنِ جي حِفاظَت جي اَهمِيَت سَمجهَن ۽ اَسان کي مَدد ڏيئي سَگهن.

موهَنُ : ٻيلَنِ جي اَهمِيَت ؟

جيوَنُ : ها، ڀائي. توُن تہ پڙهيَلُ لِکيَلُ آهين، اِنَ ڪري توکي تہ خَبَر ئي آهي تہ اِنسانُ پَنهِنجي تَرقيءَ سان گڏو گڏ وڻَنِ کي ڪَٽي ڪَٽي ڪارخانا ۽ گهر ٺاهيندو آهي. اِنهي سان قُدرَت جو ميزان بِگڙي ويو آهي جَنهِن ڪري اَسانکي ڪِٿي سوڪ تہ ڪِٿي ٻوڏِ جو مُقابلو ڪرڻو پوَندو آهي.

موهَنُ : اِهو سَڀُ وَڻَنِ جي ڪَٽجڻ جي ڪري ئي ٿئي ٿو ؟

جيوَنُ : ٻيو ڇا ؟ اِنَ ڪري ئي سَرڪار ٻيلَنِ جي حِفاظَت لاءِ ڪاريہ ڪرم رَکندي آهي، جيئَن عام ماڻهوُ قُدرَت جي

संतुलन का महत्व समझें और अपनी मदद स्वयं करे। हम लोगों को प्रेरणा देते हैं, कि वे अपने आस पास अधिक से अधिक पेड़ लगाएं और अपने बच्चों में भी पेड़ों के लिए प्यार की भावना पैदा करें।

मोहन : इसके अलावा और क्या करते हो ?

जीवन : और हम उस इलाक़े में बड़े पैमाने पर स्वंय भी पेड़ लगाते और लगवाते हैं विशेषतः बड़े रास्तों के किनारों पर पेड़ लगवाते हैं, ताकि रास्ते पर आने जाने वालों को छाया और ताज़ी हवा मिल सके।

मोहनु : हां, यह तो सत्य है कि पेड़ हमारे पास पड़ोस की शोभा भी बढ़ाते हैं और हमें छाया भी देते हैं।

जीवन : सबसे बड़ी बात तो यह है कि पेड़ों से कुदरत का संतुलन बना रहता है।

मैज़ान जी अहमियत समझे ऐं पंहिंजी मदद पाण करे। असां माण्हूनि खे प्रेरणा डींदा आहयूं त हू पंहिंजे आसे पासे घणे खां घणा वण लगाइनि ऐं पंहिंजे बारनि में बि वणनि लाइ प्यार जो जज़्बो पैदा क़नि।

मोहनु : इन खां सवाइ ब्यो छा कंदा आहयो?

जीवनु : ब्यो असां उन इलाइके में वडे पैमाने ते पाण बि वण लगाईदा ऐं लगाराईदा आहयूं, ख़ास करे वडनि रस्तनि जे किनारनि ते वण लगाराईदा आहयूं, जीअं रस्ते ते अचण वञण वारनि खे छांव ऐं ताज़ी हवा मिली सघे।

मोहनु : हा इहो त सचु आहे, त वण असांजे ओड़ेपाड़े जी सूंहं वधाईंदा आहिनि ऐं असांखे छांव बि डींदा आहिनि।

जीवनु : सभ खां वडो गाल्हि त ईहा आहे, त वणनि सां कुदिरत जो मेज़ानु क़ाइमु रहे थो।

ميزان جي اَهميَت سَمجهي ۽ پَنهنجي مَدد پاڻ ڪَري. اَسان ماڻهن کي پريرَڻا ڏيندا آهيوُن تہ هوُ پَنهنجي آسي پاسي گهڻي کان گهڻا وَڻ لَڳائِن ۽ پَنهنجي ٻارَن ۾ بِہ وَڻن لاءِ پيار جو جَذبو پَيدا ڪَن.

موهَنُ : اِنَ کان سَواءِ ٻيو ڇا ڪَندا آهيو ؟

جيوَنُ : ٻيو اَسان اُنَ عِلائِقي ۾ وَڏي پَيماني تي پاڻَ بِہ وَڻ لَڳائيندا ۽ لَڳارائيندا آهيوُن، خاص ڪَري وَڏِن رَستَن جي ڪِنارِن تي وَڻ لَڳارائيندا آهيوُن، جيئَن رَستي تي اَچَڻ وَڃَڻ وارَن کي ڇانوَ ۽ تازِي هَوا مِلِي سَگهي.

موهَنُ : ها، اِهو تہ سَچُ آهي، تہ وَڻ اَسانجي اوڙي پاڙي جي سوُنهَن بِہ وَڌائيندا آهِن ۽ اَسانکي ڇانوَ بِہ ڏيندا آهِن.

جيوَنُ : سَڀ کان وَڏِي ڳالهِہ تہ اِها آهي، تہ وَڻِن سان قُدرَت جو ميزان قائِمُ رَهي ٿو.

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिन्धी
कटना	कटिजणु	ڪَٽِجَڻُ
सरकार	सरकारि	سَرڪارِ
प्रेरणा	प्रेरणा	پريرَڻا
कायम	काइमु	قائمُ
भावना	जज़्बो	جَذبو
आस पास	ओड़ो पाड़ो	اوڙو - پاڙو
सुंदरता	सूंहं	سونھَن

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिन्धी
कि	जो	جو
ता कि	जीअं	جيئَن
महत्व	अहमियत	اَهمِيَت
इसलिए	इन करे	اِنَ ڪري
तरक़्की	तरक़ी	تَرقيِ
प्रकृति	कुदिरत	قُدِرتَ
संतुलन	मेज़ान	ميزان
सूखा	सोकि	سوڪ
बाढ़	बोॾि	ٻوڏِ
मुकाबला	मुक़ाबलो	مُقابلو

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिन्धी
प्रोजेक्ट	प्रोजेक्ट	پروجيڪٽ
व्यस्त होना	रुधलु हुअणु	رُڌَلُ ھُئَڻُ
इस कारण	तंहिं करे	تنهن ڪَري
वक्त निकालना	वक़्तु कढणु	وَقتُ ڪَڍَڻُ
कठिन	ॾुखयो	ڏُکيو
अधिकारी	हाकमु	حاڪمُ
सुरक्षा	हिफ़ाज़त	حِفاظَت
पेड़	वण	وَڻ
कार्यक्रम	प्रोग्राम	پروگرام
कि	त	تہ

I निम्नलिखित वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1	जीवन, अजकल्ह आहीं किथे जो ड़िसण में नथो अचीं ?	١. جيوَن، اَڄ ڪلهہ آهين ڪِٿي جو ڏِسَڻَ ۾ نَٿو اَچين ؟
2	मां हिक प्रोजेक्ट में रुधलु हुयुसि, तंहिं करे तोसां मिली न सघयुसि।	٢. مان هِڪ پروجيڪٽ ۾ رُڌَلُ هُيُس، تَنهِن ڪري توسان مِلِي نہ سَگهيُس.
3	तोखे त ख़बर ई आहे, त मां बलनि जो अमलदार आहयां।	٣. توکي تہ خَبَر ئِي آهي، تہ مان ٻيلَنِ جو عَملدار آهيان.
4	तूं त पढ़यलु लिखियलु आहीं, इन करे तोखे त ख़बर ई आहे।	٤. توُن تہ پَڙهيلُ لِکيَلُ آهين اِنَ ڪري توکيتہ خَبَر ئِيآهي.
5	इन सां कुदिरत जो मेज़ान बिगड़ी व्यो आहे, जंहिं करे असांखे किथे सोक त किथे बाड़ि जो मुक़ाबलो करणो पवंदो आहे।	٥. اِن سان قُدرَت جو ميزان بِگڙِي ويو آهي، جَنهِن ڪرياَسان کيِڪِٿي سوڪ تہ ڪِٿي ٻوڏِ جو مُقابلو ڪرڻو پَوَندو آهي.
6	इन करे ई सरकारि बलनि जी हिफ़ाज़त लाइ कार्यक्रम हलाईंदी आहे, जीअं आम माण्हूं कुदिरत जे मेज़ान जी अहमियत समझे ऐं पंहिंजी मदद पाण करे।	٦. اِنَڪريئِي سَرڪارِ ٻيلَنِ جي حِفاظَتلاءِڪاريڪرم هَلائيندي آهي، جيئَن عام ماڻهوُ قُدرَت جي ميزان جي اَهميَت سَمجهي ۽ پَنهِنجي مَدد پاڻَ ڪري.

II उदाहरण के अनुसार वाक्यों को जोड़िए।

मिसालु : राम चयो। मां आगरा वेंदुसि। — مِثالُ : رامَ چَيو. مان آگرا ويندُس.

राम चयो त मां आगरा वेंदुसि। — رامَ چيو تہ مان آگرا ويندُس.

1	शीला चए थी । सुबुह मां बज़ारि वेंदसि।	١. شيِلا چَئي ٿي. صُبُح مان بَزار ويندس.
2	बारु रुए प्यो। मां अज इस्कूल कोन वेंदुसि।	٢. ٻارُ رُئي پيو. مان اَڄ اِسڪوُل ڪونہ ويندُس.
3	राम बुधायो। मीरां दहली वेई आहे।	٣. رامَ ٻُڌايو. ميِران دَهلِي ويئِي آهي.
4	मोहन सोच्यो। हू पुट खे पढ़ण लाइ बाहिरि मोकलींदो।	٤. موهَن سوچيو. هوُ پُٽ کي پَڙهڻ لاءِ ٻاهِرِ موڪليِندو.
5	रोशनु घर में चई व्यो। हू राति देरि सां ईंदो।	٥. روشَنُ گهر ۾ چَئِي ويو. هوُ راتِ دير سان ايندو.

III उदाहरण के अनुसार वाक्यों को जोड़िए।

मिसालु : तूं छा प्यो करीं ? — مِثالُ : توُن ڇا پيو ڪرين ؟

मानी खाइण कोन आएं। مانيِ کائِڻ ڪونہ آئين.
तूं छा प्यो करीं जो मानी توُن ڇا پيو ڪَرين جو مانيِ کائِڻ
खाइण कोन आएं ? ڪونہ آئين ؟

1 तूं छा प्यो सोचीं ? कम ते ١. توُن ڇا پيو سوچِين ؟ ڪَمَ تي
ध्यानु नथो डा़ें । ڌيانُ نَٿو ڏين.

2 तूं कीअं प्यो हलीं ? रस्ते ते ٢. توُن ڪيئَن پيو هَلين ؟ رَستي
किरी पिएं। تي ڪِري پئين.

3 तूं कड़ाहुं प्यो वञीं ? एतरी ٣. توُن ڪيڏاهُن پيو وَڃين؟
जल्दीअ में आहीं। ايتري جَلديءَ ۾ آهين.

4 रोशन छा प्यो करीं ? सड़ जो ٤. روشَن ڇا پيو ڪَرين ؟ سَڏَ جو
जवाबु नथो डा़ें। جَوابُ نَٿو ڏين.

5 राधा किथे वेई आहे ? डि़सण ٥. راڌا ڪِٿي ويئي آهي ؟ ڏِسَڻَ
में नथी अचे। ۾ نَٿي اَچي.

IV उदाहरण के अनुसार वाक्यों को जोड़िए।

मिसालु : रमेशु पढ़ाईअ में रुधलु هو. مِثالُ : رَميشُ پَڙهائيءَ ۾ رُڌَلُ
हो। फिल्म डि़सण न व्यो। فِلمِ ڏِسَڻَ نہ ويو.
रमेशु पढ़ाईअ में रुधलु हुओ, رَميشُ پَڙهائيءَ ۾ رُڌلُ هُئو،

इन करे फिल्म डि़सण न व्यो। اِن ڪَري فِلمِ ڏِسَڻَ نہ ويو.

1 रामु मुम्बई व्यलु हुओ। दोस्त ١. رامُ مُمبئيِ ويَلُ هُئو. دوستَ
जी शादीअ में कोन व्यो। جيِ شاديءَ ۾ ڪونہ ويو.

2 बारु जल्दी सुम्ही प्यो। मानी ٢. بارُ جَلديِ سُمهيِ پيو. مانيِ
कोन खाधईं। ڪونہ کاڌئين.

3 मोहनु कम में लगलु हुओ। ٣. موهَنُ ڪَمَ ۾ لَڳَلُ هُئو. گهر
घर खां बाहिरि कोन निकतो। کان ٻاهِر ڪونہ نِڪتو.

4 शीला टी.वी डि़सण में रुधलु ٤. شيلا ٽي.وي ڏِسَڻَ ۾ رُڌَلُ هُئيِ.
हुई। माउ जो सड़ कोन बुधाईं। ماءُ جو سَڏُ ڪونہ ٻُڌائين.

5 मां बीमारु हुयुसि। तुहिंजे घरि ٥. مان بيمارُ هُيُس. تُنهنجي
न अची सघयुसि। گهرِ نہ اَچي سَگهيُس.

V निम्नलिखित वाक्यों को पूरा कीजिए।

1 राधा खे शरतचंद्र जो उपन्यासु ١. راڌا کي شَرت چَندَر جو
'श्रीकांत' एतरो पसंद आयो اُپنياسُ 'شري ڪانت' ايترو پَسند
जो ——————। آيو جو - - - - - - - .

2 रमेश खे अज़ हीउ कमु पूरो ٢. رَميش کي اَڄُ هيءُ ڪَمُ پوُرو
करणो आहे, तंहिंकरे ———। ڪَرڻو آهي تَنهِن ڪَري - - - - - .

3 कमलु बीमारु हुओ, इनकरे ۳. ڪَمَلُ بيمارُ هُئو، اِنَ ڪري

———। .....

4 मां इहो डि̱सी हैरानु रहजी ۴. مان اِهو ڏِسي حَيرانُ رَهجِي

व्युसि त —————। ويُس تـَہ ....

5 रमा घरि देरि सां आई जंहिं करे ۵. رَما گهر دير سان آئِي

—————। جَنهِن ڪَري ......

टिप्पणियां

I सिंधी में मिश्र वाक्यों में एक मुख्य वाक्य होता है और एक आश्रित उपवाक्य होता है, जो परस्तर 'त' या 'जो' से जुड़े होते हैं, जैसा कि निम्नलिखित उदाहरणों में देखा जा सकता है।

1 तोखे त ख़बर आहे त मां ब̱लनि ۱. توکي تَہ خَبَر آهي تَہ مان

जो अमलदार आहयां। ٻيلَنِ جو عَملدار آهيان.

2 अहड़े कहड़े कम में एतरो ۲. اَهڙي ڪهڙي ڪَمَ ۾ ايترو رُڌَلُ

रुधलु हुएं जो दोस्तनि लाइ هُئين جو دوستن لاءِ وَقتُ ڪَڍڻُ بہ

वक़्तु कढणु बि डु̱खयो थी प्युई ? ڏُکيو ٿِي پيئِہ ؟

जो के साथ जुड़े हुए वाक्य सामान्यतः प्रश्न के रूप में होते हैं।

II सिंधी में संयुक्त वाक्यों की संरचना 'इन्हे करे', 'जंहिं करे', 'तहिं करे' आदि वाक्य संयोजकों की सहायता से होती है, जैसा कि निम्नलिखित उदाहरणों में देखा जा सकता है।

1 मां हिक प्रोजेक्ट में रुधलु ۱. مان هِڪ پروجيڪٽ ۾ رُڌَلُ

हुयुसि तंहिं करे तोसां मिली न هُيُس تَنهِن ڪَري توسان مِلي

सघयुसि। نـَہ سَگهيُس.

2 तूं त पढ़यलु लिखियलु आहीं ۲. توُن تَہ پَڙهيَلُ لِکيَلُ آهين اِنهي

इन्हे करे तोखे त ख़बर ई आहे। ڪَري توکي تَہ خَبَر ئِي آهي۔

3 इन्हे सां कुदिरत जो मेज़ान ۳. اِنهي سان قُدرَت جو ميزان

बिगड़ी व्यो आहे, जंहिं करे بِگڙِي ويو آهي، جَنهِن ڪَري

असांखे किथे सोक त किथे اَسان کي ڪِٿي سوڪ تَہ ڪِٿي

बोडि̱ जो मुक़ाबिलो करणो पवंदो ٻوڏِ جو مُقابِلو ڪَرڻو پَوَندو

आहे। آهي.

संयुक्त वाक्यों में सामान्यतः दो या अधिक स्वतंत्र वाक्यों को वाक्य संयोजक की सहायता से जोड़ा जाता है।

1. पाठ के आधार प्रश्नों के उतर दीजिए।

1. जीवनु छा जो अमलदारु आहे ?

____

١. جيوَنُ ڇا جو عَملدارُ آهي ؟

----

2. जीवनु ऐं संदसि विभागु कंहिं तरह जा प्रोग्राम हलाईंदा आहिनि?

____

٢. جيوَنُ ۽ سَندسِ وِڀاڳُ ڪنهَن طَرح جا پروگرامَ هلائيندا آهِن ؟

----

3. जीवनु किथे रुधलु हुओ ?

____

٣. جيوَنُ ڪِٿي رُڌلُ هُئو ؟

----

4. कुदरत जो मेज़ान कीअं ख़राबु थिए थो ?

____

٤. قُدرَت جو ميزان ڪيئَن خَرابُ ٿِئي ٿو ؟

----

5. बलनि जी असां लाइ कहड़ी अहमियत आहे ?

____

٥. ٻيلَنِ جي اَسان لاءِ ڪهڙِي اَهمِيَت آهي ؟

----

2. उदाहरण के अनुसार वाक्यों को जोड़िए।

मिसालु : बारनि जा इम्तिहान हलनि प्या। हू बाहिरि डिसण में न था अचनि।

बारनि जा इम्तिहान हलनि प्या, तंहिं करे हू बाहिरि डिसण में नथा अचनि।

مِثالُ : ٻارَنِ جا اِمتحانَ هَلَنِ پيا. هوُ ٻاهِرِ ڏِسڻ ۾ نہ تا اَچَنِ.

ٻارَنِ جا اِمتحانَ هَلَنِ پيا، تَنهِن ڪَري هوُ ٻاهِرِ ڏِسَڻ ۾ نہ تا اَچَنِ.

1. अंबनि जी मौसुम कान आई आहे। अंब अञा बज़ारि में कोन आया आहिनि ?

١. اَنبنِ جِي مَوسُم ڪانہ آئِي آهي. اَنبَ اَڃا بَزارِ ۾ ڪونہ آيا آهِنِ ؟

2. बाहिरि डाढी थधि आहे। घणा माण्हूं घर में वेठा आहिनि ?

٢. ٻاهِرِ ڏاڍِي ٿَڌِ آهي. گَهڻا ماڻهوُ گَهرَ ۾ ويٺا آهِنِ ؟

3. सीमा वटि पैसा कान आहिनि। हूअ पुट खे बाहिरि नथी मोकले।

٣. سِيما وَٽِ پَيسا ڪونہ آهِنِ. هوءَ پُٽَ کي ٻاهِرِ نَٿِي موڪلي.

______________________________   -

______________________________   -

4. राधा खे घणेई कम पूरा करणा हुआ। हूअ राति देरि सां सुम्हीं।

۴. راڌا کي گهڻيئي ڪَمَ پوُرا ڪرڻا هُئا. هوُءَ راتِ دير سا سُمهين.

______________________________   -

______________________________   -

5. राम खे बुख़ार हुओ। हू इस्कूल कोन व्यो।

۵. رامَ کي بُخارُ هُئو. هوُ اِسڪوُل ڪونہ ويو.

______________________________   -

______________________________   -

3. उदाहरण के अनुसार वाक्यों को जोड़िए।

मिसालु : रामु अ<u>ज</u> जल्दी आफ़ीसि व्यो। हू कमु पुरो करे सघे।

राम अ<u>ज</u> जल्दी आफ़ीसि व्यो, जीअं हू कमु पूरो करे सघे।

مِثالُ : رامُ اَڄُ جَلدِي آفِيسِ ويو. هوُ ڪَمُ پوُرو ڪَري سَگهي.

رامُ اَڄُ جَلدِي آفِيسِ ويو، جيئَن هوُ ڪَمُ پوُرو ڪَري سَگهي.

1. शीला मोहन खे शाम जो जल्दी अचण लाइ चयो। हू <u>बा</u>रनि जा कपड़ा वठी अची सघनि।

۱. شيِلا موهَنَ کي شامَ جو جَلدِي اَچَڻَ لاءِ چَيو. هوُ ٻارَنِ جا ڪَپڙا وَٺِي اَچِي سَگهنِ.

2: सुनीता मीरां खे सडा़यो। हू मिली करे भेण जी शादीअ जी त्यारी करे सघनि।

٢. سُنيِتا مِيران کي سَڏايو. هوُمِلي ڪَري ڀيڻ جي شادِيءَ جي تياري ڪَري سَگهَنِ.

3. मोहन बा़रनि खे मास्तरु रखी डि़नो। बा़र इम्तिहान सुठा डई सघनि।

٣. موهَن ٻارَنِ کي ماستَرُ رَکِي ڏِنو. ٻارَ اِمتحانَ سُٺا ڏيئِي سَگهنِ.

4. माण्हुनि खे सुजागु़ करणु खपे। माण्हूं कुदिरत जी अहमियत समुझी सघनि।

٤. ماڻهُن کي سُجاڳُ ڪَرَڻُ کَپي. ماڻهوُ قُدِرَت جِي اَهَمِيَت سَمُجهِي سَگهنِ.

5. बा॒रनि खे प्यार सां समझाइणु खपे। हू ख़राब रस्ते ते न वञनि।

٥. ٻارَنِ کي پيارَ سان سَمَجھائِڻُ کَپي. ھوُ خَراب رَستي تي نہ وَڃِن.

---

4. उदाहरण के अनुसार वाक्यों को ज़ोड़िए।

मिसालु : माण्हू बु॒लनि खे कटे घर ठाहींदा व्या आहिनि। कुदिरत जो मेज़ान बिगड़ी व्यो आहे।

माण्हू बननि खे कटे घर ठाहींदा व्या आहिनि, जंहिं करे कुदिरत जो मेज़ान बिगड़ी व्यो आहे।

مِثالُ : ماڻھوُ ٻيلنِ کي کَٽي گھر ٺاھِيندا ويا آھِنِ. قُدرَت جو ميزان بِگڙِي ويو آھي.

ماڻھوُ ٻَنِنِ کي کَٽي گھر ٺاھِيندا ويا آھِنِ، جَنھِن ڪَري قُدرَت جو ميزان بِگڙِي ويو آھي.

1. राम जो दोस्तु कोन आयो। हू इस्टेशन ते व्यो हुओ।

١. رامَ جو دوستُ ڪونہ آيو. ھوُ اِسٽيشَن تي ويو ھُئو.

---

2. बा॒रनि स॒जो ड॒ांहुं रांदि कई हुई। हू जल्दी सुम्ही प्या।

٢. ٻارَنِ سَڄو ڏِينھُن راندِ ڪَئي ھُئِي. ھوُ جَلدِي سُمھِي پيا.

---

3. मोहनु घरि देरि सां आयो। मीरां बि मानी देरि सां खाधी।

٣. موھنُ گھرِ ديرِ سان آيو. ميِران بہ ماني ديرِ سان کاڌِي.

4. बार गोड़ु प्या कनि। शीला खे निंड न आई।

۴. ٻارَ گوڙُ پيا ڪَنِ. شيِلا کي ننڊ نَہ آئِي.

5. सुरेश खे जल्दी आफ़ीसि वञणो हुओ। हू जल्दी उथ्यो।

۵. سُريشَ کي جَلدِي آفيِسِ وَڃڻو هُئو. هوُ جَلدِي اُٿيو.

5. निम्नलिखित वाक्यो को पुरा कीजिए।

1. मीरां चयो त ——————————

۱. ميِران چَيو تَہ ----------

2. अहड़ी कहड़ी ग़ाल्हि हुई जो ——————————

۲. اَهڙِي ڪَهڙِي ڳالِهہ هُئِي جو ----------

3. राम खे पढ़ण जो डाढो शौकु आहे, इन करे ——————————

۳. رامَ کي پَڙهڻ جو ڏاڍو شَوقُ آهي، اِنَ ڪَري ----------

4. शीला डाढी महनत कंदी आहे जीअं ——————————

۴. شيِلا ڏاڍِي مَحنَت ڪَندِي آهي جيِئَن ----------

5. रोशनु पहिंजी माउ खे डाढो मञींदो आहे, तंहिं करे ——————————

۵. روشَنُ پَنهِنجِي ماءُ کي ڏاڍو مَڃِيندو آهي، تَنهِن ڪَري ----------

पाठ 24

चेटी चंडु (सिंधी नव वर्ष)

विनोद : दादाजी, आज मै आपके पास एक काम से आया हूं।

नंदलाल : कहो बेटा, क्या काम है ?

विनोद : दादाजी, मेरे विद्यालय में अपनी संस्कृति पर एक लेख लिखने के लिए कहा गया है। मैं सोच रहा था कि क्यों न 'चेटी चंड' पर लिखा जाए। उसकी जानकारी लेने के लिए ही आपके पास आया हूं।

नंदलाल : अच्छी बात है,तो सुनो।चेटी चंडु, चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की द्वतीया को मनाया जाता है।

विनोद : इसे मनाने का कौन सा कारण है ?

नंदलाल : चेटी चंड के समय नई फ़सल काटी जाती है। सिंधियों में इस दिन

सबकु 24

चेटी चंडु

विनोद : बाबा, मां अज॒ तव्हां वटि हिक कम सां आयो आहयां।

नंदलालु : चउ पुट कहड़ो कमु अथेई ?

विनोदु : बाबा, मूं खे इस्कूल में पंहिंजी संस्कृतिअ ते हिकु लेखु लिखण जे लाइ चयो व्यो आहे। मूं सोच्यो पिए त छो न चेटी चंड ते लिखजे। उन जी ज॒ाण वठण लाइ ई तव्हां वटि आयो आहयां।

नंदलालु : चङी ग॒ाल्हि आहे। त ब॒धु। चेटी चंडु चेट महने जे सहाए पख जी ब॒ोज ते मल्हायो वेंदो आहे।

विनोदु : चेटी चंडु मल्हाइण जो कहड़ो सबबु आहे ?

नंदलालु : चेटी चंड वक़्ति नओं फ़सुलु लुणयो वेंदो आहे। सिंधयुनि में इन ड॒ांह खां

سَبَقُ ٢٤

چيٽِي چَنڊُ

وِنودُ : بابا، مان اَڄُ تَوهان وَٽِ هِڪ ڪَم سان آيو آهيان.

نَندلالُ : چَئُہ پُٽَ ڪهڙو ڪَمُ اَٿيئِي ؟

وِنودُ : بابا، مون کي اِسڪولَ ۾ پَنهِنجِي سنسڪرِتيءَ تي هِڪُ ليکُ لِکَڻَ لاءِ چَيو ويو آهي. مون سوچيو پِئي تہ ڇو نَہ چيٽِي چَنڊ تي لِکجي. اُنَ جي ڄاڻ وَٺَڻَ لاءِ ئي تَوهان وَٽِ آيو آهيان.

نَندلالُ: چَڱي ڳالهہ آهي. تہ ٻُڌُ. چيٽِي چَنڊُ چيٽَ مَهني جي سَهائي پَکَ جي ٻِيجَ تي مَلهايو ويندو آهي.

وِنودُ : چيٽِي چَنڊ مَلهائِڻَ جوڪهڙو سَببُ آهي؟

نَندلالُ : چيٽِي چَنڊ وَقتِ نَئون فَصُلُ لُڻيو ويندو آهي. سِنڌيُنِ ۾ اِنَ ڏِينهَن

से नए साल की शुरुआत भी मानी जाती है। इसी दिन सिंध में हिंदू धर्म की रक्षा के लिए संवत् 1007 में वरुण देवता 'उडेरेलाल' का अवतरणअ हुआ था, इसीलिए उनका जन्मदिन भी मनाया जाता है। उडरेलाल को झूलेलाल भी कहा जाता है।

विनोद : 'चेटी चंड' कैसे मनाया जाता है ?

नंदलाल : पहले इसमें एक मिट्टी की मटकी की ज़रुरत होती है। उसमें सूखा मेवा, मिठाई और मीठे चावल डाले जाते हैं। फिर उसको लाल कपड़े से बांधा जाता है।

विनोद : मटकी को बांधकर फिर क्या किया जाएगा ?

नंदलालु : मटकी के साथ 'बहिराणा' भी सजाया जाता है।

विनोद : 'बहिराणा क्या होता है ?

नएं साल जी शुरुआति बि मञी वेंदी आहे। इन्हीअ डींहुं सिंधु में हिंदू धर्म जी हिफ़ाज़त लाइ संवत 1007 में वरुण देवता उडरेलाल जो अवतार थ्यो हुओ, तंहिं करे उन्हनि जो जनमु डींहुं बि मल्हायो वेंदो आहे। उडरेलाल खे 'झूलेलालु' बि चइबो आहे।

विनोदु : चेटी चंडु कीअं मल्हायो वेंदो आहे ?

नंदलालु : पहरीं हिन में हिक मिटीअ जी कुनड़ीअ जो खपु हूंदो आहे। उन में सुको मेवो, मिठा चांवर ऐं मिठाणु विझबो आहे। पोइ उन खे गाढ़ीअ अगड़ीअ सां बधबो आहे।

विनोदु : कुनड़ीअ खे बधी पोइ छा कबो आहे ?

नंदलालु : कुनड़ीअ सां गडु बहराणो बि सजायो वेंदो आहे।

विनोदु : बहराणो छा थींदो आहे ?

کان تئين سالَ جي شُروُعاتَ بہ مَڃي ويندي آهي. اِنهيءَ ڏينهُن سِنڌُ ۾ هِندوُ ڌَرمَ جي حِفاظَتَ لاءِ سَنبتَ ١٠٠٧ ۾ وَروُڻ ديوتا اُڏيرلالَ جو اَوتار ٿيو هُئو، تَنهن ڪري اُنهن جو جَنمُ ڏينهُن بہ مَلهايو ويندو آهي. اُڏيرلال کي جهوُليلال بہ چَئبو آهي.

وِنودُ : چيٽِي چَنڊُ ڪيئَن مَلهايو ويندوآهي ؟

نَندلالُ : پَهرين هِن ۾ هِڪ مِٽيءَ جي ڪُنڙِيءَ جو ڪَپُ هوُندو آهي. اُنَ ۾ سُڪو ميوو، مِٺا چانورَ ۽ مِٺائُون وجهبو آهي. پوءِ اُنَ کي ڳاڙهِيءَ اَڳڙِيءَ سان ٻَڌبو آهي.

وِنودُ : ڪُنڙِيءَ کي ٻَڌِي پوءِ ڇا ڪَبو آهي ؟

نَندلالُ : ڪُنڙِيءَ سان گَڏُ ٻهراڻو بہ سَجايو ويندو آهي.

وِنودُ : ٻَهراڻو ڇا ٿِيندو آهي ؟

नंदलाल : बहराणे में गूंदे हुए आटे का गोल ढेला बनाकर उसके बीच मिश्री की डली रखी जाती है,और उसे लौंग छोटी इलाइची, सूखे मेवे और वर्कों से सजाया जाता है। साथ ही आटे का ही एक चौमुखी दिया भी बनाया जाता है और उसकी चारों बातियां जलाई जाती है।

विनोद : चौमुखी दिया बनाने के पीछे क्या मक़सद है ?

नंदलाल : इसका अर्थ है कि चारों और प्रकाश हो। ज्योति के साथ जल की पूजा भी की जाती है।
एक डोली में झूलेलाल की मूर्ति, एक बड़े थाल में मटकी, चौमुखी दिया और बहराणा सजा रखा होता है। फिर इनकी पूजा होती है और लालसाईं (झूलेलाल) के स्तुति के गीत गाए जाते हैं।

नंदलालु : बहराणे में ग॒ोहियल अटे जो गोलु चाणो ठाहे उन मे मिसरीअ जो संगु रखबो आहे, ऐं उन खे लौंग, नंढे फ़ोटे, सुके मेवे ऐं वर्क़नि सां सजाइबो आहे। गड॒ो गड॒ अटे जो ई चौमुखी डि॒यो बि ठाहबो आहे ऐं उन जूं चारई वटयूं ब॒ारबयूं आहिनि।

विनोदु : चौमुखी डि॒यो ठाहिण जो मक़सदु कहड़ो आहे ?

नंदलालु : इन जो मतलबु आहे त चइनी पासे रोशनी थिए। जोति सां गड॒ जल जी पूज॒ा बि कबी आहे। हिक डो॒लीअ में झूलेलाल जी मूरति, हिक वड॒ थाल्ह में कुनड़ी, चौमुखी डि॒या ऐं बहराणो सजाए रखबो आहे। पोइ इन्हनि जी पूज॒ा थींदी आहे ऐं लाल साईंअ जा पंजड़ा ग॒ाइबा आहिनि।

نَندلالُ : بَهراڻي ۾ ڳوهِيَلُ اَٽي جو گولُ چاڻو ٺاهي اُنَ ۾ مِصرِيءَ جو سَنگُ رَکبو آهي، ۽ اُنَ کي لَونگ نَنڍِي فوٽي، سُڪي ميوي ۽ وَرقَنِ سان سَجائبو آهي. گڏو گڏ اَٽي جو ئِي چَومُکِي ڏِيو بِہ ٺاهبو آهي ۽ اُنَ جوُن چارئِي وَٽيوُن ٻارِبيوُن آهِنِ.

وِنودُ : چَومُکِي ڏِيو ٺاهِڻ جو مَقصدُ ڪهڙو آهي ؟

نَندلالُ : اِنهي جو مَطلَبُ آهي تہ چَئني پاسي روشني ٿِئي. جوتِ سان گَڏُ جَلَ جِي پوُڄا بِہ ڪبِي آهي.
هِڪ ڏولِيءَ ۾ جهوُليلال جِي موُرتِ هِڪ وَڏي ٿالهہ ۾ ڪُنڙِي، چَومُکِي ڏِيو ۽ بَهراڻو سَجائي رَکبو آهي. پوءِ اِنهَنِ جِي پوُڄا ٿِيندي آهي ۽ لالَ سائِينءَ جا پَنجَڙا ڳائبا آهِنِ.

विनोद : फिर क्या किया जाता है ?

नंदलालु : बहराणे की शोभा यात्रा निकाली जाती है। पूरे रास्ते सुखो और सेसा (प्रसाद) बांटे जाते हैं। प्रसाद में मीठे चावलों और नमकीन चनों का प्रचलन है। रेवड़ी और बताशे भी बांटे जा सकते हैं।

विनोद : सुखो क्या होता है ?

नंदलालु : सुखो अर्थात ठंडई इसमें कभी कभी भांग भी मिलाई जाती है ताकि यात्री मौज में आकर छेज़ लगा सकें।

विनोद : छेज़ कैसे लगाई जाती है ?

नंदलालु : छेज़ में लोग डंडो को आपस में टकराते हुए गोल गोल नाचते हैं।

विनोद : शोभायात्रा कहां कहां जाती है ?

नंदलालु : शोभायात्रा पूरे शहर में घुमाई जाती है। भक्त बहराणे में सिर झुकाते हैं और सुखो और प्रसाद लेते जाते

विनोदु : पोइ छा कबो आहे ?

नंदलालु : बहराणे जी शोभायात्रा कढबी आहे। सज़ो वाट सुखो ऐं सेसा विरहाइबी आहे। सेसा में मिठनि चांवरनि ऐं चणनि जो रवाजु आहे। रेवड़यूं पताशा बि विरहाए सघबा आहिनि।

विनोदु : सुखो छा थींदो आहे ?

नंदलालु : सुखो माना 'थाधलि' (थधो शर्बतु) इन में कड़हिं कड़हिं हल्की भंग बि विझबी आहे, जीअं जाटी मौज में अची छेज़ हणी सघनि।

विनोदु : छेज़ कीअं हणबी आहे ?

नंदलालु : छेज़ में माण्हू ड॒ांकनि सां ड॒ांका हणी गोलु गोलु नचंदा आहिनि।

विनोदु : शोभायात्रा किथे किथे वेंदी आहे ?

नंदलालु : शोभायात्रा सज़े शहर में घुमाई वेंदी आहे। श्रधालु बहराणे खे मथो टेकींदा आहिनि ऐं सुखो ऐं सेसा वठंदा वेंदा

وِنودُ : پوءِ ڇا ڪبو آهي ؟

نَندلالُ : بَهراڻي جي شوڀاياترا ڪڍبي آهي. سَڄي واٽ سُکو ۽ سيسا وِرهائِبي آهي. سيسا ۾ مِٺن چانوَرَنِ ۽ چَڻَنِ جو رواجُ آهي. ريوَڙيوُن پَتاشا بہ وِرهائي سَگهبا آهِنِ.

وِنودُ : سُکو ڇا ٿيندو آهي ؟

نَندلالُ : سُکو معنيٰ 'ٿاڌلِ' (ٿَڌو شَربتُ) اُنَ ۾ ڪَڏِهن ڪَڏِهن هَلڪي ڀَنگ بہ وِجهبي آهي، جيئَن جاٽي مَوجَ ۾ اَچي ڇيڄ هَڻي سَگهنِ.

وِنودُ : ڇيڄ ڪيئَن هَڻبي آهي ؟

نَندلالُ : ڇيڄ ۾ ماڻهوُ ڏونڪَنِ سان ڏونڪا هَڻي گولُ گولُ نَچَندا آهِنِ.

وِنودُ : شوڀاياترا ڪِٿي ڪِٿي ويندِي آهي ؟

نَندلالُ : شوڀاياترا سَڄي شَهَر ۾ گُهمائِي ويندِي آهي. شَرڌالوُ بَهراڻي کي مَٿو ٽيڪيندا آهِنِ ۽ سُکو ۽ سيسا وَٺندا ويندا

है। अंत में नदी के किनारे पहुंचकर वहां बहराणे की पूजा करके ज्योति नदी में प्रवाहित की जाती है। चावल और चीनी को अर्पित कर आंचल फैलाया जाता है और फिर सभी यात्री अपने अपने घर लौट जाते हैं।

विनोद : पलउ क्या होता है ?

नंदलाल : पलउ में सभी के सुख और कल्याण की प्रार्थना की जाती है। अच्छा अब काफ़ी देर हो गई है। अब जाकर सोओ स्कूल में देने से पहले मुझे यह लेख लिखकर दिखाना।

विनोद : अच्छा, दादाजी।

आहिनि। आख़िर में दर्याह जे किनारे पहुची उते बहराणे जी पूजा करे जोति दर्याह मे परवानु कबी आहे। चांवरनि ऐं खंडु जो अखो पाए पलउ पाइबो आहे, ऐं पोइ सभेई जाटी पंहिंजे पंहिंजे घरि मोटी वेंदा आहिनि।

विनोद : पलौ छा थींदो आहे ?

नंदलालु : पलौ में सभनी जे सुख ऐं कल्याण जी प्रार्थना कबी आहे। चङो हाणे चङी देरि थी वेई आहे हाणे वञी सुम्हु। लेखु इस्कूल में ड॒ियण खां पहरीं मूं खे लिखी ड॒खारजांइ।

विनोदु : चङो, बाबा।

آهن. آخر ۾ درياهه جي ڪناري پهچي اُتي بهراڻي جي پوڄا ڪري جوت درياهه ۾ پروان ڪبي آهي. چانورن ۽ کنڊ جو اکو پائي پلءُ پائبو آهي، ۽ پوءِ سڀيئي جاٽي پنهنجي پنهنجي گهر موٽي ويندا آهن.

ونود : پلو ڇا ٿيندو آهي ؟

نندلالُ : پلو ۾ سڀني جي سُک ۽ ڪلياڻ جي پرارٿنا ڪبي آهي. چڱو هاڻي چڱي دير ٿي ويئي آهي هاڻي وڃي سُمهه. ليک اِسڪول ۾ ڏيڻ کان پهرين مون کي لکي ڏيکارجانءِ.

ونودُ : چڱو، بابا.

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌِي
ठंडाई	सुखो	سُکو
भक्ति गीत	पंजड़ा	پَنجڙا
निकालना	कढणु	ڪَڍَڻُ
प्रचलन	रवाजु	رَواجُ
बताशे	पताशा	پَتاشا
डंडे	डोंका	ڏونڪا
आंचल फैलाकर प्रार्थना करना	पलौ पाइणु	پَلَو پائِڻُ
विसर्जन	परवानु	پَروانُ
गूंथना	गोहणु	ڳوهڻُ
यात्री	जाटी	جاتِي

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌِي
गूंथा हुआ	गोहियलु	ڳوهِيَلُ
ज्योति	जोति	جوتِ
जलाना	बारणु	ٻارَڻُ
मिश्री की डली	मिस्रीअ जो संगु	مِصريءَ جو سَنگُ
इलाइची	फ़ोटो	فوٽو
वर्क	वर्कु	وَرقُ
दीपक	डियो	ڏِيو
डोली	डोली	ڏولِي
थाल	थाल्हु	ٿالهُ
एक प्रकार का नृत्य	छेज	ڇيڄ
जोश	जोशु	جوشُ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	سِنڌِي
शुक्ल पक्ष	सहाओ पख	سَهائو پک
द्वितीया	बोज	ٻيِجَ
मनाना	मल्हाइणु	مَلهائِڻُ
कारण	सबबु	سَببُ
फ़सल	फ़सुलु	فَصُلُ
मटकी	कुनड़ी	ڪُنڙِي
सूखा मेवा	सुको मेवो	سُڪو ميوو
मीठे चावल	मिठा चांवर	مِٺا چانور
लाल	गाढ़ो	ڳاڙهو
कपड़े का टुकड़ा	अगड़ी	اَڳڙِي
बांधना	बधणु	ٻَڌَڻُ

I निम्नलिखित वाक्यों का अभ्यास कीजिए।

1 मूं खे पंहिंजी संस्कृतिअ मथां हिकु लेखु लिखण लाइ चयो व्यो आहे।

١. موُن کي پَنهنجي سَنسڪرتيءَ مَٿان هڪُ ليکُ لکَڻ لاءِ چَيو ويو آهي.

2 मूं सोच्यो पिए, त छो न चेटी चंड ते लिखजे।

٢. موُن سوچيو پئي، تہ ڇو نہ چيٽي چَنڊ تي لِکجي.

3 चेटी चंडु चेट महने जे सहाए पख जी ब॒ोज ते मल्हायो वेंदो आहे।

٣. چيٽي چَنڊُ چيٽ مَهني جي سَهائي پَکَ جي ٻيِجَ تي مَلهايو ويندو آهي.

4 उड॒ेरेलाल खे झूलेलाल बि चइबो आहे।

۴. اُڏيرلال کي جهوُليلال بہ چَئِبو آهي.

5 चेटी चंडु कीअं मल्हायो वेंदो आहे ?

۵. چيٽي چَنڊُ ڪيئَن مَلهايو ويندو آهي؟

6 उन्हें में सुको मेवो ऐं मिठाणु विझबो आहे।

٦. اُنهي ۾ سُڪو ميوو ۽ مِٺاڻُ وجهبو آهي.

7 कुनड़ीअ खे ब॒धी पोइ छा कबो आहे ?

٧. ڪُنڙيءَ کي ٻَڌي پوءِ ڇا ڪَبو آهي؟

8 शोभा यात्रा सज॒ शहर में घुमाई वेंदी आहे।

٨. شوڀا ياترا سَڄي شَهر ۾ گهمائي ويندي آهي.

II रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए हुए शब्दों का प्रयोग करते हुए नए वाक्य बनाइए।

1 मूं सोच्यो पिए त छो न चेटी चंड ते <u>लिखज</u>। (लिखयो वञे)

١. موُن سوچيو پئي تہ ڇو نہ چيٽي چَنڊ تي لِکجي. (لِکيو وَڃي)

2 चेटी चंडु चेट जे सहाए पख में <u>मल्हायो वेंदो आहे</u>। (मल्हाइबो आहे)

٢. چيٽي چَنڊُ چيٽ جي سَهائي پَکَ ۾ مَلهايو ويندو آهي. (مَلهائِبو آهي)

3 चेटी चंड वक़्त नओं फ़सुलु <u>कटयो वेंदो आहे।</u> (कटबो आहे)

٣. چيٽي چَنڊُ وَقت نَئون فَصُلُ ڪَٽيو ويندو آهي. (ڪَٽبو آهي)

4 सिंध्युनि में इन्हें ड॒ोंह खां नएं साल जी शुरुआत <u>मञी वेंदी आह</u>। (मञबी आहे)

۴. سِنڌيُن ۾ اِنَ ڏينهَن کان نَئين سال جي شُروُعات مَڃي ويندي آهي. (مَڃبي آهي)

5 कुनड़ीअ में सुको मेवो ऐं मिठाणु <u>विझबो आहे।</u> (विधो वेंदो आहे)

۵. ڪُنڙيءَ ۾ سُڪو ميوو ۽ مِٺاڻُ وجهبو آهي. (وِڌو ويندو آهي)

III कोष्ठक में से उचित वाक्यांश चुनते हुए वाक्यों की पूर्ति कीजिए।

(सजायो वेंदो आहे, मल्हायो वेंदो आहे, बधबो आहे, चइबो आहे, कबी आहे)

(سَجايو ويندو آهي، مَلهايو ويندو آهي، ٻَڌبو آهي، چَئِبو آهي، ڪَبي آهي)

1 चेटी चंड डॉहुं झूलेलाल जो जनम डॉहु ——————।
١. چيٽي چَنڊ ڏينهُن جهوُليلال جو جَنمَ ڏينهُن ------.

2 झूलेलाल खे वरुण देवता जो अवतार ——————।
٢. جهوُليلال کي وَروُڻ ديوتا جو اَوتار --------.

3 कुनड़ीअ खे गाढ़ी अगड़ीअ सां ——————।
٣. ڪُنڙيءَ کي ڳاڙهي اَڳڙيءَ سان --------.

4 जोति सां गडु जल जी पूजा बि ——————।
٤. جوتِ سان گَڏُ جَل جي پوُڄا بِہ ------.

5 चेटीचंड ते बहराणो ——। ٥. چيٽي چَنڊ تي ٻَهراڻو ----.

IV उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : मां लेखु लिखां थो।
लेखु लिख्यो वञे थो।

مِثالُ : مان ليکُ لِکان ٿو.
ليکُ لِکيو وَڃي ٿو.

1 बार अंब खाइनि था। ١. ٻار اَنبَ کائِن ٿا.

2 माण्हू त्योहार ते नवां कपड़ा पाइनि था। ٢. ماڻهوُ تيوهارَ تي نَوان ڪپڙا پائِن ٿا.

3 विनोदु बाबा खां जाण वठे थो। ٣. وِنود بابا کان ڄاڻ وَٺي ٿو.

4 रामु इस्कूल में डाढी महनत करे थो। ٤. رامُ اِسڪوُل ۾ ڏاڍي مَحنَت ڪَري ٿو.

5 शोभा यात्रा सज शहर में घुमंदी आहे। ٥. شوڀا ياترا سَڄي شَهرَ ۾ گهُمَندي آهي.

V उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : मां अंबु कोन खाईंदुसि। مِثالُ : مان اَنبُ ڪونَہ کائيندُس.
मूं खां अंबु कोन खाजदो। مون کان اَنبُ ڪونَہ کاڄندو.

1 रामु वधीक मिठाण कोन खाईंदो आहे। ١. رامُ وَڌيڪ مِٺاڻ ڪونَہ کائيندو آهي.

2 सीता पिक्चर कान डिसंदी आहे। ٢. سيتا پِڪچر ڪانَہ ڏِسَندي آهي.

3 मां हू किताब कोन पढ़ंदुसि। ٣. مان هوُ ڪِتاب ڪونَہ پڙهندُس

4 मोहनु घर में वधीक पैसा — ۴. موھَنُ گھر ۾ وَڌيڪ پَيسا
कोन रखंदो आहे। — ڪونہ رَکَندو آهي.
5 दर्ज़ी एतरो जल्दी कपड़ा — ۵. دَرزِي ايترو جَلدِي ڪپڙا
कोन सिबंदो। — ڪونہ سِبندو.

VI उदाहरण के अनुसार दी हुई कियाओं से व्युत्पन्न संज्ञा शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए।

मिसालु : खपणु खपु — مِثالُ : کَپَڻُ کَپُ
मूं खे वधीक मिठाण जो खपु नाहे। — مون کي وَڌيڪ مِٺاڻ جو کَپُ ناهي.

1 जाणणु 2 डोड़णु — ۱. ڄاڻَڻُ ۲. ڊوڙَڻُ
3 सडणु 4 गाल्हाइणु — ۳. سَڏَڻُ ۴. ڳالهائِڻُ
5 डुकणु — ۵. ڊُڪَڻُ

टिप्पणियां

I सिंधी में अकर्तवाच्य वाक्यों की संरचना किया के रूप को बदलकर होती है। किया में यह परिर्वतन तीन प्रकार से आ सकता है, जैसा कि निम्नलिखित उदाहरणों में देखा जा सकता है।

1 ख़तु लिख्यो वञे थो। — ۱. خَطُ لِکيو وَڃي ٿو.
पत्र लिखा जाता है।
2 ख़तु लिखजे थो। — ۲. خَطُ لِکجي ٿو.
पत्र लिखा जाता है।
3 ख़तु लिखबो आहे। — ۳. خَطُ لِکبو آهي.
पत्र लिखा जाता है।

प्रथम प्रकार की अकर्तृवाच्य संरचना मूल किया में 'ओ' प्रव्यय लगाकर और 'वञणु' का अकर्तृवाच्य चिहनक के रूप में प्रयोग की जाती हैं। दूसरे प्रकार के अकर्तृवाच्य की संरचना मूल किया में '–इजे / –ज' प्रव्यय लगाकर और उपयुक्त काल, संख्या, लिंग आदि सूचक प्रव्यय लगाकर होती है। तीसरे प्रकार के

अकर्तृवाच्य संरचना मूल किया में 'इब' अकर्तृवाच्य चिहनक लगाकर होती है। तीसरे प्रकार की अकर्तृवाच्य संरचना का प्रयोग मुख्यतः वर्तमान और भविष्यकाल में होता है, भूतकाल में नहीं होता, जैसा कि निम्नलिखित उदाहरणों में देखा जा सकता है।

1 सुठी सेहत लाइ सुबुह जो सवेल व्यायामु कबो आहे। ا. سُنيِ صِحتَ لاءِ صُبُحَ جو سَويلَ ويايامُ ڪبو آهي.

2 कंहिं डाँहु तुंहिंजे घरि ज़रुरु अचबो। ٢. ڪَنهِن ڏِينهُن تُنهِنجي گهَرِ ضَرورُ اَچبو.

II विंभिन्न व्याकरणिक कोटियों के शब्द अन्य व्याकरणिक कोटियों से व्युत्पन्न हो सकते हैं। उदारहणतः किया विशेषण या संज्ञा शब्दों से व्युत्पन्न संज्ञा मूल शब्दों में कुछ बदलाव के साथ बनाए जा सकते हैं। सिंधी में इस प्रकार से व्युत्पन्न शब्दों के कुछ उदाहरण देखें।

1 किया से व्युत्पन्न संज्ञाएं

1	पढ़णु	पढ़ाई	پَڙهائيِ	١. پَڙهڻُ
2	खपणु	खपु	کَپُ	٢. کَپَڻُ
3	रहणु	रहणी	رَهڻيِ	٣. رَهَڻُ
4	ज़ाणणु	ज़ाण	ڄاڻَ	٤. ڄاڻَڻُ
5	झूलणु	झूलो	جهوُلو	٥. جهوُلَڻُ
6	सुञाणणु	सुञाणप	سُڃاڻَپ	٦. سُڃاڻَڻُ

2 विशेषणों से व्युत्पन्न संज्ञाएं

1	मिठो	मिठाणु	مِٺاڻُ	١. مِٺو
2	थधो	थधाणि	ٿَڌاڻِ	٢. ٿَڌو
3	गरमु	गर्मी	گَرميِ	٣. گَرمَ
4	सुहणो	सूंह	سونهَن	٤. سُهڻو

3 संज्ञा से व्युत्पन्न संज्ञा शब्द

1	चोरु	चोरी	چوريِ	١. چورُ
2	रांदि	रांदीको	رانديِڪو	٢. راندِ
3	होटलि	होटलवारो	هوٽلوارو	٣. هوٽل
4	दुहलु	दुहिलारी	دُهلاريِ	٤. دُهلُ

1. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उतर दीजिए।

1. विनोद खे कंहिं विषय ते लेखु लिखणो आहे ?

١. وِنودَ کي ڪَنهِن وِشيہ تي ليکُ لِکڻو آهي ؟

2. चेटी चंडु कड़हिं मल्हायो वेंदो आहे ?

٢. چيٽِي چَنڊُ ڪَڏهِن مَلهايو ويندو آهي ؟

3. चेटी चंड जी कहड़ी अहमियत आहे ?

٣. چيٽِي چَنڊَ جِي ڪَهڙِي اَهمِيتَ آهي ؟

4. चेटी चंड जी डोली कीअं सजाइबी आहे ?

۴. چيٽِي چَنڊ جِي ڏولِي ڪيئَن سَجائِبِي آهي ؟

5. सेसा में छा छा हूंदो आहे ?

٣. سيسا ۾ ڇا ڇا ھوندو آھي ؟

____

6. चेटी चंड जी शोभायात्रा किथे किथे वेंदी आहे ?

٦. چيٽي چنڊ جي شوڀا ياترا ڪٿي ڪٿي ويندي آھي ؟

____

7. दर्याह जे किनारे छा कबो आहे ?

٧. درياه جي ڪناري ڇا ڪبو آھي ؟

____

____

8. पलउ पाइणु छा थींदो आहे ?

٨. پلءُ پائڻُ ڇا ٿيندو آھي ؟

____

____

2. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : रामु कमु करे थो।

कमु कयो वञे थो।

مِثالُ : رامُ ڪمُ ڪري ٿو.

ڪمُ ڪيو وڃي ٿو.

1. राधा फल खाए थी।

١. راڌا ڦَلَ کائي ٿِي.

2. मोहनु लेखु लिखे थो।

٢. موهَنُ ليکُ لِکي ٿو.

3. दीपकु ॿारनि खे पढ़ाए थो।

٣. دِيپڪُ ٻارَنِ کي پَڙهائي ٿو.

4. राधा पुट खे सुम्हारे थी।

۴. راڌا پُٽَ کي سُمهاري ٿِي.

5. मीरां सेसा विरहाए थी।

۵. مِيران سيسا وِرهائي ٿِي.

3. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : मां अंबु खाईंदुसि

अंबु खाइबो।

مِثالُ : مان اَنبُ کائِيندُسِ.

اَنبُ کائِبو.

1. मोहनु उर्दू सिखंदो।

١. موهَنُ اُردوءُ سِکَندو .

______________________________ ------------------------------

2. मीरां शाम जो बज़ारि वेंदी।

٢. مِيران شامَ جو بَزارِ ويندِي.

______________________________ ------------------------------

3. राधा अॼु पिक्चर डिसंदी।

٣. راڌا اَڄُ پِڪچر ڏِسندِي.

______________________________ ------------------------------

4. मां अॼु ज़रूरि शीला वटि वेंदसि।

٤. مان اَڄُ ضَرورُ شيِلا وَٽِ ويندَس.

______________________________ ------------------------------

5. असां कॾहिं तव्हां जे घरि ईंदासीं।

٥. اَسان ڪَڏهِن توهان جي گهرِ ايندا سِين.

______________________________ ------------------------------

4. उदहारण के अनुसार वाक्य बदलिए।

मिसालु : रामु वधीक तेज़ि नथो हली सघे।

राम खां वधीक तेज़ि नथो हल्यो वञे।

مِثالُ : رامُ وَڏيڪ تيزِ نَہ تو هَلي سَگهي.

رامَ کان وَڏيڪ تيزِ نَٿو هَليو وَڃي.

1. बार देरि ताईं न था जागो सघनि।

۱. ٻارَ ديرِ تائين نَہ ٿا جاڳِي سَگهنِ

2. मां वधीक मिठाणु न थो खाई सघां।

۲. مان وَڏيڪ مِٺاڻُ نَہ ٿو کائي سَگهان.

3. गीता ज़ोरि सां न थी गाल्हाए सघे।

۳. گِيتا زورُ سان نَہ ٿِي ڳالهائي سَگهي.

4. बाबा वधीक कमु न था करे सघनि।

۴. بابا وَڏيڪ ڪَمُ نَہ ٿا ڪَري سَگهنِ.

5. मीरां उस में बाहिरि न थी घुमी सघे।

۵. مِيران اُسَ ۾ ٻاهِرِ نَٿي گُهمِي سَگهي.

5. उदाहरण के अनुसार दिए हुए विशेषणों से व्युत्पन्न संज्ञा शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए।

मिसालु : मिठो मिठाणु

मू खां वधीक मिठाणु नथो खाधो वञे।

مِثالُ : مِٺو مِٺاڻُ

مونَ کان وَڏيڪ مِٺاڻُ نَہ ٿو کاڌو وَڃي.

1. कोसो	١. ڪوسو
2. थधो।	٢. ٿڌو
3. कारो	٣. ڪارو
4. चहरो।	۴. چَهرو
5. पीलो	۵. پيِلو

पाठ 25

मुखिया से साक्षात्कार

पत्रकार : श्रीमान! राम राम।

मुखिया : राम राम श्रीमान आइए आइए आपका स्वागत है।

पत्रकार : श्रीमान आज मैं अपने समाचारपत्र के लिए आपसे साक्षात्कार लेने आया हूं।

मुखिया : अरे श्रीमान! मुझसे क्या साक्षात्कार लेंगे?

पत्रकार : क्यों श्रीमान। आप तो सेंट्रल पंचायत के मुखिया हैं। अच्छा ये बताइए कि आप कितने गावो के मुखिया है ?

मुखी : श्रीमान, मैं मुखिया तो एक ही गांव का हूं परंतु क्या है जो गांव बड़ा होने के कारण हर मुहल्ले की छोटी छोटी पंचायतें बनाई गई हैं। इस तरह से बाईस पंचायतें हैं जिनकी

सबकु 25

मुखीअ सां मुलाकात

अख़बार नवीसु : साईं रामु रामु!

मुखी : रामु रामु साईं। अचो, अचो तव्हां जी मरहबा आहे।

अख़ : साईं! अॼु मां पंहिंजे अख़बार लाइ तव्हां सां मुलाक़ात करण आयो आहयां।

मुखी : अड़े साईं, मूं सां छा मुलाकात कंदा ?

अख़ : छो साईं, तव्हां त सेंट्रल पंचाइत जा मुखी आहयो। अछा इहो ॿधायो त तव्हां घणनि ॻोठनि जा मुखी आहयो ?

मुखी : साईं, मां मुखी त हिक ई ॻोठ जो आहयां। पर छाहे जो ॻोठु वॾो हुअण करे हर पाड़े जूं नंढियूं नंढियूं पंचाइतयूं ठाहयूं वयूं आहनि। इन तरीक़े सां ॿावीह पंचाइतयूं आहिनि जिनजी हिक

سَبَقُ ٢٥

مُکيءَ سان مُلاقات

اَخبار نَويسُ : سائِين رامُ رامُ !

مُکِي : رامُ رامُ سائِين. اَچو، اَچو تَوهان جي مَرحبا آهي.

اَخ : سائِين! اَڄُ مان پَنهنجي اَخبارَ لاءِ تَوهان سان مُلاقات ڪَرَڻُ آيو آهيان.

مُکِي : اَڙي سائِين، مُون سان ڇا مُلاقاتَ ڪَندا ؟

اَخ : ڇو سائِين، تَوهان تَہ سينٽرل پَنچائِت جا مُکِي آهيو. اَچا اِهو ٻُڌايو تَہ تَوهان گهڻنِ ڳوٺَنِ جا مُکِي آهيو؟

مُکِي : سائِين، مان مُکِي تَہ هِڪ ئِي ڳوٺَ جو آهيان. پَر ڇاهي جو ڳوٺُ وَڏو هُئَڻَ ڪَري هَر پاڙي جُوں نَنڍيُوں نَنڍيُوں پَنچائِتيُوں ٺاهيُوں وَيُوں آهِنِ. اِنهي طَرِيقي سان ٻاويهَہ پَنچائِتيُوں آهِنِ

एक सेंट्रल पंचायत है उसका मुझे मुखिया चुना गया है।

पत्रकार : आप इन पंचायतों के लिए क्या करते हैं ?

मुखिया : हर मुहल्ले की पंचायत अपनी हर प्रकार की सामाजिक राजनैतिक और आर्थिक समस्याओं पर ध्यान देती हैं। जब उनके वश के परे की बात होती है तब हमारे पास आते हैं। हम उनका फैसला सरलता से कर देते हैं।

पत्रकार : सभी पंचायते आपस में मिलती भी होंगी ?

मुखिया : हां, हम साल में एकबार ज़रुर मिलते हैं। हर साल एक उत्सव कराते है जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतियोगिता वगैरह करवाते हैं। सबसे बड़ी आयु वाले एक पुरुष और एक स्त्री का सम्मान किया

सेंट्रल पंचाइत आहे तंहिंजो मूं खे मुखी चूंडयो व्यो आहे।

अख़ : तव्हां इन्हनि पंचाइतुनि लाइ छा कंदा आहयो?

मुखी : हर पाड़े जी पंचाइत पंहिंजी हर तरह जी सामाजिक सियासी ऐं माली हालतुनि ते ग़ौरु कंदी आहे। जड॒हिं उन्हनि जे वस खां परे जी ग॒ाल्हि थींदी आहे तड॒हिं असां वटि ईंदा आहिनि। असां उन्हे जो निबेरो सवलाईअ सां करे छड॒ांदा आहयूं।

अख़ : सभेई पंचाइतयूं पाणमें गडि॒जंदयूं बि हूंदयूं ?

मुख़ी : हा, असीं साल में हिकु दफो ज़रुर मिलंदा आहयूं। हर साल हिकु जलसो कराइंदा आहयूं। जंहिं में तहज़ीबी प्रोग्राम चटाभेटी वग़ैरह करारांइदा आहयूं। सभनी खां वड॒ो उमिर वारे हिक मर्द ऐं हिक ज़ाल जी आजयां

جنجي هڪ سينٽرل پنچائت آهي تنهنجو مون کي مُکي چونڊيو ويو آهي.

اَخ : توهان انهن پنچائتن لاءِ ڇا ڪندا آهيو؟

مُکي : هر پاڙي جي پنچائت پنهنجي هر طرح جي ساماجڪ سياسي ۽ مالي حالتن تي غورُ ڪندي آهي. جڏهن انهن جي وس کان پري جي ڳالهه ٿيندي آهي تڏهن اسان وٽ ايندا آهن. اسان انهي جو نبيرو سولائيءَ سان ڪري ڇڏيندا آهيون.

اَخ : سڀئي پنچائتيون پاڻ ۾ گڏجنديون به هونديون ؟

مُکي : ها، اسين سال ۾ هڪ دفعو ضرور ملندا آهيون. هر سال هڪ جلسو ڪرائيندا آهيون. جنهن ۾ تهذيبي پروگرام چٽاپيٽي وغيره ڪرارائيندا آهيون. سيني کان وڏي عمر واري هڪ مرد ۽ هڪ زال جي آجيان ڪئي

जाता है। अंत में मुख्य अतिथि के हाथों पुरुस्कार दिलवाते हैं। चाय पानी से उत्सव का समापन होता है।

पत्रकार : और क्या होता है, श्रीमान ?

मुखिया : इसके अलावा एक बैठक रखते हैं जिसमें एक दूसरे की समस्याओं से परिचित होकर जिसे जिस सहायता की आवश्यकता होती है उसे वैसी सहायता दी जाती है।

पत्रकार : आपकी पंचायत ने कौन कौन से काम किए हैं ?

मुखिया : हमारी पंचायत ग़रीबों, बूढ़ों और विधवाओं को आर्थिक मदद करती है। हमने स्कूल और अस्पताल बनवाए हैं। बहोत पंचायती धर्मशालाएं बनवाई है। जहां शादी, मुंडन, ग़मी वग़ैरह कार्य होते हैं।

पत्रकार : अच्छा, मैंने आपका अमूल्य समय लिया उसके लिए बहुत शुक्रिया।

कई वेंदी आहे। आखिर में मुख्य मेहमान हथां इनाम ड॒ियाराइंदा आहयूं। चांहि पाणीअ सां जलसे जी पछाड़ी थींदी आहे।

अख़ : ब्॒यो छा थींदो आहे, साईं ?

मुखी : इन्हे खां सवाइ हिक गड॒जाणी रखंदा आहयूं जंहिं में हिक ब॒िए जी हालतुनि खां वाकुफ़ थी जंहिं खे जहड़ी मदद जी घुरज थींदी आहे, तंहिं खे तहड़ी मदद ड॒िनी वेंदी आहे।

अख़ : तव्हांजी पंचाइत कहड़ा कहड़ा कम कया आहिनि ?

मुखी : असांजी पंचाइत ग़रीबनि ब॒ढनि ऐं विधवाउनि खे माली मदद कंदी आहे। असां इस्पतालूं ऐं इस्कूल ठहराइया आहिनि। घणेई पंचाइती धर्मशालाऊं ठहरायूं आहिनि। जिते शादी, मुनण, ग़मी, वग़ैरह जा कारज थींदाआहिनि।

अख़ : चङो मूं तव्हां जो अमोलक वक़्तु वर्तो तंहिं लाइ वड॒ो महरबानी।

ويندي آهي. آخر ۾ مُکيہ مَهمانَ هٿان اِنعامَ ڏِيارائيندا آهيوُن. چانهہ پاڻيءَ سان جَلسي جي پَڇاڙِي ٿيندي آهي.

اَخَ : ٻيو ڇا ٿيندو آهي، سائين ؟

مُکي : اِنهي کان سَواءِ هِڪ گَڏجاڻي رَکندا آهيوُن جَنهِن ۾ هِڪ ٻِئي جي حالتُنِ کان واقُف ٿي جَنهِن کي جَهڙِي مَدد جي گُهرِج ٿيندي آهي، تَنهِن کي تَهڙِي مَدد ڏِني ويندي آهي.

اَخَ : تَوهانجي پَنچائِت ڪَهڙا ڪَهڙا ڪَم ڪَيا آهِنِ ؟

مُکي : اَسانجي پَنچائِت غَريبَنِ ٻُڍَنِ ۽ وِڌوائُنِ کي مالِي مَدد ڪَندي آهي. اَسان اِسپتالوُن ۽ اِسڪوُل ٺهرائِيا آهِنِ گَهڻيئي پَنچائتي ڌَرمشالائوُن ٺَهرايوُن آهِنِ. جِتي شادِي، مُنڻ، غَمِي، وَغيَرهہ جا ڪارجَ ٿيندا آهِنِ.

اَخَ : چَڱو موُن تَوهان جو اَمولَڪ وَقُت وَرتو تَنهِن لاءِ وَڏِي مَهرباني.

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिन्धी
दिलवाना	डियाराइणु	ڏيارائِڻُ
समापन	पछाड़ी	پڇاڙِي
बैठक	गडिजाणी	گَڏجاڻِي
परिचित	वाकुफ़	واقُفُ
बनवाना	ठहराइणु	ٺهرائِڻُ
अस्पताल	इस्पताल	اِسپتال
मुंडन	मुनणु	مُنَڻُ
(शुभ) कार्य	कारिज	ڪارِج
अमूल्य	अमोलकु	اَمولڪُ

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिन्धी
वश	वस	وَس
फैसलो	निबेरो	نبيرو
सरलता से	सवलाईअ सां	سَوَلائيءَ سان
मिलना	गडिजणु	گَڏِجَڻُ
कराना	कराईंदा	ڪرائيندا
सांस्कृतिक	तहज़ीबी	تَهذِيبِي
प्रतियोगिता	चटाभेटी	چَٽاڀيٽِي
सनमान	आजयां	آجيان

शब्दार्थ

हिन्दी	देवनागरी	सिन्धी
मुखिया	मुखी	مُکِي
साक्षात्कार	मुलाक़ात	مُلاقاتَ
पत्रकार	अख़बार नवीस	اَخبار نَويس
स्वागत	मरहबा	مَرحبا
गांव	गोठु	ڳوٺُ
मुहल्ला	पाड़ो	پاڙو
चुनना	चूंडणु	چوُنڊڻُ
ध्यान	ग़ौरु	غَورُ

I पाठ के आधार पर कोष्ठक में से सही शब्द चुनते हुए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1 मां तव्हां सां मुलाक़ात ——— आयो आहयां। (वठण, डि॒यण, करण)

١. مان تَوهان سان مُلاقات ------- آيو آهيان. (وَٺڻ، ڏِيَڻ ، ڪَرَڻ)

2 पंचाइत पंहिंजे पाड़े जे हालतुनि ते ग़ौरु ——— आहे। (कंदी, डीं॒दी, वठंदी)

٢. پَنچائت پَنهنجي پاڙي جي حالَتُنِ تي غَورُ ----- آهي. (ڪندي، ڏيندي، وَٺندي)

3 असां निबेरो सवलाईअ सां करे ——— आहयूं। (छडीं॒दा, डीं॒दा, वेंदा)

٣. اَسان نِبيرو سَوَلائيءَ سان ڪَري --------- آهيون. (ڇڏيندا، ڏيندا، ويندا)

4 हर सालु हिकु जलसो ——— आहयूं। (कंदा, कराईदा, मल्हाईंदा)

٤. هَر سالُ هِڪُ جَلسو ---- آهيون. (ڪندا، ڪَرائيندا، مَلهائيندا)

5 वडो॒ उमरि वारे हिक मर्द ऐं ज़ाल जी आजयां ——— वेंदी आहे। (कई, डि॒नी, वर्ती)

٥. وَڏي عُمرِ واري هِڪ مَرد ۽ زالَ جي آجيان--- ويندي آهي. (ڪَئي، ڏِني، وَرتِي)

6 चांहि पाणीअ सां जलसे जी पछाड़ी ——— आहे। (कबी, हूंदी, थींदी)

٦. چانهِه پاڻيءَ سان جَلسي جي پَڇاڙي ----- آهي. (ڪَبي، هوندِي، ٿِيندي)

II उदाहरण के अनुसार किया रूप बदलिए।

मिसालु : करणु = कराइणु = कराराइणु   مِثالُ : ڪَرَڻُ = ڪَرائِڻُ = ڪَرارائِڻُ

1 डि॒यणु 2 रखणु 3 ठहणु 4 चवणु 5 घुरणु

١. ڏِيَڻُ ٢. رَکَڻُ ٣. ٺَهَڻُ ٤. چَوَڻُ ٥. گُهرَڻُ

III उपयुक्त शब्द का प्रयोग करते हुए वाक्यों को जोड़िए ?

1 अछा, इहो ब॒धायो। तव्हां घणनि गो॒ठनि जा मुखी आहयो ?

١. اَڇا، اِهو ٻُڌايو. تَوهان گَهڻن ڳوٺَنِ جا مُکي آهيو ؟

2 बा॒वीह पंचाइतयुनि जी हिक सेंट्रल पंचायइत आहे। मूं खे मुखी चूंड॒यो व्यो आहे।

٢. ٻاويهَہ پَنچائتِيُن جي هِڪ سينٽرلَ پَنچائِت آهي. مُون کي مُکي چونڊيو ويو آهي.

3 उन्हनि जे वस खां परे जी

٣. اُنهَنِ جي وَس کان پَري جي

ग॒ाल्हि थींदी आहे। असां वटि	ڳالهه ٿيندي آهي. اَسان وَٽِ
ईंदा आहिनि।	ايندا آهِن.
4 हिक गडुजाणी रखाराईदा	۴. هِڪ گَڏجاڻِي رکارائيندا آهيوُن.
आहयूं। हिक बि॒ए जी हालतुनि	هِڪ ٻِئي جي حالَتُنِ کان واقُفُ
खां वाकुफ थींदा आहयूं।	ٿيندا آهيوُن.
5 मूं तव्हां जो अमोलक वक़्तु	۵. موُن تَوهان جو اَمولڪ وَقتُ وَرتو
वर्तो। वडो॒ महरबानी।	وَڏِي مَهرباني.

IV उदाहरण के अनुसार शब्द बनाइए।

मिसालु : चोरु = चोरी, | مِثالُ : چورُ = چوري

साफु = सफ़ाई | صافُ = صَفائي

1	मास्तरु	6	नरमु	نَرَمُ	٦	ماستَرُ	١.
2	नौकरु	7	गरमु	گَرَمُ	٧	نوڪَرُ	٢.
3	फ़कीरु	8	मज़बूतु	مَضبوُطُ	٨	فَقيرُ	٣.
4	ठगु	9	भलो	ڀَلو	٩	ٺَڳُ	۴.
5	डाक्टर	10	बुरो	بُرو	١٠	ڊاڪٽَر	۵.

V उदाहरण के अनुसार शब्द बनाइए।

मिसालु : 1 पढ़णु = पढ़ाई | مِثالُ : ١. پَڙهڻُ = پَڙهائي

2 मिठो = मिठाणु | ٢. مِٺو = مِٺاڻُ

1	लिखणु	1	फिको	١. ڦڪو	لِکَڻُ	١.
2	चढ़णु	2	थधो	٢. ٿَڌو	چَڙهڻُ	٢.
3	लड़णु	3	अछो	٣. اَڇو	لَڙَڻُ	٣.
4	सिबणु	4	मेरो	۴. ميرو	سِبَڻُ	۴.
5	धुअणु	5	कारो	۵. ڪارو	ڌُئَڻُ	۵.

VI उदाहरण के अनुसार किया रूप बदलिए।

मिसालु : लिखां थो।	مِثالُ : لِکان ٿو
लिखजे थो।	لِکجي ٿو.
लिखयो वञे थो।	لِکيو وَڃي ٿو.
लिखबो आहे।	لِکبو آهي.

1	पढ़ां थो।	١. پَڙهان ٿو.
2	कयाँ थो।	٢. ڪَريان ٿو.
3	डि॒यां थो।	٣. ڏِيان ٿو.
4	वठां थो।	۴. وَٺان ٿو.
5	हणां थो।	۵. هَڻان ٿو.

1. दिए गए सिंधी शब्दों के उचित अर्थ को रेखांकित कीजिए।

पैदा	जमना	पैदा हों	जमनि	۱. جَمَنِ
शिक्षा	उपदेश	नसीब	नसीहत	۲. نَصيحت
संभलना	तैयार होना	संभालना	संभिरणु	۳. سَنڀِرڻُ
अपनी	उनकी	इसकी	संदनि	۴. سَندنِ
के संबंध में	बाबा	संबंध	बाबति	۵. بابَتِ
उपभोग	भोगना	भोग	भोगणु	۶. ڀوڳڻُ
वार्तालाप	बातचीत	बातें	गुफ़्तगु	۷. گُفتَگوُ
सांस	सास	सास	ससु	۸. سَسُ
घोटना	घोट	पति	घोटु	۹. گهوٽُ
ननंद	आनंद	निराला	निराण	۱۰. نِراڻَ
हाथ बांटना	हाथ बंटाना	हाथ बढ़ाना	हथ वठाइणु	۱۱. هٿ وَٺائڻُ
रोगी	रोग	सिर्फ़	रुगो	۱۲. رُڳو
आश्रित होना	आश्रय	आश्रम	भाड़णु	۱۳. ڀاڙڻُ
सांप्रदायिकता	सांप्रदायिक	राष्ट्रीय	क़ौमी	۱۴. قَومِي
एक	एकता	एकीकरण	एको	۱۵. ايڪو
डील	छूट	ढीला	ढिल	۱۶. ڍِلَ

चकराना	चकरा	चक्कर	चकरु	١٧ چَڪَرُ
गहने	चूड़ी	गहना	ग॒ह	١٨. ڳَهه
सुरमा	काजल	सुरमेदानी	आनड़ो	١٩. آنڙو
प्रोजेक्ट	प्रयोजन	योजना	प्राजेक्टु	٢٠. پراجيڪٽُ
सफलता	रक्षा	सुरक्षा	हिफ़ाज़त	٢١. حِفاظَتَ
सूखा	सूखना	सोकना	सोकि	٢٢. سوڪَ
यात्री	जाति	जल्दी	जाटी	٢٣. جاٽي
प्रसन्न	परसाद	सेवा	सेसा	٢٤. سيسا

2. दिए गए हिंदी शब्दों के उचित अर्थ को रेखांकित कीजिए।

1.	नॉड़ेदानी	अग॒ठकानी	आनड़ो	अग॒ठु	اَڱُٺُ	آنڙو	اَڱُٺڪاني
2.	पहचाना हुआ	डिठलुवाइठलु	सुञातलु	डि॒ठलु	ڏِٺَلُ	سُڃاتَلُ	ڏِٺلُ وائِلُ
3.	सूटकेस	अटैची	पेटी	पेती	پيتي	پيٽي	اَٽيچي
4.	सीना	सिबणु	सिबु	सिबाइणु	سِبائِڻُ	سِبُ	سِبَڻُ
5.	जाति	कौमी	कौम	जात	جاتَ	قَومَ	قومي
6.	दहीं	ड॒ध	खीरु	ड॒ही	ڏهي	کِيرُ	ڏُڌ
7.	राजनीति	सियासी	रियासत	सियासत	سِياسَت	رِياسَت	سِياسي
8.	माहौल	माहोलु	महलु	वातावरणु	واتاوَرڻُ	مَحَلُ	ماحولُ
9.	फुर्सत	वांदकाई	फुर्सत	वांदो	واندو	فُرصَت	واندڪائي

10.	बैठक	बैठक	गड्जाणी	मीटिंग	مِيٽنگ	گڏجاڻي	بيٺڪ
11.	बोझ	बारु	बोझु	बाझ	باجھ	بوجُھ	بارُ
12.	याचक	मंगतो	घुरिजाऊ	बिखशि	بِکش	گھُرجائوُ	مَنگتو
13.	कदम	पेरु	क़दमु	क़दु	قَدُ	قَدَمُ	پيرُ
14.	नाक	कनु	नकु	नुख	نُک	نَکُ	کَنُ
15.	अंतर	फ़र्कु	फ़िरको	अंदरु	اَندرُ	فِرکو	فَرقُ
16.	कहीं से	किथे	किथां	केड़ांहु	کيڏانھن	ڪِٿان	ڪِٿي
17.	तुम्हारा पति	घोटु	घोटई	मुड़सु	مُڙسُ	گھوٽئِن	گھوٽُ
18.	आदमी	माण्हू	भाई	मर्दु	مَردُ	ڀائي	ماڻھوُ
19.	खिलौने	रांदि	रांदीका	रांदीको	رانديڪو	رانديڪا	راندِ
20.	महत्व	अहमियत	अहम्	ओम	اوم	اَهمَ	اَهميَت
21.	संतुलन	संतुलनु	संतोषु	संदलु	سندلُ	سَنتوشُ	سَنتُلَنُ
22.	सुंदरता	सूंहं	सुठो	सोनो	سونو	سُٺو	سونھَن
23.	फ़सल	फथलु	फसणु	फ़सुलु	فَصُلُ	ڦَسڻُ	ڦَٿلُ
24.	जोश	होशु	जोशु	ज़ोरि	زورِ	جوشُ	هوشُ

3. दिए गए वाक्यों को जोड़ने वाले उचित संयोजक को रेखांकित कीजिए।

1. मां स्टेशनि ते पहुतसि। गाडो हलण लगी। (त, जेका, जा)

١. مان اِسٽيشنِ تي پُهتس. گاڏي هلَڻ لڳي. (تہ، جيڪا، جا)

2. फ़िल्म जी आखाणी सुठी हुई। अदाकारी बि सुठी हुई। (त, ऐं, जेका,)

٢. فِلم جي آکاڻي سُٺي هُئي. اَداڪاري بہ سُٺي هُئي. (تہ، ۽، جيڪا)

3. तूं आगरा अचु। मां मैसूर अचां। (ऐं, या, त)

٣. توُن آگرا اَچُ. مان مَيسوُر اَچان. (۽، يا، تہ)

4. अशोक कुल्फ़ी खाधी। कुल्फ़ीअ में पिस्ता प्यल हुआ।
(जेका, जहिंमें, जीअं)

۴. اَشوڪ ڪُلفي کاڌي. ڪُلفيءَ ۾ پِستا پيَل هُئا.
(جيڪا، جَنهِن ۾، جيئَن)

5. राम खे हिक धीअ हुई। धीअ ॾाढी मोटी हुई।
(जेके, जेका, जेकी)

۵. رامَ کي هِڪ ڌيءَ هُئي. ڌيءَ ڏاڍي موٽي هُئي.
(جيڪي، جيڪا، جيڪي)

6. गीता कलकते व्यल आहे। शादीअ ते न अची सघी।
(इन्हे करे, जीअं,त)

٦. گيتا ڪَلڪتي ويَل آهي. شاديءَ تي نَچي نہ سَگهي.
(اِنهي ڪَري، جيئَن، تہ)

7. तूं छा प्यो सोचीं। कम ते ध्यानु नथो ॾीं। (जेकर, जेका, जो)

٧. توُن ڇا پيو سوچين. ڪَمَ تي ڌيانُ نَٿو ڏين. (جيڪَرَ، جيڪا، جو)

8. सुरेशु देरि सां उथ्यो। इस्कूल में लेट थी व्यो।
(जीअं, जंहिं में, जंहिं करे)

٨. سُريشُ ديرِ سان اُٿيو. اِسڪوُل ۾ ليٽَ ٿي ويو.
(جيئَن، جَنهِن ۾، جَنهِن ڪَري)

9. हिकड़ो बीमारु थिए थो। ॿ्यो बि बीमारु थी पवे थो। (त, जेकर, जो)

٩. هِڪڙو بيمارُ ٿئي ٿو. ٻيو بہ بيمارُ ٿي پَوي ٿو. (تہ، جيڪَر، جو)

10. नाले सां लॻ थो। इहा फिल्म छोकरयुनि जे ॼमण मथां आहे।
(ॼे, त, यां)

١٠ نالي سان لَڳي ٿو. اِها فِلمر ڇوڪريُنِ جي ڄَمَڻ مَٿان آهي.
(جي، تہ، يا)

11. नंढे में नंढी ॻाल्हि हूंदी हुई। मर्दनि खां पुछणी पवंदी हुई।
(त, त बि, जे)

١١ نَنڍي ۾ نَنڍي ڳالهِہ هوُندي هُئي. مَردنِ کان پُڇڻي پَوَندي هُئي.
(تہ، تہ بہ، جي)

12. किशोर रांदि प्यो करे। राणी टी,वी पेई ॾिसे। (त, ऐं, या)

١٢ ڪِشور راندِ پيو ڪَري. راڻي ٽي.وي پيئي ڏِسي. (تہ، ۽، يا)

4. दिए वाक्यों को जोड़ने वाले उचित संयोजकों को रेखांकित कीजिए।

1. मीरां बा॒रनि खे विहारींदी। गीता ड्रामो डि॒सण वेंदी।
(जे –– त––, जीअं –– तिअं, जेतोणीक)
2. रमेशु आगरा वेंदो। ताजमहल ज़रूर डि॒संदो।
(जड॒हिं कि –– तड॒हिं बि, जड॒हिं कि –– त बि, जड॒हिं –– त बि)
3. सोनू पढ़ी लिखी कुझु ठहे। पीउ सां गडु॒ कमु करे।
(जीअं –– तीअं, जड॒हिं –– तड॒हिं, या त ––– या)
4. वडा॒ चवंदा। नंढा मञंदा। (जीअं जीअं –– तीअं तीअं,
जहिं जहिं–– तहिं तहिं, जहिं –– तंहिं)
5. मोहन घरु ठहराइंदो। पार्टी डींदो। (जिति जिति –– तित तित,
जड॒हिं –– तड॒हिं, जिते जिते –– उते उते)
6. रामु न इंदो। माणसि खे निंड न इंदी। (जड॒हिं –– तड॒हिं,
जेसीं –– तेसीं, जेकर –– त बि)
7. तोखे वञणो आहे। मूं खे हलणो आहे। (जेडां॒हु –– तेडा॒हु,
जंहिं –– तंहिं, जड॒हिं कि –– त बि)
8. रामु राति जो टी.वी डि॒से हां। सुबुह जो सवेल उथी न सघे हा।
(जिते –– उते, जे –– त, जीअं –– तीअं)

١. مِيران ٻارنِ کي وِهاريندِي. گيتا ڊرامو ڏِسڻ ويندِي.
(جي -- تہ، جيئَن -- تِئَن، جيتوڻيڪ)
٢. رَميشُ آگرا ويندو. تاج مَحلُ ضرورُ ڏِسَندو.
(جَڏِهن ڪِ -- تَڏِهن بہ، جَڏِهن ڪِ -- تہ بِہ، جَڏِهن -- تَڏِهن)
٣. سونوُ پَڙهِي لِکِي ڪُجهہ ٺَهي. پيءُ سان گڏُ ڪَمُ ڪَري.
(جيئَن -- تيئَن، جَڏِهن -- تَڏِهن، يا تہ -- يا)
۴. وَڏا چوَندا. ننڍا مَڃيندا. (جيئَن جيئَن -- تيئَن تيئَن،
جَنهِن جَنهِن -- تَنهِن تَنهِن، جَنهِن -- تَنهِن)
۵. موهَنُ گهرُ ٺَهرائيندو. پارٽِي ڏيندو. (جِت جِت -- تِت تِت،
جَڏِهن -- تَڏِهن، جِتي جِتي -- اُتي اُتي)
٦. رامُ نہ ايندو. ماڻِس کي ننڊ نہ ايندِي. (جَڏِهن -- تَڏِهن،
جيسِين -- تيسِين، جيڪَر -- تہ بِہ)
٧. توکي وَڃڻو آهي. موُن کي هَلڻو آهي. (جيڏاهُن -- تيڏاهُن،
جَنهِن -- تَنهِن، جَڏِهن ڪِ -- تہ بِہ)
٨. رامُ راتِ جو ٽِي.وِي ڏِسي ها. صُبُحَ جو سَويل اُٿِي نہ سَگهي ها.
(جِتي -- اُتي، جي -- تہ، جيئَن -- تيئَن)

5. वाक्य की पूर्ति करने वाले उचित शब्द को रेखांकित कीजिए।

1. मीना मानी खाई —— हुई। (ड॒िनी, वर्ती, निकरी)
2. सतीशु घरां निकरी —— आहे। (चुको, सघी, छड॒यो)
3. दर्ज़ीअ कपड़ा सुबी —— हुआ। (चुको, सघियो, वर्ता)
4. सुरेश ख़तु पोस्ट करे —— हो। (आयो, वर्ती, ड॒िनो)
5. योगीता खे घणेई ईनाम मिली —— आहिनि। (आया, सघया, चुका)
6. सभा में विदवाननि जी आजयां —— वेई। (कई, ड॒िनी, वर्ती)
7. मुलाकाति करण जी कहड़ी घुरिज —— अथव। (हुई, थी, कई)
8. घणनी मसैलनि जो निबेरो करे —— हुओ।
   (छड॒यो, चुको, ड॒िनो)
9. हेठि ड॒िनल जुमलनि ते ग़ौरु ——। (कंदा, छिकींदा, वठंदा)
10. शीला घोटसि खां —— आहे। (चयो, चवायो, चवणु)
11. मूं खे दर्ज़ीअ खां कपड़ा —— आहिनि। (सिबणु, सिबाइणा, सिबिणा)
12. तोखे सभु कमु कराए —— अथेई। (वठणो, वठाइणो, वठणु)
13. नरेश मीरां खे शीला जे घरि ——।
    (पहुचायो, ड॒खारयो, मोकलारायो)
14. मूं मोहन खां सोहन खे ख़तु ——। (लिख्यो, लिखायो, लिखारायो)

۱. مِينا مانِي کائِي --- هُئِي. (ڏِني، وَرتِي، نِڪرِي)
۲. سَتِيشُ گهران نِڪرِي --- آهي. (چُڪو، سَگهِي، ڇَڏيو)
۳. دَرزِيءَ ڪَپڙا سُبِي ---- هُئا. (چُڪو، سَگهيو، وَرتا)
۴. سُريش خَطُ پوسٽ ڪَري ---- هو. (آيو، وَرتِي، ڏِني)
۵. يوگِيتا کي گهڻيئِي اِنعام مِلِي ---- آهِنِ. (آيا، سَگهيا، چُڪا)
٦. سَڀا ۾ وِدوانِنِ جِي آجيان ---- ويئِي. (ڪَئِي، ڏِني، وَرتِي)
۷. مُلاقاتِ ڪَرَڻ جِي ڪَهڙِي گُهرِجَ ---- اَٿَوَ. (هُئِي، ٿِي، ڪَئِي)
۸. گهڻنِ ئِي مَسئلَنِ جو نِبيرو ڪَري ---- هُئو.
(ڇَڏيو، چُڪو، ڏِنو)
۹. هيٺِ ڏِنل جُملنِ تي غَورُ ----. (ڪَندا، ڇِڪيندا، وَٺَندا)
۱۰. شِيلا گهوٽس کان ---- آهي. (چَيو، چَوايو، چَوَڻُ)
۱۱. مُون کي دَرزِيءَ کان ڪَپڙا ---- آهِنِ. (سِبڻُ، سِبائِڻا، سِبڻا)
۱۲. توکي سَڀُ ڪَمُ ڪَرائي --- اَٿيئِي. (وَٺڻو، وَٺائِڻو، وَٺڻُ)
۱۳. نَريش مِيران کي شِيلا جي گهرِ ----.
(پَهُچايو، ڏيکاريو، موڪلارايو)
۱۴. مُون موهَنَ کان سوهَن کي خَطُ ----. (لِکيو، لکايو، لِکارايو)

6. 'करे' के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले उचित किया रूपों को रेखांकित कीजिए।

1. करे सघयो आहे। (खाई, पी, लिखी, पढ़ी)
2. करे चुको आहे। (खाई, पी, लिखी; पढ़ी)
3. करे वर्तो आहे। (खाई, पी, लिखी, पढ़ी)
4. करे छडयो आहे। (खाई, पी, लिखी, पढ़ी)
5. करे ड़िनो आहे। (खाई, पी, लिखी, पढ़ी)
6. करे लाथो आहे। (खाई, पी, लिखी, पढ़ी)
7. करे रहयो आहे। (खाई, पी, लिखी, पढ़ी)
8. करे आयो आहे। (खाई, पी, लिखी, पढ़ी)
9. करे व्यो आहे। (खाई, पी, लिखी, पढ़ी)
10. करे लथो आहे। (खाई, पी, लिखी, पढ़ी)
11. करे उथयो आहे। (खाई, पी, लिखी, पढ़ी)
12. करे वेठो आहे। (खाई, पी, लिखी, पढ़ी)
13. करे थको आहे। (खाई, पी, लिखी, पढ़ी)

۱. ڪَري سَگهيو آهي. (کائِي، پِي، لِکِي، پَڙهِي)
۲. ڪَري چُڪو آهي. (کائِي، پِي، لِکِي، پَڙهِي)
۳. ڪَري وَرتو آهي. (کائِي، پِي، لِکِي، پَڙهِي)
۴. ڪَري ڇَڏيو آهي. (کائِي، پِي، لِکِي، پَڙهِي)
۵. ڪَري ڏِنو آهي. (کائِي، پِي، لِکِي، پَڙهِي)
۶. ڪَري لاٿو آهي. (کائِي، پِي، لِکِي، پَڙهِي)
۷. ڪَري رَهيو آهي. (کائِي، پِي، لِکِي، پَڙهِي)
۸. ڪَري آيو آهي. (کائِي، پِي، لِکِي، پَڙهِي)
۹. ڪَري ويو آهي. (کائِي، پِي، لِکِي، پَڙهِي)
۱۰. ڪَري لَٿو آهي. (کائِي، پِي، لِکِي، پَڙهِي)
۱۱. ڪَري اُٿيو آهي. (کائِي، پِي،لِکِي، پَڙهِي)
۱۲. ڪَري وينو آهي. (کائِي، پِي، لِکِي، پَڙهِي)
۱۳. ڪَري ٿَڪو آهي. (کائِي، پِي،لِکِي، پَڙهِي)

8. असमान शब्द को रेखांकित कीजिए।

मिसालु

	मुंझ	मुंझारो	मुञ	मुंझणुं	मुंझयलु
1	सुजणु	सोजि	सुज्यलु	सुजाइणु	सूझ
2	चोर	चोरी	चोरणु	चुरणु	चोरायलु
3	हथु	हथी	हथां	हत्या	हथयालो

مِثالُ

	مُنجهہ	مُنجهارو	مُنَجِ	مُنجَهڻُ	مُنجهيلُ
۱.	سُڄَڻُ	سوڄِ	سُڄيلُ	سُڄائِڻُ	سوُجهہ
۲.	چور	چورِي	چورڻُ	چُرڻُ	چورايلُ
۳.	هَٿُ	هَٿِي	هَٿان	هَٿيا	هَٿيالو

1. उचित शब्द की सहायता से वाक्यों को जोड़िए।

1. रामु घरि अचे हा। गरम गरम मानी खाए हा।
2. तूं न मञंदे। मां हितां कोन उथंदुसि।
3. तव्हां मूं खे सडायो आहे। मां आई आहयां।
4. मां पढ़ंदो थो वञां। तूं लिखंदो वञु।
5. मूं खे ख़बर पेइ हुई। मां अची न सघयुसि।

۱. رامُ گھرِ اَچي ها. گرم گرم مانيِ کائي ها.
۲. توُن نَہ مَڃيندين. مان هِتان ڪو نَہ اُٿندُسِ.
۳. تَوهان موُن کي سَڏايو آهي. مان آئِي آهيان.
۴. مان پَڙهَندو ٿو وَڃان. توُن لِکندو وَڃُ.
۵. موُن کي خَبر پيئيِ هُئيِ. مان اَچِي نَہ سَگهيُسِ.

2. निम्न वाक्यो के दो दो वाक्य बनाइए।

1. तव्हां उहो ई कर्यो जेको तव्हां खे बुधायो व्यो आहे।
2. जीअं जीअं बार चवनि था तीअं तीअं माउ पीउ खे करणो थो पवे।
3. जिते मुंहिंजी ज़रुरत पवेव उते मूं खे बुधाइजो।
4. जडहिं कि कमु पूरो कोन थ्यो आहे तडहिं बि वञणो पवंदो।
5. जिते जिते तव्हां खे वञणो आहे उतां उतां थी अचो।

۱. تَوهان اُهو ئيِ ڪَريو جيڪو تَوهان کي ٻُڌايو ويو آهي.
۲. جيئَن جيئَن ٻارچَوَنِ ٿا تيئَن تيئَن ماءُپيءُ کي ڪَرڻو ٿو پَوي.
۳. جِتي مُنهِنجيِ ضَروُرَت پَويوَ اُتي موُن کي ٻُڌائِجو.
۴. جَڏِهن ڪِ ڪَمُ پوُرو ڪو نَہ ٿيو آهي تَڏِهن بِہ وَڃڻو پَوَندو.
۵. جِتي جِتي تَوهان کي وَڃڻو آهي اُتان اُتان ٿِي اَچو.

3. उचित मिलान कीजिए।

1.	भजडुक	मोटापा	ڀَڄ ڏُ ڪَ	١.
2.	सोज़ि	कहलवाना	سوڄِ	٢.
3.	थोल्हि	भाग दौड़	ٿولهِه	٣.
4.	चवाराइणु	कराना	چَوارائِڻُ	٤.
5.	कराइणु	सूजन	ڪَرائِڻُ	٥.
6.	लुडणु	चुराया हुआ	لُڏڻُ	٦.
7.	हेठाईं	झूलना	هيٺائين	٧.
8.	चोरायलु	नम्रता	چورايَلُ	٨.

4. उचित किया शब्द से वाक्य पूर्ति कीजिए।

1.	मनोज पंहिंजी पढ़ाई पूरी करे ----- आहे।	مَنوجَ پَنهِنجِي پَڙهائِي پُورِي ڪَري ---- آهي.	١.
2.	शीला आकाश में उड़ामण ----- आहे।	شِيلا آڪاش ۾ اُڏامڻ ------ آهي.	٢.
3.	संतोष ब महना पहरीं किताबु लिखी -----।	سَنتوش ٻَه مَهنا پَهرِين ڪِتابُ لِکِي ------.	٣.
4.	अज़ इस्कूल में सभनी जी हाज़री ------ वेई।	اَڄُ اِسڪُولَ ۾ سَينِي جِي حاضرِي -----ويئِي.	٤.
5.	मीरां खे हाणे वांदकाई ----- अथसि।	مِيران کي هاڻي واندِڪائِي ----- اَٿَسِ.	٥.

5. उदाहरण के उनुसार शब्द बनाइए।

मिसालु:	निबेरो करणु – निबेरणु	نِبيرو ڪَرَڻُ - نِبيرَڻُ	مِثالُ :
1.	चूंड करणु	چُونڊ ڪَرَڻُ	١.

2.	पढ़ाई करणु	پَڙهائيِ ڪَرَڻُ	٢.
3.	खोटाई करणु	کوٽائيِ ڪَرَڻُ	٣.
4.	घुर करणु	گُهرَ ڪَرَڻُ	٤.
5.	चढ़ाई करणु	چَڙهائيِ ڪَرَڻُ	٥.

6. नीचे दिए गए शब्दों को सिंधी में लिखिए।

1. बुलवाना
2. कहलवाना
3. जगाना
4. बैठक खाना
5. आवश्यकता होना
6. मांगना
7. समान देना
8. उत्सव मनाना

7. नीचे दिए गए शब्दों को हिंदी में लिखिए।

1.	घुर	گُهرَ	١.
2.	घुरिज	گُهرِجَ	٢.
3.	मरहबा	مَرحبا	٣.

4. निबेरो — ۴. نِبيرو
5. आजयां — ۵. آجيان
6. वाधारो — ٦. واڌارو
7. कोठो — ۷. ڪوٺو
8. अगठकानी — ۸. اَڳنڪاني
9. लगाराइ डांदीसांइ — ۹. لَڳارائي ڏِينديسانءِ
10. चवारायो अथइ — ١٠. چَوارايو اَٿئي

8. उदाहरण के अनुसार योजक किया के आधार पर संयुक्त किया रूप बनाइए।

मिसालु : निकिरण चुकणु आहे — مِثالُ : نِڪرَڻُ چُڪَڻُ آهي
निकरी चुको आहे। — نِڪري چُڪو آهي.

1. खाइणु चुकणु हो। — ١. کائِڻُ چُڪَڻُ هو.
2. पीअणु वठणु होमि। — ٢. پيئَڻُ وَٺَڻُ هومِ.
3. छडणु सघणु हुआ — ٣. ڇَڏَڻُ سَگهڻُ هُئا.
4. भुलजणु वञणु हुई। — ۴. ڀُلجَڻُ وَڃَڻُ هُئي.
5. घुराइणु रखणु आहिनि। — ۵. گهُرائِڻُ رَکَڻُ آهِنِ.
6. किरणु पवणु आहे। — ٦. ڪِرَڻُ پَوَڻُ آهي.
7. विहारणु छडणु अथसि। — ۷. وِهارَڻُ ڇَڏَڻُ اَٿسِ
8. थ्यणु पवणु हूंदो — ۸. ٿيَڻُ پَوَڻُ هوندو

9. उदाहरण के अनुसार किया रूप बनाइए।

मिसालु : करणु – कराइणु कराराइणु	مِثالُ : ڪَرَڻُ - ڪَرائِڻُ ڪَرارائِڻُ
1. बुधणु	١. ٻُڌَڻُ
2. लिखणु	٢. لِکَڻُ
3. डिसणु	٣. ڏِسڻُ
4. डियणु	۴. ڏِيَڻُ
5. बीहणु	۵. ٻِيهڻُ

10. नीचे दिए गए वाक्यों को सिंधी में लिखिए।

1. यदि आप घर नहीं आए तो मैं आपसे कभी बात नहीं करुंगा।
2. जबकि आप समय पर पहुंच गए थे फिर भी वे आपको छोड़कर चले गए।
3. या तो शीला की माता शादी में जाएंगी या शीला के पिता जाएंगे।
4. रोशन छुट्टी नहीं लेता तो कोई भी काम नहीं हो पाता।
5. सुशीला चार दिन पहले घर से निकल चुकी है।
6. जब तक प्रधानअध्यापक आदेश नहीं देंगे तब तक चपरासी बैठा रहेगा।
7. जैसे जैसे समय होता गया वैसे वैसे सब बातें भूलते गए।
8. जहां आपने कहा वहां मैंने दस्तख़त किए।
9. जिस जिसने मेहनत की है उस उसने अच्छे अंक पाए हैं।

10. जहां आप बोलेंगे वहां मुझे जाना पड़ेगा।

11. नीचे दिए गए वाक्यों को हिंदी में लिखिए।

1.	गुज़िरयल महने गीता जे भाउ जी शादी थी चुकी आहे।	گُذريل مَهني گيِتا جي ڀاءُ جيِ شاديِ ٿيِ چُڪيِ آهي.	١.
2.	कल्ह तो घोटइं खां चवाराए मोकलयो हो न।	ڪَلهہ تو گهوٽئِن کان چَوارائي موڪِليو هو نَہ.	٢.
3.	भाणे खे चवीं नथी त मुरलीअ खे नौकरीअ ते लग॒ाराए छड॒।	ڀاڻهين کي چَوِين نَٿيِ تَہ مُرليِءَ کي نَوڪريِءَ تي لَڳارائي ڇَڏي.	٣.
4.	आफ़ीस में घणो कमु हुअणु करे मूं खे मोंझि थ्यण लग॒ो आहे।	آفِيس ۾ گَهڻو ڪَمُ هُئَڻُ ڪَري موُن کي مونجِهہ ٿيَڻ لَڳِي آهي.	٤.
5.	मुख्यमंत्रीअ पंहिंजे उहदे तां इस्तीफ़ा ड॒ई छड॒ो आहे।	مُکيہ مَنترِي پَنهِنجي عُهدي تان اِستعيِفا ڏيئِي ڇَڏيِ آهي.	٥.
6.	जेसीताईं हिकु बि पाठु रहयलु हूंदसि तेसी ताईं सोहन खे मोकल का न मिलंदी।	جيسيتائِين هِڪُ بِہ پاٺُ رَهيَلُ هوُندَسِ تيسيِ تائِين سوهَن کي موڪَلَ ڪا نَہ مِلنديِ.	٦.
7.	जेतरो थी सघे ओतरो हेठाईं करे हलजे।	جيترو ٿيِ سَگهي اوترو هيٺائِين ڪَري هَلجي.	٧.
8.	सेठ सुगुणोमलु पंचाइत जो मुखी आहे तंहिं करे उन खे सभ पासे मुंहुं ड॒ियणो पवंदो आहे।	سيِٺ سُگُڻومَلُ پَنچائِت جو مُکيِ آهي تَنهِن ڪَري اُن کي سَڀ پاسي مُنهِن ڏِيڻو پَوَندو آهي.	٨.
9.	जेतोणिक हीउ कमु पोएं साल थ्यणो हो।	جيتوڻِڪ هيِءُ ڪَمُ پوئين سالُ ٿيڻو هو.	٩.
10.	हाणे तोखे ई जल्दी सभु कम कराराइणा आहिनि।	هاڻي توکي ئيِ جَلديِ سَڀُ ڪَمَ ڪرارائِڻا آهِنِ.	١٠.